रॉबिन शर्मा

THE LEADER WHO HAD NO TITLE

NOW IN HINDI

व्यावसायिक और निजी
जीवन में मिली सच्ची सफलता
की आधुनिक नीतिकथा

नेता जिसको कोई उपाधि नहीं

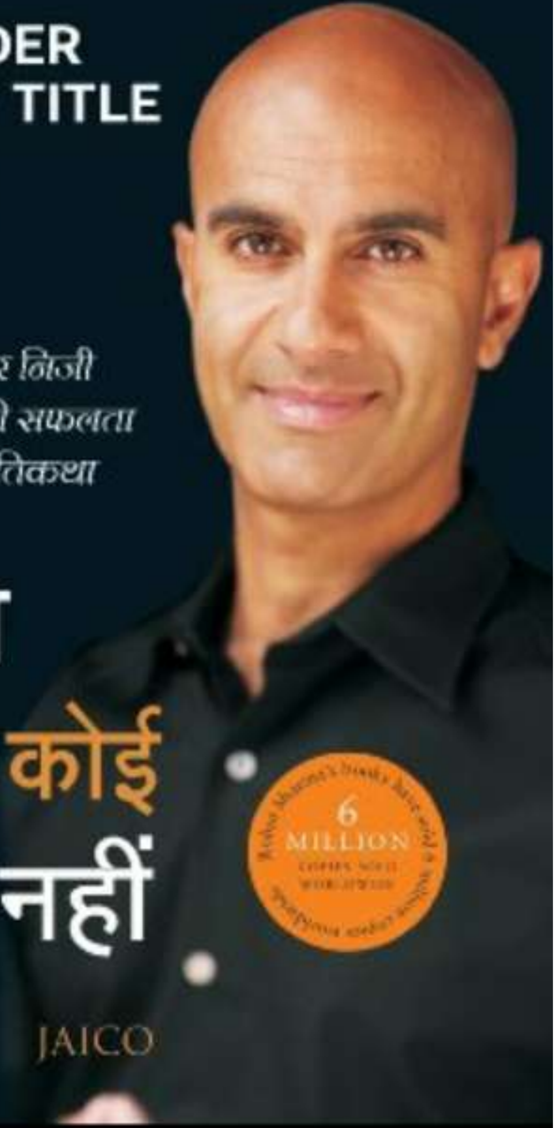

6
MILLION
COPIES SOLD
WORLDWIDE

JAICO

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.COM

नेता जिसको कोई उपाधि नहीं

THE LEADER WHO HAD NO TITLE

NOW IN
HINDI

नेता जिसको कोई उपाधि नहीं

व्यावसायिक और निजी जीवन में मिली
सच्ची सफलता की आधुनिक नीतिकथा

THE LEADER WHO HAD NO TITLE

NOW IN
HINDI

रॉबिन शर्मा

जयको पब्लिशिंग हाऊस
अहमदाबाद बेंगलोर भोपाल भुबनेस्वर चेन्नई
दिल्ली हैद्राबाद कोलकाता लखनौ मुंबई

प्रकाशक
जयको पब्लिशिंग हाऊस
ए-2 जश चेंबर्स, 7-ए सर फिरोजशहा महेता रोड
फोर्ट, मुंबई - 400 001
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

© 2010, शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल, इंनकॉर्पोरेशन

इनके सहयोग से प्रकाशित
फ्री प्रेस
सिमॉन एंड सचूस्टर, इंनकॉर्पोरेशन की शाखा
1230, एवेन्यू ऑफ द अमेरिका
न्यू यॉर्क, एन.वाय. 10020, यूएसए

THE LEADER WHO HAD NO TITLE
नेता जिसको कोई उपाधि नहीं
ISBN 978-81-8495-212-4

पहला जयको संस्करण: 2011
दसवां जयको संस्करण: 2016

बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के इस पुस्तक का कोई भी भाग,
किसी भी प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, न कॉपी कराई जा सकती है,
न रिकार्डिंग और न ही कम्प्यूटर या किसी अन्य
माध्यम से स्टोर किया जा सकता है।

यह किताब मैं आपको, यानी पाठकों को अर्पित करता हूं। अपने अंदर के नेता को जागृत करने की आपकी इच्छा ने मुझे प्रेरित किया है। अपने काम को श्रेष्ठ तरीके से पूर्ण करने की आपकी कटिबद्धता का मैं कायल हूं। आपसे मिलने हर व्यक्ति को आप अगर वह आपसे अच्छा है तो उसे प्रोत्साहन देते हैं, आपका यह काम मेरे लोगों को बिना पदनाम के काम करने में मदद करने के काम से भी ज्यादा खुशी देता हैं।

रॉबिन शर्मा की अन्य किताबें-

द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी- एक ऐसी नीतिकथा जो सपनों को पूरा करने के साथ आपको गंतव्यस्थान तक पहुंचा देगी।

द ग्रेटनेस गाइड- निजी और व्यावसायिक रूप में मास्टरी हासिल करने के १०१ तरीके

लीडरशीप विसडम - दिव्यदृष्टी रखने वाले नेताओं के लिए ८ विधीयां

व्हू विल क्राय व्हेन यू डाई

मेगालिविंग- उचित जीवन जीने के लिए ३० दिन

फैमिली विसडम- ढूंढ़े आपके बेटे में छुपे नेता को

द ग्रेटनेस गाइड २- सफलता और खुशी के १०१ पाठ

प्रतिदिन प्रेरणा के लिए द मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी

डिस्कवर योर डेस्टिनी- अच्छा जीवन जीने के श्रेष्ठ तरीके

भद्र तरीके से काम करने पर आप दुनिया हिला सकते हैं.

—महात्मा गांधी

सामग्री

रॉबिन शर्मा का निजी टिप्पणी

अध्याय १ नेतृत्व और सफलता आपका जन्मसिद्ध अधिकार है

अध्याय २ नेतृत्व सिखाने वाले शिक्षक से मेरी मुलाकात

अध्याय ३ सामान्यताओं का अवमूल्यान और नेतृत्व प्रभुत्व के नेत्रदीपक परिणाम

अध्याय ४ पहला नेतृत्व संवाद नेतृत्व करने के लिए आपको पदनाम की जरूरत नहीं है

अध्याय ५ दूसरा नेतृत्व संवाद श्रेष्ठ नेता तैयार करने के लिए आ रहा उपद्रवी समय

अध्याय ६ तीसरा नेतृत्व संवाद जितना ज्यादा गहरा संबंध, उतना ही नेतृत्व सशक्त

अध्याय ७ चौथा नेतृत्व संवाद एक अच्छा नेता बनने के पहले एक अच्छा इंसान बने

अध्याय ८ उपसंहार

बिना पदनाम के नेतृत्व करने के लिए मदद करने वाले साधन-

हमें आपके मदद की जरूरत है-

अनुभवी लोगों के लिए साधन-

बिना बदनाम के लोगों से तैयार करें अपना संगठन-

रॉबिन शर्मा की निजी टिप्पणी

जो किताब इस समय आपके हाथ में हैं, वह मेरे पिछले १५ वर्षों से फॉर्च्यून ५०० कंपनियां जिनमें शामिल हैं माइक्रोसॉफ्ट, जीई, नाइके, फेडेक्स और आईबीएम के साथ ही कई संस्थानों जैसे येल विश्वविद्यालय, अमेरिकन रेड क्रॉस और द यंग प्रेसीडेंट्स आर्गनाइजेशन आदि के लिए नेतृत्व सलाहकार के रूप में किए कामों का नतीजा हैं। इस किताब के जरिए मैं आपको नेतृत्व करने की तकनीक सिखाने जा रहा हूं, जिससे आप अपने काम में विस्फोटक परिणामों का अनुभव लेंगे और अपनी कंपनी को परिवर्तन, प्रदर्शन और ग्राहकों के साथ वफादारी के एक नई ऊंचाई पर ले जाने में कामयाब हो जाओगे। साथ ही आप अपने निजी जीवन में भी गहरी तरक्की देख पाओगे और दुनिया को भी दिखा पाओगे। कृपया ध्यान में रखें- मैं आपको नेतृत्व तकनीकी की जो जानकारी देने जा रहा हूं वह एक कहानी के रूप में दे रहा हूं। कहानी का हीरो ब्लैक डेविस, उसका अविस्मरणीय गुरु टॉमी फ्लिन और उसके चार असाधारण गुरु जिन्होंने उसके काम और जीवन को पूरी तरह बदल दिया, यह सभी मेरे काल्पनिक किरदार हैं। लेकिन भरोसा रखें नेतृत्व तकनीक के लिए कारगर सिद्धान्त, औजार और रणनीति पूरी तरह सच हैं जिसने विभिन्न संस्थानों के सैकड़ों नहीं हजारों लोगों को व्यवसाय में सफल कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

पीड़ित समस्याएं सुनाते रहते हैं, वहीं नेता उन समस्याओं का समस्या का हल निकालता हैं। मेरी गहन आस्था है कि *ऐसा नेता जिसे कोई उपाधि नहीं* किताब आपको और आप जिस संस्थान के लिए काम कर रहे हैं, आज के अनिश्चित और उपद्रव भरे समय में आपको बेहतरीन तरीके से आगे बढ़ने और ऊंचाई पर पहुंचने के लिए खेल को बदलने वाला रास्ता दिखाने की मदद करेगी।

—रॉबिन शर्मा

पी.एस. *नेता जिसको कोई उपाधि नहीं* किताब पढ़ने के बाद आप में आए बदलावों को बरकरार रखने के लिए robinsharma.com को भेंट दें। जहां आप पाएंगे आपको मदद करने वाले सभी तरह के संसाधन, जिसमें शामिल हैं पॉडकास्ट्स, न्यूजलेटर्स, ब्लॉग्ज, ऑनलाइन लीडरशीप मूल्यांकन और ऐसे औजार जिससे आप एक अविश्वसनीय टीम बना सकते हैं।

अध्याय १

नेतृत्व और सफलता आपका जन्मसिद्ध अधिकार हैं

कोई भी अपनी जोखिम भरी कल्पनाओं से परे सफलता हासिल नहीं कर सकता, बशर्ते उसे पहले जोखिम भरी कल्पनाओं पर सोचना शुरु कर देना चाहिए।

—राल्फ चैरेल

कुछ हासिल करने की दृष्टि किसी और इंसान को देना ही इंसान की सबसे बड़ी भेंट हैं।

—आयन रैंड

हम में से हर एक प्रतिभावान व्यक्ति के रूप में ही पैदा हुआ हैं। दुख की बात यह है कि ज्यादातर लोग सामान्यता के बीच जीते हुए ही मर जाते हैं। मुझे आशा है कि यह बात आपको परेशान नहीं करेंगी क्योंकि हम और आप कम समय ही साथ रहेंगे और ऐसे में शुरुआत में ही मैं यह बात आपसे कह रहा हूं। लेकिन मुझे लगता हैं कि मैं आपसे ईमानदार रहूं। मैं आपसे यह बात भी बांटना चाहता हूं कि मैं भी एक बेहद साधारण इंसान था, लेकिन मैं भाग्यशाली था कि मुझे कुछ असाधारण रहस्य सीखने का मौका मिला जिससे मैं व्यवसाय में सफल हुआ और जीवन को भी अच्छी तरह जी पाया। एक अच्छी बात यह है कि मैं यहां आपके सामने वहीं सब प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित हूं जो मैंने चकित करने वाले जोखिम से सीखा था। तो आप भी बेहतरीन तरीके से काम कर सकते हैं। और अच्छी तरह जीवन बीता सकते हैं। इसे आज से ही शुरु करते हैं।

यह जो मैं एक बेहद प्रभावशाली पाठ आपके सामने प्रस्तुत कर रहा हूं उसे मैं बेहद सादे तरीके से, सावधानी से और पूरी सच्चाई, गंभीरता के साथ पेश कर रहा हूं। हमारा यह सफर पूरी तरह मजेदार, अंतःप्रेरित करने वाला और मनोरंजक होगा। जो सिद्धांत और औजार आपको इस किताब में से मिलने वाले हैं वह अपने आप ही आपको अपने कैरिअर में ऊंचा उड़ने, खुशियों की चरम सीमा पर पहुंचने, और आपमें से आपको सबसे बेहतरीन चीजों को बाहर लाकर पेश करने में मदद करेंगे। और इससे भी ऊपर, मैं आपसे वादा करता हूं कि, मैं बहुत इमानदार रहूंगा। पूरे आदर के साथ मैं आपका ऋणी हूं।

मेरा नाम ब्लैक डेविस हैं और मेरा जन्म मिलवाकु में हुआ, न्यूयार्क में ही मैंने अपने जीवन का ज्यादा से ज्यादा समय बिताया है। अपनी बेहतरीन बातचीत के दौरान अगर आप मुझसे पूछे कि मेरा पसंदीदा खेल और किताबें कौन सी हैं तो मेरा जवाब होगा, इस शहर से मैं बेहद प्यार करता हूं। यहां के रेस्तरां। यहां की तेज गति। यहां के लोग। और वह रास्ते पर मिलने वाले हॉटडॉग्ज-अविश्वसनीय। हां, मैं खाने से बेहद प्यार करता हूं- यह जीवन का सबसे बड़ा आनंद है। खैर, बिग एप्पल जैसी इस विश्व में दूसरी कोई जगह नहीं है। यहां से जाने की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता और न ही मेरी कोई योजना हैं। यह स्थान छोड़ कर मैं कभी भी नहीं जा सकता।

मैं जिस जगह पर था और जिस जगह पर पहुंचा वहां तक की अविश्वसनीय यात्रा तक पहुंचने के बारे में बताने के पहले आप मुझे मेरे बारे में कुछ बाते बताने की इजाजत दें। बहुत ही संक्षिप्त में मैं इसे आपके सामने पेश करूंगा। मेरी मां इस दुनिया की सबसे दयालु मां थी। मेरे पिताजी बहुत ही निर्धारिता वाले दृढ़ इंसान थे, ऐसा व्यक्ति मैंने आज तक नहीं देखा है। परिपूर्ण नहीं, लेकिन दाल में नमक जैसे वाले व्यक्ति। लेकिन मैंने पाया कि वह बहुत ही बेहतरीन इंसान थे। एक ऐसे इंसान जो, जो भी काम करेंगे पूरी तरह श्रेष्ठ करने की कोशिश करेंगे। और मेरे हिसाब से आप जो भी काम श्रेष्ठता के साथ करना चाहेंगे कर पाएंगे। और एक बार आपने वह काम कर दिया, आप घर जाकर आराम से चैन की नींद सो सकेंगे। जो अपने बस में नहीं है उसके बारे में चिंता करते रहने से इंसान बीमारी को आमंत्रित करता है। ज्यादातर हम उन चीजों पर ध्यान देते हैं या सोचते रहते हैं जो अपने बस में नहीं है या जो कभी हो ही नहीं सकती। इस बारे में कर्ट वोनेगट का बहुत ही अच्छा वक्तव्य है। उसने कहा है- "आपके जीवन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि आपके मन में जो विचार आते हैं वह चिंतायुक्त मन में नहीं आते, बल्कि वह उस वक्त आते हैं जब आप किसी दिन, मंगलवार की शाम को ४ बजे आराम से बैठे हैं और वह आपके मन में आ जाते हैं और आपकी आंखों के सामने अंधेरा छा जाता हैं।"

मेरे माता-पिता ने मुझे कई तरीके से अच्छी तरह पाला-पोसा है। उनके पास ज्यादा कुछ नहीं था, लेकिन एक तरह से उनके पास सबकुछ था: अपनी गलतियों को स्वीकार करने का साहस उनमें था, उनके विचार अमूल्य थे, और वह आत्मसम्मानी थे। उन दोनों को मैं बहुत याद करता हूं, ऐसा एक भी दिन नहीं होता, जिस दिन मैं उन्हें याद नहीं करता। मेरे कायराना पलों में, मैं उस बात को महसूस करता हूं कि हम लोगों को बेहद साधारण रूप से लेते हैं जो हमसे बेहद प्यार करते हैं। जब तक हम उन्हें खो नहीं देते तब तक हमें उनकी महत्ता समझ में नहीं आती। जब हम उन्हें खो देते हैं तो हम गम में डूब जाते हैं और उस वक्त प्रार्थना करते हैं कि अगर दूसरा मौका मिला तो वह जिस बात के हकदार हैं उन्हें वह हक देकर रहेंगे। कृपा करके अपने जीवन को पश्चाताप में जलने न दें। यह

हम सभी के साथ हुआ है और होता आया है। अगर आज भी आप अपने माता-पिता के साथ है तो आप बेहद भाग्यशाली हैं और उनका आदर, सम्मान करना शुरु करें। इसकी शुरुआत आज से ही करें।

जब मैं बड़ा हो रहा था, मैं एक अच्छा लड़का था। मेरे दादाजी मेरे बारे में कहते थे कि दो पैरों पर चलने वाला यह एक दिल है। मैंने अपने जीवन में नियम बनाया था कि न तो मैं किसी का दिल दुखाऊंगा और न ही किसी बात का भंग करूंगा। स्कूल में मैं पढ़ाई में ठीकठाक था, लड़कियों में मैं अच्छा खासा लोकप्रिय था और मैंने स्कूल की टीम की ओर से फुटबॉल मैच भी खेले थे, मैं एक अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी था। यह सब उस समय बदल गया जब मेरे माता-पिता मारे गए। मेरे पैरों के नीचे की जमीन खिसक गई थी। मैं अपना आत्मविश्वास खो चुका था और मेरी नजर के सामने कोई भी उद्देश्य नहीं था। मेरी जिंदगी जैसे रुक सी गई थी।

२० वर्ष की उम्र के आसपास, मैं एक नौकरी छोड़ कर दूसरी नौकरी पकड़ने की प्रवृत्ति वाला युवा बन गया था, एक तरह से विमान में जिस तरह आटोपाइलट पर निर्भर रहा जाता है, बिलकुल उसी तरह कुछ देर निर्भर रहने जैसा ही मेरा जीवन था। मैं सुन्न हो गया था और किसी भी बात पर गंभीरता से नहीं सोच रहा था। मैंने खुद को ज्यादा से ज्यादा टीवी देखने, ज्यादा खाना खाने और ज्यादा से ज्यादा चिंता करने में मन को लगा दिया था। जो मैंने खो दिया था उसे भुलने के लिए और उसका दर्द कम करने के लिए मैं यह सब कर रहा था।

जीवन के उस दौर में नौकरी मेरे लिए सिर्फ बिल चुकाने का एक जरिया था। मैं कैरिअर के बारे में सोच ही नहीं रहा था, सिर्फ दिन गुजारने की कोशिश कर रहा था। नौकरी मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण मायने नहीं रखती थी और न ही मैं उसे कुछ कर गुजरने की एक उपलब्धी के रुप में मैं देख रहा था। मैं तो उसे अपना समय व्यतीत करने के रूप में देख रहा था। नौकरी मेरे लिए सिर्फ एक टाइम पास का जरिया थी, मैं लोगों पर अपनी छाप दिखाने, कंपनी को बेहतर संस्था बनाने और बेहतर काम करते हुए अच्छी दुनिया बसाने और खुद का विकास करने के रूप में देख नहीं पा रहा था, मैं तो वक्त गुजारने के एक जरिए के रुप में ही नौकरी को देख रहा था।

आखिर में मैंने तय किया कि अब फौज में जाना चाहिए। मेरे हिसाब से मेरा यह एक अच्छा फैसला था जो मुझे एक सुरक्षितता देगा और मौजूदा झंझट से छुटकारा दिलाएगा। इराक में चल रहे युद्ध पर मुझे भेजा गया। फौज में होने की वजह से वहां के अनुशासन ने मेरे जीवन को एक आकार दिया, आज जो मैं हूं वहां तक पहुंचने के लिए मुझे इस अनुभव ने काफी मदद की। शुरुआती प्रशिक्षण के दौरान मैंने देखा कि किस तरह मेरे दोस्त लड़ाई में शत्रु की गोलियों की शिकार होते हुए खून से लथपथ युद्धभूमी पर गिरे। मैंने देखा था कि कुछ

जो अभी युवा भी नहीं हुए थे, को कितनी बर्बरता से अपाहिज कर दिया गया था और बुरी तरह घायल भी किया गया था। एक समय में मेरे में जो सौम्य उत्साह था वह भी जीवन की इस भयंकर निराशाजनक स्थिति से निकल गया और मैं सोचने लगा कि मेरे जीवन में क्या होगा और मैं कहां जाऊंगा, हालांकि युद्ध में मैं शारीरिक सदमे से आहत होने से बच गया था, बावजूद इसके मैं मैं घायल फौजी बन गया था। मैं जहां पर भी जाता मेरे साथ इन यादों का भूत साथ रहता।

एक दिन, अचानक ही मेरे घर वापस जाने का समय आ गया। यह इतने अचानक हो गया कि मैं भौचक्का रह गया। मुझे यातायात के विमान में बिठाया गया और मैं घर की ओर उड़ने लगा। नित्यचर्या के मुताबिक मेरी मेडिकल जांच करने के बाद एक दो दिन में ही मेरे हाथों में मेरे दस्तावेज रखे गए। देश के लिए अपनी सेवा देने के लिए मेरा धन्यवाद अदा किया गया और मुझे मेरे आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गई। शरद ऋतु की एक धूपभरी दोपहर में जब मैं शहरों की गलियों में घूमने लगा तो एक निष्कर्ष पर मैं आ गया, और वह था- मैं फिर से अकेला हो गया हूं।

मैंने उस सोसाइटी में फिर से जाने के प्रयास शुरु किए जो मुझे भूल चुकी थी। ज्यादातर रातों में, मैं सो नहीं पाता था- मेरा मन मुझे उन युद्ध के दौरान देखी हिंसात्मक घटनाओं के दुस्वप्नों की याद दिलाते हुए दंडित कर रहा था। मैं बिस्तर पर घंटों तक पड़ा रहता था और बिस्तर से उठ कर दिन की शुरुआत करने के लिए ताकत जुटाने की कोशिश करता रहता। मेरा शरीर घायल हो चुका था और मैं सिर्फ उन्हीं लोगों को याद करता था जो युद्ध के दौरान मेरे साथ थे और मैं डरता था। हालांकि डर का कारण मेरी समझ में नहीं आ रहा था। जो चीजें पहले करने में मुझे मजा आता था वह अब मुझे ऊबाऊ और तुच्छ लग रही थी। मेरे जीवन में कोई भी उद्देश्य नहीं बचा था, कभी कभी तो मुझे लगता था कि आत्महत्या कर लेनी चाहिए।

शायद मेरे माता-पिता द्वारा मुझे जो एक अच्छी सीख दी थी, सीखने से प्यार करने की, खास कर किताबों से। एक किताब के सिर्फ आवरण पर से भी मिलने वाली आईडिया पर अमल किया जाए तो भी जीवन को नए सिरे से बनाने की ताकत मिल जाती हैं। कुछ चीजें इतनी बेहतर होती है कि वह जिसमें निवेश करने से इंसान एक बेहतर विचारक बन सकता है और अपने दिमाग को भी सशक्त बना सकता है। खुले और सशक्त इंसान की विशेषता यह है कि वह हमेशा नई बातें सीखने के लिए तैयार रहता है, कभी भी नई बातें सीखने में पीछे नहीं रहता। संकटभरे समय से उबरने के लिए खुद को प्रशिक्षित करते रहना और जीने के तरीकों पर अमल करते रहना बेहद जरुरी है। जो श्रेष्ठ इंसान हैं उनके पास भव्य लाइब्रेरी अवश्य नजर आएगी।

इसलिए मैंने सोहो के नीचली ओर के एक बुकस्टोर में काम करना शुरु किया। मेरे नकारात्मक विचार और निहायती आत्मसंतुष्ट रवैये की वजह से मैं स्टोर में अच्छा काम नहीं कर पा रहा था। मुझे मेरे मैनेजर की ओर से हमेशा डांट पड़ती, और मैं पूरी तरह उसकी अपेक्षा रखता था। मेरे सामने कोई दिशा नहीं थी, एक टीम के सदस्य के रुप में भी नहीं, मैं साधारण स्तर से भी नीचले स्तर का काम कर रहा था। सिर्फ किताबों के प्रति मेरे प्यार की वजह से ही मैं बच गया था। किताब की दुकान चलाने वाले मेरे साधारण काम के तरीके की वजह से मेरा तिरस्कार करते थे, लेकिन स्टोर में आने वाले लोग मुझे पसंद करते थे। और इसी तरह मेरा काम चलता रहा। एक धागे की तरह।

और अब यहां पर कहानी में एक सुखद बदलाव नजर आया। एक दिन, मेरे जीवन में जैसे जादुई चमत्कार हो गया। जब मैं ज्यादा की अपेक्षा नहीं रख रहा था उस समय मेरे साथ अच्छी घटना घटी। अच्छा समय मुझे ढूंढ़ते हुए आया। और उसने पूरा खेल बदल दिया। एक बेहद जिज्ञासु अपरिचित व्यक्ति मुझसे बुकस्टोर में मिलने आया। और उसने बहुत ही कम समय में मेरी मर्यादाओं को समझते हुए, जिससे मैं पूरी तरह चिपका हुआ था, मुझे जो पाठ पढ़ाए- उसने मेरे सामने एक नई दुनिया ही रख दी और मुझमें भी एक नया बदलाव आ गया।

आज, २९ वीं उम्र में- मैं बेहद सफल हूं और जीवन का हर सुख देख रहा हूं जिसका मैंने सपना भी नहीं देखा था। अब मेरी समझ में आया है कि कठिन समय लोगों को बेहतर बनाता है। समस्याओं के बीच में ही संधी रहती है। और हम में से हर कोई जीतने के लिए ही आया हुआ है-काम और जिंदगी दोनों में। अब वह समय आ गया है जब मैं आपके साथ वह बातें शेअर करुं जिसने मेरे जीवन को बदल दिया।

अध्याय २

नेतृत्व परामर्शदाता के साथ मेरी मुलाकात

दूर रहने वाले किसी दोस्त की ओर से हमें तोहफे के रूप में दिए गए दिन ढंके हुए, छुपी आकृति की तरह आते हैं। और अगर हम इस तोहफे का इस्तेमाल नहीं कर पाए, तो वह चुपचाप निकल जाते हैं।

—राल्फ वाल्डो इमरसन

वह और एक विलक्षण नीरस सोमवार की दोपहर थी। हमारी टीम ने अभी भी उस काम को पूरा किया था जिसे मंडे मॉर्निंग स्क्रम कहा जाता है- सप्ताह की शुरुआत की मीटिंग जहां सप्ताह के उस नायक का चयन किया जाता हैं जो ग्राहकों को बेहतर सेवा दे चुका है, और उसकी टीम तालियां बजा कर उसे प्रोत्साहन देती है। हमारा स्टोर बिक्री के मामले में सबसे पीछे था और संगठन के ही कुछ लोगों की अपेक्षा थी कि इसे कंपनी की नवीनीकरण की योजना के तहत बंद किया जा सकता है। खर्च कम करने थे, कार्य को सुधारना था, और मुनाफा बढ़ाना था। जल्द से जल्द।

मीटिंग का उद्देश्य था टीम के सभी सदस्यों को कंपनी के लक्ष्य और मूल्यों के प्रति फिर से जोड़ने और अगले हफ्ते की बिक्री का आंकड़ा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना। वर्ष के अंत में प्रत्येक स्टोर में से एक श्रेष्ठ कर्मचारी का चयन किया जाता जो कंपनी की ओर से प्रति वर्ष दिए जाने वाले बेस्ट बुकसेलर खिताब को लेने अमेरिका चला जाता। पुरस्कार के साथ ही उसे नकद राशि और अरुबा में सप्ताहांत गुजारने का मौका भी मिलता। वास्तव में यह पूरी प्रक्रिया मुझे प्रेरित करने के बजाय हतोत्साह कर रही थी, यह प्रक्रिया मैं वहां जितना ज्यादा काम कर रहा था वह मुझे काम के प्रति उतनी ही ज्यादा से ज्यादा उदासीन कर रही थी। और मेरी समस्या यह थी कि मैं अपनी यह बात किसी भी सहयोगी से नहीं कर सकता था क्योंकि कोई भी मेरे पास आना नहीं चाहता था।

उस समय एक रहस्यमय घटना घटी। मैं कोई भी कारगर काम करने के बजाय एक ऊंची अलमारी के पीछे लोगों से छुप कर बैठ चुपचाप कॉफी पी रहा था, उसी समय मुझे लगा कि किसी ने मेरे कंधे को छुआ है। मैं तुरंत ही मुड़ा और मैंने जो देखा उसे देख कर मैं सुन्न हो गया।

वहां एक सनकी सा दिखने वाला जंगली आदमी खड़ा था। उसके कपड़े पूरी तरह अस्ताव्यस्त थे। बेमेल, पुराने और छेदों की वजह से एक पहेली बने

हुए। उसने सदियों पुरानी पैंट पहनी थी और उसके शर्ट की बाहें ऊपर की ओर मुड़ी हुई थी, उसके कपड़े पहनने का यह अंदाज भले ही कैसा भी हो, लेकिन उसके दिमाग में कारोबार नजर आ रहा था। उसकी पैंट की जेब में एक पीले रंग का रुमाल नजर आ रहा था- जिस पर मिकी माउस के छोटे-छोटे चित्र दिख रहे थे। उसकी गर्दन पर चांदी की एक कंठी झूल रही थी जिस पर आधुनिक लेटरिंग से एलडब्ल्यूटी लिखा हुआ नजर आ रहा था।

मैंने उसकी पैरों की ओर देखा। चकित करने वाली बात यह थी कि, उसके पैरों में जो जूते थे वह नए थे- पूरी तरह महंगे चमड़े के सपाट हिल वाले जूते जिसकी नोंक पर सिक्के लगाए हुए थे। वह सुस्त और शांत था, वह लंबे समय से मेरे मन में चल रही असुविधा को महसूस कर रहा था, बातचीत शुरू करने के लिए उसमें जल्दबाजी नजर नहीं आ रही थी (इस दुनिया में यह एक अनोखा तोहफा ही है कि लोग बिना काम किए सिर्फ बातचीत करते रहते हैं।)

इस अपरिचित व्यक्ति का चेहरा झुर्रियों से पूरी तरह भर गया था जिससे समझ में आ रहा था कि वह बेहद वृद्ध है। उसके दांत बेहद खराब थे और उन पर दाग साफ नजर आ रहे थे। उसके रेशेदार बाल ठीक तरीके से संवारे नहीं थे और वह विभिन्न दिशाओं में से बाहर आकर बिखरे हुए थे। उसके बालों ने मुझे प्रख्यात आल्बर्ट आइनस्टाइन का वह ब्लैक एंड व्हाइट फोटो याद आया जहां वह मजे से जीभ बाहर निकाले हुए नजर आते हैं।

लेकिन इन बातों से सबसे ज्यादा मुझे जो बात खटकी, वह यह थी कि सोमवार की सुबह यह अजीब सा दिखने वाला व्यक्ति मेरे सामने अपनी चमकीली आंखों से निहारते हुए खड़ा था। उसकी अस्तव्यस्त उपस्थिति से मुझे लग रहा था कि शायद वह बेघर है या फिर पागल, उसकी टकटकी लगा कर देखना बहुत सशक्त था और उसकी आंखें भी साफ थी। मुझे पता था कि यह बहुत अजीब है, लेकिन उसके द्वारा टकटकी लगा कर मेरी ओर देखना, मुझे न सिर्फ सुरक्षितता का अहसास दिला रहा था बल्कि मुझे यह भी महसूस हो रहा था कि मैं किसी बेहद सक्षम इंसान के सामने खड़ा हूं।

"हाइ ब्लैक," उस अजीब से दिखने वाले अनोखे इंसान ने मुझे अति आत्मविश्वास भरे शब्दों से पुकारा। उसकी आवाज से मैं पहले से ज्यादा रिलैक्स हो गया। "तुमसे मिलके मुझे बेहद खुशी हुई। इस स्टोर के हर व्यक्ति से मैंने तुम्हारे बारे में बहुत कुछ सुना है।"

इस व्यक्ति को मेरा नाम पता था। शायद मुझे चिंतित होना पड़ेगा, क्योंकि आखिर में न्यूयार्क शहर अनजान लोगों से भरा हुआ है, और इस व्यक्ति की उपस्थिति मुझे उलझा रही थी। वह कौन है? वह इस बुक स्टोर में कैसे आया? क्या मुझे सुरक्षा रक्षकों को बुलाना चाहिए? और वह मेरा नाम कैसे जानता है?

"रिलैक्स मेरे दोस्त," यह कहते हुए उसने अपना हाथ मेरी ओर मिलाने के लिए बढ़ाया। "मेरा नाम टॉमी फिन है और अभी अभी मेरा तबादला इस स्टोर

में उपरी पूर्व विभाग से हुआ है। मुझे पता है कि उस इलाके की स्टोर में नजर आने वाले लोगों जैसा मैं नहीं दिखता हूं, लेकिन असलियत में मैं उस स्टोर का पिछले वर्ष चुना गया सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी हूं। इसलिए मेरे साथ अच्छी तरह पेश आओ। हो सकता है एक दिन मैं तुम्हारा बॉस भी बनूं।"

मैंने कह डाला- "मेरे साथ मजाक कर रहे हैं? आप इस कंपनी के लिए काम करते हैं?"

अपने मिकी माउस वाले रुमाल को हाथ पोंछते हुए उसने अभिमान से मुस्कुराते हुए कहा- "हां, लेकिन चिंता की बात नहीं हैं। मुझे तुम्हारा बॉस बनने का मेरा कोई सपना नहीं है। किसी भी तरह का पदनाम लेकर काम करने में मुझे कोई रुचि नहीं है। मैं सिर्फ यही देखता हूं कि मैं अपना काम कितनी अच्छी तरह से कर सकता हूं। और मुझे लगता है कि मेरा काम करने के लिए मुझे किसी अधिकार की जरूरत नहीं है। मुझे आशा है कि मैं भी तुम्हें काम करने के लिए कहूं तो तुम्हें दिक्कत नहीं होगी। पिछले लगातार पांच वर्षों से मेरा इस कंपनी का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के रूप में चयन हुआ है।

यह अनोखा इंसान शायद भ्रमित होगा। मैंने अपना पैर बदल लिया। शायद मौका मिलने पर भाग जाने का विचार मेरे मन में आ रहा था। लेकिन यह बात मुझे मूर्खतापूर्ण लग रही थी। मेरे प्रति मेरे सहयोगियों को जरा भी आदर-सम्मान नहीं था। और सुबह की होने वाली मीटिंग पूरी होने के पहले ही उसे छोड़ कर आना ही मैं मेरा आराधना समझता था। मुझे यह भी स्वीकार करना होगा कि यह व्यक्ति बहुत ही रुचिप्रद था। इसलिए मैंने रुकने का फैसला किया।

मैंने अपने इर्द गिर्द देखा कि कहीं कैमरे तो छुपा कर नहीं रखे है। हो सकता है मेरे सहयोगियों में से किसी ने मेरा मजाक उड़ाने के लिए उस टीवी शो की तरह कैमरे लगाए होंगे जहां पर लोगों के साथ शरारत कर उन्हें मूर्ख बनाया जाता है। लेकिन बहुत ढूंढ़ने पर भी मुझे कोई कैमरा नजर नहीं आया। इसलिए मैंने इस खेल को और आगे उसके समानांतर खेलना चाहा।

मैंने कहा "ठीक है।" मेरी आवाज में कंपकंपी नजर आ रही थी, हालांकि मैं एक फौजी रह चुका था और कई नाटकीय प्रसंगों से मैं अनोखे अनुभवों से मैं गुजर चुका हूं, लेकिन मेरी आवाज कभी कांपी नहीं थी। मैंने पूछा, "हाय टॉमी। आपसे मिल कर बेहद प्रसन्नता हुई। इस स्टोर में आपका तबादला क्यों किया गया?" हालांकि असलियत में मैं मेरे वक्तव्य में यह जोड़ना चाहता था कि *किसी पागल खाने में क्यो नहीं भेजा?* "आपको पता ही है कि कंपनी के लोगों का मानना है कि यह स्टोर डूबने वाली नौका की तरह है।"

उस व्यक्ति ने अत्यंत स्वस्थचित्त होकर अति आत्मविश्वासभरे शब्दों में कहा- "ओह, लेकिन उन्होंने इस स्टोर में आने के लिए मुझे पर कोई जोर जबरदस्ती नहीं की, ब्लैक- मैंने ही उन्हें बिनती की थी।" उसने मुस्कुराते हुए आगे कहा- "मैं तबादला चाहता था। मैं मेरे पुराने स्टोर में तरक्की नहीं कर पा

रहा था। और मुझे लगा कि इस स्टोर में मैं बहुत कुछ कर दिखा सकता हूं। जितनी ज्यादा चुनौतियां होती है उतना ही ज्यादा मजा मुझे काम करने में आता है। इसलिए मैं यहां तुम्हारे साथ काम करने के लिए आया हूं।"

मुझे पता नहीं था कि हमारी यह बातचीत किस ओर जा रही है। यह व्यक्ति कौन है? और उसके रुमाल पर जो मिकी माउस का चित्र था वह मुझे खटमल की तरह चुभ रहा था- उसके प्रति मुझे जरा भी आदर नहीं था- हालांकि मैं जानता हूं कि करोड़ों लोग उसे देख कर खुश होते हैं।

"ब्लैक, क्या ऑस्कर नाम सुन कर तुम्हें कुछ याद आ रहा है?"

थोड़ी देर के लिए मैं चौंक गया। कुछ पल के लिए मेरी सांस रुक सी गई। मेरा दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। मेरे पैर कांपने लगे। मेरे पिता का नाम ऑस्कर था।

मैंने बेहद मृदुतापूर्वक और दुखभरी आवाज में जवाब दिया- "मेरे पिता का नाम ऑस्कर था।" माता-पिता को खोने के बाद मेरे दिल में जो दुख समाया था वह बाहर आ गया। टॉमी की आंखें नम हो गई, उसी समय मैंने महसूस किया कि वह बेहद दयालु हुआ है। उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा।

"जब मैं मिलावाकु में रहता था, तब तुम्हारे पिता मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। हम दोनों साथ ही पले-बढ़े, लेकिन जब वह न्यूयार्क चला गया उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हो पाई। हम पत्रों के माध्यम से एक-दूसरे के संपर्क में थे। हम दोनों एक-दूसरे को लंबे-लंबे खत लिख कर जीवन की बातें बताते थे। जब इस शहर में मुझे नौकरी नहीं मिल रही थी तब वह तुम्हारे पिता ही थे जिन्होंने मुझे इस शहर से दूर जाकर नौकरी ढूंढ़ने के लिए कहा था। उनके सामर्थ्यवान किरदार ने मुझमें ढ़ाढ़स भर दिया था जिसे मैं भूल चुका था। तुम्हारे माता-पिता के साथ जो हुआ उसके लिए मुझे बेहद दुख है। वह दोनों बहुत ही अच्छे इंसान थे।

"खैर", उसने ऊपर मेरी तरफ सीधे देखते हुए कहा- ऑस्कर मुझे तुम्हारे बारे में हर पल की जानकारी देता था। तुम क्या कर रहे हो, कहां जा रहे हो, कहां रह रहे हो सभी तरह की बातें वह मुझे बताता था। वह हमेशा मुझे कहते थे कि तुम में बेहद क्षमता है और कुछ अविश्वसनीय काम तुम करके दिखा सकते हो। ब्लैक, वह तुम पर बेहद भरोसा करता था, लेकिन उसने महसूस किया था कि तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो तुम्हें तुम्हारे अंदर की शक्ति को पहचान कर बाहर लाने में मदद करें। और किन्हीं कारणों की वजह से वह यह पहचान नहीं पाए थे कि वह सही व्यक्ति वह खुद ही थे।

मैं जो सुन रहा था उस पर मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था। मेरे लिए यह अवाक करने वाली बात थी कि यह अनजान सा दिखने वाला व्यक्ति मेरे पिता का दोस्त है। पूरा दृश्य अतयथार्थ नजर आ रहा था। मैं स्टूल पर बैठा और मेरी गर्दन पीछे के किताबों के अंबार पर टिका दी।

"चिंता की बात नहीं है ब्लैक, रास्ता भटक जाना ही नए रास्ते की खोज में चलने जैसा है जिस पर तुम्हें चलना है। कई बार हमें रास्ता छोड़ कर हटना पड़ता है क्योंकि आगे रास्ता किस तरह का है इसकी हमें जानकारी नहीं होती। इन सभी अनुभवों से तुम गुजर चुके हो, तुम्हारे निजी नुकसान से लेकर इराक में फौज की ड्यूटी निभान तक जो तुम्हारी आगे बढ़ने की तैयारी थी।"

"तैयारी?" मैंने चकित होकर जोर से पूछा, अभी भी मैं अपने दिमाग में भारीपन महसूस कर रहा था।

उत्साह भर शब्दों में टॉमी ने कहा- "निस्संदेह। अगर तुम जिन अनुभवों से गुजरे हों, उन अनुभवों से नहीं गुजरते, तो उस दुनिया में दूसरा और कोई रास्ता ही नहीं होता जिससे तुम वह बात समझ सकते जो मैं तुम्हें यहां सिखाने आया हूं। जीवन ने तुम्हे पूरी तरह तोड़ दिया है ताकि तुम खुद के जीवन को फिर से नए सिरे से तैयार कर सको। और, बेटे, अब तुम्हें जो अनोखा अनुभव मिलने वाला है उसके लिए बस थोड़ा सा इंतजार करो। तुम कुछ भी जानो इसके पहले ही तुम इस पूरी कंपनी में एक श्रेष्ठ कर्मचारी बन जाओगे।"

मैंने सवाल पूछा- "एक श्रेष्ठ कर्मचारी?"

टॉमी ने हवा मे अपना हवा में मुक्का घुमाते और कमर लचकाते हुए, जिस तरह माइक जैगर करता है, बिलकुल उसी तरह, लेकिन यह कुछ खुशीप्रद नहीं था। "हां एक श्रेष्ठ कर्मचारी।" उसने हंसते-हंसते हुए जवाब दिया।

"जनाब, ऐसे ही मैं जीवन में काफी परेशानी का सामना कर रहा हूं। देखिए, मैं जानता हूं कि आप मेरी मदद करना चाहते हैं और आपने जब कहा कि आप मेरे पिता को जानते हैं तो मैं मन ही मन आपका सम्मान करने लगा। लेकिन आपको असलियत में पता नहीं है कि मैं किन स्थितियों से गुजरा हूं। आज भी मुझे युद्ध की यादें झकझोर देती हैं जहां मैं बेहद कम समय था। बहुत ही कम रातों को मैं अच्छी तरह सो पाया हूं, इसलिए ज्यादातर समय मैं थका हुआ रहता हूं, बावजूद इसके मैं इन सभी बातों को थोड़ी देर के लिए दरकिनार कर रहा हूं, मेरी गर्लफ्रेंड और मुझमें पहले जैसा रिश्ता नहीं है जैसा कि मैं युद्ध के लिए इराक जाने के पहले था। इसलिए काम करते वक्त श्रेष्ठ कर्मचारी बनने का मेरा कोई उद्देश्य नहीं है। मेरा उद्देश्य सिर्फ जीवन जीना है।"

टॉमी ने अपने हाथ मोड़े और मेरी आंखों में टकटकी लगा कर देखने लगा।

"मैं तुम्हारी बातें सुन रहा हूं।" टॉमी ने गंभीर होकर कहा। उसने आगे कहा- "और तुम मुझे जो बता रहे हो मैं उसका सम्मान करता हूं ब्लैक। कृपा कर जो मैं बता रहा हूं उसे खुले दिल से स्वीकार करें। मेरा जीवन भी अस्ताव्यस्त ही था। लेकिन वह पूरी तरह बदल गया। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि कोई चमत्कार हुआ है। और मैं पूरी *गारंटी* देता हूं कि तुम्हें भी ऐसा ही अनुभव होगा। मैंने तुम्हारे पिता को वचन दिया था कि मैं तुम्हारी मदद करूंगा, लेकिन मुझे लग रहा था कि तुम्हें मिलने का यह सही समय नहीं है, इसलिए मैं पहले नहीं आया। लेकिन

एक अचानक किस्मत के चलते मैंने तुम्हारा नाम उस आवेदन पत्र पर देखा जो इस स्टोर के खुलने के लिए नौकरी के लिए आए हुए थे। नंबर वन कर्मचारी का खिताब जीतने की वजह से नकदी पुरस्कार के साथ ही कैरेबियन समूह की सैर के साथ ही मुझे रिक्रूटमेंट कमिटी के सदस्यों के साथ बैठने का मौका मिला और कंपनी की एक्जिक्युटिव टीम के साथ नाश्ता करते हुए कंपनी की तरक्की और कंपनी को बेहतर बनाने पर चर्चा करता था। मुझे लगा कि तुमसे मिलने का यही सही मौका है- जो बरसों पहले मैंने जब मैं अपनी निजी और व्यावसायिक राह से भटका था उस समय जो सीखा था- कारोबार में नेतृत्व करने का दार्शनिक तत्व तुम्हें सिखा कर तुममे बदलाव लाने और सफल जीवन जीने के बारे में तुम्हें सिखाया जाएं। सिर्फ कल्पना करो कि प्रति दिन जब तुम इस स्टोर के किसी भी द्वार से आगे बढ़ो तो लोग खड़े होकर तुम्हारे प्रति सम्मान जताएं, जैसे वह कोल्डप्ले, यू२ या ग्रीन डे का करते हैं।" अपनी उत्साहभरी और प्रोत्साहित करने वाली आवाज में टॉमी ने कहा।

मुझे उसकी कल्पना पर हंसी आई। कंपनी का श्रेष्ठ कर्मचारी बनने की कल्पना अच्छी थी। और मैं निश्चित ही चाहता था कि मुझे पैसों के साथ अरुबा की सैर करने का मौका मिले।

टॉमी आगे कहता रहा- और सिर्फ कल्पना करो कि न सिर्फ कैरिअर में सर्वश्रेष्ठ बना जाए बल्कि अपने बेहतर स्वास्थ्य और निजी संबंधों की चरम सीमा पर पहुंचने और खुशियां भी हासिल की जाए। मैं तुम्हें यही दिखाऊंगा कि यह *सभी* चीजें किस तरह हासिल की जा सकती है। और जितना तुम सोच रहे हो उससे यह बेहद आसान है।

मैंने उत्सुकता भरे शब्दों में पूछा- "आप मुझे जो सिखाने जा रहे हो उसका आपके गले में एलडब्ल्यूटी लिखे लॉकेट से कुछ संबंध है।"

"बहुत ही अच्छे," टॉमी ने बेहद शिष्टतापूर्ण शब्दों से और हाथ से ताली बजाते हुए कहा। "जैसा मैंने सोचा था उससे यह बेहद ही आसान है। हां, जिसका रीति का पता लगाने तुम जा रहे हो उसके सीने पर एलडब्ल्यूटी ही लिखा हुआ है। यह बहुत ही गहरा लेकिन आसान तरीका है और इसे कार्यरत करना और इस पर जीवन बिताना आसान लेकिन गहरा है। एक दिन मुझे चार विशेष गुरुओं ने यह बात सिखाई, जिसने अंदर तक मुझे पूरी तरह बदल दिया। और मेरे अंदर की प्राकृतिक ताकत को जगाया। मैं पहले जैसा इंसान फिर *कभी नहीं* रहा। मुझे पता है कि यह तुम्हें यह बेहद चकित करने वाला और अविश्वसनीय लगेगा, ब्लैक। लेकिन बिलकुल ऐसा ही हुआ है। हाल ही में मैंने अपना कैरिअर और जीवन एक नए नजरिए से देखा। असलियत में, उसी समय से जब इस प्रक्रिया से मुझे अवगत कराया गया। मैं पूरी तरह नई आंखों से दुनिया को देखने लगा। और विस्मित करने वाले नतीजे सामने आए।"

मेरे मन में उत्सुकता जागी। मेरे मन में शंका उभरी साथ ही आश्चर्य भी हो रहा था। मुझे सहजबोध हुआ कि वह झूठ नहीं बोल रहा है। "जो दार्शनिक तत्व आपने खोजा है क्या यह उतना ताकतवर है।"

हां, टॉमी ने बेहद साधारण शब्दों में जवाब दिया। अपने गले के लॉकेट पर लिखे एलडब्ल्यूटी शब्दों को अनजाने में मलते हुए उसने अपनी आवाज को खींचते हुए आगे जोड़ते हुए कहा- हां, यह वाकई ताकतवर है। फिर वह अपने बालों से थोड़ी देर खेला और वह रुका। बुकस्टोर में अब लोगों के आने की शुरुआत हो गई थी, और मेरी कॉफी ठंडी होने लगी थी। थोड़ी देर के लिए मेरा ध्यान बंट गया था।

उसके बाद, मैंने तय किया कि शैतान के वकील की तरह बर्ताव किया जाए। "टॉमी, मुझे उम्मीद है कि मेरा यह कथन आपके दिल को दुखाएगा नहीं, लेकिन अगर एलडब्ल्यूटी शब्द इतने विशेष है तो आप अभी भी इस स्टोर में काम क्यों कर रहे हो? आपको रिटायर्ड क्यों नहीं हुए? और, मुझे यह कहने के लिए माफ करें कि, उन्होंने आपका यहां तबादला किया, लेकिन आपको मैनेजर नहीं बनाया। आप उसी पद पर हैं जिस पद पर मैं हूं। आपका सिखाना आपको खुद को ज्यादा लाभान्वित नहीं हुआ है, जनाब।" मैंने कुछ व्यंगात्मक तरीके से ही यह बात कही।

मैं टॉमी के बर्ताव को सावधानी से देख रहा था। मुझे लग रहा था कि वह बचावात्मक रवैया अपनाएगा और गुस्सैल हो जाएगा। लेकिन टॉमी पूरी तरह से कृपालू था। वह शांत और स्तब्ध खड़ा रहा। फिर उसने एक लंबी सास ली और हंसा।

"बहुत ही अच्छा सवाल ब्लैक, तुम बहुत ही ईमानदार हो। और मुझे यह बात बहुत अच्छी लगी। थोड़ी चोटिल बातें थी, लेकिन मैं तुमसे कहता हूं कि जो दिल में आए उसे कह देना चाहिए। और यह सबसे अच्छी गुणवत्ता है। अच्छा सबसे पहले तो मेरे रिटायरमेंट के बारे में तुमने जो कहा वह सही है। ज्यादा तर लोग जिस उम्र में रिटायर्ड होते हैं वह उम्र मैं पार कर चुका हूं। असलियत में, पिछले हफ्ते ही मैंने सत्तहत्तर वर्ष पूरे किए।"

मेरे दादा जो मुझे दो पैरों पर चलने वाला दिल कहते थे, याद करते हुए अपने कड़क रवैये पर लज्जित होते हुए मैंने टॉमी को बीच में ही रोकते हुए माफी मांगने के अंदाज में कहा- "जन्मदिन मुबारक हो, टॉमी।" मैं टॉमी के साथ कठिनता से पेश नहीं आना चाहता था। वह मुझसे उम्र में बड़े थे, और मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया था कि अपने से उम्र में बड़े लोगों का आदर करना चाहिए।

धन्यवाद। उन्होंने जवाब दिया। असलियत में मैं खुद को जवां समझता हूं। उम्र तो सिर्फ मन की एक स्थिति है- जनजातियों में लोगों को एक मर्यादित सीमा में बांधने की प्रक्रिया है वह- और मैंने अपने जीवन को इस तरह के लेबल

के सहारे न जीने का फैसला लिया है। लेकिन, हां, मुझे रिटायर्ड होना चाहिए था, फिर भी आज मैं इस कंपनी में काम कर रहा हूं। पिछले पचास वर्षों से।

"वाह।"

"यह कुछ बातें हैं। जिस काम को मैं पसंद करता हूं उसे मैं क्यों छोड़ दूं? जीवन जीने के लिए मेरे पास समय है। और काम करते रहने से मैं हमेशा दिल से जवां रहता हूं। यहां मैं रचनात्मक काम करता हूं और समस्याएं भी सुलझाता हूं। और हर दिन अच्छे ग्राहकों के साथ मिलने से मैं ने दोस्त बना लेता हूं। और जो सकारात्मक उदाहरणों का ढांचा मैंने तैयार किया है उस पर मेरे सहयोगियों को अमल करने के लिए प्रेरित करने का मौका मुझे मिलता है। और मुझे यह काम करते हुए बेहद खुशी होती है क्योंकि यही इकलौता काम है जो मेरे दिल को खुशी से भर देता है। यह सभी काम मेरे जीवन को खुशी से जीने का प्रयोजन देते हैं।" टॉमी ने कहा।

हे, अगर मैं आपसे थोड़ी कठोरता से पेश आया हो तो मुझे माफ करें। मैं बुदबुदाया। मैं अभी भी स्टूल पर बैठा हुआ था और उस व्यक्ति की ओर देख रहा था जो मेरा परामर्शदाता बनने जा रहा था, जिसकी मुझे बेहद जरूरत थी।

"चिंता की कोई बात नहीं है। लेकिन अब मुझे उस मुद्दे को भी स्पष्ट करने दो, जो तुमने मेरे इस स्टोर में मैनेजर न बनने के बारे में उठाया था। क्योंकि एलडब्ल्यूटी तत्वज्ञान का यही उचित अधिकार है। मैं मैंनेजर नहीं बनना चाहता था, हालांकि मुझे लगता है कि मुझे उसकी जरूरत ही नहीं है। मुझे उसमें जरा भी रुचि नहीं है।"

"टॉमी, एलडब्ल्यूटी का असली मतलब क्या है?" मैंने कम से कम सुरक्षा और ज्यादा से ज्यादा मोहकता की वजह से पूछा।

अच्छा, सबसे पहले तो इन तीन अक्षरों में कोई जादू नहीं है। जीवन जीने और कारोबार करने के लिए उपयुक्त यह बेहद वास्तविक और विशाल यथार्थवादी है। तुम्हें अच्छी तरह पता है कि अपनी यह दुनिया गहरे बदलावों से बदलती रहती है, हम ऐसे समय में जी रहे हैं जो बेहद अनिश्चितता से भरा हुआ है। और बेहद संकटों से भरा भी। ऐसे में वह काम करने से क्या फायदा जो काम नहीं कर रहा हो।

"मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। प्रति दिन नई चुनौतियां और गंभीर किस्म की उलझनें लेकर आता है। यह संस्थान इसी तरह की समस्याएं से जूझ रहा है। मेरे ग्राहक मुझसे कहते हैं कि जीवन उनके लिए बेहद पेचिदा बना है। लगभग उन *सभी* लोगों से जिन्हें मैं मिलता हूं बदलाव की चिंता से चिंतित हैं। तो फिर ऐसे में क्या उपाय है. टॉमी?"

"लीडरशिप।" सिर्फ एक ही शब्द में उन्होंने जवाब दिया। आगे उन्होंने जोड़ा- "ब्लैक, आज हम जो नई दुनिया में जी रहे हैं वहां पर व्यवसाय में जीतने

का एक ही तरीका है। कोई भी *दूसरा उपाय* ज्यादा समय तक कारगर साबित नहीं होगा।"

"और वह कौन सा इकलौता उपाय है, जरा मुझे स्पष्ट करके बताएं।

अपने प्रतिस्पर्धी संस्थान के मुकाबले ज्यादा तेजी से संस्थान में काम करने वाले *हर कर्मचारी* की नेतृत्व करने की उनकी क्षमता को आगे बढ़ाना, उसे विकसित करना ही आज की जरूरत है। दूसरी कंपनी द्वारा कारोबार में जिंदा खा जाने के पहले ही संस्थान को अपने कर्मचारी को *हर स्तर* पर वह जो भी *कुछ भी करना* चाहते हैं उसके लिए नेतृत्व करना सीखाना ही एक मात्र रास्ता है। मैं उस बारे में कह रहा हूं जिसमें कंपनी के द्वारपाल से लेकर सीईओ तक सभी कंपनी के उत्थान के लिए जिम्मेदारी स्वीकारते हुए नेतृत्व दिखाना चाहिए। और यह आइडिया, सिर्फ कारोबार करने वाली संस्थानों को ही नहीं, बल्कि लगभग सभी संस्थानों के लिए कारगर हैं। सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए ही सभी स्तर पर नेतृत्व तैयार करने की जरूरत है ऐसा नहीं है। व्यावसायिक संगठन सभी स्तर पर नेता तैयार कर सकते हैं। सरकार और एनजीओ भी हर स्तर पर नेता तैयार कर सकते हैं। शहर और समुदाय भी हर स्तर पर नेता तयार कर सकते हैं। इतना ही नहीं, स्कूल और विश्वविद्यालय को भी इस बात की बेहद जरूरत है कि वह लगभग हर एक को नेतृत्व क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करें क्योंकि आज के गला काट प्रतिस्पर्धा में वह टिके रहना चाहते हैं तो उन्हें इसके प्रति गंभीर होना ही पड़ेगा।"

मैंने स्वीकार करते हुए कहा- "टॉमी, मैंने इस तरह के नेतृत्व के बारे में कभी सोचा भी नहीं था। मैं सोचता था कि हम कारोबार की बात करें या फिर फौज की नेतृत्व सिर्फ वही करते हैं जो संस्थान चलाते हैं।"

"ब्लैक, *हम सभी* को, अपने स्थान की चिंता किए बगैर नेतृत्व को आज ही प्रदर्शित करने की जरूरत है। यह बहाने बनाने की जरूरत नहीं है कि मैं बड़ी पोस्ट पर नहीं हूं इसलिए मुझे संस्थान के प्रति जिम्मेदारी स्वीकारते हुए अच्छा परिणाम लाने की जरूरत नहीं है। सफल होने के लिए, सभी को यह तय करना होगा कि वह नेतृत्व टीम के सदस्य हैं। तुम्हें नेतृत्व करने के लिए किसी आदेश की जरूरत नहीं है- सिर्फ उसमें शामिल होने की इच्छा होनी चाहिए और सकारात्मक अंतर लाने के प्रति वचनबद्ध होने की जरूरत है। मदर टेरेसा ने इस बारे में बहुत अच्छी बात कही है: 'अगर हम सभी लोग सिर्फ अपने घर के सामने की जगह साफ रखें तो, पूरा विश्व अपने आप साफ हो जाएगा।"

"इसका मतलब हम सभी को नेतृत्व गुण दिखाना जरुरी है, हमें जरूरत है कि हम इस समय जो काम कर रहे हैं उसे श्रेष्ठता से करें। क्या आप यही कहना चाहते है?"

"बिलकुल सही," यह कहते हुए टॉमी दूसरे स्टूल की ओर गया और उस पर बैठ गए। किसी आर्केस्ट्रा कंडक्टर की तरह हवा में हाथ चलाने लगे। उन्होंने

अपनी आंखें बंद कर ली। वह गुनगुनाने लगे। यह व्यक्ति प्रसन्नचित था। अनोखा, लेकिन प्रसन्नचित।

"टॉमी, आप क्या कर रहे हैं?" मैंने चिल्लाते हुए पूछा, वह जो कर रहे थे उस पर मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था। कुछ ग्राहक उसकी ओर अचंभित नजरों से देख रहे थे। एक छोटा बच्चा जिसके हाथ में क्यूरियस जॉर्ज किताब थी, उसने टॉमी की ओर इशारा किया। और वह हीं हीं करने लगा।

"सिंफनी में उस वक्त क्या होगा जब एक वादक अन्य वादकों से अलग धून बजाएगा जो उसका श्रेष्ठ काम नहीं होगा?"

"अब मेरी समझ में आया। अगर ऐसा हुआ तो संगीत बंद हो जाएगा और सिंफनी अस्ताव्यस्त हो जाएगी।" मैंने जवाब दिया, हालांकि यह बेहद आम बात थी, लेकिन मेरे परामर्शदाता की प्रमाणित करने की दृष्टी की प्रशंसा तो करनी ही होगी।

टॉमी अब स्टूल पर खड़े हो गए। अब वह खुद को किसी अभिनेता के रूप में देख रहे थे। नीचे देखते हुए मेरे अंदाज से शेक्सपियर के काल के अंग्रेजी में, एक महान कलाकार की तरह आवाज में उतार-चढ़ाव करते हुए उन्होंने कहा – "तेरा अपना निजी सत्य यही है, और उसका पालन करना होगा, दिन रात में, तू किसी भी इंसान के लिए गलत नहीं हो सकता।"

"और अब यह सब क्या है?" हाथों को तिरछा रखते हुए मैंने अपनी गर्दन को यहां से वहां अविश्वास के रूप में घुमाते हुए उनकी नकल करते पूछ लिया।

"रंगमंच पर काम करने वाले इसे कहते हैं, कोई भी किरदार छोटा नहीं होता। ब्लैक, यही बात कारोबार में भी लागू होती है। यह बिलकुल सिंफनी के रुपक की तरह ही है। किसी भी संस्थान- या किसी भी इंसान के लिए इस क्रांतिकारी बदलाव के समय में जीत हासिल करने के लिए नेतृत्व के इसी नए *क्रांतिकारी* नमूने की ही जरूरत है। और हर एक जिसको नेतृत्व दिखाने की जरूरत है उसके लिए यह नमूना उस वातावरण और संस्कृति का निर्माण करता है। हर किसी को परिवर्तन की जरूरत होती है। हर कोई नतीजा दिखाने के लिए जिम्मेदारी लेना चाहता है। हर कोई सकारात्मक सोचना चाहता है। हर कोई अपना काम श्रेष्ठ तरीके से करना चाहता है। और जब वह ऐसा करते हैं तब न सिर्फ संस्थान इस बदली हुई खूबसूरत स्थिति को स्वीकार करता है और साथ ही उसे उस क्षेत्र में नेता भी बनाता है।"

अपनी ठंडी हो चुकी कॉफी का एक घुंट लेते हुए मैंने बेहद साफ-साफ शब्दों में कहा- "तो आप यह कहना चाहते हैं कि इस संस्थान में काम करने के लिए हमें अब किसी तरह के किसी भी पद की जरूरत नहीं है? टॉमी, मुझे नहीं लगता कि आप जो दार्शनिक बता रहे हैं वह कंपनी के सीईओ को पसंद आएगी।"

"नहीं, मैं इस संदेहजनक बात को यहां पूरी तरह से स्पष्ट कर देना चाहता हूं। *मैं यह कतई कहना नहीं चाहता कि संस्थानों में पद देने की जरूरत नहीं है। असलियत में, उन्हें हर कर्मचारी को पद देना चाहिए।* हमें संस्थान की भविष्य की योजनाएं तैयार करने के लिए, कंपनीरुपी बोट चलाने के लिए और नतीजे लाने के लिए *निर्णायक* जिम्मेदारी स्वीकारने वाले विशेषज्ञों की जरूरत है। कंपनी को सुचारू रूप से चलाने के लिए पद और ढांचे की जरूरत है। लेकिन मैं यह कहना चाहता कि आज की सबसे तेज आगे बढ़ने के कारोबारी जगत में परेशानी भरे समय में हर संस्थान के लिए, हम में से हर किसी को निजी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए खुद को अपने विभाग का सीईओ समझते हुए निजी रुप से काम करना चाहिए। *जहां भी हमें मौका मिलेगा और जहां भी हम चमक सकते हैं वहां हमें नेतृत्व दिखाने की बेहद जरूरत है।* हर काम महत्वपूर्ण काम होता है। आप जिस विभाग में काम कर रहे हैं वहां पर अगर आप अपनी नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करते हैं तो विस्मयकारी नतीजा निकल सकता है जो बेहद प्रभावशाली साबित होगा, जिससे आपका प्रभाव क्षेत्र और बढ़ेगा। यही वह सबसे बड़ा विचार है, ब्लैक। और भले ही आपके पास किसी तरह का पदनाम नहीं हो आपके पास पूरा नियंत्रण है कि आप अपने काम को किस तरह पेश करते हो। हर व्यक्ति में असीमित मात्रा में प्रतिभा होती है, अब हमें इस बात का चयन करना है कि हम किस तरह मौजूदा स्थिति में अपनी उच्चतम प्रतिभा को दर्शाते हैं। और जब हम में से हर कोई अपनी उच्चतम प्रदर्शन करने के साथ ही निजी तरीके से नेतृत्व करने की कोशिश करेगा, निश्चित रूप से संगठन विश्वस्तरीय बनने की ओर तेजी से अग्रसर होगा।"

"तो फिर एलडब्ल्यूटी का मतलब क्या है?" मैंने जोर देकर पूछा।

"सबसे पहले तो यह एक ऐसी बदलाव लाने वाली दार्शनिकता है जो हर *किसी* के जीवन और काम में बदलाव ला सकती हैं, फिर वह किसी भी उम्र का हो या फिर विश्व के किसी भी कोने में रहने वाला हो, अगर वह इस दार्शनिकतशा पर अमल करता है और अपने अंदर के नेता को जागृत करता है तो *कुछ ही पलों* में उसके जीवन में बदलाव नजर आएगा। हम में से हर किसी के अंदर नेता छुपा हुआ है जो बाहर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा होता है। हम में से हर एक के अंदर नेतृत्व करने की ताकत प्रकृति ने ही दी है, फिर हमारे पास कोई पदभार हो या न हो, हम कितने वृद्ध है या हम कहां रहते है इस पर यह निर्भर नहीं है। लॉस एंजिलिस के एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाली २८ वर्षीय ग्राहक सेवा प्रतिनिधि ने जो, तुम जल्द ही जो सीखने वाले हो, उस दार्शनिकता पर अमल किया और उसने खुद में बेहतर बदलाव पाया। उसने अपने अंदर के नेता को जागृत किया जिससे उसका काम बेहतर हुआ और उसके काम की तारीफ हुई और उसे पुरस्कार भी मिला। सैन फ्रान्सिस्को के एक ३४ वर्षीय एक्जिक्युटिव के अंदर छिपा नेता बाहर आने के लिए छटपटा रहा था,

यही स्थिति इसी तरह साल्ट लेक सिटी में रहने वाले ४० वर्षीय ठेकेदार की भी थी। बोस्टन के एक सोलह वर्षीय छात्र के अंदर का नेता भी बाहर आने के लिए बेताब था, जब उसने अपने अंदर के नेता को बाहर लाया तो पढ़ाई में तो वह अव्वल रहा ही, साथ ही पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्र में भी उसने अपनी अमिट छाप छोड़ी और उसका दूसरों पर असर भी बराबर होता रहा।"

"टॉमी, मुझे लगता है अब मैं इस बात को गहराई तक पहुंच रहा हूं। मेरे अनुमान के मुताबिक, विश्व के किसी भी कोने में कोई भी व्यक्ति नेता बनने की इच्छा रखते हुए बदलाव लाने की जिम्मेदारी स्वीकारता है, अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करता है और नेतृत्व दिखाता है वह इस श्रेणी में आकर बैठता है। वॉशिंग्टन डीसी में रहने वाला फौजी उसी तरह सकारात्मक सोच सकता है जैसे टोक्यो का कोई शिक्षक या पेरू का कोई पाइलट या फिर जीवन जीने वाले हर व्यक्ति की तरह। हम में हर एक के अंदर नेतृत्व करने की क्षमता छुपी हुई है। हमें सिर्फ उसे जानने और उसे बाहर लाने की कोशिश करनी चाहिए। *भाई, कंपनियों से लेकर सरकारी कार्यालयों तक के हर संस्थान का हर कर्मचारी और समुदाय से लेकर स्कूलों तक अगर हर कोई इस बात को स्वीकार करता है तो पूरे विश्व में बदलाव नजर आएगा।"*

"आह, कुछ इसी तरह की बात मैं तुम्हें बताने की कोशिश कर रहा हूं, मेरे दोस्त।" टॉमी ने प्रोत्साहित करने वाले शब्दों में कहा। "और जब तुम खुद के अंदर छुपे नेता को बाहर निकालोगे, प्रति दिन तुम्हें उसे कार्यरत रखना होगा। क्योंकि इस ताकत का जितना ज्यादा इस्तेमाल तुम करोगे उतने ही बेहतर तरीके से तुम उसे समझ पाओगे। और उतनी ही वह सशक्त होगी। एक और बात ब्लैक।"

"कृपा करके मुझे बताइए।"

टॉमी ने मजाकिया स्वर में कहा- "एलडब्ल्यूटी क्या है यह मैं तुम्हें बता नहीं सकता।" अपने गले में पहने इन तीन अक्षरों को सहलाते हुए रहस्य को और गहरा करते हुए उन्होंने कहा- "सिर्फ वही चार शिक्षक जिन्होंने मेरे साथ यह दार्शनिकता बांटी है उन्होंने मुझे इसकी इजाजत नहीं दी है कि मैं तुम्हें बताऊं कि एलडब्ल्यूटी क्या है। और यह सिर्फ खास स्थिति में ही बताया जा सकता है।"

मैंने गिडगिड़ाते हुए कहा- "टॉमी, कृपया करके मुझे वह बता दो।"

"मैं नहीं बता सकता, फिलहाल इस समय तो नहीं। शायद मुझे यह बताने की इजाजत मिल जाएं, क्योंकि वह बहुत जरूरी है और उसके बाद कुछ दिनों में मैं तुम्हें यह बात बता पाऊंगा। ओह, और अब मैं तुम्हारे द्वारा पूछे गए उस सवाल पर आता हूं। तुमने पूछा था कि मैं यहां मैनेजर क्यों नहीं बन पाया। कृपा करके, इसे ध्यान में रखो कि पिछले कई वर्षों में मुझे रई बार मैनेजर बनने के लिए कहा गया, और असली कहानी मैं तुम्हें बताना चाहता हूं और वह यह कि मुझे याद आ रहा है कि मुझे तो कंपनी का उपाध्यक्ष तक बनने का कई बार

ऑफर दिया गया था ब्लैक। कंपनी की कार, खर्च करने की सहूलियत, बड़ा दफ्तर, लेकिन इन बातों ने मुझे जरा भी आकर्षित नहीं किया। और यही *असली* नेतृत्व नहीं है। नेतृत्व का इस बात से कोई लेना देना नहीं है कि आपको क्या मिल रहा हैं और आप किस जगह बैठ रहे हैं। जिन बातों से नेतृत्व ज्यादा मायने रखता हैं वह है कि आप कितनी होशियारी से काम करते हैं और कितने कारगर तरीके से अपना व्यवहार करते हैं। जैसा कि मैंने पहले सुझाया था- *जहां पर भी आप मौजूद हैं*- यह सिर्फ बेहतर काम करने का तरीका है। और अपने साथ काम करने वाले हर एक सहयोगी को बढ़ावा देने की बात है। एलडब्ल्यूटी एक गहरा सिद्धांत है, लेकिन यह लंबे समय से भुलाया जा चुका हुआ वह रहस्य है जो है- *नेता बनने के लिए आपको किसी पदनाम की जरूरत नहीं हैं।"*

"बहुत ही सीधी कल्पना है।" मैंने दृढ़ता से कहा।

"आज के कारोबारी जगत के लोग नेतृत्व के बारे में कुछ अलग तरीके से सोच रहे हैं। वह उस बारे में काफी उलझे हुए है। वह वाकई में ऐसा सोचते हैं कि जो कंपनी सिर्फ एक्जिक्युटिव्ज ही चलाते हैं।"

"या फिर वह लोग जो देश चलाते हैं।"

"बिलकुल सही। और सिर्फ इतना ही सच नहीं है ब्लैक। मैं इसे बार बार दोहरा रहा हूं क्योंकि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि *हर कोई नेतृत्व कर सकता है।* वास्तव में एक संगठन का विशिष्ट स्थान तैयार करने में, उस संगठन में काम करने वाले हर व्यक्ति नेता बन कर काम करना *अनिवार्य* है।"

टॉमी थोड़ी देर रुके, उन्होंने जो अभी अभी कहा था उसका चिंतन करते हुए वह अपने बालों से थोड़ी देर खेले, फिर उसी उत्साह और उर्जा से, जमीन पर खड़े होते हुए उन्होंने बोलना शुरु कर दिया।

"और फिर इन सभी वर्षो में मैं जब मैं बुकस्टोर में आता था प्रति दिन अपना अहंकार बुकस्टोर के बाहर ही छोड़ कर बुकस्टोर में प्रवेश करता था। मैं सिर्फ यही सोच कर आता था कि आज मुझे बेहतरीन काम करना है, अपने सहयोगियों को बढ़ावा देना है और मेरे बिजनेस कार्ड पर मेरी जो ऊंची उपाधि लिखी था उससे हट कर मैं वास्तव नेतृत्व दिखाने की कोशिश करता रहता।"

मैं बहुत ही प्रभावित हो गया। टॉमी एक सम्मानजनक व्यक्ति नजर आ रहे थे। फौज की नौकरी छोड़ने के बाद जब से मैं नागरी जीवन में लौटा हूं, टॉमी जैसे ज्यादा लोग मेरी नजर में नहीं आए। उन्हें मिल कर मुझे बेहद खुशी हो रही थी। और फिर मेरे दिमाग में एक सवाल आया और मैंने पूछा- "क्या तुम्हारे पास बिजनेस कार्ड है?" थोड़ा निराश होकर ही मैंने कहा- "मुझे कार्ड नहीं मिला है।"

उन्होंने कहा- "हां, यह लो।" और उन्होंने जेब में हाथ डाल कर एक बिजनेस कार्ड देखने के लिए निकाल कर मुझे दे दिया। स्वर्णाक्षरों से एम्बॉस किए गए उस कार्ड पर लिखा था-

ब्राइट माइंड बुक इंक.
५५५५ फिफ्थ एवेन्यु
न्यूयार्क, न्यूयार्क

टॉमी फ्लिन
बेहतर इंसान

“आपको बेहतर इंसान की उपाधि दी है।” मैं जोर से चिल्लाया- “हे इंसान, यह बहुत ही कमाल का है, मुझे यह बहुत ही पसंद आया।”

“जैसा कि मैंने पहले कहा ब्लैक, *नेता बनने के लिए आपको किसी उपाधि की जरूरत नहीं है।* आपको सिर्फ एक इंसान के रूप में जीना हैं। और इतना ही काफी है। उसी में सबकुछ है। आज की इस दुनिया में जीने वाला हर इंसान अपनी शक्तियों को पहचान नहीं पा रहा है और न ही अपनी अंतःशक्तियों को स्वीकार कर पा रहा है जो उसके उपाधि के मुकाबले कई गुना ज्यादा शक्तिशाली है। और जब तुम अपनी इन शक्तियों को पहचान कर उस पर अमल करने लगोगे, तो तुम्हारे जीवन का हर पहलू सफलता की ऊंचाइयां छू लेगा। उसके बाद नेतृत्व *अपने आप* आ जाएगा- जहां पर आप काम कर रहे हैं और जो खेल खेल रहे हैं। तुम जान जाओगे कि इसके अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं है।”

“मैं जो भी सुन रहा हूं वह मुझे बहुत ही पसंद आ रहा है। टॉमी, जैसे जैसे मैं आपको सुनते जा रहा हूं वैसे वैसे मैं बेहद आशावादी बनते जा रहा हूं।” मैंने विशुद्ध तरीके से कहा- “मैं वह सभी सफलता चाहता हूं जो आप बता रहे हैं। और वह भी तेजी से।”

“मेरे साथ भी बिलकुल ऐसे ही हुआ था जब मैं मेरे उन चार विशेष गुरुओं से पहली बार मिला था, जिनके बारे में मैंने तुम्हें अभी अभी बताया था। उन्होंने एलडब्ल्यूटी का तत्वज्ञान मुझे बताया और उसके बाद मैं पहले जैसा नहीं रहा। मैं उस बात से- सही नेतृत्व क्या है से- गहराई तक जुड़ गया। इसके बाद तो कोई भी पदनाम मुझे महत्वपूर्ण नहीं लगा। कोने में बड़ा दफ्तर पाना भी मुझे महत्वपूर्ण नहीं लगा। ऊंची तनख्वाह पाना भी मुझे महत्वपूर्ण नहीं लगता। मैं सिर्फ यही देखता हूं कि प्रति दिन मैं कितना बेहतर काम कर सकता हूं। और मैं यह देखता हूं कि जीवन को छूने वाले हर पहलू को मैं कितना बेहतर योगदान दे सकता हूं। और विडंबना यह है कि, मैं जो कर रहा था उसकी चर्चा होने लगी, जिससे मेरे वरिष्ठ मेरी इस आग को जलाए रखने में मदद करने लगे। उन्होंने मुझे पदनाम दिया। उन्होंने मुझसे बिनती की कि मैं कोने का दफ्तर स्वीकार करूं। संस्था में काम करने वाले अन्य किसी भी कर्मचारियों से मुझे ज्यादा तनख्वाह देने की पेशकश उन्होंने की।”

“बहुत ही बड़ी विडंबना है। काम करने वाले हम जब ज्यादा से ज्यादा पाने की कोशिश करते हैं और उसकी चिंता करते हैं, आप उसकी चिंता नहीं करते और आपको ही सबसे ज्यादा प्राप्त हो रहा है।” जेब में मिकी माउस का रुमाल रखने वाले और आंखों में चमक लिए उस व्यक्ति की ओर प्रतिबिंबित होते हुए कहा।

“वह बहुत ही अविश्वसनीय बात थी।” उसी भावपूर्ण आवेश में बात करते हुए आगे कहा- “और तुम पूरी तरह सही हो, हम काम करने वालों के हिसाब से निश्चित ही यह विरोधी विचारधारा वाली बात थी। लोग जिन जरुरतों की सबसे ज्यादा फिक्र करते हैं और ज्यादा से ज्यादा अच्छा काम करने की कोशिश करते हुए नेतृत्व दिखाना चाहते हैं, मैं उन जरूरतों को ही नकारते गया। मेरे जीवन में सारी चीजें दुर्घटना से प्राप्त हुई है। यह बहुत ही अविश्वसनीय लेकिन सच है, और आज वह सबकुछ मेरे पास है।” इतना कह कर टॉमी अपनी टोढ़ी खुजाते हुए सोच में डूब गए।

“तो आपने वह सबकुछ ठुकरा दिया जो आपको वह दे रहे थे।” उनसे यह बात पूछे बगैर मुझसे रहा नहीं गया।

“नहीं- मैंने पैसे स्वीकार किए।” हंसते हुए उन्होंने कहा।

मैं भी हंसा। मैं उस इंसान को चाहने लगा था। वह मुझे बार-बार मेरे पिताजी की याद दिला रहे थे। अब मेरी समझ में आ रहा था क्यों वह दोनों अच्छे दोस्त थे।

“लेकिन, ब्लैक मैं तुम्हे यह सुझाव देने की कोशिश कर रहा हूं- इस संस्थान में मुझे कोई पदभार नहीं है। नीचली मंजिल से शुरुआत करते हैं। बहुत सारे लोग जब दफ्तर में काम पर जाते हैं तो यही सोचते रहते हैं कि उन्हें कब बड़ी पोस्ट मिलेगी और कब उन पर ज्यादा जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जब उन पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी तब वह अपने हर काम में महारत दिखाएंगे और कड़ी मेहनत करेंगे। लेकिन सिर्फ रेस्तरां ही ऐसी जगह हैं जहां सबसे पहले आपको ताजा खाना दिया जाता हैं और उसके बाद आपको बिल चुकाना होता है। जीवन या काम में सफलता पाने के लिए सबसे पहले आपको कीमत चुकानी होती है, उसके बाद ही आपको अपना पुरस्कार मिल जाता है। और हां, जो काम आपने किया है उसका आपको फल नहीं मिल रहा है तो इसका मतलब यह नहीं कि आपको वह फल नहीं मिलेगा। आपने जो बोया है उसका फल तो आपको मिलेगा ही। मुर्गी रात को हमेशा घर में ही आती है। जिसके तुम हकदार हो वह तुम्हें अवश्य मिलेगा। छोटे से छोटा काम भी अच्छे नतीजे देने की ओर बढ़ाता है। और हां, अगर तुम कारोबारी जगत के श्रेष्ठ लोगों के बारे में पढ़ोगे- मेरे कहने का मतलब है अति श्रेष्ठ लोग- या फिर खोज करने वाले किसी वैज्ञानिक, किसी कलाकार या फिर किसी खोजकर्ता के बारे में पढ़ोगे तो जान जाओगे कि उन्होंने जो कुछ किया वह पैसा प्राप्त करने के लिए नहीं किया।”

"सच में?"

"हां, वाकई। जरा रूजवेल्ट या मंडेला या फिर एडिसन या आइनस्टाइन के बारे में सोचो। उन्होंने पैसों के लिए काम नहीं किया। उन्होंने एक चुनौती स्वीकार कर ली थी। वह अपने आप को आगे बढ़ाना चाहते थे। उनमें कुछ अलग लीक से हट कर करने की इच्छा थी। और इसी प्रेरणा ने उन्हें सबसे अलग और दंतकथा का नायक बना दिया।"

"बहुत ही रोचक है," मैंने टिप्पणी की।

"देखो, मैं सबसे पहले यह कहना चाहता हूं कि अच्छा जीवन जीने के लिए पैसे बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है। पैसा हमें आजादी देता है। पैसा हमारी चिंताएं कम करता है। हम जिनसे प्यार करते हैं उनका खयाल रखने में पैसा हमारी मदद करता है।"

"और दूसरों की मदद करने में भी।" मैंने आगे जोड़ दिया। "मैंने सुना है कि गरीबों की मदद करने का सबसे श्रेष्ठ तरीका यह है कि आप उनमें से एक न बन जाएं।"

"सही, ब्लैक। बहुत ही अच्छी अंतदृष्टी है। लेकिन पैसा सिर्फ एक ऐसा सह-उत्पाद है जो आपके अंदर की श्रेष्ठता के साथ खड़ा होता है और आपको एसईडब्ल्यू में मदद करता है।"

"यह एसईडब्ल्यू क्या है?"

"सीरीयसली एक्सेप्शनल वर्क (गंभीरता से किया गया असाधारण काम) मेरे दोस्त। जिन चार गुरुओं से तुम जल्द ही मिलने वाले हो उनके परिवर्तन लाने वाले शब्दों से तुम प्यार करने लगोगे। इस समय मैं उनके खेल का हिस्सा बना हूं। क्यों, यह मैं नहीं जानता; मुझे पता है मेरी यह आदत कुछ आश्चर्यजनक है।"

"ईमानदारी से कहूं टॉमी, तो यह बहुत छोटी बात है।"

"हे, छोटी बात है, लेकिन छोटे स्तर पर अनियमित रहना गलत नहीं है। सभी इंसान एक ही त्वचा से बने है क्या यह तुम्हें प्रेरणा देने वाला नहीं लगता। अगर तुम सोचने से, महसूस करने से डरोगे और खुद को अलग बनाने की कोशिश नहीं करोगे तो तुम कभी भी सर्जनात्मक और परिर्वतनशील नहीं बन पाओगे। ओरिजनल बने रहो ब्लैक। जरा उसके बारे में सोचो। मेरे सामने जो ब्लैक डेविस खड़ा है उसके जैसा दूसरा ब्लैक मेरे सामने नहीं फिर कभी नहीं आ सकता। इस पूरे विश्व में तुम अकेले और इकलौते हो और रहोगे। और तुम जितने अच्छे हो उतना और कोई भी अच्छा नहीं हो सकता।"

"यह बात बहुत ही लुभावनी नजर आ रही है। मैं खुद को जो समझता था उससे मैं कई गुना ज्यादा विशेष हूं। मुझे लग रहा है कि युद्ध से जब मैं घर आया तब से मैं खुद को हतोत्साह ही करते आ रहा था। लेकिन अब आपसे मिल कर मुझे अच्छा महसूस हो रहा है। इसके लिए धन्यवाद। मुझे लगता है कि मैंने जिन

फौजियों के साथ काम किया उन सभी को मैं आपसे मिला दूं ताकि वह भी यह सब बातें सीखें जो आप मुझे सीखा रहे हैं।"

"अच्छी बात है, लेकिन चिंता न करें, हम उन्हें अवश्य मदद करेंगे। और तुम्हारी मदद से हम यह संदेश इस विश्व में उन *सभी तक* पहुचाएंगे जो काम में चोटी पर पहुंचना के साथ ही जीवन में नेतृत्व करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि लोग इस दार्शनिकता को सुनना चाहते हैं। जीवन बहुत छोटा है और लोग अपनी जिम्मेदारियों के साथ चलते हुए अपना श्रेष्ठतम देने की कोशिश करने के साथ कुछ अलग बनना चाहते हैं। क्या तुम जानते हो कि इंसान का जीवन सिर्फ ९६० महीने है।"

"वाकई टॉमी, जैसा आप बता रहे हैं उससे लगता नहीं कि हम इतना लंबा जीवन जी सकते हैं।"

"ऐसा नहीं है। यह सिर्फ २९ हजार दिन की बात है।"

"वाह, ९६० महीने या फिर २९ हजार दिन। मुझे यह याद रखना पड़ेगा।"

"इसलिए सही नेतृत्व में कदम रखने का अब समय आ गया है। खैर, मैंने कभी पदनाम नहीं लिया, और कंपनी में मेरी ख्याति फैली है कि, मैं पदनाम स्वीकारने से मना करता हूं। सिर्फ इसलिए क्योंकि मुझे नहीं लगता कि काम करने के लिए इस तरह के पदनाम की जरूरत है। मेरे स्वभाव से मैंने जो पुरस्कार और सम्मान प्राप्त किए हैं मैंने उसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था। मैंने कंपनी को कई बेहतरीन सुझाव दिए थे। कंपनी का कारोबार में बदलाव लाने के बारे में मैं जो बात कहता था वह कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी सुनते थे। जिस यात्रा की कंपनी के कर्मचारी बातें करते रहते हैं उस कैरेबियन यात्रा पर जाने का मौका मुझे मिला। और पैसा तो निश्चित ही मेरे पास आता गया। *नेतृत्व दिखाने के लिए तुम्हें किसी पदनाम की जरूरत नहीं है,* मेरे दोस्त, वाकई तुम्हें इसकी कोई जरूरत नहीं है।" बहुत ही मजबूत और सकारात्मक तरीके से उन्होंने अपनी बात रखीं।

थोड़ी देर रुक कर उन्होंने अपनी घड़ी देखी। उनकी घड़ी अनोखी थी क्योंकि घड़ी के डायल पर स्पाँजबॉब स्क्वेअरपैंट्स का चित्र था। मैंने कोई प्रतिक्रियां नहीं दी। यह व्यक्ति सिर्फ अलौकिक नहीं था बल्कि उससे कई गुना ज्यादा था। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, मैं उन्हें पसंद करने लगा था। और यह पूरी तरह साफ हो रहा था कि एक अपरिचित व्यक्ति होने के बावजूद वह मुझे जो दार्शनिकता सीखा रहा था उससे पता चल रहा था कि वह बेहद दयालू भी है।

"खैर, मैं अपना काम बेहद गंभीरता से लेता हूं, और ब्लैक, हमने बातचीत करने में कंपनी का बहुत सारा समय व्यतीत कर दिया है। मुझे यह बात अच्छी नहीं लग रही है। मुझे पता है कि इस स्टोर को आगे बढ़ने के लिए कुछ सुधार लाने की जरूरत है, लेकिन, ब्लैक, यह संस्था बहुत ही विशेष है, और तुम बेहद

भाग्यशाली हो जो यहां काम कर रहे हो। सुबह का यह समय देने के लिए धन्यवाद।"

"कोई बात नहीं, टॉमी।" मैंने जवाब दिया, लेकिन मैं चकित भी था क्योंकि अचानक ही इतनी जल्दी हमारी बातचीत खत्म हो रही थी। "हालांकि मुझे आपको धन्यवाद देना चाहिए क्योंकि आपने आपका बहुमूल्य समय मुझे दिया, जिससे मुझे बहुत कुछ सीखने मिला।"

"तुम्हारा स्वागत है, लेकिन एक बात याद रखो दोस्त, यह सब एलडब्ल्यूटी है, सिर्फ काम की जगह ही नहीं बल्कि निजी जीवन में भी। और जैसा कि मैंने पहले बताया, मैंने जो कुछ बताया है उसे पूरी तरह समझ लो और उस पर सोचो। पूरी तरह बदलने के लिए तैयार हो जाओ। जो सफलता और निजी खुशी तुमने सपने में भी सोची न हो उसका अनुभव लेने की ओर तुम अग्रसर हो रहे हो। तुम इस कंपनी के रॉकस्टार बनने वाले हो। यह तुम्हें बहुत ही उत्तेजित करने वाला है।" उन्होंने फिर एक बार अपनी मुट्ठी हवा में फैलाते और आंखें मिचकाते हुए कहा।

"हां, वाकई मैं भी बहुत ही उत्तेजित हो रहा हूं।"

"ब्लैक, विशेष नेतृत्व के इस सफर पर तुम्हें ले जाने के पहले तुमसे एक कांट्रैक्ट करने की जरूरत है। और जो तुमसे करवाने की मुझे जरूरत है अगर वह तुम नहीं करना चाहते तो मैं अपनी इस मुलाकात को सिर्फ एंज्वाय किया ऐसा मानूंगा, और फिर तुम्हें उन चार गुरुओं के पास लेकर जाने का कोई मतलब ही नहीं है।"

"कांट्रैक्ट क्या है?" मैंने पूछा। मेरे सांसरिक जीवन में अभूतपूर्व बदलाव लाने वाली इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को खो देने के डर से मैं आहत हो गया, साथ ही मुझे थोड़ा ताज्जुब भी हो रहा था कि टॉमी यह बातें जानबुझ कर मुझ पर यह शानदार दायित्व सौंप रहे थे।

"चिंता की कोई बात नहीं। यह ऐसी कोई जरूरत नहीं है जो तुम्हें महंगी साबित हो। असलियत में जो यह दार्शनिकता तुम पढ़ने जा रहे हो, जब तुम पढ़ोगे, उस समय मैं तुम्हें जो करने के लिए कहूंगा वह तुम अपने आप ही करोगे।"

अचरज से ऊंचे स्वर में मैंने पूछा- "तो क्या यही कांट्रैक्ट है।"

"मुझे सिर्फ एक सीधा सादा वचन दो।"

"क्या करने लिए?"

"ब्लैक, चार गुरुओं से जो विचार और तरीके सीखने जाने वाले हो वह विचार और तरीके ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाओगे जो तुम्हें संभव है। और इसका पुरस्कार तुम्हें यह मिलेगा कि तुम्हारी वजह से कई ऐसे लोगों की जिंदगी बदल जाएगी जिनकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकते। और मेरा पुरस्कार

यह रहेगा कि मैं उस कांट्रैक्ट पर अमल कर रहा हूं जो मैंने मेरे गुरुओं के साथ किया था।"

"क्या मुझसे जो वचन ले रहे हो वहीं वचन उन्होंने आपसे लिया था?" मैंने पूछा।

"उन्होंने ऐसा ही किया था। और आज मैं उस पाठ की अविश्वसनीय ताकत को महसूस कर रहा हूं। अब मेरी समझ में आया है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। अब तक मैं जिन लोगों को मिला हूं उनमें से यह ऐसे चार गुरु हैं जो बेहद प्राकृतिक रूप से शक्तिशाली और महान हैं। वह जानते हैं कि उनकी दार्शनिकता किसी के भी जीवन में जबरदस्त बदलाव ला सकती हैं और साथ ही संगठन में भी एक चमत्कारी बदलाव ला सकता है। असलियत में मेरे मन में जरा भी शक नहीं है कि वह तुम्हारे पास जो बातें व्यक्त करने वाले हैं उसकी मदद से पूरा देश शानदार सफलता हासिल कर लेगा। और इसलिए वह इस विचारों को देकर लोगों की मदद करना चाहते हैं ताकि वह अपना श्रेष्ठ काम करें और विश्व एक बेहतरीन स्थान बने, उन्होंने मुझसे वादा लिया था कि मैं उनके अच्छे विचारों को लोगों तक प्रचारित करूं। और, ब्लैक, इसी वजह से मैं आज यहां आया हूं। और यही वजह है कि मैं तुमसे यह सब पूछ रहा हूं।"

"ठीक है, मैं तैयार हूं। मैं ज्यादा से ज्यादा लोगों तक यह दार्शनिक विचार पहुंचाने की कोशिश करूंगा। जैसा आप बता रहे हैं वैसा यह विचार अगर प्रतिभाशाली है, तो मैं शायद उस पर किताब भी लिख दूं। इससे, हर कोई जो यह किताब पढ़ेगा उस तक नेतृत्व का यह संदेश पहुंच जाएगा। हम, लोग, कारोबार और देश को बेहतर बनाने का हमारा जो काम हैं उसे बखूबी निभाएंगे। इसलिए, टॉमी, मैं इससे स्पष्ट रूप से सहमत हूं।"

"बिलकुल सही।" उनका बेहद सपाट जवाब था।

और इसके बाद वह, विचारों से भरे मेरे दिमाग और किताबों के साथ मुझे छोड़ कर चले गए। मेरा दिल इतने जोर से धड़क रहा था कि उसकी आवाज मुझे साफ-साफ सुनाई दे रही थी, जिसे मैं बरसों से सुन नहीं पाया था। मुझे लग रहा था कि जैसे मेरा पुनर्जीवन हो गया है। फिर से उम्मीद की किरण मुझे नजर आ रही थी।

लेकिन वह वह समय था और आज आज का समय है। टॉमी फ्लिन के साथ हुई वह पहली मुलाकात होकर काफी समय बीत गया था, समय इतनी तेजी से बीत गया था कि उस पर यकीन करना ही कठिन हो रहा है। मुझे लगता है कि यही जीवन है- दिन सप्ताह में बदल जाते हैं और सप्ताह महीनों में और यह पलक झपकते ही होता है। और सबसे बड़ी खबर यह कि उस दिन सोमवार को सोहो बुकस्टोर में टॉमी ने मुझसे जितने भी वादे किए थे वह सब सच हो गए है। हर एक वादा।

उनके द्वारा कहे गए चमत्कारी दार्शनिक विचार सीखते वक्त, मेरा जीवन मूल रूप से बदल गया था। चार गुरुओं द्वारा मुझे जो पाठ सिखाए गए, उनका अनुसरण करते हुए, मैंने मेरे कैरिअर में स्फोटक परिवर्तन महसूस किया। उनके और चार गुरुओं द्वारा सिखाए गए विचारों को स्वीकार करते हुए, खुशी और अंदरूनी शांति की वजह से मैं बेहद चतुराई से एक निश्चित स्थान पर पहुंच चुका था। और जैसा कि टॉमी ने कहा था, यह सब इतनी जल्दी मुझे प्राप्त हुआ था कि जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी।

और आज आपको यह बताते हुए मुझे बेहद गर्व हो रहा है कि ब्राइट माइंड बुक कंपनी के इतिहास में आज मैं सबसे युवा उपाध्यक्षों में से एक हूं। कंपनी के स्टोर को भेंट देने, कारोबार बढ़ाने और बहुत ही तेजी से तरक्की करने वाले हमारे संगठन के लिए नेतृत्व तैयार करने के लिए इस महान देश के कोने-कोने में मैं घुमा हूं। आज हमारी कंपनी अच्छा खासा मुनाफा तो कमा ही रही है साथ ही हमारी कंपनी को बेहतर सेवा और अच्छे काम के स्थान की वजह से चारों तरफ से सम्मान मिल रहा है। मैं सिर्फ अपने काम से ही प्यार नहीं कर रहा हूं, बल्कि अपने जीवन की भी पूजा करने लगा हूं। मैं बेहद स्वस्थ और जो लड़की मेरी प्रेमिका थी उसी से शादी कर सुखी विवाहित जीवन बीता रहा हूं, और दो बच्चों का खुशनसीब पिता हूं। युद्ध के दौरान मैंने जो कीमती समय बिताया था उससे मेरे निजी जीवन में अच्छा खासा बदलाव आया था, अंतिमतः उसने मुझे सशक्त, बुद्धिमान और बेहद शालीन इंसान बनाया था। और काम करते वक्त एक बार जब मैं सोच रहा था कि अब मेरा कैरिअर खत्म हो गया है, उसी समय मेरे जीवन ने कला क्षेत्र में होने वाले बदलाव के सदृश्य नया आकार लिया।

लेकिन यहां मैं वह एक सही मुद्दा आपके साथ बांटना चाहता हूं, और वह यह है कि आज मैं न सिर्फ एक सफल इंसान हूं, मैं खुद के जीवन को *सार्थक* भी मानता हूं। जो मेरे जीवन में महत्वपूर्ण है। मेरी वजह से विश्व में थोड़ा अच्छा बदलाव नजर आया हैं, और मैं यहां हूं। इससे ज्यादा अच्छा और क्या हो सकता है?

सोमवार की सुबह टॉमी से हुई मुलाकात से आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। और उस भविष्यसूचक समय में, मैंने टॉमी को वचन दिया था कि जो रहस्य मैंने सीखे हैं वह उस हर व्यक्ति को बताऊंगा जिनसे मैं मिलूंगा। और इसलिए आज वह हर रहस्य आपके सामने प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद सौभाग्य महसूस हो रहा है। कृपया अपनी कुर्सी की पेटी बांध ले, क्योंकि अब हम एक सवारी पर निकल रहे हैं।

अध्याय ३

सामान्यताओं का अवमूल्यन और नेतृत्व प्रभुत्व के नेत्रदीपक परिणाम

आम लोग हमेशा अपने खुद के भले के लिए पूरी क्षमता से कार्य करते हैं। सुधारवादी सच्चे नेता हमेशा शीघ्रता से लोकजागृति या परिवर्तन करके विपदाओं पर मात कर बेहतर कार्य करते हैं।

—जेन गिरौडक्स

बुक स्टोर में उस दिन सुबह मिलने के बाद टॉमी ने मुझसे कहा था कि मैं जो जानकारी प्राप्त करना चाहता हूं उसके लिए मुझे सिर्फ एक दिन की जरूरत है। "मुझे सिर्फ एक दिन दे दो, ब्लैक।" उन्होंने अनुरोध किया।" तुम ऐसे चार अध्यापकों से मिलोगे जिन्होंने मेरे दिल में एलडब्ल्यूटी तत्वज्ञान भर दिया है। सफल नेता बनने के लिए सही रूप से क्या करना चाहिए इस बारे में वह तुम्हें सबकुछ बताएंगे। किसी खराब रिकार्ड की तरह बार-बार मैं भुनभुना नहीं रहा हूं, लेकिन नेतृत्व का मतलब सिर्फ सीईओ, फौज में जनरल या राष्ट्र का सत्ताधारी बने रहना ही नहीं है। नेतृत्व सभी के लिए है और मौजूदा स्थिति के व्यावसायिक और सामाजिक विस्मयकारक बदलाव के युग में सफल होने के लिए यही एकमात्र आवश्यक अनुशासित मार्ग है।"

"मानवता जिसकी सांस है ऐसा नेता बनना ही मेरी इकलौती और सबसे बड़ी जरूरत है, है ना?"

"हां, अगर तुम सांस लेते हो, तो तुम नेतृत्व भी कर सकते हो। उन्होंने दृढ़ता और सकारात्मकता से यह वक्तव्य कहा, जिसकी वजह से मैं मेरी मौजूदा स्थिति और भविष्य के बारे में और भी बेहतर महसूस करने लगा।

आज मैं यहां था, कुछ दिन बाद, जब सिर्फ एक कप कॉफी लेकर बड़े जोश और उमंग से मैं न्यूयार्क शहर को छोड़कर गाड़ी चलाते हुए उस जगह पर जा रहा था जहां टॉमी ने मुझे बुलाया था। दिन का सबसे अच्छा समय इस तरह से कुछ फुसफुसाकर उन्होंने मुझे सुबह ठीक पांच बजे उस जगह पहुंचने के लिए कहा था। अपने इस नए गुरु को नाराज न करते हुए, मैंने थोड़ी अनिच्छा से ही मैंने उसे स्वीकार किया था।

जब मैं ऊंची अट्टालिकाओं को पीछे छोड़ते हुए शहर की खाली सड़कों से मैनहटन के बाहर, मुख्य रास्ते से गाड़ी चला रहा था, जहां मुझे अपने गंतव्य

स्थान पर जाना था, तब मेरी गाड़ी में ऊंची आवाज में रॉक संगीत बज रहा था। मेरी उत्सुकता बढ़ती जा रही थी। आज का दिन क्या मोड़ लेगा इसकी मुझे जरा भी कल्पना नहीं थी। हां, लेकिन एक बात मुझे अवश्य पता चली थी कि अनिश्चितता एक बहुत कीमती और अच्छा उपहार होता है। हमारे में से बहुत सारे लोग अंजान पल का मुकाबला करने से डरते हैं। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह कुछ और न होकर किसी साहस की शुरुआत होती है। और इतना ही नहीं, बल्कि कामयाबी खुद आपके पास चली आती है।

टॉमी ने जो लिखित सूचना दी थी उसमें लिखा था कि रोजमेड कब्रस्तान के पास आकर रुको। वहां तुम्हे मेरी गाड़ी नजर आएगी। अपनी मुलाकात की सही जगह का तुम्हें पता चले इसलिए मैं अपनी गाड़ी की बत्तियां जलाते हुए रखूंगा।

गंतव्य स्थान पर पहुंचने के लिए बनाई योजना और नक्शे के मुताबिक पांच बजने से दस मिनट पहले मैंने मुख्य सड़क से अपना रुख बदलते हुए कंकड़ से आच्छादित रास्ते पर जा पहुंचा। रास्ते के दोनों तरफ के चीड़ के पेड़ आसमान छू रहे थे। रास्ते पर हल्का कोहरा नजर आ रहा था। दी गई सूचना के अनुसार मैंने मेरी कार की बाईं बाजू खुली रखी थी। मेरी बिलकुल समझ में नहीं आ रहा था कि हम कब्रस्तान में क्यों मिल रहे है, लेकिन फिर मुझे लगा कि उसके आसपास कोई ऐसी जगह होगी, जो टॉमी मुझे दिखाना चाहते हैं। कब्रस्तान एक ऐसी यादगार और शायद सुविधाजनक जगह थी, जहां दिन की शुरुआत करने के लिए हम एक-दूसरे से जुड़ना चाहते थे।

जैसे ही मैं गंतव्य स्थान के पास पहुंचा, मैंने एक आश्चर्यजनक दृश्य देखा। जैसा टॉमी ने कहा था, नए बने रास्ते पर एक कार खड़ी थी, कार की बत्तियां भी जल रही थी, लेकिन कार में कोई नहीं था। कार की रचना और बनावट देख कर मुझे डर सा लगने लगा, क्योंकि वह एक काले रंग की चमकती हुई पोर्शे ९११ एस कार थी। और निजी लाइसेंस तख्ती पर LDRSRUS लिखा हुआ था। मैंने मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया। यह आदमी सचमुच अलग है। यह अनोखा पुस्तक विक्रेता जिसने बड़ी संपत्ति की लालसा, बड़े दफ्तर की कामना जैसी धारणाओं को ठुकरा कर, आज के क्रांतिकारी नए समय में नेतृत्व का आदर्श जैसा नया तत्वज्ञान सामने लाने की कोशिश की, जो मेरे सपने की कार पाने जैसा था।

मैंने पोर्श के पीछे कार रुका कर कार का इंजन बंद किया। उस अंधेरे रास्ते पर डरावना और भयानक सन्नाटा था। उपरी पहाड़ी पर मैदान में मैंने एक अकेली प्रतिमा देखी। मुझे लगा कि वह टॉमी ही होगा। वह अचल स्थिति में कब्रस्तान में खड़ा था।

वह गली पार कर उस हरी पहाड़ी पर पहुंचने के लिए मैंने मेरी सारी शक्ति लगाई, कब्रस्तान में लगे सभी क्रॉस चिन्ह लगी कब्रो को पार कर टॉमी तक

पहुंचा। टॉमी तक पहुंचने के लिए ही मैंने यह सब किया था। मुझे महसूस हुआ कि मैं डरने लगा हूं। आखिरकार वहां पर अंधेरा था और मैं कब्रस्तान में खड़ा था। सच बात यह थी कि मैं टॉमी को अच्छी तरह जानता नहीं था, फिर भी मैं यहां आ गया था। हालांकि टॉमी के बारे में मैंने अन्य पुस्तक विक्रेताओं से जानकारी हासिल की थी, और उसने मुझसे जो भी कहा था वह पूरी तरह सच था। उसने दी हर जानकारी सही थी। टॉमी पूरी तरह सही था।

यह सच है कि टॉमी एक सतहत्तर वर्ष का आदमी था, लेकिन हमारे बुक स्टोर का वह एकमात्र, सर्वमान्य, सम्माननीय व्यक्ति था। कैरेबियन में छुट्टियां बिताने के पुरस्कार के साथ ही उन्होंने और भी कई पुरस्कार हासिल किए थे। वह अच्छी आमदनी कमा रहा था और उसे ऊंचे पदों का कार्यभार सौंपा गया था। हमारी कंपनी के सभी पदाधिकारी उससे बेहद आदर और सम्मान से बर्ताव करते थे। हमारी मुलाकात सुबह-सुबह कब्रस्तान के बीचोबीच हुई थी। मुझे लगा कि मेरी यह बेहद असुरक्षित और अविचारयुक्त कृती थी। लेकिन मेरे अंदर की आवाज मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही थी, इसलिए मैं आगे बढ़ता चला गया।

टॉमी जहां खड़े थे, वहां पहुंचते ही मैंने देखा, सूरज की पहली किरणें क्षितिज पर आ रही है। मैंने यह भी देखा कि रात को प्रखरता से चमकने वाला चंद्रमा धीरे धीरे लुप्त हो रहा है। वह एक बहुत ही सुंदर दृश्य था।

मैं उस प्रतिमा तक पहुंचने के लिए चलता रहा। उसकी पीठ मेरे तरफ थी, फिर भी मैं यकीन के साथ कह सकता था कि वह टॉमी ही है। आज उन्होंने वहीं कपड़े पहने थे, जो हमारी पहली मुलाकात के वक्त उन्होंने पहने थे। उनके सामने हाल ही में बनी जो कब्र थी। मैं बेहद चौंक गया।

पहले मुझे लगा कि मैं यहां से भाग जाऊं। हो सकता है कि यह कोई अंजान, पागल इंसान हो जिसने ललचा कर मुझे इस निर्मनुष्य जगह उसका अगला शिकार बनाने के लिए यहां बुलाया हो। मैं घबराया। मैं कुछ भी सोच नहीं पा रहा था। मेरे पैर ठंडे पड़ गए थे।

टॉमी ने धीरे से पीछे देखा। उनके बाल अस्त-व्यस्त थे। उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। उसे देखते ही मैं तुरंत ही हल्का महसूस करने लगा। उगते सूरज की किरणें तेज हो रही थी। यह एक बेहद चित्ताकर्षक दिन होने जा रहा था।

"सुप्रभात ब्लैक।" टॉमी ने अपने स्वाभाविक आत्मविश्वास के साथ कहा- "बिलकुल समय पर, मैं बेहद प्रभावित हुआ। मैं जानता हूं कि यह बहुत जल्दी का समय है, परंतु मैंने नेतृत्व के बारे में एक चीज सीखी हैं, *नेता वह होते हैं, वह जो काम करते हैं, वह हारे हुए लोग करना नहीं चाहते - इतना ही नहीं वह यह भी नहीं चाहते कि कोई और वह काम करें।* सच्चे नेता जो काम उन्हें महत्वपूर्ण लगता है वह पूरे अनुशासन के साथ करते हैं- और हां- इसके विपरीत ही मजे और खुशी से भी। तो अब यह नहीं कहा जा सकता कि श्रेष्ठ नेता के पास वक्त

नहीं होता। उनके पास वक्त निश्चित ही होता है। क्योंकि, वास्तव में उनका उच्च दर्जे का कार्य, उनकी सफलता, कार्य के प्रति समाधान और अच्छे परिणामों की वजह से वह आम लोगों से वह कई गुना अधिक आनंदित और प्रसन्न रहते हैं। उनके जीवन की खुशियां और आनंद का पता हममें से ज्यादातर लोगों को नहीं चलता। कुछ बातें और घटनाएं ज्यादा से ज्यादा आनंद उत्पन्न करती है, यह महसूस कर आपकी प्रतिभा बहुत अच्छा कार्य कर रही है और फिर आप अपना जीवन खूबसूरती से बिता सकते हैं।" टॉमी ने एलडब्ल्यूटी लिखा हुआ चांदी का नेकलेस गले से खींच कर निकालते हुए कहा।

"यह तुम्हारे लिए हैं ब्लैक। इतना साहस दिखाने के लिए। यही पर तुमने आधी जंग जीत ली है। यह इसलिए भी है कि तुमने तत्वज्ञान को सीखने की इच्छा प्रकट की। एलडब्ल्यूटी का मतलब है- लीड विदाउट अ टाइटल यानि उपाधि के बिना नेतृत्व। यह एक पूरी पद्धति है जिसे तुम आज सीखने वाले हो। तुम्हें नेता बनने के लिए किसी भी उपाधि या नाम की जरूरत नहीं है, मेरे दोस्त। कृपा कर यह जान लो कि यह पंक्ति आज तुम बार बार सुनने वाले हो। इसके लिए तुम्हे तैयार रहना है क्योंकि यह तुम्हारे प्रशिक्षण प्रक्रिया का एक हिस्सा ही है।"

"मतलब?"

"मतलब यह कि किसी भी बात का दोहराव अध्यापन का और अध्ययन का मजबूत कौशल होता है। दोहराव के माध्यम से और इसके कारण कोई भी नई कल्पना अपने विचारों में एकीकृत होती है। यह बात अपने विचारों में ढाल लो कि नेतृत्व दिखाने के लिए उपाधि की आवश्यकता नहीं होती और यह मंत्र तुम यहां बार-बार सुनोगे क्योंकि यही ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमें किसी के निर्देशों को हमेशा सुनने के बजाय बातें याद रखना ज्यादा जरुरी है। ब्लैक, यह जी. के. चेस्टरसन ने कहा है।"

"मैं समझ गया।" मैंने प्रसन्नता से टॉमी के जूते पर लगे चमकते सिक्के की तरफ देखते हुए कहा।

"बहुत अच्छे। जैसा हमने पहले भी बुक स्टोर में कहा था, नेतृत्व कोई जटील कला नहीं जो कुछ चुने हुए हार्वर्ड के स्नातकों और सामाजिक पार्श्वभूमि वाले लोगों के लिए ही जरुरी है। हमारी मानवता का सबसे बड़ा सच यही है कि हममें से हर कोई नेतृत्व दिखा सकता है। *और मौजूदा स्थिति के इस प्रलंयकारी बदलते समाज में नेतृत्व ही यह एकमात्र और महत्वपूर्ण कौशल है व्यवसाय में आगे बढ़ने के लिए*। उस दिन मैं यह बताना भूल गया था कि *नेतृत्व सिर्फ काम के समय ही दिखाया जाने वाला कौशल नहीं है। हमें हमारे नेतृत्व का प्रयोग और उपयोग जीवन के हर मंच पर करना बहुत जरुरी है।* उच्चतम जीवन स्तर पाने के लिए हमें अपने स्वास्थ्य में नेतृत्व का प्रतिरुपण समा लेना आवश्यक है। हमें अपने प्रियजनों के सामने नेतृत्व प्रदर्शित करना चाहिए। नेतृत्व का

परिणाम अपनी अर्थव्यवस्था पर भी होता है। नेतृत्वता को समाज में हमेशा जीवित रखना बेहद जरुरी है। इसका मूल कारण और सबसे जरुरी बात यह है कि- नेतृत्व स्वयंपूर्ण होना चाहिए। अगर आप खुद का नेतृत्व नहीं कर सकते तो आप जीवन में किसी और का नेतृत्व करने की क्षमता भी नहीं रख पाते। तुम्हारे लिए यह बेहद प्राथमिक और जरुरी दृष्टांत है। अपने अंदर की क्षमता का केंद्र जानना, सामर्थ्य का पता लगाना यह अपने अनुयायियों के प्रति अच्छा उदाहरण है- ऐसा महान तत्ववेत्ता रोलो माई ने कहा है।" टॉमी ने खुली हवा में सांस लेते हुए कहा। "यह एक महान दिन है, ब्लैक। अगर मुझ पर विश्वास नहीं है तो सिर्फ इसके दूसरे पर्यायों के बारे में सोच कर देखो।" उन्होंने विनोदपूर्ण अंदाज में कहा।

"उपहार के लिए धन्यवाद, टॉमी," मैंने हार अपने सिर पर रखते हुए कहा। आखिर में टॉमी ने एलडब्ल्यूटी का मतलब बताया था, उपाधि के बिना नेतृत्व। मुझे इसका गहरापन और उच्चारण अच्छा लगा।

"और हां, इस वक्त इसे सही ठहराने के लिए शुक्रिया।" मेरे गुरु ने कहा। "सुबह जल्दी जागना एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यवहार है जो उपाधि के बिना नेतृत्व करने वाले नेता पूरी नियमितता से निभाते हैं। इससे मुझे बेन फ्रैंकलिन के शब्द याद आए, उन्होंने एक बार निरीक्षण किया था- "मरने के बाद आपके पास सोने के लिए बहुत समय होता है।" टॉमी ने नीचे कब्र की तरफ देखते हुए कहा।

"कुंठित आदमी।" मेरा जवाब आया।

"वह बिलकुल सही थे। बहुत सोते रहना आसान है। हम में से बहुत लोगों को यह अच्छी तरह पता है कि हमारे पास बहुत खाली समय है, फिर भी हम उसे बरबाद करते है। रोज एक घंटा जल्दी उठने से हम हफ्ते के सात घंटे और महीने के तीस घंटे ज्यादा मिलते है। यानि हर तीस दिनों में एक पूरा हफ्ता। इस पूरे समय का उपयोग तुम अपनी योजना बनाने, अपने सपने साकार करने, अपनी परियोजनाओं को विकसित करने के लिए कर सकते हो। अपने अंदर की चंचलता दूर करके अपने विचारों के बारे में पुनः विचार करें। इस समय का उपयोग तुम सीखने औक विकसित होने के लिए कर सकते हो। जो काम तुम कर रहे हो उसे सर्वोच्च शिखर पर ले जा सकते हो। ब्लैक, तुम्हारे इस सफर का मुख्य उद्देश्य है, आगे बढ़ना, उन्नती करना। संतुष्ट रहना अच्छा है, पर हमेशा के लिए नहीं। इसलिए सब बातों में प्रगति करो। सबकुछ बेहतर बनाओ, प्रति दिन- लगातार और तीव्र इच्छा से।"

"प्रेरणादायी! परंतु मुझे एक कॉफी की जरुरत है" मैंने कहा।

टॉमी पूरी तरह से खो गए थे। मगर उन्होंने मुझे स्पष्ट रुप से सुना। बाद में उन्होंने फिर से नीचे की दो कब्र की और देखा।

"हां, मैं इन कब्रों के बारे में ही सोच रहा था। आपने तो मुझे डरा ही दिया था, दोस्त। जब मैंने इन दो कब्रों को देखा, मुझे लगा कि आप मुझ पर कोई मनोवैज्ञानिक प्रयोग करोगे। लेकिन मैं आप पर पूरी तरह विश्वास रखता हूं टॉमी, कुछ हद तक। शायद आप मेरे पिताजी को जानते हो इसलिए। भगवान, मुझे उनकी बहुत याद आती है।"

"मुझे भी। वह एक उदार और बहुत सुशील व्यक्ति थे। बचपन में भी उन्होंने हमेशा कठिन रास्ता ही चुना था। अगर वह आज होते तो तुम्हें यहां देख कर बहुत रोमांचित हो उठते, यह मैं दावे के साथ कह सकता हूं। यह सुन कर भी कि तुम तुम्हारे जीवन में कुछ बड़ा परिवर्तन करने जा रहे हो।"

"हां, वह बहुत आनंदित होते।" मैंने कहा।

"यह कब्र खोदने के लिए मुझे काफी समय लगा।" टॉमी ने गहरे गड्ढे की ओर इशारा करते हुए कहा। "सतहत्तर वर्ष के आदमी के लिए थोड़ा ज्यादा काम।" टॉमी ने हंसते हुए कहा। कब्र मुझे खींचती है। वह मुझे बार-बार याद दिलाती है कि यह जीवन छोटा और कम है। जब आप इसके बारे में सोचते हो, तो पता चलता है कि सबका आखरी वक्त एक ही जगह पर है। सिर्फ मिट्टी का ढेर, ब्लैक। वे सभी चीजें जिसे हम महत्वपूर्ण मानते हैं, जैसे कोई उपाधि, संपत्ति के कारण सामाजिक स्तर का कोई महत्व नहीं रहता। किसी सीईओ को सफाई कामगार के बगल में दफनाया जाता है। *आपके आखरी दिनों में सिर्फ वही बात मायने रखती है कि, क्या आप आपके अंदर के नेता को जान पाए या नहीं, और अगर जाना है तो क्या आपने अपनी इस क्षमता को लोगों को देकर इसका उपयोग करने का साहस किया है।* जब आप जीवन की तुच्छ बातों से निवृत्त होकर अपने जीवन-उद्देश्य का केंद्र निश्चित कर सकते हैं।" टॉमी ने विराम लिया और खुली हवा में लंबी सास ली। "दिलचस्प बात है कि तुम्हारी मृत्यु की कल्पना का परिणाम यह होता है कि तुम्हे तुम्हारी जीवन की सच्चाई से जागृत करना। देखो, अपने अंदर झांक कर देखो।"

पहली कबर के नीचे एक स्लेट पट्टी थी। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। उस पट्टी पर कुछ शब्द स्पष्ट अक्षरों में लिखे हुए नजर आ रहे थे।

"आगे बढ़ो।" टॉमी ने मुझे प्राथमिक प्रशिक्षण की याद दिलाते हुए कहा। "थोड़ा सा गंदा होने से डरो मत। नीचे उतर कर वह पट्टी बाहर निकालो।"

मुझे फिर से घबराहट होने लगी। मन आशंकित हुआ। उस डर का मुझ पर किसी तरह का असर हो इसके पहले ही मैं अंदर घास में कूद गया। पट्टी को उठाया और उस पर जमी गंदगी साफ करने लगा। सूरज पूरी तरह निकल आया था। मैं मग्न होकर पट्टी पर लिखे शब्द पढ़ने लगा, जिसके लिए मुझे प्रोत्साहित किया गया था।

उस पर लिखा था- "मानव जीवन के १० पश्चाताप।" "इसका क्या मतलब है?" मैंने पूछा।

बस तुम पढ़ते रहो।

मानव जीवन के दस पश्चाताप मैंने जोर से कहा।

१. आपका जीवन जो एक बेहद प्रभावशाली गीत गाने के लिए मिला था, आखरी समय में तुम पाओगे के तुमने निस्तब्ध होकर जीवन गुजारा है।

२. अपने आखरी समय में महसूस करोगे कि अच्छा काम करने की और अच्छी चीजें हासिल करने की प्राप्त हुई नैसर्गिक शक्ति का तुमने अनुभव लिया ही नहीं।

३. आखरी दिन में यह अहसास होगा कि तुमने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे अन्य लोग प्रोत्साहित हो सकें।

४. आखरी दिनों में तुम्हें लगेगा कि तुमने जीवन में कोई कठिन काम करने का जोखिम ही नहीं उठाया जिससे तुम्हें कोई पुरस्कार नहीं मिला।

५. आखरी दिनों में आपको यह समझ में आएगा कि तुमने जीवन में कई अच्छे मौके गंवाए- जो तुम्हे किसी विशेष स्थान पर ले जाते। तुम झूठी धारणा में आकर साधारण योग्यताओं पर संतोष मानते आए हो।

६. आखरी दिनों में तुम्हें यह सोच कर बुरा लगेगा कि तुमने आपदा को जीत में बदलने की और शीशे को सोने में बदलने का हुनर नहीं सीखा।

७. तुम्हें इस बात का खेद रहेगा कि तुमने सिर्फ खुद की मदद की, लोगों की मदद नहीं कर सके।

८. आखरी दिनों में तुम्हें यह पता चलेगा कि तुमने ऐसा जीवन व्यतित किया जो तुम्हें समाज ने सिखाया- सिवाय नेतृत्व करने के।

९. आखरी दिनों में तुम्हें इस वास्तवता का पता चलेगा कि तुम्हारी क्षमता तुम्हे पता ही नहीं चली। अपनी योग्यता को वास्तविकता में बदलने का कभी प्रयास ही नहीं किया।

१०. आखरी दिनों में तुम्हें अहसास होगा कि तुम एक अच्छे नेता बन सकते थे। जीवन में जो पाया उससे अधिक देकर नहीं जा सकते। तुमने यह कभी स्वीकार ही नहीं किया कि तुम्हारी घबराहट के कारण तुमने चुनौतियों का स्वीकार नहीं किया और अपना जीवन बरबाद कर लिया।

मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या कहूं? किसी अतर्क्य कारण से मैं हिल गया था। शायद मैंने वह पढ़ा था जो मेरे साथ भी हो सकता है। अगर मैंने मेरे कृतियों में तुरंत ही बदलाव नहीं किया और उपाधि के सिवा नेतृत्व नहीं किया तो, हो सकता है कि मैं एक नश्वर जीवन का सामना कर रहा हूं और बड़ी तेजी से मुझसे मेरा जीवन छूट रहा है। मैं टॉमी के पूरे वश में आ गया था। उसने मुझे सत्य परिस्थित मान्य करने पर बाध्य किया। कई वर्षों से मैं मेरी

अस्त-व्यस्त परिस्थिति का दोष दूसरों को देता आया हूं, जहां मैं खुद ही इसका जिम्मेदार था। मुझे अहसास होने लगा था कि *हम सभी अपनी उसी तरह जीते हैं जैसे सामने आती है।* और अंत में मुझे समझ में आया कि, मेरी निर्णय प्रक्रिया और क्रिया पूरी तरह मुझ पर निर्भर है।

एक बात तो पक्की है, मैंने अभी जो सूचि पढ़ी वह बहुत ही गहरी थी। मैंने प्रार्थना की कि, ज्यादातर लोगों को इन "दस मानवी पश्चातापों" की जानकारी हो। कल्पना कर सकते हैं कि कारोबारी लोगों को अपनी क्षमता खो देना अधिगति तक ले जा सकता है। सिर्फ ऐसा सोचो कि अगर यह बातें बच्चों को स्कूल में पढ़ाई जाती तो कितना अच्छा होता। मानवी जीवन अवकाश के पार भी बचाया जा सकता था अगर इन "दस मानवी पश्चातापों" के बारे में उन्हें जानकारी होती। उनका निवारण निश्चित ही किया जा सकता था।

यह वही पल था जिस समय मेरे अंदर बहुत कुछ बदल रहा था। वह मेरा उज्ज्वल पल था। सिक्का गिरा और सबकुछ समझ में आ गया। तभी मैंने अपने आप से यह वादा किया कि आज मैं जो कर रहा हूं उसे पूरी तरह बदलाव करूंगा। मैंने यह भी वादा किया कि मैं तुरंत ही अपनी जीवनपद्धति बदल दूंगा। इसके आगे मेरी विफलता का दोष युद्ध को नहीं दूंगा कि उसने मुझे फिर से खेल में आकर खड़े होने नहीं दिया। मैं मेरे व्यवस्थापक को भी दोष नहीं दूंगा कि उसने मुझे अच्छा काम करने का मौका नहीं दिया। वर्तमान में जीत न पाने की स्थिति के लिए अतीत की बातों को जिम्मेदार नहीं मानूंगा। उसी समय मेरे गुरु थके हारे और गंदगी से भरे, दूसरी कब्र के गड्ढे में खड़े थे जो उन्होंने इस खूबसूरत दिन की शुरुआत होने के पहले खोदा था एक नई शुरुआत के वचन के साथ। मैंने बहाने बनाना बंद कर दिया। मैं अपने सारे कर्मों के परिणामों का उत्तरदायित्व समझने लहा और मेरी उन्नती की ओर आगे बढ़ने लगा।

"क्या यह आपने लिखा है टॉमी?"

"हां, ब्लैक, यह मैंने लिखा है।" अपने मिकी माउस चित्र वाले रुमाल से हाथ पोछते हुए उन्होंने धीरे से जवाब दिया। उनका चेहरा गंभीर नजर आ रहा था, पर उनकी आवाज स्पष्ट थी।

"धरती पर नर्क यानि इस पहली कब्र में जो है उसके अलावा और कुछ नहीं है। नर्क मतलब मरने से पहले तुम्हारे मन में यह पश्चाताप आना। अपनी मृत्यु-शय्या पर इन दस पश्चातापों की स्थिति में आना इससे ज्यादा तुम्हारी प्रेतात्मा को कोई नष्ट नहीं कर सकता। आपके आखरी पल में यह बात को समझना की तुमने तुम्हे मिले हुए विशेष उपहार को जाया कर दिया। पूरे विश्व को तुम्हारा वैभव दिखाने का अवसर तुम्हें प्राप्त हुआ था। यहां पर एक महत्वपूर्ण नेतृत्व के दृष्टीकोण मैं तुम्हें बता सकता हूं, ब्लैक। कार्यक्षमता को न समझना दुख की बात है। सबसे दुख की बात यह है कि सामान्यता और घटिया जीवनपद्धति लोगों पर हावी होना। यह बिलकुल शांत रुप से होता है और फिर अचानक

तुम्हें रुलाता है।" उन्होंने विस्मयकारक तरीके से जोर जोर से ताली बजाते हुए कहा।

तुम जिस श्रेष्ठ, प्रतिभाशाली प्रशिक्षक को मिलने जा रहे हो उनके द्वारा सिखाया गया एक विचार यह है : *हर रोज की छोटी छोटी बातों के अनुशासन नियमन से जो सफलता मिलती है, उसकी तुम कभी कल्पना भी नहीं कर सकते।* सफलता की यह आदतें बेहद आसान हैं जिन्हें तुम प्रतिदिन कर सकते हो, लेकिन ज्यादातर लोगों का मानना होता है कि यह ज्यादा फर्क नहीं लाएगा, और इसीलिए वह इसे नहीं करते।

"अच्छा तो वास्तव में कामयाबी आसान है। टॉमी की बात को याद रखते हुए मैंने कहा। कोई भी व्यक्ति सफलता की ओर पहुंच सकता है, अगर वह नियमित रुप से सही चीजे करता है। और इस तरह की छोटी-छोटी संभावनाएं और आचरण एक लंबे अर्से तक गठित होती है। मैं समझ गया कि यही इसका संवेग है। अंततः असामान्य जगह तक पहुंच सकते हैं जहां पर पहुंचना पहले असंभव लगता था। इस विचार की शुरुआत मुझे किसान के काम करने के तरीके से आया। रे में सोच कर की। पहले बीज पिरोया जाता है, उसे पानी से सींचा जाता है और फिर जमीन गर्भधान करती है यानी जमीन की उपज होती है। ऐसे लगता ही नहीं कि कुछ हो रहा है।"

"फिर भी किसान इसे छोड़ नहीं देता। वह जाकर धान ढूंढ़ने के लिए उसे खोदने नहीं लगता।" टॉमी ने सहृदयता से कहा।

"किसान को खेत की प्रक्रिया पर विश्वास है और उसमें सहनशीलता है। किसान की अपनी प्रक्रिया पर पूरा विश्वास है और उसकी गहरी सोच उसके प्रयास को कामयाबी देते हुए फसल आती है। और फिर एक दिन जहां कुछ भी नहीं था वहां बहुत कुछ नजर आता है।"

"तुम बहुत ही होशियार हो ब्लैक, विस्मयकारक रुपक, मेरे दोस्त। तुम्हारे पिताजी बिलकुल सही थे। तुममें अत्यधिक कार्यक्षमता है। तुम्हारे लिए यह बहुत अच्छी बात है। उन्होंने खुशी खुशी कहा। हमें किसानों की तरह होने की जरूरत है।" इस बात को टॉमी खुद से ही बार-बार दोहरा रहा था। "यह बहुत अच्छा है।" टॉमी को दबी सांस से कहते हुए मैंने सुना।

आकाश पूरी तरह स्वच्छ और साफ था। सूरज के किरणों की तप्तता मेरे चेहरे पर आई तब पंछी चहचहा रहे थे। जीने के लिए यह दिन वास्तव में बहुत ही अच्छा था।

टॉमी अपनी बात आगे कहते रहे- "सभी सफल लोग नेतृत्व शास्त्र के नियमों का पालन करते हैं और कार्य संपादन करते है। वे सातत्य से इनमें से कुछ सिद्धांतों को अपना रहे हैं, परंतु उनका रोज के छोटे, गैरजरुरी कार्य का श्रेष्ठ निजी जीवन में अंबार लग जाता है। यह हमें असफलता की ओर ले जाता है। *दूसरी तरफ असफलता का मतलब आसानी से फिसलना है। असफलता,*

रोज की छोटी छोटी गलतियों का ही परिणाम है। लगातार लंबे समय तक इस तरह की गलतियां करने से वक्त भी बरबाद होता है जो लौट कर नहीं आता। इसी वजह से मैंने तुम्हें पहली कब्र में झांकने के लिए मजबूर किया। ताकि तुम गंभीरता से आत्मा की खोज कर सको और आज के बाद तुम इस दुनिया में अपना जीवन कैसे व्यतीत करोगे इसके बारे में सोच सको। तुम इस पहली कब्र में अपना जीवन निश्चित ही खत्म नहीं करना चाहोगे। वह एक दुखद घटना ही होगी। हां, मैं मानता हूं कि यहां इस कब्रस्तान में मिलना बहुत नाट्यमय है।” टॉमी ने आखिर स्वीकार किया। “लेकिन मुझे तुम्हें उकसाना था। खुद को ढूंढने के लिए। तुम्हें ऐसी जगह लाना आवश्यक था जहां तुम अपनी लापरवाही फेंक सकते हो। जहां तुम अपने बहानों को दूर कर सकते हो और अपने अंदर अच्छी बातें ला सकते हो। यह सही है कि तुम एक दिन मर सकते हो और यही एक बेहद सशक्त औजार है जो तुम्हारे अंदर का नेता जागृत करने और तुम्हारी विचारधारा बदलने के लिए उपयुक्त है।”

“क्यों?”

“क्योंकि, हमें पता है कि जीवन बहुत छोटा है। तुम्हारी मृत्यु निकट से देखने के बाद तुम्हें समझ में आएगा कि तुम्हारे महीने भी गिने जा रहे हैं।”

“नौ सौ साठ।” मैंने पुष्टी की।

“हां, ब्लैक, तो फिर छोटी बातें करने में क्या रखा है? असफल होने की शंका से क्यों घबराना? दूसरा क्या सोच रहा है इसकी चिंता हम क्यों करें? और नेता बनने का तुम्हारा दायित्व नकारना कहां का न्याय है?”

आप जीत गए टॉमी। मुझे ऐसा बिलकुल नहीं लगता।”

“इसका कारण है परिवर्तन। परिवर्तन तभी होता है जब तुम किसी तर्कों के बजाय भावनिक होकर सोचते हो। तुमसे बौद्धिक बातें करने के सिवा मुझे तुम्हारे शरीर के अंदर जाकर दिल को छूना अच्छा लगेगा। कोई अच्छी बात या घटना सौ बार सुनी होगी फिर भी जब तक तुम खुद इसका अनुभव नहीं करते तब तक तुम इसका छोटा सा टुकड़ा भी नहीं बना सकते। हां, उसके बाद यह कल्पना, केवल कल्पना न रह कर सत्य बन कर तुम्हारे अंदर रहती है। कुछ ट्रेनिंग सेमिनार्स असफल रहते हैं क्योंकि वह तुम्हारे अंदर पहुंचने में सफल नहीं होते।”

“बिलकुल सही है।” मैंने सहमति दर्शायी। अब मैंने बहुत सी बातों को अलग नजरिए से देखना शुरु किया है और स्पष्ट रुप से भी। मैं अब ऐसी सोच में डूबा हुआ कि मुझे मेरी नौकरी महत्वपूर्ण नहीं लगती, मेरा काम भी ज्यादा मायने नहीं रखता और बुक स्टोर की नौकरी में मैं एक निश्चित अंत तक पहुंचा हूं।

“मुझे तुम्हारी इमानदारी अच्छी लगी ब्लैक, और तुम ऐसा सोच नहीं रहे हो इसलिए धन्यवाद। तुम्हें पता है हमारे इस बड़े और अंदाजा न लगाए जाने वाले विश्व में ऐसा कोई भी काम नहीं है जो हमारी तरक्की-प्रगति रोक सके। प्रगति

पर रोक लगती है तो केवल *विचारों* से। तुम्हारी परवाह करने वाले एक व्यक्ति के रूप में, मैं तुम्हारी पूरी तरक्की के लिए प्रयास करता रहूंगा। एक बात याद रखना आवश्यक है- जो है- सर्वोच्च स्तर पर पहुंच कर किया गया कोई भी काम और उससे मिलने वाली प्रशंसा के योग्य काम तुम्हें मौजूदा स्थिति में महसूस होने वाली मर्यादित संभावनाओं से भी कई ज्यादा आगे लेकर जाएगा। सिर्फ इस वक्त तुम इस कब्रस्तान में तुम्हारे लिए जो सफलता उपलब्ध होने जा रही है, उसे नहीं देख सकते। इसका यह मतलब नहीं कि वह सफलता तुम्हारे लिए उपलब्ध नहीं है।"

"सही विचार है। मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं।"

"और मैं तुम्हें यह सुझाव दूंगा कि, भावना, ऊर्जा और पागलपन इन्हें एक धागे में बांधना यही सफलता का मार्ग है। उसी समय नए, सच्चे विक्रम प्रस्थापित होते हैं। मैंने तुम्हें यहां बुलाया इसका कारण यह है कि तुम अपने जीवन की प्रगति के बारे में निराश और दुखी होकर जो खेल खेल रहे हो- हालांकि तुम्हारा जीवन कितना मौल्यवान है यह दिखाने के लिए मैंने तुम्हें यहां बुलाया। मुझे ऐसे लगता है कि मौजूदा स्थिति में तुम जो कुछ भी कर रहे हो उसकी पूरी जिम्मेदारी-दायित्व तुम्हें ही लेना चाहिए। क्योंकि सही-गलत का चुनाव करने के लिए प्रतिभा जितनी भी लगाओगे, उतना ही तुम्हारा चयन और प्रभावशाली होता जाएगा।"

"मैं पहले से ही वहां हूं, टॉमी।" मेरे इस नए सलाहकार पर पूरा भरोसा जताते हुए मैंने कहा।

"ठीक है, तो अभी मैं इस दूसरी कब्र के बारे में बात करूंगा। उसके अंदर कूद जाओ।" उन्होंने दूसरी कब्र की ओर अपने हाथों से इशारा करते हुए कहा।

मैं तप्तरता से और उत्साह के साथ कुछ और होने के पहले मैं कब्र में कूद गया। मुझे लगा यहां मुझे दूसरी तख्ती मिलेगी या फिर कोई चांदी का हार जिस पर कुछ लिखा हुआ होगा। मगर बहुत ढूंढ़ने पर भी मुझे कुछ नहीं मिला।

इस ओर। टॉमी ने मुझे बेलचा दिखाते हुए कहा। इसके लिए तुम्हें खुदाई करने की जरुरत है। सच्चे दिल से प्रयास और मेहनत करने से ही इसका इनाम मिलता है। अभी तुम्हें जो मिलने वाला है वह तुम्हें पसद आएगा और तुम इसे चाहोगे भी।

मैंने खुदाई करनी शुरु कर दी।

"जल्दी करो ब्लैक, हमें और बहुत सी बातें करनी है और कुछ लोगों से भी मिलना है। हमारे पास पूरा दिन नहीं है।" टॉमी चिल्लाए। उन्होंने अपने हाथ एक-दूसरे पर बांध रखे थे। यह बात करते हुए उन्हें शायद बहुत मजा आ रहा था क्योंकि वह उनके चेहरे पर साफ-साफ नजर आ रहा था।

जल्दी ही मुझे कुछ मिला। मैं घुटनों पर बैठ गया और हाथों से ही मिट्टी निकालने लगा। बहुत ही मिट्टी निकालने के बाद उगते सूरज की किरनों में कुछ

चीज चमकती हुई नजर आई। मैंने वह चीज सावधानी से उठाई और अविश्वास की नजरों से टॉमी की देखने लगा। दूसरी कब्र में अंदर नीचे एक तख्ती मिली थी, जो पूरी तरह सोने की थी।

"टॉमी क्या यह वही है जो मैं सोच रहा हूं?" मैंने अचंभित होकर पूछा।

"असली सोना, मेरे दोस्त। कृपा कर अब इसे पढ़ो। इस पर जो लिखा है उसे समझने के लिए तुम अभी तैयार हो।"

उस स्वर्णिम तख्ती पर बड़े अक्षरों में शीर्षक था मानव जीवन की १० सफलताएं

"मैंने नर्क समान परिस्थिति कैसी होगी इसका चित्र बनाया है, ब्लैक।" टॉमी ने कहा।

"अभी हमें और सकारात्मक तरीके से उस जगह के बारे में सोचना होगा और चर्चा करनी चाहिए, जिस तरफ तुम शीघ्र गति से बढ़ रहे हो। यह वह स्थिति है, जहां तुम्हारे लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं और परिवर्तन की भी कोई सीमा नहीं है।"

"और मैं वहां कैसे पहुंच सकता हूं, टॉमी?"

"बस वहीं क्रियाएं जारी रखो जिसके लिए मैं तुम्हें प्रोत्साहित करता आया हूं और उपाधि के सिवाय नेतृत्व करते रहो। *तुम जहां जाते हो, जो करते हो, उसमें अगर नेतृत्व गुण ला सकते हो तो तुम अपना पूरा जीवन असाधारण और यादगार बना सकते हो। तुम अपने अंदर की मूल प्रतिभा को सही में महसूस करोगे। तुम सच में महान बन सकते हो।* मैं तुम्हारे प्रति बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मेरे बताएं हुए तत्वज्ञान का सम्मान करने से तुम्हें *निश्चित* ही जो पुरस्कार तुम्हें मिलेगा, वह तुम अभी पढ़ो।"

मैंने वह सूची पढ़ी :

१. तुम अपने जीवन की समाप्ति, पूरे संतोष और सुख से इस भावना से करोगे कि मैंने मेरी सारी प्रतिभा, संसाधन, युक्ति एवं उपाय और सर्वोत्कृष्ट क्षमता महान कार्य करने में लगाई।

२. तुमने तुम्हारा कोई भी काम पूरी श्रेष्ठता से और निर्दोष मानकों को कायम रखते हुए पूरा किया।

३. तुम्हारे सबसे बड़े डर का तुमने धैर्य से, सातत्यपूर्ण सामना किया और इससे तुम्हारी सर्वोच्च दृष्टी बनाने में तुम पूरी तरह सफल रहे।

४. तुम्हें यह भी समझ में आएगा कि तुमने लोगों को बनाया और तोड़ने वाले दुष्ट लोगों को सामने लाकर खड़ा किया।

५. तुम्हारी पूरी जीवन यात्रा हर बार सहज नहीं रही, फिर भी जब तुम कठिनाई में आए, हमेशा की तरह तुम तुरंत उसका सामना करने के लिए

तैयार हो गए और इस पूरे कठिन समय में अपनी आशावादी विचारधारा को तुमने खोने नहीं दिया।

६. तुम्हें अंत में एक अनूठी आश्चर्यजनक कीर्ति का लाड बोहा जो तुम्हें तुम्हारी असाधारण उपलब्धी से मिली है और तुम्हें लोगों का जीवन सुधारने की वजह से मिलने वाला मौल्यवान सम्मान भी प्राप्त होगा।

७. तुम अपनी ओर देख कर एक बलवान, नीतिपूर्ण, उत्साह से भरपूर प्रोत्साहित कनरे वाली व्यक्ति को देखने का आंद प्राप्त कर सकते हो।

८. तुम अंत में ऐसे महान व्यक्ति में परिवर्तित हो जाओगे जो नई प्रक्रिया, नए विचार करता है, न कि पुराने घिसे-पीटे मार्ग पर चलता है।

९. तुम अंत में अपने आपको तुम्हारे चाहने वाले, तुम्हारा अनुकरण करने वाले चहेते लोगों से घिरा हुआ पाओगे, जो तुम्हें सर्वश्रेष्ठ प्रख्यात के नाम से पुकारते है।

१०. तुम तुम्हारे अंत में किसी उपाधि के बिना नेतृत्व करने वाले सच्चे नेता में बदल जाओगे, जिसका किया हुआ कार्य उसके मृत्यु के बाद भी लंबे समय तक चलता रहेगा और तुम्हारा पूरा जीवन आदर्श बन कर रह जाएगा।

हम दोनों कब्रस्तान में फैली हुई नरम घास पर बैठ गए। टॉमी ने लिखे हुए सारे शब्द बहुत ही सुंदर, मूलभूत और अति प्रभावशाली थे। मेरा जीवन कुशंकाए और निरर्थक कार्यों से भरा हुआ था। इसके कारण सबसे महत्वपूर्ण सत्य को देखने की दृष्टी मैं गंवा चुका था। मैं अपनी परिवर्तन करने वाली शक्ति को भी भुला चुका था एवं अुने अंदर छुपे हुए प्रतिभावान व्यक्ति से मैं दूर चला गया था।

टॉमी की बातें बिलकुल सही थी। मैं आजतक कई वर्षों से जो तकचे आया हूं वहीं जारी रखते हुए मेरे जीवन को असफल और बेकार बना रहा हूं और अगर अपना मार्ग बदलता हूं, तो एक उच्च सफल जीवन भी बना सकता हूं। मैं अपना कार्य और जीवन उत्साहपूर्ण, उत्कृष्ट नेतृत्व से व्यतित कर सकता हूं। किसी नाम या उपाधि के सिवाय नेतृत्व करने की शुरुआत करके उस स्वर्णिम तख्ती पर लिखे हुए सारे पुरस्कार मैं पा सकता हूं। इन दोनों में से एक गलत चुनौती मेरा जीवन दुर्दशा में बदल सकती है और सही चुनौती जो टॉमी ने मुझे बताई थी वह मुझे मेरे सपनों के स्थान पर लेकर जा सकती है। मुझे पता है कि मैं क्या चुनने वाला हूं। और उन दो कब्रों के सामने बैठ कर मैंने चुनाव कर लिया।

अध्याय ४

नेतृत्व गुण का पहला संवाद : नेता बनने के लिए तुम्हें किसी भी उपाधि की आवश्यकता नहीं है।

अगर कोई व्यक्ति सड़क सफाई कर्मचारी हो तो उसे अपना काम इतने बेहतर तरीके से करना चाहिए, जैसे कि माइकेल एंजेलो का बनाया हुआ कोई चित्र हो, बिथोवन की कोई रचना हो या फिर शेक्सपियर की कोई कविता हो। उसे अपना सड़क साफ करने का काम इतने बेहतर तरीके से करना चाहिए कि पृथ्वी और स्वर्ग के प्रबंधक रुक कर रहे कि, यहीं पर वह महान सफाई कर्मचारी रहता है जिसने अपना काम बहुत ही खूबसूरती से किया है।

—डॉ. मार्टिन ल्यूथर किंग ज्युनिअर

सामान्य लोग अपनी क्षमता यह सोच कर त्याग देते हैं कि उनके पास कुछ कर दिखाने की क्षमता ही नहीं है।

— एलिस वाकर

टॉमी ने धीरे से चाबी लगा कर अपनी पोर्शे कार का इंजन शुरु किया। कार के इंजन की आवाज मुझे किसी कविता की तरह लगी। उनके पीछे मैंने अपनी कार शुरु की और हम मैनहटन की ओर वापस लौटने लगे। लगभग दो घंटे कार चलाने के बाद टॉमी ने अपनी कार न्यूयार्क शहर के सबसे बेहतरीन होटल के सामने रोकी, इस होटल में फैशन जगत से जुड़े लोग हमेशा आते रहते हैं, जो हमेशा हर चीज टशन से करते हैं। उन्होंने होटल के रक्षक को २० डॉलर देकर अपनी कार पार्क करने के लिए कहा। मैं उनके पीछे से छोटे, लेकिन खूबसूरत प्रवेश द्वार से चलने लगा, जो खूबसूरत मॉडल्स, योरोपियन यात्री और आधुनिक डिजाइन की किताबों से सजा था। हम होटल की तीसरी मंजिल पर पहुंचे और एक अंधेरे गलियारे से चलने लगे। “आज के इस विशेष दिन मैं तुम्हें तुम्हारे चार प्रशिक्षकों में से एक से, मिलाना चाहता हूं, ब्लैक। वह अर्जेंटिना से आई हैं और उसका नाम है ॲना। वह एक अच्छी बहुत प्यारी महिला है। बेहद दयालु है। वह वाकई

मेहनती है। वह बेहद भावपूर्ण है। और बेहद बुद्धिमान भी। सही नेतृत्व कैसा होता है यह ॲना को अच्छी तरह पता है और बिना किसी उपाधि के नेतृत्व कैसे करते हैं यह भी वह अच्छी तरह जानती है। असलियत में उसने ही मुझे इस तत्व के बारे में सबसे पहले जानकारी दी थी।" कमरा नंबर ४०४ तक पहुंचते वक्त टॉमी ने मुझे यह जानकारी दी। उसी समय मैंने अंदर से किसी के गुनगुनाने की आवाज सुनी।

"गुड मॉर्निंग टॉमी।" उत्साह भरे आवाज में दरवाजा खोलने वाली महिला खूबसूरत थी और उसके चेहरे पर खूबसूरत हंसी थी। मेरे मुताबिक वह लगभग ४० वर्ष की होगी, लेकिन वह बहुत ही उत्साही और आकर्षक थी। उसने पंचसिताक्षरा होटल की हाउसकीपर के कपड़ों की तरह काला और सफेद ड्रेस पहना था। उसकी सांवली त्वचा चमक रही थी और उसके एक ही पंक्ति में नजर आने वाले दांत सफेद थे। वह आकर्षक, उमंग से भरी थी और उसके व्यवहार में भी सहजता थी। उसने अपने बालों में सफेद फूल लगाए थे, जिससे वह और भी आकर्षक नजर आ रही थी।

"गुड मॉर्निंग ॲना।" कहते हुए टॉमी ने हल्के से उसके गालों का चुंबन लिया और उसे गले लगाया।

"क्या तुम ही गाना गा रही थी।" टॉमी ने पूछा।

"हां, मैं ही गा रही थी। तुम्हें तो पता है, अपना काम करते वक्त मैं कितनी खुश होती हूं। इसीलिए मैं गाना गाती हूं। और जब मैं गाती हूं तब मुझे काम करने में और भी मजा आता है। यह सब बहुत अच्छा है।" उसने कहा।

इसके बाद टॉमी और ॲना एक-दूसरे का हाथ हाथ में लेकर नाचने लगे। मुझे उनका वह नृत्य आधा टैंगो और आधा मेरिंगो नृत्य के समान लगा। पूरे कमरे में वह ऐसे नाच रहे थे जैसे वहां कुछ हो ही नहीं रहा है। पहले मुझे यह सब अजीब और प्रेमालाप जैसा लगा। कुछ पल के लिए वह दोनों उनके छोटे से विश्व में पूरी तरह खो गए थे। सपने जैसा यह दृश्य देखते हुए मैं कमरे के दरवाजे पर ही खड़ा था। एक बात मैं निश्चित तर पर कहना चाहूंगा कि वह दोनों एक-दूसरे के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, वह निश्चित ही प्यार नहीं था। मगर उनका रिश्ता मित्रता और स्नेह से ऊपर उठ कर था। मैंने महसूस किया कि वह दोनों एक-दूसरे का सम्मान करते हैं।

"ॲना, यही वह लड़का है जिसके बारे में मैंने तुम्हें बताया था। ब्लैक, मिलो यह ॲना है और ॲना, मिलो यह ब्लैक है।"

हम दोनों ने हाथ मिलाया। ॲना ने अपने बालों में लगाए फूल ठीक किए। कमरा बेहद ही खूबसूरती से सजाया था। काले रंग का फर्नीचर और सफेद रंग के परदे, इससे उस कमरे को कलात्मक रूप प्राप्त हुआ था। बड़ी-बड़ी खिड़कियों में से पूरी तरह से व्यस्त रास्ता नजर आ रहा था, साथ ही बाहर की

व्यस्तता का अहसास न हो इस तरह उसे उत्साह से भर रखा था। यहां आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा था।

टॉमी बोलने लगे, "ब्लैक, एक फौजी है। उसे इराक में भेजा गया था। जैसा मैने कल रात तुम्हें बताया था, वह मेरे बुक स्टोर में काम करता है। पिछले कुछ वर्षों में उसने जीवन का गहरा अनुभव लिया है। जब हम मिलवाकी में रहते थे, उस समय से इसके पिता और मैं अच्छे दोस्त थे। ब्लैक अपने जीवन को नेतृत्व गुणों से भरने के लिए तैयार है। इसीलिए मैं उसे तुम्हारे पास लेकर आया हूं। मैं डांस के कुछ नए तरीके भी सीखना चाहता हूं, ॲना।" टॉमी ने आंखे मिचकाते हुए यह वाक्य कहा।

ॲना मुस्कराई और उसके चेहरे पर लाली आ गई। इसके बाद वह खिड़की की ओर देखते हुए गहरी सोच में डूब गई। "मैं तुम्हारा सम्मान करती हूं, ब्लैक, और उन सभी फौजियों का भी, जो हमारे लिए अपने जीवन का त्याग करते हैं। आप लोगों के कठिन संघर्ष की वजह से ही हम आज आजादी का मजा ले रहे हैं। मैं जानती हूं कि आप पर क्या बीती होगी, और उसे समझना बेहद मुश्किल है। लेकिन मैं तुम्हारे प्रति अपनी कृतज्ञता जताना चाहती हूं। मैं अमरिका से बहुत प्यार करती हूं। तुम और तुम्हारे साथियों ने लड़ कर हमें सुरक्षित रखा और मजबूत भी बनाया। इसीलिए मैं तुम्हारी बेहद आभारी हूं।"

मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या कहूं। कुछ समय पहले ही मैं इराक से युद्ध करके घर लौटा था, लेकिन कई मायनों में मुझे लग रहा था कि मैं वहीं पर हूं। युद्ध में समय बिताने के कारण ही मुझमें तीव्र जीवनेच्छा निर्माण हुई थी, और उसकी वजह से ही मैं जिंदा रह पाया था। मैंने अपनी सभी भावनाओं को दबा कर रखा था और उन दिनों मैं सामान्यतः जीवन की अस्तव्यस्तता के कारण पत्थर जैसा बन गया था। मैंने अपनी पुरानी यादें भुला दी थीं, और अपना समय जाया करते हुए मैं सन्न हो गया था। मैंने किसी को भी अपने पास आने की अनुमति नहीं दी थी। इसका कारण सिर्फ इतना था कि वह मुझे दुखी बनाते थे और मैं भी उन्हें दुखी करता था। लेकिन, यहां यह विलक्षण सुंदर महिला, जो मुझे जानती तक नहीं, इस भव्य होटल के कमरे में मेरी प्रशंसा कर रही थी। वह बता रही थी कि मेरे द्वारा फौजी के रूप में किए कामों की वजह से कैसे उसकी जिंदगी मानवता के रूप में बदल गई थीं। वह मुझे विश्वास दिला रही थी कि, मैंने देश की सेवा में जो कुछ वर्ष बिताएं, वह बेकार नहीं बल्कि बेहद महत्वपूर्ण है। मुझे यह बेहद सम्मानजनक लगा और मैं खुश हो गया।

"अभी आपने जो कहा, उसके लिए मैं आपका बेहद आभारी हूं, ॲना, वाकई आभारी हूं।" मैने दोहराया।

"क्या ब्लैक अन्य लोगों से भी मिलने वाला है? ॲना ने कोमल स्वरों में पूछा।

"आज के बाद।" टॉमी ने अपनी परिचित हंसी के साथ जवाब दिया।

"ठीक है, यह अच्छी बात है।" यह सचमुच ही अच्छी बात है। वह बेड की तरफ गई और तकिए पर आई झुर्रिया ठीक करने लगी। "उसके बाद ब्लैक, जीवन में अपने आप बदलाव होने का महत्वपूर्ण दिन आएगा।" उसने फिर खिड़की से बाहर देखते हुए कहा। "पूरी तरह से नई दृष्टी से काम करने का पहला दिन, और जिंदगी नए तरीके से जीने की शुरुआत, अच्छा है।"

"मेरे लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद ॲना।" मैं काफी समय से ॲना से यह बात कहना चाहता था। "मुझे आप लोगों ने इस तत्व में शामिल किया, मेरे लिए यही काफी है। लेकिन टॉमी ने मुझे जो सिखाया वह बहुत ही विस्मयकारक है। कुछ दिन तक मैं यही सोचता था कि मेरा काम सिर्फ नौकरी करना है। सफलता मुझे पता ही नहीं है। नेतृत्व सिर्फ प्रबंधन के लोगों के लिए ही है और सफलता कुछ भाग्यशाली लोगों के ही नसीब में होती है। लेकिन अब मैं इसे एक अलग नजरिए से देखना लगा हूं।"

"मेरी तरफ देखो।" ॲना ने अपने दिल की ओर उंगली का इशारा करते हुए कहा, "मेरे पास ऐसी लाखों वजहें हैं, उदास रहने और अपना काम छोड़ कर जाने के। मैं भी शिकायत कर सकती हूं- मैं सिर्फ एक हाउसकीपर हूं, जो रोज होटल के कमरे साफ करती हैं जिसमें अमीर लोग रहने आते हैं, जिनके पास बहुत पैसा है, लेकिन मैं शिकायत नहीं करती। एक मनुष्य के रूप में हमें इस बात की स्वतंत्रता है कि हम विश्व में हमारे जीने की भूमिका तय कर सकते हैं और हमारे पास ऐसी ताकत होती है कि हम किसी भी स्थिति में सकारात्मक निर्णय ही ले सकते है।"

"मैंने उसी शक्ति को पहचानना और पाना शुरु कर दिया है ॲना। हम सोचते हैं उससे कई ज्यादा क्षमता हमारे पास होती है। और हम में से बहुत सारे लोगों को ऐसा लगता है कि अपने जीवन पर अपना नियंत्रण है, हालांकि उससे कई ज्यादा नियंत्रण हम हमारे जीवन पर रख सकते हैं।"

"हां, ब्लैक।" उसने स्पैनिश उच्चारों के साथ अपना लैटिन लहजा बरकरार रखते हुए मधुरता से कहा। "इसीलिए मैंने यह फैसला किया कि मेरा जो श्रेष्ठ है, वह मैं इस काम में दिखाऊंगी।"

"अपने आप के लिए एक उत्तम आदर्श। मेरा जो श्रेष्ठ काम है वहीं मैं काम को दूंगी।" ॲना को शब्दों को दोहराते हुए मैंने कहा।

"केवल इतनी ही वचनबद्धता मेरे लिए अच्छी साबित हुई और मैंने मेरे जीवन को खुशहाल बनाया। हम जो भी काम करते है, उससे प्यार करना चाहिए और उसे इतने अच्छे तरीके से निभाना चाहिए कि लोगों की उस पर से नजरें ही हटनी नहीं चाहिए। और यह फैसला हर कोई कर सकता है। इस तरह जीवन जीने से मुझे बहुत ही ऊर्जा मिली और मुझे अपने आप पर गर्व महसूस होने लगा और मुझे यह काम करना अच्छा लगने लगा। यहां मेरे आसपास जो लोग है वह सोचते हैं कि मैं बेहद भाग्यशाली हूं। इस होटल के प्रबंधन के लोग मुझसे

रानी जैसा बर्ताव करते हैं। हमारे जनरल मैनेजर ने मुझे ज्यादा कार्यक्षम की उपाधि देते हुए मुझे कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भेज दिया, जिनकी मैं गिनती भी नहीं कर सकती। एक चर्चित सीईओ जो यहां रहने आते हैं, मुझे अच्छी तरह पहचानते हैं और मुझे प्रचलित व्यवसाय की कल्पनाओं से अवगत कराते है। यहां रहने आने वाले फिल्म सितारे हमेशा प्रबंधन से मांग करते हैं कि उनके कमरे की व्यवस्था का जिम्मा मुझ पर ही सौंपा जाए। मुझे उनसे जो टिप मिलती हैं, उसमें से हर महीने कुछ रकम मैं अपने घर ब्यूनोस एअर्स भेजती हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मैं अच्छा काम कर रही हूं। अगर तुम्हे मेरी पारिवारिक स्थिति का पता चले तो, तुम भी यही कहोगे कि सचमुच मेरा जीवन अच्छा बीत रहा है। लेकिन एक बात मैं बताना चाहती हूं और वह यह कि मेरा भाग्य मैंने तैयार किया है, ढ़ेर सारी समस्याएं होने के बावजूद मैंने यह किया है।"

टॉमी ने ॲना की ओर देखा। उसने ॲना का हाथ अपने हाथ में लिया और उसे चूमा।

"ब्लैक, ॲना ने अपने माता-पिता को खो दिया है। ॲना जब बहुत छोटी थी तब उन दोनों का बेरिलॉक नामक रिसॉर्ट टाउन में हुए एक कार दुर्घटना में देहांत हो गया। उसकी दादी ने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। लेकिन वह बहुत ही गरीब थे।"

"बहुत ही गरीब।" ॲना की आवाज भावुक होने की वजह से कांप रही थी इसलिए उसने जोर देकर कहा। "और इसीलिए मेरे लिए मेरा परिवार बहुत मायने रखता है। मेरे माता-पिता की मृत्यु के बाद मेरे नजदीकी रिश्तेदार और हितैषी एक-दूसरे के बेहद करीब आए। लैटिन संस्कृति में परिवार बेहद महत्वपूर्ण होता है। लेकिन हम एक अलग स्तर पर करीब आए थे। मुझसे जितना हो सकता था, उतना समय मैं अपनी दादी और भाई-बहनों के साथ बिताती थी। भौतिक दृष्टी से हम बेहद गरीब थे और कई बार जिंदगी मेरे लिए कठिन और दुखदायक साबित हो रही थी। लेकिन मेरा मानना है कि एक अलग तरीके से मैं अमीर हूं। मैंने साहित्य से, अच्छे संगीत से और सुंदर कला से प्यार करना सीखा। मैंने यह जान लिया कि जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियां ही जीवन में सबसे ज्यादा कीमती और बहुमूल्य है। अपने हर काम में हमेशा अपना श्रेष्ठ कार्य कर दिखाने की वजह से ही मैंने जीवन में तरक्की की। आज मैं यहां, विश्व के इस सबसे बेहतरीन होटलों में से एक होटल में काम कर रही हूं और विश्व के सबसे श्रेष्ठ शहरों में से एक शहर में रह रही हूं। मैं शायद भाग्यशाली हूं, *लेकिन मैं मानती हूं कि भाग्यशाली मौके वह पुरस्कार होते हैं, जो हम काम कर रहे हैं उसके लिए बुद्धिमान तरीके से लिए गए फैसला है। सफलता ऐसे ही किसी के सितारे चमकने से नहीं मिलती। कारोबार और निजी जीवन दोनों में सफलता पाना यानि ऐसा कुछ करना है जो बहुत सतर्कता से और विचार-विमर्श से किया जाए।* यह एक *निश्चित* रुप से सफल परिणामों की श्रृंखला है, जिस

पर हर कोई अमल कर सकता है। और मेरे लिए यह बहुत उत्साहपूर्ण है।" बेहद ऊर्जा से ॲना ने यह बात कही।

"आज यह विचार ज्यादा फैला है कि उतना भाग्यशाली होने के लिए सबसे पहले मैं यह सोचने लगूं कि जो मैं पाना चाहता हूं उसे पा सकता हूं।" टॉमी ने बीच में रोकते हुए कहा। "लोगों को कुछ चाहिए तो होता है पर किस लिए चाहिए यह उन्हें पता ही नहीं होता। वह सभी तरह का सुख पाने का सपना देखते हैं, लेकिन उसके लिए अपने आप को कस कर काम करने के लिए तैयार नहीं रहते। अपने काम की कीमत कितनी हो सकती है यह जाने बगैर उन्हें काम के बदले ज्यादा पैसे चाहिए होते हैं। यह एक मिला-जुला विश्व हैं जहां हम अभी अपने आप को देख रहे हैं।"

यह सच है।" टॉमी की ओर देखते हुए ॲना ने कहा। "तो ब्लैक, मेरा तुम्हें यह सुझाव है कि, सफलता जागृत रूप से चुनाव करके ही हासिल की जा सकती है। और यही अच्छे निर्णय प्रक्रिया के अंतिम और अपरिहार्य परिणाम होते हैं। सफलता हर कोई पा सकता हैं। उनमें से कुछ ही उसे चुनते हैं। जैसे *ही तुम उपाधि के बिना नेतृत्व करने वाले जो करते हैं, करते जाओगे, तो तुम भी कुछ शानदार और प्रभावी पुरस्कार पाना शुरु कर दोगे, जो उपाधि के बिना नेतृत्व करने वाले पाते हैं।* और वैसे भी सफल लोगों को भाग्यशाली कहते हुए अपनी कुर्सी से उठ कर अपने जीवन के लिए कुछ कीमती काम करना आसान तरीका है।"

मैंने अपने विचारों के अंदर ॲना के वक्तव्य को पूरी तरह अंदर जाने दिया। मैं उनके हर एक शब्द को अच्छी तरह ध्यान में रखा। वह एक अनुभवी एवं परिष्कृत, व्यापारिक सोच वाली महिला थीं। मुझे लगा, यह सब, उन्होंने जो प्रशिक्षण पाया था और बड़े प्रबंधकों से बातचीत की थी, उसके कारण हुआ होगा। मैंने कुछ पल के लिए अपनी आंखें बंद कर ली। लेकिन तुरंत ही नीचे सड़क से गाड़ियों के हॉर्न की आवाजों ने मेरा चिंतन भंग कर दिया। मैंने ऊपर देखा तो टॉमी एक सोफे पर बैठे थे। उनके ठीक सामने एक अनूठे डिजाइन वाली मेज थी, जिस पर एक पारंपरिक सफेद रंग की मोमबत्ती थी। मोमबत्ती के पास ही कैलिफोर्निया के वाइनयार्ड में बनाई रेड वाइन की बोतल रखी थी। मुझे उम्मीद थी कि एक न एक दिन मैं जरूर इस होटल में रहूंगा।

"शायद यह तुम्हें अचंभित लगेगा ब्लैक, ॲना ने जल्दी में कहा। पर मुझे दुनिया की सबसे अच्छी नौकरी मिली है।"

"दुनिया की?" मैंने ॲना के वक्तव्य से थोड़ा चकित होकर उनसे सवाल पूछा।

हां, दुनिया की। उसने कहा। मैंने यह जाना है कि, मेरा काम इस पेचिदा और प्रसिद्ध संस्था को चलाने में कितना आवश्यक और महत्वपूर्ण है। मैं खुद को इस होटल की सद्भावना राजदूत या प्रतिनिधी के रूप में देखती हूं। और जैसे

कोई बड़ा प्रबंधक इस होटल के बारे में सोचता है बिलकुल वैसा ही व्यवहार मैं करती हूं।

"आप खुद को यहां की बड़ी व्यवस्थापक के रूप में देखती हो ॲना? सचमुच में आप सबसे अलग हो। मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता, पर हर कोई यही सोचेगा कि आपका काम बहुत कठिन और सामान्य भी है। मेरा मतलब है यहां रहने वाले लोग जाने के बाद सफाई करती हो। मुझे पूरा विश्वास है कि यह काम करने में आपको अच्छा खासा समय लगता होगा। और सामान्यतः हमारे समाज में हाउसकीपर को कोई सम्मान नहीं देता।"

"समाज क्या सोचता है, इसकी मैं चिंता नहीं करती और न ही उससे मतलब रखती हूं, ब्लैक। सबसे महत्वपूर्ण है कि मैं अपने आप को कैसे देखती हूं? मुझे पता है कि मैं कौन हूं। मुझे मेरे काम का महत्व पता है। मैं हर रोज खुद को चुनौती देती हूं। और यह काम मैंने मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बनाया है।"

"आप बहुत अलग है।" मुझसे यह दोहराए बिना नहीं रहा गया। यह खूबसूरत महिला, जिसने अपने बालों में फूल सजाए हैं, उसे ऐसा विश्वास है कि उसका हाउसकीपिंग का काम दुनिया का सबसे अच्छा काम है। इससे मैं बेहद प्रोत्साहित और प्रभावित हुआ। और उसने ही मुझे एक बहुत विशाल परिप्रेक्ष्य भी दिया। हममें में से बहुत लोग ऐसा काम करते हैं और उसमें असफल होते हैं, बिना यह जाने कि इसका सकारात्मक दृष्टीकोण क्या है। हम सभी को हम जहां है वहीं पर कुछ काम मिलने की अपेक्षा होती है, बिना यह जाने कि हमारे लिए आवश्यक क्या है। हमें सिर्फ थोड़ा और गहराई में जाकर सोचना चाहिए और थोड़े कठिन प्रयास भी करने चाहिए। हमें थोड़ा नेतृत्व भी करना चाहिए। ॲना ने इन सब बातों का एक अच्छा उदाहरण मेरे सामने रखा था।

"मैं रोज काम पर आती हूं और मेरे अच्छे व्यवहार से यहां आने वाले मेहमानों पर सकारात्मक परिणाम होता है। मेरा पूरा प्रयास यही रहता है कि मैं जो भी करती हूं वह इसलिए कि यहां आने वाले हर मेहमान का दिन अच्छा बीते और हमारे होटल के प्रति उनका मन और भी प्रभावित हो। मैं हमारे विभाग के हर क्षेत्र में जो नई कल्पनाएं लाती हूं, जो दूसरे होटलों के लिए भी एक प्रभावी मानक के रूप में साबित होती है।" उसने कहा। "इसका मतलब सिर्फ यही है कि यह सही नहीं है कि यहां मेरा यह काम सामान्य है और महत्वपूर्ण नहीं है।"

"तुम मुझे इस छोटे ब्यूटिक होटल की हाउसकीपर से ज्यादा प्रबंधन सलाहकार और एक अच्छी प्रेरणादायी वक्ता लगती हो ॲना।" मैंने गंभीरता से कहा।

"ठीक कहा। मेरा उद्देश्य तुम्हें प्रेरित करना ही है, ब्लैक। टॉमी सोचता है कि तुम बहुत ही महान हो। तुम्हें सिर्फ यह समझाने की जरूरत है कि तुम महान हो।"

"पिछले कुछ वर्षों से मेरे जीवन में आई रुकावट और संघर्ष की वजह से शायद मैं बेहद निराश और उदास हो गया हूं, ॲना।" थोड़ा हल्का महसूस करते हुए खुल कर मैंने ॲना से कहा। "देखो, मैं यहां पर पीड़ित नहीं हूं, इसलिए मुझे नहीं लगता कि पुरानी बातों पर चर्चा करते हुए वक्त गंवाना उचित होगा।"

वहीं तो ब्लैक," टॉमी ने बीच में ही मुझे टोकते और अंगुठा दिखाते हुए कहा। "यह अच्छा है मेरे दोस्त। कभी भी खुद को पीड़ित नहीं समझना चाहिए, नहीं तो प्रभावशाली सफलता पाने में बहुत कठिनाइयां आती है।"

"समझ गया। परंतु मैं जैसे ही युद्ध से घर आया हूं, पहले जैसा आत्मविश्वास मुझमें नहीं रहा है। इसलिए मैं इन सब बातों से दूर रहता हूं। और ज्यादा कुछ करता भी नहीं हूं। लेकिन आज सुबह ऐसा कुछ हुआ जिसने मुझे अंदर तक झिंझोड़ दिया है, ॲना। मुझे लगा कि मैं वापस जीने लगा हूं। मेरा भविष्य मुझे कभी भी इतना अच्छा, महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नहीं लगा था।"

"तुम इसे रोजमेड कब्रिस्तान में लेकर गए थे ना, टॉमी?"

"बिलकुल सही कहा ॲना। कुछ साल पहले तुम लोगों ने भी तो मुझे शुरूआत में यही अनुभव कराया था। वहीं से मुझमें परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसीलिए मैं ब्लैक को भी वही अनुभव देना चाहता था और मैंने वह उसे दिया। वह उपहार पाने के लायक है।"

"और वह चांदी का बना एलडब्ल्यूटी लिखा हार, जो हमने तुम्हें दिया था?"

"मैंने वह ब्लैक को दे दिया। मैंने वह आगे सौंप दिया है। और मुझे यह विश्वास है कि वह भी ऐसा ही करेगा जब उसे भी कोई अपना संदेश सुनने वाला मिलेगा।"

"और अपनी वह सोने की पट्टी?" ॲना ने धीरे से पूछा।

"वह भी सुरक्षित जगह पर है।"

"तुम महान हो टॉमी।" ॲना ने प्यार से कहा।

"कब्रस्तान का पूरा तत्व काम कर गया।" मैंने सहमति दर्शायी। "मगर मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं चिंतित हूं। मैं खुद में जो बदलाव लाऊंगा, जो मुझे लाने ही है, उसके बारे में लोग क्या सोचेंगे? मुझे अब इस बारे में ज्यादा सतर्क रहना चाहिए कि लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं। जब मैं किसी भी उपाधि के बिना मेरा श्रेष्ठ काम करता हूं और ऐसा समझता हूं कि यह बुकस्टोर की नौकरी दुनिया की सबसे अच्छी नौकरी है, तो क्या वह लोग मुझ पर हंसेंगे नहीं। व्यापार और व्यवहार में ज्यादातर लोग ऐसा नहीं सोचते।"

"लोग तुम्हारे बारे में क्या सोचते है, यह जानना तुम्हारा काम नहीं है, ब्लैक। नेतृत्व तुम्हारे दृष्टीकोन और बदलाव लाने की तुम्हारी दृढ़ इच्छाशक्ति पर पूरी तरह भरोसा रखना है। लोग क्या कहेंगे यह भूल जाना। आल्बर्ट आइनस्टाइन ने एक बार जो लिखा था वह अवश्य याद रखना : "ऊंचे और महान विचार और

तत्वों का हमेशा से ही आलोचक विरोध करता है। सिर्फ अपना काम करते रहे जह तक कि तुम इसे मानव के रूप में कर रहे हो, बाकी सारी चीजें अपने आप अच्छी हो जाती है।"

"और क्या अगर मैं असफल रहा तो ॲना? क्या होगा जब मैं कुछ नहीं कर पाया? क्या होगा जो बातें मैंने सीखी हैं वह अगर काम नहीं करेगी?" मैंने मेरी शंकाएं जोर से जाहिर की।

"उपाधि के सिवाय नेतृत्व का तत्व काम न करें ऐसा कभी नहीं हो सकता ब्लैक," टॉमी ने दृढ़ विश्वास और इमानदारी से यह बात कही। "और अगर तुम रास्ते में ठोकर खाते हो, तो यह सही शुरूआत है। तुम्हें गिरते हुए ही तो चलना सीखना है। तुम्हें प्रयास करते रहना चाहिए। हर कदम की असफलता तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य के करीब लेकर जाएगी। अगर लोग नहीं समझते है कि तुम क्या करना चाहते हो, तो उन्हें तुम पर उंगली उठाने का मौका क्यों दें? तुम्हें पता है, महान लोग उसी पत्थरों से बुत बनाते हैं जो उनकी तरफ उनके आलोचकों ने फेंके होते हैं। सामान्यतः आलोचक तुम्हारी आलोचना करते हैं क्योंकि उन्हें कुछ हद तक चिंता होती है। अगर उन्होंने आलोचना करना बंद कर दिया तो इसका कारण यह होगा कि उनके लिए तुम कुछ नहीं हो। अगर कोई तुम्हारी आलोचना नहीं करता तो तुम्हारे लिए यह चिंता का विषय है।"

"इससे मुझे बहुत मदद होगी टॉमी, धन्यवाद।"

ॲना अपने काम के प्रति होने वाले लगाव के बारे में चर्चा करने वापस आगे आई। वह बात करते वक्त अपने हाथों को सभी दिशाओं में घुमा रही थी। "हर सुबह और दोपहर, मैं अपने कमरे पिकासो के चित्र की कल्पना करते हुए साफ करती हूं। मैं इन कमरों को मेरा घर समझ कर ही साफ करती हूं। यहां भेंट देने आने वाले मेहमान मेरे घर में ही आए हैं, ऐसा मैं सोचती हूं। मैं खुद को एक कलाकार के रूप में देखती हूं और मैं भाग्यशाली हूं कि मैं अपनी कल्पनाशक्ति का प्रत्यक्ष उपयोग करने की क्षमता रखती हूं।"

अजीब है। उस दयालु महिला का अपने काम को आगे ले जाने के विशिष्ट कार्य के प्रति उत्साह देख कर मैं बेहद प्रेरित हुआ।

"और यही वह उपाधि के सिवाय नेतृत्व का तत्व है जो हमने टॉमी को सिखाया और वह आज यहां है। अब मुझे यह कहना ही चाहिए कि वह एक होनहार छात्र था। वह खुल कर अपनी कल्पनाएं रखता था और उस पर जल्द कार्य भी करता था। और यह उसी का परिणाम है कि आज वह एक पुस्तक कंपनी के साथ बहुत सफल हुआ और हो रहा है। ओह! उसकी सुंदरता भी उसके बहुत काम आई।" ॲना ने अपने बालों में लगाए फूलों को ठीक करते हुए प्यार से कहा।

टॉमी अपने डोरी समान बालों में हाथ घुमाते हुए, हंस कर सोफे पर और आराम से बैठ गए।

"उपाधियां, शक्ति या अधिकार लाती है, ब्लैक। लेकिन जब उपाधि निकाल ली जाती है तब यह शक्ति, अधिकार, क्षमता भी नष्ट हो जाते हैं और तब काम करने में बड़ी कठिनाइयां आती है।"

"सही लग रहा है।" मैंने टॉमी के पास सोफे पर बैठते हुए कहा। "उदाहरण के तौर पर देखे तो किसी कंपनी के संचालक, प्रबंधक उपाधि के साथ उतने अधिकार तो आते हैं लेकिन संचालक, प्रबंधक की उपाधि निकाल ली जाए तो यह अधिकार, क्षमता अपने आप चली जाती हैं।"

"बिलकुल सही।" लालित्यपूर्ण रुप से कमरे में घुमते हुए ॲना ने कहा। "उपाधि के साथ साध्य किया हुआ परिणाम बेहद क्षणिक होता है, विशेष कर इस संघर्षमय व्यापारिक स्थिति में। उपाधि की शक्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण अपने अंदर की शक्ति होती है ब्लैक। और जो प्राकृतिक शक्ति जो हमारे अंदर होती है वह मानव की हैसियत से होती है। दुख की बात यह है कि, हमारे यहां ज्यादा तर लोगों की शक्ति निष्क्रिय हो गई है या फिर उसका बेहद कम इस्तेमाल किया जाता है। पर शक्ति सभी में होती है, सिर्फ उसे परखने और कार्यान्वित करने की बेहद जरूरत होती है। वैसे तो यह शक्ति अपने वास्तव रुप में ही होती है।"

"वह क्यों?"

"क्योंकि, यह वह शक्ति है जो हमारे में से कोई निकाल नहीं सकता, भले ही हमारी दुनिया में कुछ भी घटित हो रहा हो। वही असली शक्ति होती है और उसपर बाहरी परिस्थिति का किसी भी तरह का असर या प्रभाव नहीं होता। और, वही एक महान व्यक्ति है ब्लैक, जिसकी यह सबसे अच्छी शक्ति है।"

मैं ॲना की ओर देख कर हंसा। उसने मुझे मेरे कुछ तो अलग होने का अहसास दिलाया। जो शक्ति, सीख और स्नेह उसने मुझे दिया, मैं उसकी कद्र करता हूं। उपाधि के सिवाय नेतृत्व के तत्वों में सब बातों का संतुलन किया गया है। जैसे यह ठोस है पर स्नेहयुक्त भी है, कठिन है और उतना ही सौम्य, जितना साहसी है उतना ही दयालु भी है।

बाद में ॲना ने अपने एप्रन में से एक रुमाल निकाला जिस पर लाल रंग से कुछ लिखा हुआ था।

"यहां पर ब्लैक," उसने मुझे वह रुमाल देते हुए कहा। "मेरे दोस्त टॉमी ने बताया कि तुम आने वाले हो, तो मैंने तुम्हारे लिए यह रुमाल बनाया है। कृपया इसे पढ़ना। और जब तक तुम पढ़ोगे, तब तक मुझे तुम्हारे लिए एक कॉफी लाने की अनुमति दो। अच्छी जावा कॉफी हम यहां बनाते है। मुझे तो याद ही नहीं रहा कि मैं बिना कॉफी पिए ही आई हूं।" उसने कहा। "चिंता मत करो टॉमी, मैं तुम्हारे लिए भी एक कप ताजी कॉफी लेकर आती हूं।" ॲना ने हवा में किस करते हुए कहा।

मैं रुमाल पर लिखे हुए शब्द पढ़ने लगा। ४ प्राकृतिक शक्तियां।

प्राकृतिक शक्ति # १ *हम में से हर कोई जो इस वक्त जीवित है, उसके पास प्रति दिन काम पर जाने की क्षमता है और वह अपना जो श्रेष्ठ काम है उसे उजागर करने की क्षमता रखता है। यह करने के लिए तुम्हें किसी उपाधि की आवश्यकता नहीं होती।*

प्राकृतिक शक्ति # २ *हम में से हर कोई जो आज जीवित है, उसके पास लोगों को, जिनसे हम मिलते हैं, उन्हें प्रोत्साहित, प्रेरित, प्रतिष्ठापित करने की क्षमता है। यह काम करने के लिए तुम्हें किसी उपाधि की जरूरत नहीं होती।*

प्राकृतिक शक्ति # ३ *हम में से हर कोई जो आज जीवन जी रहा है पूरे आवेश के साथ किसी भी कठिन स्थिति को बदल सकता है। इसके लिए तुम्हें किसी उपाधि की जरूरत नहीं है।*

प्राकृतिक शक्ति # ४ *हम में से हर कोई इस सत्य के आधार पर जीवित है कि केवल नेतृत्व के कारण हम धनवान लोगों के साथ आदरयुक्त, स्नेह भरा व्यवहार कर सकते हैं और ऐसा करने से हमारे समाज मन पर अच्छा परिणाम होकर उसे प्रशिक्षण मिलेगा। यह करने के लिए तुम्हें किसी उपाधि की जरूरत नहीं है।*

अॅना अच्छी तरह सफाई किए गए चांदी जैसे ट्रे में कॉफी के दो कप लेकर वापस आई। कॉफी के साथ ही खाने के लिए भी कुछ रखा हुआ था।

"यह लीजिए, सज्जनो।" उन्होंने कॉफी और चॉकलेट का ट्रे हमारे सामने रखते हुए कहा। "कृपया खुद ही ले लीजिए। और थोड़ा नटखट होकर चॉकलेट के एक-दो टुकड़ों का भी मजा लीजिए। इस तरह की मीठी चीज आत्मा के लिए बहुत अच्छी होती है। अभी मैं ब्युनोज एरेज में मेरे परिवार से मिलने गई थी तो वहां से मैं यह थोड़े चॉकलेट लेकर आई हूं। मेरी दादी की तबियत ठीक नहीं थी, इसलिए मैं वहां गई थीं। मैं उससे यह बताना चाहती थी कि भले ही मेरा घर अमरिका में हैं पर मैं, तुमसे सिर्फ एक हवाई जहाज की दूरी पर हूं। और जब भी उसे मेरी जरुरत होगी, मैं हमेशा मदद के लिए वहां पहुंच जाऊंगी।"

"मैं इस बात का सम्मान करता हूं अॅना।" मैंने कहा। "काश मेरा भी यहां कोई परिवार होता। मैंने खुद से वादा किया है कि मैं ज्यादा मेहनत करूंगा और अपने प्रेमिका के साथ संबंधों में सुधार लाऊंगा। मैं आज भी उसे बेहद चाहता हूं। हमारे संबंधों में, मेरी वजह से जो कड़वाहट आई है मैं उसे दूर करना चाहता हूं।"

"देखो, मैं तुम्हारे पारिवारिक सदस्य की तरह ही हूं ब्लैक।" प्रोत्साहित करने वाले स्वर में टॉमी ने कहा। "फिर तो अब तुम्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।"

मैंने चॉकलेट ट्रफल का एक टुकड़ा उठाया। वह सच में बहुत ही अच्छा था। मेरी तरफ देख कर ॲना यह बता सकती थी कि, उस वक्त मैं किसी दूसरे खयालों में खोने जा रहा हूं।

"यह अति उत्तम से भी ज्यादा अच्छा है, मुझे पता है।" उसने कहा। "टॉमी ने कहा था कि वह अभी या फिर बाद में कभी आएगा, इसीलिए मैंने उसके लिए इसे थोड़ा बचा कर रखा था। वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त बन गया है।"

"खूबसूरत महिला, तुम्हारे यहां मैं वापस आया हूं।" टॉमी ने जवाब दिया। उसके आगे के दांत चॉकलेट से भर गए थे।

"ब्लैक, तुमने इसके साथ मिलने का सही समय चुना है। चलो, अब कृपा करके मुझे यह बताओ की, इस रुमाल पर मैंने जो लिखा है उसके बारे में तुम क्या सोचते हो?"

"क्या तुम सचमुच में एक प्रबंध सलाहकार नहीं हो?" मैंने हंसते हुए मुंह फैलाते हुए उनसे पूछा।

"नहीं, मैं तो सिर्फ एक हाउसकीपर हूं, जिसने नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण जीवन का चयन किया है।"

मैं कहता रहा- "तुमने जो लिखा है, वह मुझे बहुत अच्छा लगा ॲना। जिसे आप 'उपाधि की शक्ति' कहती हैं, उसे फौज में महत्वपूर्ण माना जाता है और सम्मान दिया जाता है। वहां पर उसे इतना महत्व क्यों दिया जाता है यह मैं अच्छी तरह से समझता हूं। हमें वहां हमेशा किसी अच्छे मार्गदर्शक की जरूरत रहती है। हमें अपने कदम से कदम मिला कर चलने का निर्देश देने के लिए, हमारी राह में बाधा पहुंचाने वाले संकटों से दूर करने के लिए और मृत्यु को सामने देखते हुए भी शांत रहने के लिए। फौज में किसी पद और उपाधि के सिवाय कोई आदेश नहीं दिया जाता। ऐसी संस्था में इस तरह की रचना का अभाव है। इसका मतलब सिर्फ इतना ही नहीं कि, हम अपने देश की आजादी के लिए लड़ने में निष्फल रहे, बल्कि लोग बेवजह मारे जा रहे है। लेकिन मेरे इस संघर्ष के दौर के बाद मैं एक अलग ही दृष्टीकोन लेकर घर वापस आया हूं, जो मैं कोमलता से पेश कर रहा हूं - मुझे वहां कोई पद नहीं था, वहां मेरा कोई किरदार नहीं था, मैंने अपने साथियों को भी खो दिया था। पर अभी यहां आप दोनों को मिलने के बाद मैं समझ सकता हूं कि मुझे इतना संघर्ष क्यों करना पड़ा।"

"हम सुनना चाहते हैं।" ॲना ने प्रोत्साहित करते हुए कहा।

"मुझे दिए गए पद से ही मैं जाना जाता था। मेरे औपचारिक प्रभुत्व को मेरी नैतिकता नापने की छड़ी बनने की इजाजत दे दी गई थी। इसलिए जब मैं फौज से वापस घर पर एक सामान्य नागरिक की तरह आया तो मेरा वह पद नहीं रहा और मुझे लगा कि मैंने सब कुछ खो दिया है। बिना पद या उपाधि के बिना मेरी कोई पहचान नहीं है। अब मेरी समझ में आया कि मैंने अपनी शक्ति

खोई नहीं है बल्कि अब मुझे अपने अंदर की दबी हुई शक्ति को वापस बाहर लाना है।

“बिलकुल सही। और यही वास्तविक शक्ति है जो हमारे जन्म से हमारे साथ होती है। उसे जगाना हमारा अधिकार है और ऐसा करके उसे हमें हमारे आसपास के वातावरण में अपने विचार फैलाने के लिए झोंक देना चाहिए। *सिर्फ इतना याद रखो, किसी संस्था में तुम्हारा स्थान क्या है? तुम्हारी उम्र कितनी है? और दुनिया में तुम कहां रहते हो? यह बाचें जरा भी महत्वपूर्ण नहीं है। तुम्हारा नेतृत्व गुण, तुम्हारी क्षमता सामने आनी चाहिए। और उस क्षमता को कोई भी व्यक्ति या अन्य किन्हीं बातों द्वारा अस्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।* परंतु उस शक्ति को कार्यरत करने की पूरी तरह से तुम्हारी ही जिम्मेदारी होगी।”

ॲना बड़े मोहक तरीके से छोटे फ्रीज की ओर मुड़ी जिसमें अच्छा खासा संग्रह किया गया था। उसके अंदर मैंने देखा, सीडी, मन्नत मांगने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मोमबत्तियां, अनोखे चॉकलेट्स और लगभग सभी तरह की शराब और कोल्ड ड्रिंक्स भी थे। उसने उसमें से ‘सोला रोसा’ की सीडी निकाली, जिसका नाम मैंने पहले कभी नहीं सुना था। “यह सीडी बहुत अच्छी है दोस्तों। चिंता मत करो, मैं इसके पैसे दे दूंगी। मुझे संगीत बहुत अच्छा लगता है। और मेरा मानना है कि अभी कुछ आनंद लेने का वक्त आया है।” ॲना ने वह सीडी लगाई और अचानक फिर उन्होंने छोटे फ्रीज के पास वाले लाइट का स्वीच चालू-बंद करना शुरु कर दिया। उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने अपने इस बर्ताव से मुझे चकित कर दिया। संगीत बज रहा था। उसकी लयबद्ध आवाज से कमरे का वातावरण सम्मोहित सा हो गया था। ॲना संगीत सुनने में पूरी तरह समाधि की स्थिति में खो गई थी और इसीलिए संगीत सुनते हुए स्वीच को चालू-बंद कर रही थी। यह सब बहुत ही अच्छा लग रहा था। टॉमी पर इसका कोई असर नहीं हो रहा था। वह अपना कॉफी पी रहे थे और गोल चॉकलेट ढूंढ रहे थे। आज भी मुझे उस दिन की होटल के कमरे में घटी वह घटना अच्छी तरह याद है।

“आप, क्या कर रही हो ॲना?” मैंने अनियंत्रित कौतुहल से उनसे पूछा। टॉमी ने सिर्फ अपना सिर हिलाया। “उसके सीखाने की युक्तियों में से एक।” उन्होंने अपनी उंगलियों पर लगे चॉकलेट को कॉफी के घुंट के बीच चांटते हुए कहा। वह ॲना द्वारा लाई गई कॉफी के प्यार में थे और हर घुंट को मजा लेकर पी रहे थे और ॲना के प्रति कृतज्ञ नजर आ रहे थे। टॉमी को देखते हुए और लगभग सभी स्थानों पर उनका आवेश और उत्साह देख कर मुझे अहसास हुआ कि सिर्फ जिंदा रहने और किस तरह जिंदा रहना हैं में कितना अंतर है।

“हम सभी के अंदर नेतृत्व गुण का स्वीच होता है, ब्लैक।” ॲना ने आखिरकार कुछ कहा। “यह बिलकुल वैसा ही है जैसा मैंने रुमाल पर लिखा और तुमने पढ़ा। हम सभी में वह सच्ची शक्ति सुप्त अवस्था में होती है। यह

हम पर निर्भर है कि हमें केवल हमारे अंदर की शक्ति तो सिर्फ पहचानना ही नहीं बल्कि उसका स्वीच हमेशा चालू रखना आवश्यक है। ऐसा करने से हम हर कारोबार, व्यापार का मूलभूत रुपांतरण कर सकते हैं और सही चुनाव भी कर सकते हैं। खुद को विपदाग्रस्त होने का दिखावा न करते हुए, खुद को नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण दिखाने का असली चुनाव होगा। यह सचमुच अंतिम चुनाव है, ब्लैक - विपदाग्रस्त या नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण। अपना स्वीच हमेशा ऑन (चालू) रखो। और याद रखो कि किसी उपाधि से तुम्हें मिली हुई औपचारिक प्रभुत्तता से लोगों के ऊपर तुम्हारा जो प्रभाव दिखेगा या असर होगा, उससे कई ज्यादा असर और प्रभाव तुम्हारे अंदर के यह चार प्राकृतिक नेतृत्व गुणों की शक्तियों के अभिव्यक्त होने से होगा। तुम्हारे अंदर निजी प्रभुत्तता अपने आप बढ़ने से लोगों पर और ज्यादा असर होगा।"

"यह सब बहुत मंत्रमुग्ध करने वाला है, ॲना।"

"उपाधि के सिवाय नेतृत्व का यह तत्वज्ञान नेतृत्व गुणों को लोकतंत्रवादी बनाने के लिए ही तो है।" उन्होंने कहा। "इस असाधारण और उल्लेखनीय वक्त में, प्रत्येक जीवित व्यक्ति उनके काम में और उनके जीवन में एक अच्छा नेता बन सकता है। *यह मानवता के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि हम में से हर व्यक्ति को यह सुअवसर मिला है।* और यह सिर्फ इसलिए हुआ है क्योंकि कारोबार की परंपरा और समाज की परंपराओं को क्षति पहुंची है।"

"वस्तुतः वह ध्वस्त हुई है।" टॉमी ने अपना सहभाग दर्शाया।

"हां, टॉमी। इसलिए इन दिनों नेतृत्व गुण लोकतंत्रवादी बन गए हैं। हम में से कोई भी व्यक्ति नेतृत्व गुण दर्शा सकता है। यह एक अविश्वसनीय, उत्साहजनक बात है, जिसके हम प्रत्यक्षदर्शी है ब्लैक। लोग अपनी नेतृत्व की स्वाभाविक शक्ति के साथ जी रहे हैं और उच्चतम-सर्वोत्तम बनने की राह की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। इन सब के लिए यह एक अनूठा समय है।"

"अब मैं सचमुच थोड़ा-बहुत समझ रहा हूं, ॲना।" मैंने जवाब दिया।

"हम में से हर व्यक्ति में एक शक्ति है और अपने काम में बहुत ही अच्छे परिणाम लाने की जिम्मेदारी समझते हैं। दुनिया में प्रथम श्रेणी संस्थाओं का निर्माण, जिसने विश्व भर के ग्राहकों के प्रति, समाज के प्रति और अपने बाहर की विशाल दुनिया के प्रति अपना-अपना योगदान देते हैं। कोई भी व्यक्ति कम महत्वपूर्ण नहीं है, ब्लैक। *आज ज्यादा लोग इस दुनिया में जिंदा नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति और हर काम महत्वपूर्ण है और उपाधि के सिवाय नेतृत्व के तत्व से सभी काम अर्थपूर्ण बन गए हैं।* अच्छा, क्या तुम जानते हो कि तुम्हारे निजी नेतृत्व गुण के चमकते उदाहरण से तुम हर दिन दस लोगों को उनका सर्वोत्तम देने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित कर सकते हो। चार सप्ताह बाद तुम्हारा सकारात्मक प्रभाव बढ़ेगा जिससे तुम तीन सौ लोगों का जीवन उन्नत कर सकते हो।"

"बहुत बढ़िया। मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा था। और निश्चित ही इसके लिए मुझे किसी भी उपाधि की जरुरत नहीं है।"

"सही कहा, और तुम ऐसा करते ही रहोगे तो एक वर्ष के बाद तुम तीन हजार लोगों पर अपना असर डाल चुके होंगे।

वाह!"

"जरा रुको, यह इससे भी और अच्छा हो सकता है।" ॲना ने बीच में ही टोका। "उपाधि के सिवाय नेतृत्व के तत्व का काम अगर तुम निरंतर दस साल तक करते रहोगे और हर दिन दस लोगों तक पहुंचते रहोगे तो यह एक अत्युत्तम उदाहरण होगा, तुम ३० हजार लोगों तक पहुंचोगे। और उनमें से प्रत्येक व्यक्ति सिर्फ दस लोगों तक पहुंचेगा तो तुम एक ही दशक में दस लाख लोगों में से एक चौथाई लोगों पर अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब हो जाओगे। हां, तो समाज मेरी तरफ सिर्फ एक हाउसकीपर के रूप में देखता है जो खराब हुए कमरे साफ करती है, लेकिन मैं खुद को ऐसी जिम्मेदार व्यक्ति मानती हूं जिसका काम २.५ लाख लोगों से भी ज्यादा लोगों को उनकी नेतृत्व गुण की स्वाभाविक शक्तियों की पहचान करवा कर उन्हें प्रोत्साहित करना है। और ऐसा करने से परिपूर्ण मानवता की तरफ कदम बढ़ाना है। यह मेरे काम से भी ज्यादा है, ब्लैक। यह मेरी अंदर की आवाज है। इससे ज्यादा कुछ भी मेरे जिंदगी में मुझे आनंदित नहीं कर सकता।"

"सचमुच अतुल्य!" मैंने इमानदारी से प्रतिक्रिया दी।

"और मैं तुम्हारे साथ यह बात बांटना चाहती हूं कि मेरा यह विश्वास है कि एक अति उत्कृष्ट चाल से कोई भी संस्था बन सकती है- फिर वह संस्था व्यापार करने वाली हो, ना मुनाफा कमाने के तत्व पर चलने वाली संस्था हो, सरकार हो या पाठशाला हो या फिर कोई देश हो, उसकी कक्षा में आने वाला हर व्यक्ति अगर नेतृत्व गुण सिर्फ प्रतियोगितात्मक लाभकारक न होकर असल में वह सर्वाधिक महत्वपूर्ण निर्णायक औजार हो सकता है, जो इन दिनों में एक अच्छी दुनिया बनाने में मददगार साबित हो सकता है।"

"लेकिन जैसा टॉमी ने कहा, हमें अगर एक विश्वसनीय नेता बनना है तो हमें किसी भी तरह के बहाने नहीं बनाने चाहिए।" ॲना ने जोर देकर कहा। "कोई भी उत्कृष्ट नेता सदा उच्च स्तर पर नहीं रह सकता, अगर उसे दुर्बलता स्पर्श कर लें या भय से वह बहाने बनाने लगे। विपदाग्रस्त हमेशा बहाने बनाते हुए जीते हैं और अंत में उसी में ही मर जाते हैं और सामान्यतः कहा जाए तो, जो लोग बहाने बनाने में बेहतर होते है वह और कुछ करने में बेहतर नहीं होते।"

उस दिन सुबह मैंने जिन दो कब्रस्तानों को भेंट दी थी उसकी ओर मेरा मन खींचा चला गया। वह 'दस मानवी खेद' अभी तक मेरे मन में जागृत थे। हे भगवान! उससे मैं अपनी जिंदगी के आखरी कुछ घंटों में पहुंच गया था और यह जानकर डर गया था कि सचमुच जिंदगी जिए बिना ही मैं मर गया हूं।

ॲना को पता था कि उसकी बातों का मुझ पर बहुत गहरा असर हो रहा है। "विपदाग्रस्त हमेशा बहाने बनाने में ही व्यस्त रहते हैं, जैसे कि, मैं यहां का मालिक या प्रबंधक नहीं हूं, तो मैं यहां की व्यवस्था सुधारने के लिए कुछ नहीं कर सकता। या मैं इतना तेज या होशियार नहीं हूं कि इन चुनौतियों भरी स्थिति में नेतृत्व कर सकूं। या हमारी कंपनी को आगे उच्च स्तर पर ले जाने के लिए क्या करना चाहिए यह मुझे मालूम है, लेकिन इसके लिए मेरे पास वक्त नहीं है। या फिर मैंने सर्वोत्तम काम करने की बहुत कोशिश की, लेकिन मेरी कोई भी कल्पना काम नहीं आई। विपदाग्रस्त के विपरीचत नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण। ॲना ने दोबारा कहा। स्वीच चालू करो और तुम्हारे दिमाग में यह सही चुनाव गुदवा लो।"

उसके बाद ॲना मुझे संगमरमर के फर्श लगे बाथरुम में ले गई, जहां उच्च दर्जे के टूथ पेस्ट, साबुन और अन्य विलासी साधन बड़ी संख्या में रखे गए थे। "कृपया अपनी आंखें बंद करो।" मुझे जैसा कहा गया वैसा मैंने किया। "आंखें बंद रखो ब्लैक।" ॲना ने मुझे अपनी आंखें खोलने की कोशिश करते हुए देख कर कहा।

मैंने आईने पर हो रहे कर्कश आवाज को सुना, लेकिन मैंने ॲना का कहना मानते हुए आंखें बंद ही रखी।

"ठीक है, अब आंखें खोलो।" ॲना ने मधुरता से सूचना दी।

आईने पर लाल रंग की लिपस्टिक से अंग्रेजी में इमेज शब्द लिखा हुआ था। "यह सब क्या है ॲना?" मैंने पूछा। इस खूबसूरत और असामान्य बोधशील महिला के पास, जो खुद को हाउसकीपिंग का पिकासो समझती थी और अपने काम को कलाविष्कार, बहुत से आश्चर्य मौजूद थे।

"मैं और बाकी तीन अध्यापक, जिन्हें तुम आज मिलने वाले हो, तुम्हें उपाधि के सिवाय नेतृत्व तत्व के चार प्रमुख तत्वों से अवगत कराएंगे। हम तुम्हें पांच व्यावसायिक नियम संक्षिप्त रुप में देंगे, जिसकी मदद से तुम अपने लिए अपने आप कुछ आश्चर्यजनक विशाल परिणामों का निर्माण करने की शुरुआत करोगे। यह सब कैसा लगता है?"

"बहुत ही अच्छा!"

"क्या तुम उत्साहित हो?"

"बहुत ज्यादा।" मैंने उत्साहित होकर जवाब दिया।

"अति उत्तम! तो अभी इधर-उधर की बातें न करते हुए मैं तुम्हारे सामने पहला तत्व रखती हूं। वैसे भी तुम उसके बारे में बहुत कुछ जान गए हो, लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हारे सामने तो औपचारिक नियम रखूं जैसा उसका निर्माण हुआ था : तुम्हें नेतृत्व करने के लिए किसी भी उपाधि की आवश्यकता नहीं। मुझे पता है कि अभी तुम इस बारे में जान गए हो, लेकिन यह उसका संक्षिप्त रुप एक पंक्ति में है और वह भी सुगम और सुष्पष्ट है।"

"समझ गया।" मैंने कृतज्ञता से कहा।

"अभी जो पांच नियम मैं तुम्हारे सामने रखूंगी वह तुम्हें यह याद रखने में मदद करेंगे कि नेतृत्व करने के लिए किसी उपाधि की आवश्यकता नहीं है। यह तत्वज्ञान इमेज शब्द के संक्षिप्त रूप में अच्छी तरह से आया है। यह पांच शब्द नेतृत्व गुणों के जादूभरे नियमों का आधार है। इस छोटी नियमावली के अनुसार काम करने और रहन से, जो कि सच्चे नेतृत्व गुणों का सार है, तुम्हें निश्चित रूप से सांस रोकने वाले परिणाम मिलेंगे।"

"इसे सीखने के लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकता ॲना। आप कह रही हो कि, कोई भी व्यक्ति इन पांच नियमों का पालन करके किसी उपाधि के सिवाय नेतृत्व कर सकता है।"

"हां, ब्लैक। इमेज यह सचमुच नेतृत्व गुणों की ही एक जादूभरी नियमावली है।" उसने दोबारा कहा। "तुम्हें इस उल्लेखनीय, क्रांतिकारी और मूलभूत अनिश्चित वक्त में नेतृत्व क्यों करना चाहिए, इसके ऊपर हम बहुत चर्चा कर चुके है। पर कैसे करना है यह तुम्हें इमेज दिखाएगा। सिर्फ पांच सुगम और सहज पर महत्वपूर्ण कदमों से। तुम्हें अभी भी लगता है कि नेतृत्व कैसे किया जाए, यहां देखो- इसका बहुत ही सरल और फिर भी शक्तिशाली रूप।"

"मैं सुनने के लिए बहुत उत्सुक हूं।"

"ठीक है। अंग्रेजी शब्द इमेज में से के आई शब्द तुम्हें नवीनता का महत्व समझाएगा। हम उस राष्ट्र में रह रहे हैं जिसे मैं कभी-कभी रिमेक राष्ट्र कहती हूं। हां, अमरिका एक ऐसा सृजनशील राष्ट्र है, जिसने विश्व में उल्लेखनीय तरक्की और परिवर्तन को जन्म दिया है। लेकिन आज यहां कारोबार कर रहे हम में से कई लोगों ने नए आविष्कार की खोज करने की अपने अंदर की आग को बुझा दिया है। हमने हमारी कल्पनाओं कुछ समय पहले ही साधारण मुद्दे पर ही मोड़ दिया है। देखो, जरा पुरानी फिल्मों के या कालबाह्य गानों के रिमेक की ओर, मैं क्या कहना चाहती हूं उसका अंदाजा तुम्हें आएगा। लोग भी इन दिनों मौलिक रूप को स्वीकार करने से डर रहे हैं इसलिए वह कुछ दशक पहले सफल हे फार्मूले को ही नए रूप में पेश कर रहे हैं- सिर्फ सुरक्षित रहने की आशा लिए हुए। लेकिन यह एक मूर्खतापूर्ण व्यवहार है। *परिवर्तन ने हमेशा पिछली बार किए गए काम को बार-बार काटते हुए उस पर मात की है।* पिछले वर्ष, दो वर्ष में क्या होगा इसका अनुमान किए बगैर हम कुछ चकित करने वाले, क्लेशदायक स्थिति से घिरे हुए की स्थिति में हम अच्छा कारोबार करने की कोशिश करते रहे। ग्राहक और आपके आसपास के लोगों को नए पैकिंग में पुरानी चीजे अपेक्षित नहीं है, बल्कि वह नवीन और ताजा चीजे चाहते हैं। बुकस्टोर में फिर से जाने का साहसी काम तुम कर सकते हो- जहां जाकर तुम बिना आराम किए खुद को सेवा में झोंकते हुए तरक्की कर सकते हो। सभी नेता जिन्हें किसी तरह की उपाधि प्राप्त नहीं है वह नई कल्पनाओं की खोज पर

ध्यान देते हुए, अपनी काम करने की क्षमता बढ़ाते हुए प्रति दिन खुद से यही पूछते रहते हैं कि आज मैं खुद में नया परिवर्तन क्या ला सकता हूं? वह अपने द्वारा किए गए हर कार्य को पूरी तरह समर्पित भाव से करने की कोशिश करते हैं और खुद के लिए नया मार्ग ढूंढ़ते रहते हैं। नवीनता का यही सार और तत्व है, ब्लैक। नवीनता तुम्हें कठिन लगती है, लेकिन वह एक सीधी-सरल सातत्यपूर्ण प्रक्रिया है। वस्तुतः मैं नवीनता और श्रेष्ठता हासिल करने की व्याख्या कुछ इस तरह करना चाहूंगी- *कल के मुकाबले आज के दिन बेहतर काम करना है।"*

"आज का दिन कल के मुकाबले बेहतर बनाओ" यह वाक्य मुझे बहुत ही पसंद आया। "मेरा पेशा शायद मेरी मदद न करें, लेकिन अगर मैंने खुद को गंभीरता से समर्पित करता हूं निश्चित यह उपलब्धि हासिल कर पाऊंगा।" मैंने आशाभरी इच्छा जताई।

"ब्लैक, तुम उस बात के लिए स्पष्ट रूप से सही हो।" टॉमी ने आगे जोड़ा। बैठे-बैठे झपकी लेने के बीच में जाग कर उन्होंने कहा। "अगर तुम अपने आप को, जो भी काम करोगे उसमें असामान्यत्व लाने के लिए वचनबद्ध रहते हो तो तुम्हारा जीवनयापन और कारोबार भी उच्च स्तर हासिल करेगा। स्वप्नद्रष्टा बनो। व्यवसाय में भविष्य की ओर देखो, ज्यादातर लोग पिछली यादों में ही खोए रहते हैं। और तुम्हारा दैनंदिन काम खंडित होने से मत डरो। तुम्हारे काम करने के रास्ते पर हमेशा शक्तिशाली बनने के बारे में सोचो। निरंतर, मैं अपनी उत्पादनक्षमता कैसे बढ़ाऊं? अपने ग्राहकों से वाहवाही कैसे हासिल करूं? काम में तेजी कैसे लाऊं? आदि प्रश्न खुद से पूछते रहो। अपने ग्राहकों के स्थान पर खुद को रख कर सोचो और महसूस करो कि तुम्हारे साथ कारोबार करने में उन्हें क्या पसंद है और पसंद हो सकता है। उसके बाद उस अनुभव के आधार पर अपने व्यवसाय को एक नए स्तर पर दुनिया में उच्च श्रेणी में स्थापित करो।"

"रोज सुबह उठने के बाद प्रति दिन को वही काम बार-बार करो जब तक हर काम पिछले दिन से बेहतर न बने।" ॲना ने आगे कहा। "अपने मन में नई-नई कल्पनाओं को जन्म दो। जिससे तुम्हारा आज, तुम्हारे कल से बेहतर और तुम जैसा सोचेगा वैसा ही होगा। याद रखो, अगर तुम श्रेष्ठता का पीछा नहीं करोगे, नई कल्पनाओं पर अमल नहीं करोगे तो सामान्यता तुम्हें खा देगी। जिसे मैं सामान्यता में ही रेंगना कहती हूं उस बात को तुम दूर रखो। उस सूक्ष्म और भयंकर अवरोहण-सामान्यता की ओर से तुम्हें पता भी नहीं चलेगा कि तुम्हारा काम कब भ्रष्ट हो गया। वस्तुतः वृद्धि जैसे अदृश्य रूप में रहती है और ऊपर की दिशा में होती है, इसलिए सामान्यता की ओर झुकने की उसे आदत होती है। जैसा कि अभी टॉमी ने कहा। इसलिए अपने आप को नई कल्पनाओं में और जो भी काम करोगे उसे पिछली बार के मुकाबले बेहतर करने में व्यस्त रखो। नई कल्पनाओं के बिना जीवन मृत्यु के बराबर है। और साहसी लोग ही ऐसे दिनों में बच सकते है। अपने आप को चुनौतियां देते रहो कि, जो सपने तुम देख रहे हो,

उसे हकीकत में बदलते देख सको। और मेरे प्यार दोस्त जैसा यहां कहा इसी तरह स्वप्नद्रष्टा बनने की कोशिश करो। यह तुम्हें पता है कि, तुम्हारे अंदर के नेता को स्वप्नद्रष्टा बनने की तीव्र इच्छा हो रही है।"

"खूबसूरत महिला, तुम्हारा धन्यवाद।" टॉमी ने हर्षोल्लास से जवाब दिया।

"मैं यह भी कहना चाहूंगी कि तुम्हारे काम करने के तरीके में और जहां तुम काम करते हो ऐसी किसी संस्था में सुधार लाने का अच्छा तरीका केवल क्रांति से होकर नहीं जाता।" ॲना ने टिप्पणी की।

"क्रांति?" मैंने पूछा। हमारा संभाषण किस ओर जा रहा है इसका मुझे अंदेशा नहीं था।

"मेरा कहने का मतलब यह है कि, तुम्हारे काम को उत्तमता के अगले स्तर पर ले जाने के लिए किसी क्रांतिकारी कल्पना या मूलभूत आरंभ की जरूरत नहीं है। महान जीवनक्रम और विशाल व्यवसाय *क्रमिक विकास* से ही बनता है धीमी गति से लेकिन नियमित रूप से सुधार करने से, जो नजर भी नहीं आता। लेकिन जैसे जैसे समय बीतेगा, यह छोटे लेकिन धीमी गति वाले सुधारों से विशाल लाभ नजर आएगा। रोज की प्रभावशाली प्रदर्शन की लहरें कुछ समय बाद विस्मयकारी सफलता की बड़ी लहर में बदल सकती है। कृपया यह याद रखो कि हर दिन उठाए हुए किसी आकर्षक कदमों से तुम्हें वक्त बीतने के बाद तुम्हारी कल्पना से भी ज्यादा उपलब्धि होगी जो कि तुम्हारे नेतृत्व गुणों की सर्वोत्तम कमाई होगी।"

"टॉमी ने कब्रस्तान में मुझसे यह बात कही थी।" मैंने जवाब दिया। "मेरे लिए यह बड़ी कल्पना है ॲना। और इससे मुझे लगता है कि मैं बदलाव ला सकूंगा। क्योंकि मुझे छोटे रूप से ही शुरुआत करनी है और उसके बाद हर दिन कुछ सुधार करने है। यह तो कोई भी कर सकता है। फिर उसमें उनका कारोबार या जीवन, कुछ भी हो उससे कोई भी फर्क नहीं पड़ता। इसे तो कोई भी कर सकता है।"

"सपने बड़े, फिर भी उसकी शुरुआत छोटे स्वरूप से ब्लैक। यही उसकी असली चाबी है और यही इसका मूल मंत्र भी। और अभी तुम जहां हो वहां से ही शुरुआत करो। बहुत साल पहले मैं रोज की तरक्की की कल्पनाएं टॉमी के साथ बांटती थी और मुझे बड़ा अच्छा लगता है कि अभी वह तुम्हारे साथ बांट रहा है। क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि कोई बदलाव लाने के लिए तैयार है। छोटे कदम वक्त आने पर बड़े परिणाम दिखाते है। और दूसरी तरफ असफलता, रोज के कुछ काम न करने से आती है जिसका रुपांतरण बड़ी समस्याओं में हो सकता है।"

"तो इसका मतलब यह है कि अगर मैं रोज छोटे-छोटे कदम उठाऊं तो अंततः मुझे सफलता मिलेगी?" मैंने ॲना की से इसे मान्यता मिलने अपेक्षा रखते हुए पूछा।

"इसमें तो कोई संदेह ही नहीं। इन छोटे-छोटे कामों को नियमित रूप से प्राप्त करने से सफलता मिलती है। सिर्फ यही पंक्ति याद रखो- रोज के छोटे सुधार- वक्त बितने के बाद- चकित करने वाले परिणाम दिलाते हैं। मैं इसे आगे बढ़ने वाले परिणाम कहती हूं। *रोज किए गए बुद्धिमान कार्य हमारी कल्पना से भी ज्यादा शीघ्रगति से सफलता को लेकर आते हैं।* यह एकत्रित की गई पैसों की राशि जैसा है। जब हम छोटे होते है और रोज बैंक में जाकर, क्षुद्र, नगण्य प्रतीत होने वाली कुछ राशि बैंक में जमा करते और फिर कुछ वक्त बाद जब यह पूरी राशि एकमुश्त मिल जाती है तो आप धनवान बन सकते हैं। ऐसे ही जब उच्च स्तर के नेतृत्व गुणों की बात आती है और आपका पूरी तरह से अच्छे कार्य प्रदर्शन का समय आता है तो वैसा ही होता है। *छोटे-छोटे नेतृत्व के कार्य मिला कर आप सांस रोकने वाले परिणाम देख सकते हो।* और जैसा मैं कहती आई हूं, संशोधन के विषय में अपने आपको नियमितता, लक्ष्य पर एकाग्रता और कभी खत्म न होने वाले सुधारों पर समर्पित करना ही शक्तिशाली कल्पना है। मानवी स्वभाव की जो आदत है- आत्मसंतुष्ट बनना- इसकी पकड़ में कभी न आना। महत्वपूर्ण सच्चाई यह है कि तुम जितने ज्यादा सफल बनोगे, उतनी ही ज्यादा तुम्हारी भूख बढ़नी चाहिए। केवल व्यक्ति के स्तर पर ही नहीं बल्कि संस्था के स्तर पर भी। सफलता जैसा असफल कुछ भी नहीं है, क्योंकि जितने आप ऊपर जाओगे तो उतने ही जल्दी तुम काम करना बंद करोगे, अपने स्थान को चुनौती देना और अपने लक्ष्य पर एकाग्र होने से दूर होते जाते हो। हां, यह मानवी स्वभाव है कि हम ऐसे स्थान पर पहुंचना चाहते हैं जहां पर जल्दी कोई बदलाव न हो, जहां हमें ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत महसूस न हो। जहां सब कुछ निश्चित होता है। यह हमें नियंत्रण और सुरक्षा की अनुभूति देता है, लेकिन मैं तुमसे कहती हूं ब्लैक, यह सुरक्षा की अनुभूति भ्रामक है। व्यवसाय की इस नई दुनिया में, आप वहीं बातें उसी तरह से करें जैसे आप हमेशा करते आए हो। इससे बड़ी जोखिम और कोई नहीं हो सकती। कुछ बातें ऐसी मूर्खतापूर्ण है, जैसे कि यह आशा रखना कि पुरानी तरह के आचरण से जैसे-तैसे नये परिणाम दिख जाएंगे।"

"क्यों?"

"क्योंकि इसका मतलब तुम अभिनव परिवर्तन वाले नहीं हो। तुम्हारे हिस्से का काम अच्छा होने के लिऐ तुम किसी भी तरह का प्रयास नहीं कर रहे हो। और इसका मतलब यह है कि उत्कर्ष की ओर जाने के लिए सदैव वृद्धिंगत स्तर में सम्मिलित होने के बजाय तुम अपने पुराने गतिहीन ढंग से गहरी नींद में सो जाते हो तब तुम्हारी प्रतिस्पर्धा तुम्हें नाश्ते की तरह खा जाती है। ॲना ने अवलोकित किया। गतिहीनता छोड़ कर नवीनतम प्रयोग- कल्पना का चयन करो और फिर तुम अपने इस अत्यंत उत्साही, सक्रियता से भरे पेशे में या कारोबार में बहुत आगे जाओगे और निपुण होंगे उस विश्व में जिसमें अभी हम जी रहे है। पूर्ण योजना

के साथ जोखिम चुनो, वह भी नापतौल के, फिर तुम उल्लेखनीय काम करोगे। तुम सच में विस्मयकारी काम करोगे।"

"समझ गया। यह बहुत अच्छा है। तो ईमेज शब्द के एम का मतलब क्या है?" मैंने पूछा।

"मास्टरी (विशेषज्ञता)।" ॲना ने कहा। "तुम जो भी काम कर रहे हो, उसमें अपने आपको विशेष बनाने के लिए वचनबद्ध रहो। ऐसी विशेषज्ञता जिसमें तुम माहिर हो- फिर तुम्हारी यह महारत बच्चों को पढ़ाने में हो या स्टेपलर बेचने में। यही इस विविधता भरे समय का सिद्धांत है। जरा भी कमी रह गई तो तो पीछे रह जाओगे। हास्य अभिनेता स्टीव मार्टिन ने दी हुई सलाह बिलकुल सही है। उसने कहा है कि, इतने अच्छे बनो कि लोग तुम्हारी उपेक्षा न कर सके।"

"मुझे अच्छा लगा। मैं हमेशा से ही उसे पसंद करते आया हूं। मेरे पास नेतृत्व की कोई उपाधि नहीं है और मैं अपना नेतृत्व का श्रेष्ठत्व पाने जा रहा हूं, तो मैं उपेक्षित नहीं किया जा सकता, यह सुन कर मैं बहुत प्रेरित हुआ।" जोश भरी भावना के साथ मैंने ॲना से कहा।

"यह सुनना बहुत ही प्रशंसनीय है, ब्लैक। देखो, तुम जिन लोगों के साथ और जिनके लिए काम कर रहे हो, उन्हें तुम अच्छे लगते हो। इस स्पर्धा में शायद तुम आखरी नहीं हो। तुम्हें लगता है कि लोग तुम्हें पसंद करे, तुम्हारा सम्मान करें, तुम जहां डटे हो वहां के काम की पूजा करें क्योंकि तुम एक नेक और अच्छा काम कर रहे हो। और यही वह सिद्धांत है जो तुम्हें विशेषज्ञता के सिद्धांत तक ले जाएगा।"

"इन शब्दों में कुछ तो ऐसा है जो मुझे सही लगता है।" टॉमी ने कहा। फिर उसने अपनी जेब में से वाशिंगटन के कीर्तिस्तंभ स्मारक का बिखरा हुआ चित्र निकाला। "यहां इसकी तरफ देखो, ब्लैक। यह एक चमत्कारिक वास्तुशिल्प है।" टॉमी ने आगे कहा। "लोग कहते थे कि यह स्वप्नदर्शी रचना कोई नहीं बना सकता। परंतु एक वास्तु विशारद रॉबर्ट मिल्स जिसने न सिर्फ इसकी रचना की बल्कि उसने अत्यंत विपरित स्थिति में इसे करके दिखाया। नेता हमेशा अपना काम पूरा करते है, चाहे कुछ भी हो। और इसीलिए यह चित्र मुझे हर रोज याद दिलाता है कि मैं नकारात्मक विचार मन में न लाऊं और मेरे काम में विशेषज्ञता लाने के लिए मैं खुद को समर्पित करूं।"

"मेरे सवोच्च यथासंभव गुणों से कम नहीं।" ॲना ने याद दिलाया। "इसी तरह मैं विशेषज्ञ की ओर देखती हूं, ब्लैक। मैं तुम्हें एफएमओबी बनने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करूंगी।" उसने टॉमी की ओर पलक झपकाते हुए कहा।

"एफएमओबी?" मैंने पूछा। "पहले कभी मैंने इसके बारे में सुना नहीं।"

दोनों ही हंसने लगे। "मुझे लगता है कि वह उत्कृष्ट एफएमओबी बनेगा।" उनके हंसने का कारण रहस्य में रखते हुए टॉमी ने कहा।

"मुझे भी लगता है कि वह निश्चित ही अच्छा एफएमओबी बनेगा।" उन दोनों की रहस्यमय छोटी दुनिया में क्या चल रहा है यह मुझे बिना बताए वह हंसने लगी। उन्होंने जोर से एक-दूसरे को ताली दी।

"कृपया आप में से कोई मुझे एफएमओबी का मतलब बताएगा?" मैंने लगभग याचना भरे शब्दों में कहा।

"एफएमओबी का मतलब है, एक व्यक्ति जिसने अपने आपको सबसे पहले (फर्स्ट), सबसे अधिक (मोस्ट), एकमात्र (ओन्ली) और उत्कृष्टता (बेस्ट) को समर्पित किया है। यही है एफएमओबी। हम दोनों सोच रहे हैं कि तुम पहले से ही इस रास्ते पर आ गए हो, जहां तुम एफएमओबी बन सकते हो।" ॲना ने ऊंचे और विश्वासदर्शक स्वर में कहा।

"ब्लैक, हम तुम्हें एक महान व्यक्ति जरूर बनाएंगे।" चमकती आंखों से मुझमें विश्वास जताते हुए टॉमी ने कहा। अचानक उसे अनियंत्रित खांसी आने लगी। उसका चेहरा फीका पड़ गया और कोरा हो गया।

"क्या तुम ठीक हो, टॉमी?" उसकी ओर जाते हुए ॲना ने जोर से कहा। उसने टॉमी का हाथ झपट कर पकड़ लिया। उसका चेहरा चिंतित हो उठा था। वह कुछ डरी भी हुई थी। मैं भी टॉमी की ओर दौड़ते गया, उसके पास घुटनों पर बैठते हुए मैंने पानी की बोतल दी।

"यह शुरुआत है, है ना?" ॲना ने कांपती आवाज में उससे पूछा।

"तुमने कहा था कि यह कभी नहीं होगा। तुमने मुझे वचन दिया था कि ऐसा कभी नहीं होगा।"

"मैं ठीक हूं।" टॉमी ने संयमित होते हुए अपने अपने आप को संभालते हुए कहा। "यह सिर्फ खांसी है। चिंता की कोई बात नहीं है। क्या अब हम बिना उपाधि के नेतृत्व विषय पर विचार कर सकते हैं? वक्त जा रहा है। मैं बिलकुल ठीक हूं। सचमुच।" उसने आग्रह से कहा।

"सचमुच?" चिंतित स्वर में ॲना ने पूछा।

"हां, सचमुच।" टॉमी ने विश्वास के साथ अपना गला साफ करते हुए कहा। वह खिड़की से बाहर देख रहे थे।

"अच्छा, तो फिर ब्लैक," ॲना ने आगे बढ़ते हुए कहा। "अभी यहां जो कुछ हुआ उसे पूरी तरह से भुलाते हुए अपने काम में विशेषज्ञता के लिए अत्यावश्यक स्थिति पर चल रहे संभाषण को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। विशेषज्ञता की तरफ जाने वाला पहला कदम है कि अपनी अपेक्षाओं को अपने आप बढ़ाएं। अपने आप के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किया है उसकी ओर बढ़े। यह वादा करो कि तुम पहले (एफ), अधिक (एम), एकमात्र (ओ) और उत्कृष्ट (बी) होने का पूर्णतः प्रयास करोगे। लोग तुमसे जो अपेक्षा और आशा रखते है, उससे ज्यादा तुम अपने आप से करो। हमेशा बड़े परिप्रेक्ष्य में काम करो ब्लैक। अदृश्य अवकाश के खुले आसमान में ऊंची उड़ान भरो। बहुत से लोग अपने लिए निम्न

स्तरीय लक्ष्य निर्धारित करते हैं। उनका उद्देश्य भी बहुत छोटा होता है और फिर खिन्नता से अपने लक्ष्य तक पहुंचते है। और इसीलिए तुम्हें यह ज्ञात होगा कि इस विशेषज्ञता के लंबे रास्ते पर तुम्हारे साथ ज्यादा लोग नहीं होंगे।"

"ॲना, क्या आप सच में यह सूचित करना चाहती हो कि सामान्यता से अधिक विशेषज्ञता पर काम करना आसान है?" मुझे बहुत आश्चर्य हुआ।

"तुमने सही भाषा में इसका विश्लेषण किया, ब्लैक। और मैं बिलकुल यही कह रही थी। वहां बहुत कम प्रतिस्पर्धा होती है क्योंकि वहां उस लंबे रास्ते पर बहुत थोड़े लोग ही काम करने पर विश्वास रखते है। बहुत कम लोग अपना कैरिअर उस पर खर्च करने का वादा करते है। और इसलिए जैसा तुमने कहा, वास्तव में विशेष काम करना आसान है।

"मुझे लगता है कि हम में से ज्यादातर लोग प्रभावशाली और महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करने से डरते है। बाद में असफल होते है।" मैंने सूचित किया।

"बिलकुल सही, ब्लैक। परंतु वह खेल ही खेले जिसमें तुम जीतने के लिए गए ही नहीं हो। मैं तुम्हें प्रोत्साहित करूंगी एक उत्तम बीआईडब्ल्यू बन कर अपना आदर्श दुनिया के सामने रखने के लिए, जिस दुनिया में तुम अभी जिंदा हो।"

"बीआईडब्ल्यू? इसका मतलब मैं नहीं जानता ॲना।" मैंने कहा। "और तुम लोग तुम्हारे इन संकल्पनाओं के संक्षिप्त रुप को बहुत चाहते हो।"

"मुझे पता है।" ॲना ने स्वीकारोक्ति दी। "कुछ समय के बाद इसकी आदत हो जाती है ब्लैक, और वह निश्चित रुप से नेतृत्व भाषा के तत्व का संपूर्ण विशेष गठन करते है। जिससे हम लोग बिना उपाधि के नेतृत्व के बारे में एक-दूसरे से बात करना शुरु करते है। बीआईडब्ल्यू का मतलब है- बेस्ट इन वर्ल्ड (विश्व में सर्वोत्तम)। इस होटल में काम करते समय मैं अपने आप को हमेशा यह सवाल करती रहती हूं कि- दुनिया में ऐसा कौन है जो इस पल मुझे जो काम करना उस काम में श्रेष्ठ होगा?" जब मुझे इसका जवाब मिला, मैंने तुरंत ही अपने आप को देखा और मेरा काम आगे बढ़ाने के लिए मैं चल पड़ी, जो काम सर्वोत्कृष्ट मार्गदर्शक और बड़ा प्रभावशाली भी होगा। हाउसकीपिंग का यह मेरा काम विश्व में सर्वोत्तम बनाना यही मेरा लक्ष्य है जिसे मैं हर दिन याद करती हूं। और इस तरह मैं विशेषज्ञता की ओर आगे बढ़ती हूं।" ॲना ने बहुत आत्मविश्वास के साथ ठोस शब्दों में कहा।

"तुम वास्तव में हाउसकीपिंग का काम एक कुशल काम समझती हो ॲना?"

"निश्चित ही! यह मेरे लिए कुशलता की ही बात है। और इसीलिए मैं हर रोज उस पर काम करते उसमें निपुण होने का प्रयास करने के मेरे सुप्त गुणों कर पहुंचने का प्रयत्न करती हूं। कल से अधिक अच्छा काम आज करने की चुनौती मैं प्रति दिन अपने आप को देती हूं। मैंने खुद को पूरी तरह इस काम के लिए

समर्पित किया है। और यही कल्पना और विचार मुझे उत्साहित, ताजा रखती है, जागृत रखती है। मुझे यहां उसका उल्लेख करना ही होगा कि किसी कार्य में असामान्य होना वास्तविक बहुत खुशी की बात है।"

"क्या आप सच कह रही है?"

"एकदम सही कह रही हूं। *विशेषता से किए हुए काम की कुछ बातों से तुम्हें अच्छा लगेगा एवं गर्व महसूस करोगे।* और तुम्हें पता है- विश्वस्तरीय अच्छा काम करना यह जीवन के उद्देश्य का एक अविभाज्य हिस्सा है।" ॲना ने थोड़े तत्ववेत्ता के रूप में कहा।

"वह कैसे?" मैंने बड़ी उत्सुकता से पूछा, "क्योंकि मैंने पिछले कुछ सालों में व्यक्तिगत जीवन में बहुत कठिनाइयों का सामना किया है।"

"कार्य तुम्हें हर रोज अपने अंदर का नेतृत्व साबित करने का मौका देता है। यही मौका है, प्रति दिन, तुम्हारे छुपे हुए गुणों को व्यक्त करने का, जो तुम्हारे वर्तमान और तुम्हारे सर्वोत्तम के बीच की निष्क्रियता को हटा कर जागृत होने का। अपनी निहित निर्मिती, उदारता, मानवता पूर्णतः बड़ी मात्रा में दिखाने का। और तुम्हारी प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करने का। ऐसा करने से तुम तुम्हारे आसपास के लोगों की, जिनकी वजह से तुम विशेषज्ञता के रास्ते पर हो, उनकी मदद करोगे। जीवन का लगभग यही सही उद्देश्य है। इसलिए मैं यह सुझाव देती हूं कि विश्व स्तर का उत्कृष्ट काम भी जीवन का केंद्रीय उद्देश्य है।"

मैं बिलकुल शांत रहा। मैंन टॉमी की तरफ देखा, जो अभी भी अस्वस्थ दिख रहे थे। मगर उनके चेहरे पर समझदारी के भाव थे। उन्होंने सिर हिला कर ॲना के शब्दों को स्वीकार किया। उसी समय मेरे मन में आया कि मेरा काम सिर्फ वक्त गुजारने और पैसे कमाने का साधन नहीं है। वह मेरे लिए एक उपहार था। और मेरे नेतृत्व की ओर जाने का शानदार एवं प्रभावी रास्ता था। ऐसा करके मैं न केवल अपने आप को खुश करता बल्कि विश्व में इस प्रक्रिया के लिए बेहतर जगह भी बनाता हूं।

"ओह, मुझे यह भी विश्वास दिलाना होगा- अगर कोई शंका हो तो- की हमारे काम में, हम हर व्यक्ति में से उनके प्रभावशाली गुण लेते हैं। हमारे जैसे बहुत आम लोग इस बारे में सोच ही नहीं पाते और इसे सच नहीं मानते। परंतु हमारी श्रद्धा और धारणा उन विचारों से अधिक ज्यादा कुछ नहीं होती। उसे हम बार-बार दोहराते है जब तक वह न निजी सच नहीं बन जाते। वस्तुतः दुख की बात यह है कि हर एक की श्रद्धा और धारणा, अपरिहार्यता से स्वयं की आशाओं पर खरे उतरने की भविष्यवाणी बन जाती है। भले ही आप कुछ चीजे संभव या असंभव समझते होंगे, उनमें से तुम अधिक तौर पर सही होते हो। इसका कारण यह है कि तुम्हारी श्रद्धा और धारणा ही तुम्हारा व्यवहार और आचरण निर्धारित करती है।"

"सत्य तो यह है कि हर व्यक्ति में सच्ची योग्यता और क्षमता होती है। परंतु हमने वर्तमान में जो हम है और हमें आगे जो बनना चाहिए इन दोनों बाधाएं खड़ी कर दी है। बाधाएं जैसे की, अपनी श्रद्धा को सीमित करना, जो हमारी क्षमता और प्रगति में रोक लगाए। अंत में कुछ मोल न होने वाली, विचलित करने वाली चीजों से हमारा जीवन भर देना। एक सबसे अच्छा कदम तुम उठा सकते हो। तुम्हारी विशेषज्ञता और प्रभुत्तता के रास्ते पर जो दीवारें है उसे तुम एक एक कर तोड़ दो। जो तुम्हें तुम्हारे श्रेष्ठता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।"

ॲना ने अपना वक्तव्य जारी रखा। उसकी आवाद में और भी जोश आया। "तुम्हारे सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व की खोज का मूल तत्व यही है कि तुम उन क्षणों या पलों सो जुड़ना, जिससे तुम्हारी स्वाभाविक विशिष्टता अपने आप में पूरी तरह से प्रस्तुत हुई हो। उन पलों के लिए जियो और देखो तुम्हें उसका अच्छा अनुभव आना या मिलना शुरु हो जाएगा। और वैसे भी, ब्लैक, अगर वास्तव में तुमने यह मान भी लिया कि तुम कितने महान हो, तो हो सकता है कि तुम कुछ दिन तक इस आघात में रहोगे। परंतु हमारे से अधिकतम लोग इस चमक को अस्वीकार करते है और अपने आप में एक घर तैयार करके सर्जनात्मक उपलब्धि को दफन कर देते हैं जैसा कि हमारा स्वभाव है। वस्तुतः ऐसे गलत विचार उनके आसपास के लोग उन्हें सिखाते है और वह अविशेष और अवगुणत्व जैसे विचारों को मानने लगते हैं। और इसी वजह से वह जिस तरह से अपने आप को दिखते और देखते है उसी तरह के रास्ते पर वह चलते है। ध्यान में रखो ब्लैक, तुम्हें कभी भी अपनी आत्मा के विरूद्ध अपना व्यवहार और आचरण नहीं करना है। तुम्हारे विचारों को विकल्प तुम्हारे प्रदर्शन का परिणाम निर्धारित करता है। तुम्हारी मानसिक रचना और तुम बाहर की स्थिति पर कैसे कार्य करते हो, यह तुम्हें उच्च स्तर पर लेकर जाएगा और फिर से सामान्यता में तुम्हारे विशेषज्ञता का कारण बनेगा। इसलिए तुम अपने आप को प्रतिभाशाली से कम क्षमता की नजर से मत देखो।"

"क्योंकि विस्मयकारकता और क्षमताहीनका के न होने से मेरे विशेष गुण सिर्फ स्वार्थ के लिए ही होंगे। बराबर है?" मैंने पूछा।

"बिलकुल सही।" ॲना ने कहा। "सफल लोगों के पास सफल विचारों के उदाहरण होते है। उत्कृष्ट नेता शानदार और प्रभावशाली नेतृत्व की आदतों को बढ़ावा देते हैं। बहुत सारे संसाधनों में यह साबित हुआ है कि किसी भी विषय में विशेषज्ञता पाने और लाने में १० हजार घंटे लग जाते हैं।"

"पहले कभी सुना नहीं, पर यह दिलचस्प लग रहा है।" मैंने कहा। और कुछ सुनाओ।

"मैंने सबसे पहले इस बारे में हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के दि मेकिंग ऑफ एक्सपर्ट नाम के लेख में पढ़ा था। वह एक दमदार और असर करने वाली कल्पना थी। विशेष कार्य करने वाले किस तरह अपने कार्यक्षेत्र, खेलकूद से

लेकर संगीत तक चमक भरी कुशलता दिखाते है और कर सकते हैं, यह उसमें लिखा था। इससे यह स्पष्ट होता है कि हर विश्वस्तरीय विशेषज्ञ व्यक्ति की एक बात समान होती है : उनकी कुशलता को बढ़ाने और उसे और निहारने के लिए वह १० हजार घंटे प्रयास करते हैं। सीखने वाली बात यह है कि हम सब व्यक्ति में अपने कार्य में श्रेष्ठता हासिल करने का गुण होता है, परंतु सिर्फ यही काफी नहीं है। बीआईडब्ल्यू (विश्व में सर्वोत्तम) तक पहुंचने के लिए साधारण १० हजार घंटे ध्यान से प्रयास करना और सतर्कता से निश्चित व्यवहार करने की आवश्यकता है।"

"बेस्ट इन द वर्ल्ड," मैंने ॲना की संकल्पना का संक्षिप्त अर्थ दोहराते हुए कहा।

"हां, ब्लैक। विश्व के उत्कृष्ठ गोल्फर्स (गोल्फ खेलने वाले) ने उनके १० हजार घंटे गोल्फ खेल के प्रदर्शन और प्रशिक्षण पर खर्च किए, उनके खेल को विश्वस्तरीय मान्यता दिलवाने के लिए। विश्व के श्रेष्ठ वैज्ञानिकों ने उनके विषय में श्रेष्ठता हासिल करने के लिए १० हजार घंटे अपना काम तल्लीनता से किया और आज वही समर्पण उन्हें प्रतिभावान बना रहा है। विश्व के सर्वश्रेष्ठ कलाकार लगभग १० हजार घंटे दृढ़ प्रयास करते हैं और उनके कुशल व्यावहारिक काम से प्रबलता स उनके प्रभावशाली बिंदू तक पहुंचते है। इस तरह ध्यान और वक्त का निर्माण एक-दूसरे के साथी होते हैं। हम में से सभी उपाधि के सिवाय नेतृत्व करने वालों के पास असंभव को संभव कर दिखाने की क्षमता होती है, और हम अपने लक्ष्य की ओर पहुंचने की क्षमता रखते है। दुर्भाग्य से, हम में से बहुत लोग यह नहीं मानते परंतु हम भी असफल हो सकते हैं, अगर हमने भी आवश्यक समय नहीं निकाला तो।"

"कितना सहायता भरा दृष्टीकोण है, ॲना।"

"प्रशंसा के लिए धन्यवाद, ब्लैक। अगर ज्यादातर लोग इसे समझ गए कि वे अपने व्यवसाय, समाज, राष्ट्र, संगठन को श्रेष्ठ कैसे बना सकते हैं तो वह हर तरफ व्यापक स्तर पर सफलता का प्रदर्शन कर सकते हैं। अब यहां पर असली बात आती है : दस हजार घंटो में सोने का वक्त, लोगों से मिलने का वक्त, प्रति दिन के लिए किए जाने वाले कामों का वक्त शामिल कर उसे मिला लिया जाए तो दस वर्ष होते हैं। इसलिए दस हजार घंटो वाली यह कल्पना दस साल के नियम से जानी जाती है। तुम्हें जिस विषय में श्रेष्ठता हासिल करनी है उस पर दस साल तक ध्यान देना आवश्यक है। यही यथार्थ सफलता का विश्वस्तरीय सूत्र है जो प्रचलित है। दस साल पूरी लगन से प्रयास और निरंतर प्रयोग करना। परंतु हमारे इस तेजी से बढ़ रहे विश्व में कितने लोग यह काम करने के लिए तैयार है। हर व्यक्ति को कुछ करने के बाद तुरंत ही इनाम चाहिए। फिर भी विशेषता हासिल करने के लिए वक्त, ध्यान और धीरज, संयम आवश्यक है और हम में से बहुत लोग यह वादा नहीं निभा सकते। वह अपनी हार मान लेते हैं। फिर उन्हें

इस बात का पता चलता है कि वह अपने काम में एक सफल सितारा क्यों नहीं बन पाए?"

"और इस असफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय वह अन्य लोगों पर या चीजों पर जैसे- मालिक, स्पर्धा से भरा माहौल, सहकर्मी, संघर्षभरी स्थिति पर आरोप लगाते हैं।" मैंने कहा।

"यह हुई ना बात, ब्लैक। फिर वे अपना माता-पिता को दोषी ठहराते है या फिर उनका इतिहास या वातावरण को भी। आश्चर्य की बात तो यह है कि वह मानव किस तरह अपने आप को बचाते, निर्दोष कहलवाते है और ऐसा कर खुद को ही समाप्त कर लेते हैं। सिर्फ वही वातावरण महत्वपूर्ण होता है जो उस समय तुम्हारे अंदर होता है। और वही अर्थव्यवस्था भी मायने रखती है जो तुम्हारे दोनों कानों के बीच होती है।"

"मैं इसे पूरी तरह से जान गया हूं, ॲना। अंततः हम जिस वातावरण में खुद को पाते है, उसके जिम्मेदार हम खुद ही होते हैं। उस वातावरण में हम किस तरह बर्ताव करते हैं इस पर वातावरण भी निर्भर होता है। हम हर स्थिति का शानदार तरीके से पेश होकर, हंस कर उसका सामना करने का विकल्प चुन सकते है। या फिर उसे सामान्यतः यही होता है कह कर इससे पीछे हट कर नकारात्मकता में अटक जाते हैं। और इन बहानों की वजह से हमें इसकी आदत हो जती है। हम अपने आप को छोटी-छोटी बातों से विचलित कर देते है जिसका वास्तव में कोई मूल्य नहीं होता।"

"हां, और वह एक चाल या तरकीब है, विशेषता पाने की ओर ध्यान देने से इनकार करने की। डर का दूसरा मतलब है, बातों को चीजों को टालने का प्रयास करना। फिर भी किसी कसरती खिलाड़ी को देखो। वह अपने जीवन का श्रेष्ठ समय खर्च करके वर्षों तक प्रयास करते हैं क्योंकि बीआईडब्ल्यू बनने की यही सबसे पहली मांग है। वह सुबह जल्दी उठते हैं। वह अथक परिश्रम करते हैं। प्रबलता से अभ्यास करते हैं। वह खेल के टेप्स देखते है, जब बाकी लोग टीवी देख रहे होते हैं। आम लोग जब पिज्जा खाते हैं तब वह सैलड खाते हैं। जब सभी लोग अपने बिस्तर में होते हैं उस समय वह बाहर ठंड में दौड़ लगा रहे होते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वह अच्छा लगता है। उनकी इच्छा होती है। उन्हें श्रेष्ठ बनना होता है। उनके श्रेष्ठ गुणों को और क्षमता को और ऊपर उठाने के लिए वह यह करते रहते हैं। उनके नेतृत्व की महानता को समझने के लिए। देखो उन सितारों की ओर। उन सभी में एक बात समान है। उनमें से सभी ने अपने काम पर दस वर्ष से भी ज्यादा का समय देकर सफलता हासिल करने का प्रयास किया है। सफलता पाने के लिए उन्होंने हर तरह की कीमत अदा की है। काम पूरा करने के लिए उन्होंने जो संभव है वह सबकुछ किया है। तब कहीं जाकर विश्व में लोग उन्हें एक विशेष व्यक्ति के रूप में या भगवान की देन मान

कर पुकारते हैं। पर "विशेष" या "भगवान की देन" यह शब्द सही नहीं है!" ॲना ने जोर देकर कहा।

"हम सभी में कुछ कर दिखाने की क्षमता है। कुछ लोग यह जानते हैं और उस ओर अपना प्रयास जारी रखते है। और हम हमारी साधारण योग्यता के साथ अपने जीवन में उन्नति को रोक लगा देते हैं। बहुत दुख की बात है, है ना?" ॲना ने मेज पर कहीं धूल तो जमी नहीं, यह देखने के लिए अपनी उंगली घुमाते हुए कहा।

"बहुत ही दुख की बात है।" मैंने सहमति दर्शाते हुए कहा। "अति विशाल मात्रा में मानव बुद्धि का नाश। और यहां मुझे मिली सभी तरह की यह नई जानकारी मुझे मेरे बुकस्टोर में काम करने के लिए प्रेरणात्मक होगी और मैं नई दृष्टी से काम करूंगा। आप इस होटल में किस तरह अपना काम कर रही हो, सिर्फ यही बात मेरे लिए बेहद प्रभावशाली है। मैं अब पूरी तरह से समझ गया हूं कि एक श्रेष्ठ पुस्तक विक्रेता बनने की भरपूर क्षमता मुझमें हैं।"

"संभल कर, मेरे शेर।" टॉमी ने स्नेह से कहा। "लगता है, तुमने पूरी योजना बना ली है, मुझे मेरे "श्रेष्ठ स्थान से हटाने की और कैरेबियन में वापस भेजने की।"

"असल में मैं वहीं सोच रहा था।" मैंने थोड़े मजाकिया लहजे में जवाब दिया। "मैं जब से युद्ध से वापस आया हूं, तब से मेरे काम का कोई लक्ष्य नहीं था। मेरे कैरिअर की मेरे सामने कोई निश्चित दिशा नहीं थी। मेरे पास ऐसी कोई विशेषता नहीं थी जिससे मैं सुबह जल्दी उठ कर श्रेष्ठ काम करने के लिए बाहर निकलूं। मगर ॲना, सचमुच आपने मेरे लिए बहुत रास्ते खोल दिए हैं। आपका बहुत बहुत शुक्रिया।"

"जरूर, यह मेरे लिए खुशी की बात है, ब्लैक महोदय। मुझे आशा है कि तुम 'उपाधि के सिवाय नेतृत्व' के तत्वज्ञान के बारे में जो भी जानते हो वह सभी को बताओगे। कृपया इसे बताना। और अगर तुम इसके अच्छे परिणाम देखना चाहते हो तो, तुरंत इसे आजमाना शुरु कर दो। *नई कल्पनाएं तब तक अकार्यक्षम होती है जब तक तुम उसे कार्यान्वित नहीं करते हो। उत्कृष्ट नेता कुछ किए बिना अच्छी कल्पना का स्थान नहीं छोड़ते - चाहे वह कल्पना छोटी हो या बड़ी- वह उसमें अपनी जान लगा कर काम करते हैं। बहुत लोगों के पास अच्छी कल्पनाएं होती हैं, परंतु माहिर तो माहिर होते है क्योंकि सिर्फ वही उन कल्पनाओं को कार्यान्वित करते हैं। उनके पास उन कल्पनाओं पर काम करने का धैर्य और दृढ़ विश्वास होता है।* महत्वपूर्ण योजना या कल्पना उपयोग में न लाने से बेकार हो जाती है- रिचर्ड बच ने यह बात लिख कर रखी है। *प्रखर कल्पना के प्रति तीव्रता से कृति करना महानता कहलाती है।* सिर्फ प्रतिभाशाली विचार अपने आप में शून्य मूल्य के होते हैं। उसके पीछे वह क्या है जो इसे अनमोल बनाता है, तो वह है उसका अनुसरण करना। और उस प्रतिभाशाली विचार को

अमल में लाने के लिए लगने वाला वक्त। सर्वसामान्य विचार भी प्रभावशाली रुप से प्रतीत हो सकते है। ऐसा होता है तो वह प्रतिभाशाली विचार बन जाते हैं और अधिक मूल्यवान बन जाते हैं। अभी अभी शुरु किया हुआ कोई नया उपक्रम भी आपका कारोबार बढ़ा सकता है या फिर तुम्हारे प्रतिस्पर्धी से स्पर्धा करने के लिए मदद कर सकता है। यह बेहद कुशल और सहज बदलाव है। हां, पहला कदम कठिन अवश्य है, लेकिन एक बार तुमने पहला कदम उठा लिया तो आगे सब आसान हो जाएगा। और हर वह सकारात्मक कदम आगे भी बचे परिणामों को सकारात्मक रुप से ही साथ लेकर आएगा। तुम्हें, जो करना चाहिए लगता है उसे शुरु करो और फिर देखना तुम्हारा काम और उसके साथ-साथ तुम्हारा जीवन भी वहां पहुंच जाएगा, जहां उसे होना चाहिए। मैं इस संकल्पना को- शुरुआत करने का साहस नाम दूंगी। शुरुआत करना असल में बहुत कठिन काम है। किसी भी काम की शुरुआत ही आधी लड़ाई जितने जैसा है। इसके लिए तुम्हारी इच्छा और अंदरुनी शक्ति लग जाती हैं, लेकिन बाद में सभी आसान लगने लगता है। गतिमान रहने के लिए छोटे मगर सातत्यपूर्ण कदम उठाने चाहिए। *रोज की थोड़ी- थोड़ी सफलता- थोड़े समय बाद- भव्यता धारण कर सकती है।* हर कृति का अपना महत्व और परिणाम होता है। काम आगे बढ़ना शुरु होगा। जो दरवाजे और रास्ते तुम्हें पता नहीं है वह खुलने शुरु हो जाएंगे। सफलता भी ज्यादातर मात्रा में अंकों का ही खेल है। जितना तुम काम करोगे, उतनी ही सफलता तुम पाओगे।

"मुझे वह पढ़ी हुई बात याद आई- अवकाश यान को शुरु होने के पहले तीन मिनट में जितना इंधन लगता है, उतने में वह पूरे पृथ्वी की अंतरिक्ष सफर कर सकता है।"

"बढ़िया रुपक, ब्लैक।" ॲना ने आनंदित होकर कहा। "वह पहला कदम हमेशा कठिन होता है। क्योंकि तुम तुम्हारे पुराने और नए विचारों के बीच होने वाले द्वंद्व की स्थिति में होते हो। भौतिक आकर्षण के बल से तुम लड़ रहे होते हो। किसी भी इंसान को परिवर्तन जल्दी पसंद नहीं आता। हम सभी को एक निश्चितता चाहिए होती है। इसलिए कुछ नया हमें डरा देता है और हमारे अंतरंग में गड़बड़ी, उतार-चढ़ाव, अस्तव्यस्तता और उलझन पैदा करता है। परंतु तुम जबहतक कृति करके आगे नहीं बढ़ोगे तब तक विशेषता तक नहीं पहुंच पाओगे। व्यावहारिक साधन तुम्हारे लिए है जिसे मैं 'दैनिक पंचसूत्री' कहूंगी। पांच छोटी मगर महत्वपूर्ण कृतियां तुम्हें तुम्हारे सर्वोत्तम लक्ष्य के करीब लाती है- कल्पना करो।"

"मैं प्रति दिन पांच छोटे कदम आसानी से उठा सकता हूं।" मैंने कहा।

"यही तो दैनिक पंचसूत्री संकल्पना की खासियत है, ब्लैक। इसे हर कोई कर सकता है। बड़े परिवर्तन भय उत्पन्न करते है और हर रोज की समय पर की हुई तरक्की आकर्षक सकल परिणामों को बढ़ावा देती है। एक महीने बाद

तुम एक सौ पचास लक्ष्यों की अनुभूति लोगे। १२ महीने बाद, तुम दो हजार लक्ष्यों तक पहुंचे होंगे। आज से १२ महीने के बाद दो हजार लक्ष्यों तक तुम पहुंच जाओगे तो तुम्हारा आत्मविश्वास कितना बढ़ेगा, इसकी सिर्फ कल्पना करो। कल्पना करो की तुम्हारे अगले १२ महीने कैसे होंगे? कल्पना करो कि, तुम्हारे अगले १२ महीने कैसे बितेंगे, सिर्फ तुम्हारे बुक स्टोर के काम में ही नहीं, बल्कि तुम्हारा स्वास्थ्य, तुम्हारे संबंधों को सामने रख कर। बाकी जीवन के इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तुम जब दो हजार छोटे परंतु महत्वपूर्ण और अर्थपूर्ण परिणाम सफल कर दिखाओगे।"

"मेरा पूरा जीवन ही बदला हुआ लगेगा।" मैंने तुरंत पुष्टी कर दी। "यह सब सुन कर मैं बहुत प्रोत्साहित हुआ। मैं यह निश्चित कर सकता हूं।"

"यह जरूर होगा, ब्लैक। तुम सफल और अर्थपूर्ण जीवन जीने के योग्य और काबिल हो। तुम जरूर इसके योग्य हो कि अपना काम और जीवन तुम्हें स्वयं को अच्छा लगे और तुम्हें यह अहसास दिलाएगा कि तुम एक अच्छे और ही रास्ते पर जा रहे हो। जो मुछे रुचिपूर्ण रूप से इमेज शब्द के ए अक्षर तक लाता है।

"इसका क्या मतलब है?"

"ईमानदारी। नेतृत्व का पुराना आदर्श, जैसा मैंने कहा था कि तुम्हारे वरिष्ठ अधिकारियों से तुम्हें जो पद या अधिकार मिलते हैं, उसका प्रभाव तुम्हारी उपाधि पर निर्भर होता है, यह तुम अब अच्छी तरह से जान गए हो। परंतु इस सुधारवादी व्यापारिक समय में तुम्हारे प्रभाव की क्षमता और व्यक्ति के नाते तुम्हारा योगदान इस पर निर्भर होता है। तुम्हारे संगठन लेख-आलेख पर नियोजन से तुम्हें अधिकार मिलते है। *विश्वसनीय बनना इतना महत्वपूर्ण नहीं है। दूसरों से सम्मान पाना भी इतना महत्वपूर्ण नहीं है। तुम्हारे सहयोगी और ग्राहकों को दिया हुआ वचन निभाना इतना महत्वपूर्ण नहीं है और बहुत सच्चे इमानदार होना भी इतना महत्वपूर्ण नहीं है।* और मैं यह भी कहूंगी कि तुम्हारी योग्यता दिखाना भी इतना कठिन नहीं होता। क्योंकि इन सभी में सामाजिक दबाव सभी के लिए होता है। माध्यम, प्रसार माध्यम, हमारा पद, हमारी योग्यता और हमारे आसपास की दुनिया हमें हमारे विरुद्ध उनके मूल्यों पर जिनके लिए तैयार किए गए संदेशों से लगातार चूर-चूर कर देते हैं। यहां पर ज्यादा तर लोगों की तरह बर्ताव करने पर बहुत जोर दिया जाता है, परंतु नेतृत्व करने वाला औरों की कोलाहलपूर्ण आवाज सुनने के लिए अपने कान बंद कर लेता है और सिर्फ अपना लक्ष्य और अंदरुनी आवाज स्पष्ट रुप से सुनता है। यह मुझे डा. सेईस के वक्तव्य की याद दिलाता है- उन्होंने कहा था- तुम जो हो वहीं बने रहो। तुम्हें जो सही लगता है, वहीं कहो। क्योंकि जिन्हें आपत्ति है उनकी तरफ मत देखो और जो देख रहे हैं उन्हें आपत्ति नहीं होती। इसे ही अधिकार की स्वतंत्रता कहते हैं, ब्लैक। अपने सुरक्षा कवच में रहना सच में सुरक्षित भावना है। और अपने

आप पर विश्वास करना तुम सिखोगे। जिससे तुम अपने ही तत्वों के आधार पर काम करोगे, अपनी खुद की आवाज प्रदर्शित करोगे और इस प्रकार तुम अपना जीवन जितना उत्कृष्ट बनाना चाहते हो, बना सकते हो। यहां पर तुम कौन हो? यहां किसलिए हो? यह जानना है और फिर तुम अपने आप को इस जगह होने का धैर्य और विश्वास पाओगे। सभी स्थितियों में, न की केवल जहां सुविधा हैं सिर्फ वहीं पर। यह सब सच्चा होना, नियमितता और उचित होने की वजह से ही तुम्हारे बाहरी प्रदर्शन से तुम्हारा अंतर्गत प्रतिबिंबित होगा। और अपने आप में ईमानदार और सच्चा होने का मतलब है कि तुमने अपने काम से और अपने गुणों से प्रभावशाली रूप मिलाया है। वास्तव में तुम वैसे ही हो।"

टॉमी ने कहा : "और महान अमरिकी राल्फ वाल्डो इमरसन हमें यह याद दिलाता है- विश्व में तुम खुद जो हो वहीं रहो, भले कोई तुम्हें लगातार कुछ और बनाने का प्रयास करें- यही एक महानतम सफलता है।"

"बिलकुल सही, टॉमी।" ॲना ने अपना सिर हिला कर कहा। "क्या तुम अब ठीक हो?" उसने चिंता से पूछा।

"मैं बिलकुल ठीक हूं।" टॉमी ने अपनी स्पांज बॉब स्क्वेअर पैंट घड़ी में समय देखते हुए जवाब दिया।

ॲना सोफे पर टॉमी के पास बैठ गई। टॉमी ने ॲना के कंधे पर हाथ रखा। "मेरे खाली वक्त में मैं बहुत सारी व्यावसायिक किताबें पढ़ता हूं। उसमें पढ़ा हुआ बहुत कुछ मैं किसी प्रशिक्षण वर्ग में जाकर कहता हूं। मुझे उनमें से जैक वेल्च का लिखा हुआ कुछ याद आ रहा है और मैं उन पंक्तियों को कभी नहीं भुल सकता। जब तुम किसी शिखर पर पहुंचने वाले हो, अपने आप को मत खोना। वॉरेन बफेट ने भी कुछ ऐसा ही कहा है : किसी भी स्थिति में तुम्हें तुम ही बन कर रहना चाहिए। यहां तुम्हारे सिवाय दूसरा कोई अच्छा नहीं है। और आस्कर वाइल्ड ने भी यही कहा है- स्वयं पर विश्वास रखना- बाकी सब तुमसे निकाल लिया जा सकता है। ईमानदारी एक मात्र ऐसी गहरी बात है जो उपाधि के सिवाय नेतृत्व के तत्व को समझाने की। जब तुम तुम्हारे आसपास के लोगों पर प्रभाव डालने वाले नेता बनते हों, तो कुछ बातें बेहद शक्तिशाली होती हैं। एक व्यक्ति जो स्वयं को जीतता है और अपने आप को पूरी तरह प्रदर्शित करता है, उससे भी ज्यादा प्रभावशाली कुछ नेता होते हैं।" ॲना ने जोश से कहा।

"इसलिए ईमानदार होना सिर्फ विश्वसनीय बनने के लिए ही नहीं बल्कि अपने मिशन- कार्य और मूल्यों पर निष्ठा रख कर सिर्फ सच बोलो। यह स्पष्ट है जो तुमने भी अभी कहा कि प्रामाणिक होने का मतलब अपने गुणों का अनुभव करना और अपनी सारी प्रतिभा जानना है, जो तुमने कहा कि तुम्हारे अंदर है।" मैं जो सीख रहा था उसे याद करके ध्यानपूर्वक रूप से मैंने कहा।

"हां, ब्लैक। ईमानदार होने का मतलब तुम्हारे मूल्यों पर खरे उतरना, प्रतिभा पर खरे उतरना। जब तुम हर रोज अपना काम करने निकलोगे और

अपने उत्कृष्ट नेतृत्व का प्रदर्शन करोगे, वहीं ईमानदारी की कृति का प्रभावशाली उदाहरण होगा।"

मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूं जो लंबे समय से ईमानदार और सच्चा है। मैं उनकी सच्चाई और यथार्थता को महसूस कर सकता हूं और उनका महानता के प्रति मनोभाव मेरे अंदर की महानता की लालसा को स्पर्श करता है। और वही बात मुझे उनसे जोड़ती है, ब्लैक। जब तुम अपने आप को, अपने विचारों को खुला करते हो, यथार्थ और प्रतिभावान दर्शाते हो, औरों से अलग जताते हो, तो तुम औरों के भी खुलने, यथार्थ और प्रतिभावान बनने की इजाजत देते हो। तुम्हारे आसपास होना उन्हें सुरक्षित लगता है और वह चिंतामुक्त होकर खुल और खिल जाते हैं। उनका विश्वास बढ़ता है और आश्चर्यकारक घटना घटने की शुरुआत हो जाती है।"

ॲना बात करते-करते रुक गई। टॉमी के कप में से कॉफी का घुंट और चॉकलेट का टुकड़ा उसने लिया।

"ईमानदारी, तुम जो हो उससे ही संबंधित होती है, तब भी जब तुम्हारे आसपास के लोग तुम्हें कुछ और बनाना चाहते हैं। बास्केटबाल खिलाड़ी माइकल जार्डन ने ऐसा कहा है। मुझे आज भी उसकी लिखी किताब driven from within पढ़ी हुई याद आ रही है जो मैंने ब्यूनोज एरेज में रहते हुए पढ़ी थी। वह एक असामान्य व्यक्ति था। बढ़िया गठीले बदन वाला व्यक्ति। उसने एक मुख्य सूत्र बताया है- "लोगों को तुम पर संदेह होने पर भी तुम अपने कार्य के प्रति, मूल्यों के प्रति और तुम्हारे स्वयं-प्रेरित नेतृत्व के प्रति वचनबद्ध रहो। जब लोग कहे कि तुम हार जाओगे और तुम्हारा काम ठीक नहीं है तब भी अपने आप पर भरोसा रखो और उन्हें तुम्हें तोड़ने का मौका न दो। क्योंकि नेतृत्व में स्वयं विश्वास- आत्मविश्वास होना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जब कोई तुम्हारा विश्वास करें या ना करें।"

तुम्हें जार्डन पसंद है?" मैंने पूछा। मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ कि यह अर्जेंटिना मूल की खूबसूरत हाउसकीपर, बास्केटबाल सितारे की प्रशंसक थी।

"ओ, हां।" ॲना ने उल्हासित होकर कहा। "और वह यहां पर उपस्थित टॉमी से भी ज्यादा आकर्षक है।"

"हास्यकारक नहीं।" ईर्ष्या का अभिनय करते हुए टॉमी ने प्रत्युत्तर दिया। उन्होंने अपनी कॉलर ठीक की और बाल बनाने का ढोंग करते हुए हमारा मनोरंजन करने की कोशिश की। ॲना और मैने एक-दूसरे की ओर देख कर हंसने लगे।

"और बोनो, यू२ गायक ने ईमानदारी के बारे में हमारे इस नए युग में कहा है कि : कृपा कर तुम अपना अहंभाव छोड़ दो, तुम में से तुम को जीवित रखो, तुम जैसे भी हो बहुत खूबसूरत हो।"

"अत्युत्तम शब्द।" मैंने स्वीकार किया।

"तुम बहुत खूबसूरत हो ॲना।" झट से टॉमी ने कहा।

"धन्यवाद, प्यारे दोस्त। उसने उदारता से जवाब दिया। ध्यान रखो अहंभाव अगर ज्यादा भरोगे, जो एक बनावटी पन है, जो तुमने ज्यादा तर लोगों द्वारा स्वीकारे जाने के लिए बनाया है। और तुम अंदर से जैसे सच्चे हो वह दृष्टी खो दोगे, जैस ही यह अहंभाव बढ़ता जाएगा।"

"तो अहंभाव एक लौकिक हिस्सा है। हम जैसे अपने आप होते हैं वैसे ही खुद को आगे ले जाना चाहते हैं और दुनिया के लोग हमें उनके जैसा बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं।" मैंने स्पष्ट किया।

बिलकुल ठीक, ब्लैक। मुझे एक छात्र की कहानी याद आ रही हैं, जो मैंने पढ़ी थी। वह छात्र एक दिन रास्ते में एक वृद्ध व्यक्ति से मिला। वह छात्र उस व्यक्ति की सफलता और उसके प्रभावी व्यक्तिमत्व की बहुत प्रशंसा करता था। उसने उस व्यक्ति से पूछा : "क्या कभी उनके मन में कमजोर विचार आए, क्या वह हमेशा अहंभाव के आगे झुके है, जो हमारे जीवन का छिछोरा आकर्षण था या फिर सामाजिक स्तर की कोई उपाधि हो।" उस व्यक्ति ने जवाब दिया : "अवश्य, मेरे मन में भी कमजोर करने वाले विचार आए थे और मेरा अहंभाव भी मुझे प्रति दिन मेरे रास्ते से दूर ले जाने की कोशिश करता था। ऐसा होता ही है क्योंकि मैं एक इंसान हूं। परंतु मेरे पास एक ईमानदार पक्ष यह है, और जो आवश्यक और जरूर है, वह यह कि मैं, मैं हूं। मेरे इन्हीं विचारों ने मुझे उदार और धैर्यशील बनाया। और मैं स्वयंपूर्ण, परिपूर्ण होकर अच्छे रास्ते पर मेरे पैर रख सका। अच्छा कुत्ता मुझे मेरे सपनों की ओर जाने के लिए बढ़ावपा देता था, तो बुरा कुत्ता मुझे मेरे आदर्श रास्ते से हटाने का प्रयास करता रहता।" "तो जीतता कौन था?" उस छात्र ने पूछा। आसान है। उस व्यक्ति ने कहा, "वहीं जिसे मैं ज्यादा बढ़ावा देता हूं।"

"बढ़िया कहानी है। नेतृत्व गुण की सत्यता, उत्कृष्टता और महत्व पूर्णतः मेरी समझ में आ रहा था।" उसे समझते हुए ही मैंने कहा।

"उपाधि के सिवाय नेतृत्व करने वाले हर सुबह अपने काम पर निकलने से पहले प्रमुखता से अपने अहंभाव को टटोलते और परखते हैं। बड़े दफ्तरों और बड़ी राशि की तनख्वाह का चेक, जिसके पीछे समाज में हर कोई अपना जीवन लगा देता है और उसे पाने की कोशिश करता है। इस तरह की मूल्यहीन खोज में अपना जीवन जीते रहते है। मगर नेता इन जैसी चीजों के सम्मोहन में आने के बजाय अपना पूरा ध्यान अपनी विस्मयकारी क्षमता से उत्कृष्ट कार्य करने में लगाता है। वह अपने सहयोगी और संस्था का जीवन अच्छा बनाते हैं और उसे आगे ले जाते हैं। इस तरह वह सिर्प चारों ओर से ही प्रशंसनीय नहीं बल्कि अपने आप में भी आकाक्षांओ पर खरा उतरने के आनंद से भर जाते हैं। क्योंकि उन्हें यह पता है कि उनका जीवन एक अर्थपूर्ण उद्देश्य के लिए खर्च हो रहा है।"

ॲना एक पल के लिए बोलते हुए रुक गई और अपनी घड़ी की ओर देखने लगी।

"मुझे माफ करना, ब्लैक। परंतु मुझे थोड़ी देर में काम पर वापस जाना है। पर मुझे जल्दी से इमेज संकल्पना के आखरी नियम को खत्म करने दो। जी शब्द का मतलब है गट्स यानी साहस जो कारोबार करने के लिए बेहद जरुरी है। तुम्हें नेता बनने के लिए उपाधि की जरूरत नहीं है, लेकिन तुम्हें उसके लिए दृढ़ साहस और धैर्य की आवश्यकता है। बिना उपाधि के नेतृत्व करने के लिए तुम्हें आग्रही और व्यापक रूप में साहसी होना चाहिए। तुम्हें साधारण व्यक्ति से ज्यादा हिमामत और जोखिम उठाने की आवश्यकता है। जितना यह कठिन लग रहा है, उतना कठिन नहीं है यह। हम में से सबसे पास साहस और धैर्य का कुआं होता है, बस हमें वो खोलने की जरूरत होती है। हम सभी को किसी इस या उस प्रकार का नायक जो प्रभावशाली हो वह बनना है और हम में से हर व्यक्ति अगर त्याग करने की तैयारी रखते हैं तो एक दिन हम भी नायक बन सकते है। उतनी क्षमता हम में है। तुम देखो ब्लैक, सफलता सच में अंकों का खेल है। जो लोग उत्कृष्ट और बुद्धिमान नेता बनते हैं और जो लोग असफलता से नहीं डरते वह लोग अच्छे नेता बनने के अलावा अपने आप के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ते। ज्यादा तर लोग निराश होकर प्रयास करना छोड़ देते हैं और वह नई कल्पनाएं जो व्यवहार को और बेहतर बनाने वाली हो या फिर नए तरीके जो सहयोगियों को करीब लाते हैं। परंतु नेतृत्व को लेकर स्वभाव में तुम जितना बड़ा सपना देखोगे उतनी उत्कृष्टता से तुम कृति करोगे, मगर तुम्हें उल्लेखनीय प्रतिरोध मिलेगा। जितना ज्यादा तुम आवेग से भौतिक सुखों को छोड़ोंगो, तुम्हारा लक्ष्य पर्वत की चोटी पर जाने का होना चाहिए, इस सफर में तुम्हें ज्यादा विपदाओं का सामना करना पड़ेगा। जितना ज्यादा तुम उपर उठोगे उतनी बाधाएं तुम्हारे मार्ग पर आएंगी। चीजें गलत होती जाएंगी। प्रतिस्पर्धी वार करने की कोशिश करेंगे। और तुम्हारे आसपास के लोग तुम्हें निरुत्साहित भी करेंगे। जो लोग पुराने ढंग से ही अपना काम करने में चिपके हुए हैं वह बदलाव से डरेंगे और तुम्हारी बहुत आलोचना भी करेंगे कि तुम कितना गलत काम कर रहे हो, नाव को हिला कर डुबा रहे हो और असामान्य व्यवहार कर रहे हो। और वह सही भी होगा।"

"सच में।"

"निश्चित रुप से। जहां दूसरों को चुनौतियां लगती है वहां मौके देखना इसके लिए साहस की आवश्यकता है और भविष्य की कल्पना कर पाना इससे सभी अच्छा बन कर आप द्रष्टा बन सकते है। जबकि अन्य लोग वहां तक जाने से डरते है। अपनी विशाल कल्पना को बेहतर ढंग से पेश करने के लिए किसी को मार्ग बदलने की जरुरत पड़े तो अन्य लोग उसे धमकी से प्रभावित करने की कोशिश करते है। हमेशा से चलती आई बातों पर वह चिपके बैठते हैं और ठुकरा जाना वह बर्दाश्त नहीं करते। इसलिए अगर कोई उनसे अलग सोचता है

और वैसा करता है तो वह उन्हें अस्वाभाविक और असामान्य लगता है। क्योंकि ज्यादातर लोगह अपने पिछले समय से अलग ही नहीं होते और ज्यादा कुछ करने या बनने के लिए आगे ही नहीं आते। और कोई अनुभवहीन व्यक्ति जिसमें साहस है और नया कुछ ढूंढ़ने, कुछ निर्माण करने का प्रयास करता है और उसमें अपना श्रेष्ठत्व पाता है, तो उसे स्वीकार करने और बढ़ावा देने के बजाय सामान्य लोगों से निंदा ही मिलती है। भीड़ उसे शोरगुल करके नीचले स्तर पर ले आती है। उसकी नकल उतार कर उसका मजाक बनाया जाता है। वह तेजी से उसके आलोचक बन जाते हैं, लेकिन सच्चाई यह होती है कि वह किसी व्यक्ति द्वारा सफलता पूर्वक तंत्र संभालते हुए ऊपर जाते देखते डर जाते हैं। आलोचना यह सुरक्षा की प्रतिक्रिया है जो भयभीत लोग बदलावों से अपने आप को बचाने के लिए प्रयोग में लाते है।"

"वाह! बहुत ही अच्छा दृष्टीकोण, ॲना।" मैंने प्रशंसा करते हुए जवाब दिया।

"यह सच है। मैं जो सुझाव दे रही हूं यह तुम्हें दिखाना है कि सच्चे नेतृत्व गुणों के अंदर लोगों का ध्यान आकर्षित करना- और आलोचकों की निंदा सहना यह दोनों शामिल है। तुम्हारे नए स्तर पर जाकर नेतृत्व गुणों की सोच का कुछ लोग अपमान करेंगे। तुम्हारे उच्च स्तर पर काम करने पर बाकी लोग तुम्हें परेशान करेंगे। तुम्हारे ज्यादा देने की वचनबद्धता का लोग विरोध करेंगे। ज्यादातर लोग तुमसे ईर्ष्या करेंगे। लेकिन फुलर्टन शील ने एक बार जो टिप्पणी की है- ईर्ष्या यह एक अवसर है जो सर्वमान्य लोग प्रभावशाली व्यक्तियों को देते हैं। बहुत ही उचित है।"

"कहती रहो, ॲना।" मैंने उत्साह से कहा।

"दुनिया में उच्च स्तर के परिणामों का प्रभाव और अच्छे परिणामों के लिए तुम जो कुछ कर सकते हो, वह करो, इसमें तुम्हें बहुत सारी अपरिहार्य बाधाएं आएंगी। और तुम भीड़ के सामने खड़े रहोगे, तुम्हारे सिद्धांत जो तुम्हारी जगह पर होने वाले दूसरों से कई ज्यादा ऊपर है, उन्हें लेकर तुम्हें अपने आप पर संदेह होने का अनुभव भी आएगा, लेकिन असामान्यता पर तुम्हारा जो विश्वास तुमने बनाया है और नेतृत्व गुणों पर होने वाली तुम्हारी श्रद्धा, यह तुम्हारे भय से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा। जैसे मैंन पहले बताया था, तुम्हें अपनी कल्पनाओं पर आवेशपूर्ण रीती से वचनबद्ध रहना चाहिए औप इतनी ताकत चाहिए कि तुम्हारे अंदर के सर्वोत्तम को तुम प्रदर्शित करते रहो। उसके लिए साहस चाहिए, निडरता चाहिए। तुम्हारे पहले जो महान स्त्री-पुरुष इस रास्ते से चले थे, उनके जैसे प्रचंड निश्चय की तुम्हें आवश्यकता है। तुम में वह है, ब्लैक। शायद, उसे गंभीरता से लेने का, वह वक्त अब आया है।"

"मैं पूरी तरह से सहमत हूं। इसके लिए मैं तुम्हारे साथ हूं, ॲना। ईमेज में ई शब्द का क्या मतलब है?" मैंने पूछा, क्योंकि मुझे पता था कि मेरे चार शिक्षकों

में से पहली शिक्षक ॲना की भेंट खत्म होने जा रही है। भले मैं ॲना से आज सुबह ही मिला था फिर भी मैं उन्हें बहुत याद करूंगा। इस शानदार और सुंदर महिला जो आत्माभिमानी और मनस्वी है, उन्होंने अपने लंबे काले बालों में बड़ी सुंदरता से फूल सजाए हैं, मैं उसे बहुत याद करूंगा।

"एथिक्स, तत्व।" हल्के से फिर भी बड़े अपनेपन से जवाब आया। "दुख की बात यह है कि बहुत से कारोबारी आज के तेज जमाने और उल्टे-पुल्टे कारोबार की वजह से इसे भूल गए हैं। बहुत सारे बेईमानी से लाभ कमाने में जुटे है। वह पैसे को झपट कर पकड़ने में लगे है। पैसा कमाने का अवसर तत्परता से उठाने में लगे है। वह केवल अपने बारे में सोचते है। अच्छा आचरण, अति उत्तम तत्व और अच्छे तरीके से कारोबार करना वस्तुतः किसी भी कारोबार के लिए अच्छा होता है, ऐसी धारणाओं का क्या होगा?" ॲना ने दुखभरी आवाज में पूछा।

टॉमी ने फिर से हमारे संभाषण में हिस्सा लिया। *"मेरे प्यारे दोस्त, क्या सही है, यह तय करने में तुम चुकोगे नहीं।"* उन्होंने अवलोकन किया। "कभी नहीं। *नेतृत्व गुणों में सफलता पाने के लिए अगर मैंने कुछ सीखा है तो वह है कि नेतृत्व गुण की सफलता उत्कृष्टत और सम्मान, यह दोनों जहां मिलते हैं वहां पर होती है।"*

"मेरे दादाजी हमेशा सम्मान के बारे में बात करते थे। वह कहते थे कि- "ईमानदारी, भरोसा, वक्त की पाबंदी और लोगों से सही बर्ताव करना, जैसा हम चाहते हैं कि लोग हमसे बर्ताव करे, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। मुझे उनकी पसंदीदा पंक्ति आज भी याद है- "तुमने अपनी चद्दर कितने अच्छे ढंग से बिछाई है इस पर तुम्हारी नींद निर्भर है।" मैं इसका अर्थ इस प्रकार से लेता हूं कि हम जो भी काम करें उसमें जान झोंक कर और पूरी लगन से करें। और हां, तत्वों का केवल एक ही उल्लंघन पूरे वातावरण को दूषित करेगा।"

"तुम्हारे दादाजी एक विद्वान गृहस्थ थे, ब्लैक। ॲना ने आदरपूर्वक कहा। अपने काम में अपने तत्वों के साथ नियमितता रखना और अपना नाम ऊंचे स्तर पर कायम रखना इससे मूल्यवान और कुछ भी नहीं है। हर प्रकार से तुम्हारी लोकप्रियता वैसी ही होती है जैसे तुम हो। मैं तुम्हें सूचित करना चाहूंगी कि समग्रता की संरचना तुम किसी उपाधि बिना नेतृत्व द्वारा प्रतिष्ठित करोगे, उसे कभी कलंकित मत करना। आखिरकार लोग तुम्हारे पास झुंड़ में आएंगे या तुमसे दूर भागेंगे, यह तुम्हारी लोकप्रियता पर निर्भर करता है। हम इस सम्मोहनकारी दुनिया में रहते हैं। सामान्य लोग अपने आस पास विशाल रुप से अनुयायी बना सकते है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। कीबोर्ड पर प्रहार करने या सिर्फ हाथ फेरने से, उपभोक्ता दुनिया को बता सकता है कि तुम कौन हो? तुमने क्या काम किया है? और तुम कहां खड़े हो। इस सच्चाई को ध्यान में रखो। अपना कमाया हुआ नाम वैसा ही रहेगा इसके लिए प्रयास करो। तुम्हारी निजी छाप

निर्दोष तत्वों से बनी रहे इसकी चिंता करें। तुम्हें पता है, मैंने ऐसे लोगों के बारे में पढ़ा है जिन्होंने चालीस साल लगा दिए अपने जिंदगी में अच्छा नाम कमाने के लिए और बहुत ही अच्छे व्यवसाय के लिए- और उसके बाद केवल साठ सेकैंड में एक हानिकारक फैसला लेने का मूर्खताभरा कदम उठाया, जिससे उनका पूरा व्यवसाय नष्ट हो गया। पूरी तरह से ईमानदार बना, ब्लैक। जो तुम चाहते हो वहीं करो और उसके बाद जो कहा है वहीं करो। अति नम्र बनो। जिनकी तुम सराहना करते हो, ऐसे लोगों के नैतिक बल के सामर्थ्य के साथ अपने आप को काम में पूरी तरह समर्पित करो। सत्यनिष्ठा हमेशा सुंदर पुरस्कार देती है। निडर बनो और यह सुनिश्चित करो की तुम्हारे कर्म तुम्हारे विचारों का ही प्रतिबिंब हो। जैसा तुम बोलते हो, वैसा ही करते रहो, इसके लिए विश्वसनीय भी बनो। मेरी इस कल्पना पर विश्वास करो, ब्लैक। कृपया इस पर विश्वास करो।" ॲना ने जोर देकर कहा।

ॲना खड़ी हो गई और मेरी तरफ आई। उन्होंने अपनी बाहें फैलाईं और मुझे अपनी बाहों में जकड़ लिया। उसके बाद उन्होंने मेरे दोनों गालों का एक-एक कर चुंबन लिया। "तुमसे मिल कर बहुत अच्छा लगा, ब्लैक।" ॲना ने कहा। वह टॉमी और मुझे छोड़ने के लिए कमरे से बाहर, लॉबी से होकर बाहर तक आ गई जहां शरद ऋतु का सूर्यास्त नजर आ रहा था। "तुम बहुत अच्छे युवा हो और मुझे पूरा भरोसा है कि तुम अपने व्यवसाय और जीवन में बहुत अच्छा कार्य करोगे। कृपया 'उपाधि के सिवाय नेतृत्व' इस तत्वज्ञान को हमेशा अपने साथ रखो। कोई भी नेता बन सकता है। और यह सब तुमसे और तुम्हारे पास जो विकल्प है- इसे शक्तिशाली बनाने के, उससे शुरु होगा।"

उनके आखरी शब्द मेरे कानों में गूंजते ही रहे, तब तक टॉमी ने अपनी पोर्शे शुरु की और हम अभी सोहो के व्यस्त रास्ते पर चल पड़े। मेरे मन में कोई संदेह नहीं था कि मेरे अंदर बहुत उथल-पुथल हो गई है। और मैं जो पहले था उससे पूरी तरह रुपांतरित हो गया हूं। मैं, सच्चा नेतृत्व गुण सच में क्या होता है इसकी जानकारी का संकलन कर रहा था। यह आसान कौशल नहीं था कि इसे एक बार में उपयोग में लाकर अपना बेहतर प्रदर्शन किया जाए और प्रोत्साहित करने वाली कोई प्रतियोगिता में जीत हासिल की जाएं। नेतृत्व गुण उससे कई ज्यादा था। यह एक ऐसा रास्ता था जिससे हम मानवता का सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकें और अपने अंदर के नेता को जागृत करके केवल अपनी ही जिंदगी को ऊपर न उठाते हुए अपने आसपास के लोगों को भी ऊपर उठाने जैसा था। अपने, सहयोगियों से लेकर अपने ग्राहकों तक जिन्हें हम विशेष रूप से सेवा देते हैं। मैं नई तरह से यह समझ चुका था कि नेतृत्व गुण ही एक मात्र शुभ अवसर है, अच्छी उपलब्धि का स्रोत, हर उच्च स्तर की संस्था के लिए। और हर असामान्य जिंदगी का मूल आधारा। मैं चाहता था कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस

तत्वज्ञान के बारे में जानकारी हो और मैंने अपने आप से प्रतिज्ञा ली की, मैं मेरी और से इस आदर्श सिद्धांत को वास्तव में लाने की पूरी कोशिश करूंगा।

उपाधि बिना नेतृत्व की दार्शनिकता का पहला संवाद :

नेता बनने के लिए तुम्हें किसी उपाधि की जरूरत नहीं है

५ नियम

पांच नियम
परिवर्तन (इनोवेशन)
प्रवीणता (मास्टरी)
प्रामाणिकता (ऑथेन्टिसिटी)
ढाढ़स (गट्स)
तत्व (एथिक्स)

तुरंत उठाए जाने वाले कदम

अगले २४ घंटों के अंदर, अपने काम और निजी जीवन के हर क्षेत्र में तुम्हें पीड़ित बनाने वाली अपनी निजी जिम्मेदारी को खोज लो और उसे लिख कर रखों। इसके बाद, प्रति दिन नेतृत्व दिखाने के लिए अपने पांच लक्ष्य निर्धारित कर उनकी सूची बनाओ जो अगले सात दिनों में तुम्हारे में उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए सकारात्मक बदलाव ला सके। साथ ही अपनी पढ़ाई को और ज्यादा गहरा बनाने के लिए robinsharma.com पर दी गई युक्तियों की बारीकी से खोज करो।

नेतृत्व के बारे में याद रखने लायक वक्तव्य

पैसा, प्रभाव और स्थान की तुलना मस्तिष्क, सिद्धांत, ऊर्जा और दृढ़ता से नहीं की जा सकती।

—ओरिसन स्वेट मार्डन

अध्याय ५

नेतृत्व गुण का दूसरा संवाद : संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है

मैं निरंतर कार्य करता रहता हूं, जब तक मुझे सफलता प्राप्त नहीं होती। मैं इस दुनिया में हारने के लिए नहीं आया हूं, और ना ही असफलता मेरी मनोदशा पर कोई परिणाम कर सकती है। मैं कोई भेड़ नहीं हू जो अपने गडेरिया के मार्गदर्शन की राह देखता रहूं। मैं तो शेर हूं और मैं भेड़ के साथ बातें नहीं करता, उनके साथ चलता और सोता भी नहीं हूं। मैं निरंतर कार्य करता रहता हूं, जब तक मुझे सफलता प्राप्त नहीं होती।

—ओग मेन्डिनो

दुःख या पीड़ा अस्थायी होती है। त्याग देना हमेशा के लिए रहता है।

—नील आर्मस्ट्रांग

“मैं तुम्हारी अगली मुलाकात के लिए बहुत उत्सुक हूं।” जैसे ही टॉमी ने अपनी गाड़ी न्यूयार्क शहर ट्रिबेका हिस्से में खड़ी की, कहा। “यह अध्यापक एक विशेष चरित्र है, ब्लैक। ॲना भी बहुत विशेष है, लेकिन यह कुछ अलग ही है। वह बहुरंगी, खिलाड़ी, उर्जा से भरा तो है ही साथ ही वह बेहद बुद्धिमान भी है। उनसे संवाद के दौरान वह तुम्हें उपाधि के बिना नेतृत्व का दूसरा तत्व बताएंगे। अभी तक तुमने पहला तत्व अच्छी तरह से समझ लिया और जाना है।” टॉमी ने कहा।

“हां! मैंने अवश्य जाना है- *आपको नेता बनने के लिए किसी भी उपाधि की आवश्यकता नहीं होती।”* मैंने गर्वता से कहा।

“बहुत अच्छे। अब तुम्हे दूसरा तत्व सीखना चाहिए।”

“वह कौन सा? मैंने जिज्ञासा से पूछा।

“संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है।” टॉमी का सीधा और तुरंत जवाब आया। यह बात ध्यान में रखना कि कठिनाई कभी खत्म नहीं होती, परंतु प्रभावशाली लोग उससे भी परे होते हैं। कठिन परिस्थितियां हमेशा नायक बनने का मौका देती है। वहीं चुनौती का समय हमें कारोबार और निजीगत जीवन, दोनों में अव्यवस्था और गंदगी को सफलता में रुपांतरित करने का अविश्वसनीय मौका देती है। उन्होंने हंसते हुए कहा। समस्या और बुरे दिन असल में तुम्हारे लिए अच्छे है, मेरे दोस्त।

“बुरे दिन?” अरे भई, मैं तो पूरा दशक बुरा ही महसूस कर रहा हूं। मैंने हंसते हुए जवाब दिया।

टॉमी ने मेरी ओर देखा। वह थोड़ी देर रुके और बाद में हम दोनों ही मेरे जवाब पर हंसने लगे।

“बहुत अच्छे ब्लैक। मुझे तुम्हारा यह तरीका पसंद आया। मैं तुम्हें कह सकता हूं कि तुम बहुत अच्छा महसूस कर रहे हो। और यही मेरे लिए खुशी की बात है। ऐसी अच्छी बातें तुम्हारे लिए पहले से ही हो रही है। तुम्हारा भविष्य बहुत अच्छा होगा।” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

जैसे ही हम एक गली से गुजर रहे थे, टॉमी ने अपना पुराना गीत गाना शुरु कर दिया जो, हम जो चाहते हैं, वह नहीं मिलता, वह मिलता है जिसकी हमें जरूरत होती है के बारे में था। तभी मुझे अहसास हुआ कि वह मुझे आने वाले नए अध्याय के लिए तैयार कर रहे हैं।

जो गाना मैं गा रहा हूं, उसमें बहुत सच्चाई है, ब्लैक। कारोबार और निजी जीवन बेहद अशाश्वत होता है- खास कर इस पूरे अनिश्चितता से भरे माहौल में। जब आपको इस बात का विश्वास होता है कि भविष्य में क्या होने वाला है, तभी कोई प्रतियोगी या नई तकनीक तुरंत औद्योगिक रुपांतर कर देती है। जब ऐसा लगता है कि अब सब फिर से अच्छा हो जाएगा, तभी कोई विलय हो जाता है, मगर संस्था वह नहीं होती। जब आप सोचते है कि आपने सभी बातें जान ली और समझ ली है, अकल्पित बदलाव आप पर टिका-टिप्पणी करते हैं और आपको अपने लक्ष्य तक जाने नहीं देते। और उस वक्त तुम वही पाओगे जहां अकल्पित रुप में, मैं कुछ मिनटों में जाने वाला हूं। जैसे ही हमने तेजी से रास्ता पार किया, टॉमी ने यहां-वहां देखा। क्या मैंने तुम्हें यह बताया है कि मैं तुम्हे तुम्हारे दूसरे अध्यापक से मिलवाने के लिए कितना उत्सुक हूं? उन्होंने मुझसे पूछा।

“हां आपने बताया था,” टॉमी। मैंने मुस्कुराते हुए कहा।

हम एक छोटे दुकान के सामने आ पहुंचे जिसके पुराने से बोर्ड पर हाथ से लिखा था दि टाय स्लोअन स्की शॉप। दुकान के अंदर की जगह आश्चर्यकारक रुप से बेहद प्रसन्न थी, जहां स्कीज और जिम के लिए जरुरी अन्य पोशाक बेहद सलीके से सजा कर रखे थे। दुकान की दीवार पर सुनहरे रंगों के बाल वाले कई

मशहूर स्कीअर्स के ब्लैक एंड व्हाइट फोटो लगाए गए थे जिस पर लिखा था- डर का सामना करो। कठिन प्रयास अंततः उत्तम स्कीअर्स तैयार करते हैं। और अपने खुद के लक्ष्य को पराजित करो।

मेज के पीछे एक लंबा, व्यायाम से हुए गठिले बदन वाला आदमी खड़ा था, मेरे अंदाज से वह लगभग पचास वर्ष के आसपास का होगा। उसने बर्फीले मौसम में पहनी जाने वाली स्वेटर और फटी-पुरानी जीन्स पहनी थी और उसने पर्सोल का गॉगल पहना था। टॉमी और मुझे देख कर वह बाहर आया। हमसे मिलने के लिए वह बेकरार था और बेहद उत्साह के साथ हमसे मिलने के लिए उन्होंने अपना गॉगल उतार दिया।

प्यारे दोस्त, टॉमी की ओर देखते हुए उसने चिल्ला कर कहा और मेरे गुरु को उसने अपनी बाहों में उठा लिया। तुम्हें फिर देख कर बेहद खुशी हुई, दोस्त। किताबों की दुनिया में तुम्हारा जीवन कैसे चल रहा है? क्या तुम अभी भी बिना उपाधि के नेतृत्व की प्रतियोगिता जीतते हो, जो हमने तुम्हें कुछ साल पहले बताए थे।

बिलकुल, टाय। मुझे भी तुम्हें देख कर बहुत खुशी हुई। उसी उत्साह से टॉमी ने जवाब दिया। जी हां, अभी भी सबकुछ अच्छा चल रहा है। आप लोगों ने आपकी कल्पनाएं बता कर मुझे भव्य सफलता के लिए तैयार किया है। और आपको पता है, आप लोगों ने मेरे लिए जो किया है, उसका ऋण मैं कभी नहीं चुका सकता। उस दिन के पहले जिस दिन आप मुझे मिले थे, मेरा जीवन बहुत ही संकटग्रस्त था। पर उसके बाद सब ठीकठाक हो गया। एकदम पूरी तरह से। आप लोगों ने जो तत्वज्ञान मेरे साथ बांटा, उसने तो चमत्कार ही कर दिखाया। धन्यवाद टाय! धन्यवाद! बहुत ही सरलता से टॉमी ने कहा।

कोई बात नहीं दोस्त, शांत परंतु तुरंत ही जवाब आया। अब सब ठीक है। अरे हां! यह वही लड़का है ना जिसके बारे में तुम मुझे बताते थे, टॉम?

मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे किया पर कुछ ही क्षण में अपने आप को मैंने उसकी विशाल बाहों में पाया। कुछ पल के लिए तो मैं सास भी नहीं ले पाया।

"मेरा नाम है टाइ बाइड। तुमसे मिल कर अच्छा लगा दोस्त।" मुझे बाहों में और जोर से दबाते हुए उसने कहा।

"टाय, यह ब्लैक है और ब्लैक यह टाय बायड् है। नाम सुना हुआ लगता है।" टॉमी ने अपने मिकी माउस वाले रुमाल पर अपनेपन से उंगली घुमाते हुए पूछा।

"नहीं, माफ करना। असल में मुझे पता होना चाहिए, लेकिन मुझे पता नहीं इसके लिए मुझे माफ करना, टाय।" मैंने इमानदारी से कहा।

कोई बात नहीं प्यारे ब्लैक, होता है। मुझे इससे बुरा नहीं लगता। मैं बहुत शांत आदमी हूं। गर्व या अहंभाव मुझ पर असर नहीं दिखा सकते और मुझे छू

भी नहीं सकते। सही बात जो मैंने अपने जीवन में सीखी और जान ली है कि, जितना ज्यादा अहंभाव, उतना ही बुरा या खराब प्रदर्शन और क्रिया।

उसके इस वक्तव्य का क्या मतलब था, मेरी समझ में नहीं आया।

टॉमी तुरंत बोल उठा टाय पांच बार स्कीइंग प्रतियोगिता में विश्व विजेता रह चुका हूं। इन तसवीरों में देखो। टॉमी ने दीवार पर लगी हुई तसवीरों की ओर इशारा करते हुए कहा। अगर मैं गलत नहीं हूं, तो यह वही अपना टाओस, न्यू मैक्सिको में स्कीइंग कर रहा है।

"तुम गलत नहीं हो दोस्त, तुम बिलकुल सही हो। टाओल, स्कीइंग का मजा लेने के लिए दुनिया की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। मुझे वहां पर स्कीइंग करना बेहद पसंद था। बहुत सुखद और आनंदमय।

ओह! तो तुम स्कीइंग करने वाले आदमी हो, टाय?" मैंने उस प्रेरणादायी दुकान मालिक से पूछा।

मैं था दोस्त। मैं स्की प्रतियोगिता खेलने के लिए पूरी दुनिया में जाता था। पर बाद में यानि तीस साल की उम्र के बाद अपना घुटना तुड़वाने के कारण मुझे स्कीइंग छोड़नी पड़ी। तब मैं कित्जबुहेल, स्विटजरलैंड में स्कीइंग कर रहा था। उसके बाद कुछ सालों तक मैंने दुनिया के विस्टलर, कैनडा, वाल-डी-इसरे, फ्रान्स, न्यूजीलैंड के कोरोनेट पिक और आसपेन, कोलोराडो और यहां यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमरिका जैसी प्रसिद्ध सैरगाहों पर प्रशिक्षक के रूप में काम किया। बाद में मुझे इस आवाजी दुनिया के बाहर काम करने का रास्ता दिखा। यहां मैंने देखा कि न्यूयार्क शहर में भी थोड़े लोग हैं जिन्हें स्की की आवश्यकता है। और फिर मैं यहां से कहीं नहीं गया। ग्रीष्म ऋतु में मैं यहां पहाड़ी साइकिल बेचता हूं। जितना तुम समझ रहे हो उतना कठिन काम नहीं है, और तुम्हें सच बताऊं तो इससे मुझे ज्यादा पैसे नहीं मिलते। पर मैं रोज सुबह यही सोच कर उठता हूं कि मुझे जो पसंद है वह काम मैं कर रहा हूं। यह काम मुझे अच्छा लगता है। जैसा हम हमेशा कहते आए कि जब मैंने स्कीइंग को ही अपना जीवन बनाया, शायद मैं धनवान न बन सकूं, पर मेरा जीवन पूर्णता से भरपूर है। लोगों को स्कीइंग जैसे खेल की तरह आकर्षित होते हुए देखना मेरे लिए बहुत प्रेरणादायी होता है। और यह मुझे बर्फ के करीब रखता है क्योंकि मुझे सामान देने वाले लोगों की वजह से मैं अभी भी स्कीइंग करने का मौका पाता हूं। मैं बहुत खुश व्यक्ति हूं और मेरे खयाल से यही सबसे महत्वपूर्ण बात है।

मैं प्रेरित हुआ, टाय। आपसे मिल कर मुझे खुशी हुई। मैंने कहा।

नहीं खुशी की बात तो मेरे लिए है। टॉमी कह रहा था कि तुम इराक के खिलाफ अपने देश की तरफ से युद्ध में लड़े?

"हां, मैं लड़ा," मैंने जवाब दिया। टाय की इस बारे में क्या प्रतिक्रिया होगी इसका मुझे अंदाजा नहीं था पर अॅना से भी इस बात का जिक्र होने की वजह से मैं आशावादी था।

ठीक है। तुम यहां किसलिए आए हो यह बताने से पहले, चलो मैं तुम्हें और एक बार बाहों में लेना चाहता हूं, दोस्त।

मैं उनकी तरफ आगे बढ़ा और उन्होंने झपट कर मुझे अपनी बाहों में ले लिया।

"मैं सब पढ़ता रहता हूं, जो आप फौजियों ने काम किया है, दोस्त। मेरे मन में आप और आपके साथियों के प्रति बेहद सम्मान है। मुझे पता है कि आप में से बहुत से लोग इराक के खिलाफ लड़े, अभी उस युद्ध के सदमे, तकलीफ और तनाव से बाहर आने की कोशिश कर रहे होंगे और अपनी पत्नी, प्रेमिका, बच्चों के साथ अपने संबंधों को एक नया रूप देने की भी कोशिश कर रहे होंगे। मैं आप सब के लिए यह महसूस कर सकता हूं और मैं तुम्हें धन्यवाद कहूंगा तो शायद तुम्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, पर फिर भी मैं धन्यवाद देना चाहूंगा। धन्यवाद तुम्हें और तुम्हारे साथियों को, जिन्होंने हमारे लिए यह खतरा उठाया। तुम लोगों ने जो हिम्मत दिखाई है उसीकी वजह से आज हम लोग जीवित रह पा रहे हैं।"

मैं क्या कहूं, मेरी समझ में नहीं आ रहा था। मैंने ऐसी प्रशंसा और सम्मान सैनिकी कार्य में कभी नहीं देखा था। और मुझे पहले से भी ज्यादा ऐसा लगने लगा कि मैं किसी अच्छे सपने का अनुभव कर रहा हूं, जो एक अच्छी घटना के रूप में मेरे जीवन में आया था। और उपाधि के बिना नेतृत्व से, मुझमें निर्णय लेने की प्राकृतिक शक्ति आई थी जिसका प्रयोग मैं किसी भी संकट के समय कर सकता था। ऐसी सकारात्मक और उपयुक्त टिप्पणी पाकर मैं पीड़ित आदमी से बदल कर नेतृत्वता में चला गया था। किसी भी बुरी घटना को जल्द ही नया रूप देकर मैं उसे अच्छी घटना में देखने लगा था और ऐसा करने से मेरे अंदर के नेता को मैं सफलता और कर्म में गतिशील भी बना सकता हूं। पहले जब मैं टॉमी से मिला था तब इसका महत्वपूर्ण हिस्सा यह था कि मुझे ऐसा लगने लगा कि मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव के लिए मैं किसी तरह के बहाने न बनाऊं। मुझे यह भी अहसास हुआ कि इराक के युद्ध के दौरान मेरी निजी तरक्की और गहरी हुई जिसके आधार पर मेरा आने वाला कल मुझे बहुत उज्जवल नजर आ रहा था। पहले मैं बदलाव के लिए कभी भी तैयार नहीं था, पर अब मैं इस बदलाव की प्रक्रिया में हूं। और मैं मेरे गुजरे हुए कल की सभी चुनौतियों की तरफ, मेरे भविष्य में आने वाले नेतृत्व की तैयारी के रूप में देखना लगा। मैंने यह भी जाना कि इस सैनिकी सेवा के मूलभूत नए रूप से मुझे खुश, प्रसन्न और ज्यादा ताकतवर होने का अहसास होने लगा जो मैंने कई बरसों में नहीं जाना था।

"तुम जो कह रहे हो, उसका असर हो रहा है, टाय। और तुम्हारा हमेशा स्वागत है।" मैंने जवाब दिया।

"अच्छा, तो चलो ब्लैक," टाय ने मुझे दुकान के एक कोने में बैठने का इशारा करते हुए कहा। मैं कुछ नई कल्पनाएं और सहायक बातें, जिससे तुम्हारा

पूरा जीवन बदल सकता है, वह तुम्हारे साथ बांट कर तुम्हारा कुछ ऋण चुका सकूं। टॉमी ने मुझसे कहा कि तुम लोग यहां आ रहे हो, तो मैंने हमारे लिए थोड़ा सालामी और चीज सैंडविच मंगवा कर रखा है। क्या तुम आज सुबह इसे ॲना के पास लेकर गए थे? टाय ने टॉमी से पूछा।

जी हां, बिलकुल। टॉमी का हल्का जवाब था।

वह पूरी तरह से एक महिला है, है ना ब्लैक? खूबसूरत, होशियार और बहुत ही अच्छी। टाय ने उत्साह से कहा।

“वह एक अनन्य साधारण महिला है,” मैंने कहा। आज सुबह उन्होंने मुझे कुछ बहुत ही अच्छी बातें बताई- शुरुआत उपाधि के बिना नेतृत्व के तत्वज्ञान के पहले तत्व को बता कर- नेता बनने के लिए तुम्हें किसी भी उपाधि की आवश्यकता नहीं होती। मैंने वह मुलाकात बेहद बदलाव के साथ पूरी की। कोई संदेह नहीं है। मैं बहुत ही अलग महसूस कर रहा हूं।

“तुम महान हो दोस्त। इसका मतलब अब ज्यादा तनाव मुझ पर है ऐसा लगता है। तो तुम उपाधि के बिना नेतृत्व के बारे में सब कुछ सीख रहे हो। और वह ऐसा नेतृत्व जो सबके लिए है जो जिंदा है, नेतृत्व सिर्फ सीईओ, सेना का जनरल और राष्ट्रप्रमुखों के लिए नहीं होता। यह काफी मजेदार प्रक्रिया है, दोस्त। यह तुम्हारा पूरा जीवन ही बदल देगा अगर तुमने करने दिया तो। मैं यही इच्छा व्यक्त करूंगा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक यह पद्धति पहुंच जाएं। कारोबार सिर्फ फायदे के लिए नहीं बल्कि अच्छी जगह बनाए जाने के लिए भी किया जाता है। और हमारी इस बड़ी दुनिया में हर कोई तरक्की कर सकता है। दोस्त, इसलिए मुझे लगता है कि हममें से हर एक में नेतृत्व करने की क्षमता होनी चाहिए जो हमें उच्च शिखर पर ले जा सके।”

तुम्हें यह जान कर अच्छा लगेगा कि इस तत्वज्ञान का मुझ पर बहुत सकारात्मक प्रभाव हो रहा है, टाय। जैसा मैंने कहा कि, मैं बदला हुआ सा महसूस कर रहा हूं। और मुझे यह भी पता है कि मैं बीआईडब्ल्यू (विश्व में सर्वोत्तम) होने के लिए और एफएमओबी की तरह आचरण कर रहा हूं जो आज मैंने सीखा हैं। मैंने हंसते हुए कहा।

लड़का सब समझ रहा है, टॉम। मुझे यह पहले से ही पसंद आने लगा है। टाय ने आवेशपूर्ण रूप से टॉमी की तरफ देखते हुए कहा। यही तो अच्छी कल्पना की क्षमता और शक्ति है, दोस्त। एक नई कल्पना पूरा खेल बदल कर रख देती है। एक उच्च विचार में इतनी क्षमता होती है कि वह तुम्हारी बाधाओं के टुकड़े कर देती है। एक उत्तम और चतुर दृष्टि से तुम्हे क्रांतिकारी निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। मेरा दोस्त ओलिवर वेन्डेल होम्स ने ठिक कहा है- एक बार अपना मन नई कल्पना के लिए खुला कर दिया तो वह अपना मूल पहलू दोबारा प्राप्त नहीं कर सकता।

अच्छा, तो सुनो। मुझे सैंडवीच ब्रेड और ठंडे पानी की बोतल देते हुए टाय ने अपना कथन जारी रखा। मेरा काम आज यहां- तुम्हारे उपाधि के बिना नेतृत्व सीखने में यह है- कि मैं तुम्हारा मनोरंजन करूं। ऐसा कहते समय उसने नीचे घुटनों पर बैठ कर दीवारी के पास गिर रही स्की झपट कर पकड़ ली। उसने स्की को गिटार समझ कर अपने सीने में लगाने का अभिनय करते हुए एयरोस्मिथ का एक पुराना गीत गाना शुरु कर दिया- दोस्त तुम तो महिला जैसे दिखते हो। इस पर टॉमी हंसने लगा। बाद में उसने टॉमी से ऊपर हाथ उठा कर दोनों ने हाथ मिलाएं। सही में उन दोनों में गहरी दोस्ती थी। और मैं यह भी कह सकता हूं कि उन दोनों के दिल में एक-दूसरे के लिए बहुत सम्मान था।

नहीं! हम तो मजाक कर रहे थे, ब्लैक। बस ऐसे ही थोड़ा मजा लेना था। तुम जो करने जा रहे हो उसमें समय बिताने का एक अच्छा मौका मिला। पर असल में मेरा काम आज तुम्हारा मनोरंजन करना नहीं है, फिर भी मुझे ऐसा लगता है, यह सच है कि हम कारोबार में क्या कर रहे है इससे ज्यादा हम ग्राहकों को खुश रख रहे हैं या नहीं, वह हमारे साथ कारोबार करने से संतुष्ट है या नहीं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। जो भी कारोबारी है उसे अच्छा दिखाना ही पड़ता है। जब हम काम पर जाते हैं तब हम एत मंच पर होते हैं। हमें अच्छा प्रदर्शन करने की और लोगों को प्रभावित करने की आवश्यकता होती है। तुम्हारा दिन अच्छा नहीं गया इसकी कोई चिंता नहीं करता। उन्हें सिर्फ अच्छा चाहिए होता है जिसके लिए उन्होंने पैसे खर्च किए होते हैं। परंतु मेरा सही लक्ष्य यहां तुम्हारे साथ नेतृत्व के तत्वज्ञान के दूसरे तत्व को बांटना और समझाना है, जिससे तुम अपने अंदर के नेता को जगा सको और अपना अच्छा दे सको। और वह तत्व सरल भाषा में व्यक्त किया जा सकता है- संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है। स्कीइंग यह एक उत्तम उदाहरण है इस विषय को जानने के लिए। इसलिए, आज तुम यहां मेरे साथ हो।

संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है। मुझे यह वाक्य पसंद आया टाय। यह एक क्लिशे की तरह है- जब स्थिति कठिन हो जाए, तो कठिन स्थिति निर्माण होती है।

हां। टाय ने अपने सुनहरे बालों में हाथ घुमाते हुए कहा। देखो, मैं कारोबार चलाता हूं, तुम कारोबार में काम करते हो। आज कारोबार क्षेत्र में आश्चर्यजनक बदलाव की स्थिति आई है। यह सब अस्तव्यस्त स्थिति है। सब बदल रहा है। जबरदस्त अनिश्चितता और नकारात्मकता साथ-साथ चल रही है। जीने और खेलने के सभी नियम अलग है। प्रतियोगिता पहले से ज्यादा तीव्र और उग्र हो गई है। तकनीक ने हमारा काम कम कर दिया है। और वैश्विकरण ने पूरे खेल के मैदान को इस कदर समान कर दिया है कि लोगों से बनी हुई संस्थाएं यह दिखा रही है कि उपाधि के बिना नेतृत्व की कोई कीमत नहीं है। हम में से बहुत लोगों

अच्छा, तो सुनो। मुझे सैंडवीच ब्रेड और ठंडे पानी की बोतल देते हुए टाय ने अपना कथन जारी रखा। मेरा काम आज यहां- तुम्हारे उपाधि के बिना नेतृत्व सीखने में यह है- कि मैं तुम्हारा मनोरंजन करूं। ऐसा कहते समय उसने नीचे घुटनों पर बैठ कर दीवारी के पास गिर रही स्की झपट कर पकड़ ली। उसने स्की को गिटार समझ कर अपने सीने में लगाने का अभिनय करते हुए एयरोस्मिथ का एक पुराना गीत गाना शुरु कर दिया- दोस्त तुम तो महिला जैसे दिखते हो। इस पर टॉमी हंसने लगा। बाद में उसने टॉमी से ऊपर हाथ उठा कर दोनों ने हाथ मिलाएं। सही में उन दोनों में गहरी दोस्ती थी। और मैं यह भी कह सकता हूं कि उन दोनों के दिल में एक-दूसरे के लिए बहुत सम्मान था।

नहीं! हम तो मजाक कर रहे थे, ब्लैक। बस ऐसे ही थोड़ा मजा लेना था। तुम जो करने जा रहे हो उसमें समय बिताने का एक अच्छा मौका मिला। पर असल में मेरा काम आज तुम्हारा मनोरंजन करना नहीं है, फिर भी मुझे ऐसा लगता है, यह सच है कि हम कारोबार में क्या कर रहे है इससे ज्यादा हम ग्राहकों को खुश रख रहे हैं या नहीं, वह हमारे साथ कारोबार करने से संतुष्ट है या नहीं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। जो भी कारोबारी है उसे अच्छा दिखाना ही पड़ता है। जब हम काम पर जाते हैं तब हम एत मंच पर होते हैं। हमें अच्छा प्रदर्शन करने की और लोगों को प्रभावित करने की आवश्यकता होती है। तुम्हारा दिन अच्छा नहीं गया इसकी कोई चिंता नहीं करता। उन्हें सिर्फ अच्छा चाहिए होता है जिसके लिए उन्होंने पैसे खर्च किए होते हैं। परंतु मेरा सही लक्ष्य यहां तुम्हारे साथ नेतृत्व के तत्वज्ञान के दूसरे तत्व को बांटना और समझाना है, जिससे तुम अपने अंदर के नेता को जगा सको और अपना अच्छा दे सको। और वह तत्व सरल भाषा में व्यक्त किया जा सकता है- संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है। स्कीइंग यह एक उत्तम उदाहरण है इस विषय को जानने के लिए। इसलिए, आज तुम यहां मेरे साथ हो।

संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है। मुझे यह वाक्य पसंद आया टाय। यह एक क्लिशे की तरह है- जब स्थिति कठिन हो जाए, तो कठिन स्थिति निर्माण होती है।

हां। टाय ने अपने सुनहरे बालों में हाथ घुमाते हुए कहा। देखो, मैं कारोबार चलाता हूं, तुम कारोबार में काम करते हो। आज कारोबार क्षेत्र में आश्चर्यजनक बदलाव की स्थिति आई है। यह सब अस्तव्यस्त स्थिति है। सब बदल रहा है। जबरदस्त अनिश्चितता और नकारात्मकता साथ-साथ चल रही है। जीने और खेलने के सभी नियम अलग है। प्रतियोगिता पहले से ज्यादा तीव्र और उग्र हो गई है। तकनीक ने हमारा काम कम कर दिया है। और वैश्विकरण ने पूरे खेल के मैदान को इस कदर समान कर दिया है कि लोगों से बनी हुई संस्थाएं यह दिखा रही है कि उपाधि के बिना नेतृत्व की कोई कीमत नहीं है। हम में से बहुत लोगों

के लिए यह तनावपूर्ण, समझ में न आने वाली और अत्यंत भयपूर्ण स्थिति है, दोस्त। नाटकीय तरीके से हाथ फैला कर टाय चिल्लाया।

"मुझे यह मानना ही पड़ेगा, टाय। पुस्तकालय में मैं हमेशा जल्दी में कुछ करने जैसा महसूस करता हूं। और कुछ महिनों से ऐसा लग रहा है कि सही में सबकुछ काफी महत्वपूर्ण तरीके से बदल रहा है। मेरे व्यवस्थापक बदल गए। हम जिस तरह से विस्तृत सूचि बनाते थे वह बदल गई। हमारी आईटी पद्धति हमेशा बदलती है और हमसे अच्छा काम करते हुए भी इन सब में अव्वल होने की अपेक्षा रहती है। बहुत बार मैं भावनात्मक प्रभाव में भी रहता हूं।"

"मैं तुम्हें सुन रहा हूं।" गंभीर होकर टाय ने कहा। और वह कदम-कदम गहरे बदलाव कारोबार में जो हो रहे है वह औद्योगिक क्षेत्र में रुकने की कोई गुंजाईश ही नहीं है, दोस्त। यह तो बढ़ता ही जाएगा। और अगर तुम इस बदलाव की हिमस्खलन होने की राह देखोगे, कि यह बदलाव कब आएगा, तो तुम घुट-घुट कर समाप्त हो जाओगे। ठीक वैसे ही जैसे कुछ कम नसीबवाले लोग स्कीइंग करते समय हिमस्खलन में फंस जाते हैं। बचने की कोई उम्मीद नहीं।

मैं कारोबार में बदलाव का व्यवस्थापन करने के विषय में ऐसे उदाहरण का प्रयोग देख कर हैरान हो गया।

टाय ने कहा, अगर तुम इससे लड़ोगे तो तुम बेहद मुश्किल में फंस जाओगे, दोस्त। यह तो बर्फ के मैदान में स्की करते हुए उसका प्रतिरोध करने जैसा है। सिर्फ उस प्रतिरोध का स्वीकार करने से ही उससे बाहर निकला जा सकता है। पहाड़ों में सहारा लेना यह एक मात्र बचने का रास्ता है।

"गिरने के स्थान तक आना।" यह बात मेरे लिए नई थी इसलिए मैंने पूछा।

"इसका मतलब है, ब्लैक, की स्की चलाने में कठिनाई आती है तो, तुम्हें कुछ ऐसा करना चाहिए जो तुम्हें लगता है कि नहीं करना चाहिए।"

वह कुछ ऐसा क्या है? मैंने पूछा।

"तुम्हें सही में तुम्हारे सामने वाले चढ़ाव का सहारा लेना चाहिए, ना कि गिरने से बचने के लिए किसी पहाड़ की तरफ जाकर सहारा लेना। तुम्हें जिससे ज्यादा डर लगता है उसके ही करीब जाना चाहिए। हां, यह पूरी तरह से सहजबुद्धि के विपरीत है। परंतु जबतक तुम यह तकनीक अपना नहीं लेते, तब तक तुम निश्चित ही कठिनाई में रहोगे। और फिर कोई गश्त लगाने वाला स्की शायद तुम्हें बर्फीले पहाड़ पर पाएगा जब बाकी सभी लोग घर जा पहुंचे हुए होंगे।"

तुम्हारे रुपक मुझे पुस्तकालय में काम करते समय काम आ सकते हैं, बराबर है ना टाय? अगर मैं बदलाव में सहारा नहीं लेता हूं, जो मेरी तरफ आ रहे हैं और मैं खुद को बचाने के सिवाय पीछे हटता हूं, तो मैं खुद पहाड़ों में जमे हुए बर्फ में पाऊंगा, ऐसा कह सकते है। और हिमस्खलन में घुट कर खत्म हो जाऊंगा, बराबर है?

"दोस्त, यह बिलकुल सही है। पर अगर तुम ऐसी स्थिति में आते हो और भय को निकाल फेंक उसे लगे लगाते हो, जहां तुम्हें पता नहीं है कि कहां जाना है, क्या करना है, ठीक उसी तरह जब स्कीइंग करते समय सबसे विश्वासघाती मैदान पर आते हो तब कुछ उल्लेखनीय बातें घटित होना शुरु हो जाएंगी। उस स्तर के कोने से बाहर, जहां तुम बहुत असुविधा महसूस करोगे और तुम्हारा सीमित आत्मविश्वास तुम्हारे दिमाग द्वारा चीखना शुरु करेगा और तुम्हें लगेगा कि अब इसके सिवाय दूसरा रास्ता ही नहीं है, दोस्त, तब तुम महान जीवन जीते हो। और उसी जगह पर तुम्हारी अच्छी तरक्की होगी। जब तुम भय का सामना तुम्हारी सीमा के पार जाकर करते हो तब तुम्हारी सीमाएं भी बढ़ती जाती है। और यह बढ़ना सिर्फ अच्छा काम ही नहीं बल्कि किसी भी क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन भी दिखाता है, दोस्त। जब तुम सातत्य से प्रतिरोध से दूर जाने के बजाय करीब जाते रहते हो तो तुम सिर्फ आत्मविश्वास से कारोबार ही नहीं बल्कि जीवन में ज्यादा क्षमतावान भी बन सकते हो। और तुम सच में देखोगे कि तुम कितने सच्चे क्षमतावान हो। आधुनिक और बिनधास्त होना और चुनौती और मौके को गले लगाना तुम्हारे डर को क्षमता में बदल देगा और तुम्हें तुम्हारी क्षमताओं से भी परिचित कराएगा। जैसा कि निएत्सशे ने कहा है : जो तुम्हें मार नहीं सकता, वही तुम्हें मजबूत और बलवान बनाता है।"

"बहुत अच्छा दृष्टिकोण है, टाय। निश्चित ही मेरे व्यावसायिक और निजी जीवन में सहायक साबित होगा। तो असल में बदलाव अच्छी बात है।"

"बिलकुल, कोई संदेह नहीं। और संघर्षमय स्थिति तुम्हारे गुण बाहर लाती है, तुम्हीरी छुपी बुद्धि को प्रदर्शित करती है और तुम्हारे खेल को प्रोत्साहित भी करती है। देखे जब स्कीइंग की बात आती है, तो कोई भी आदमी सहज- सीधा मैदान चुनेगा। पर सच्ची कसौटी तो तब होगी जब तुम खराब मैदान पर खेलोगे। जब चलना कठिन हो जाता है तब तुम्हें अपने खुद की तकनीक का पता चलता है। और तुम कितने महान स्कीअर हो। और कारोबार में यह बिलकुल समान और वैसा ही है। आर्थिक स्थिति जब अच्छी होती है तो कोई भी तरक्की कर सकता है, उस वक्त प्रतियोगिता भी आसान होती है और तुम्हारे ग्राहक भी प्रामाणिक होते है। पर कठिन समय में जो डट कर खड़े रहता है, उस वक्त पता चलता है कि तुम किस प्रकार के नेता हो।"

टाय रुका और उसने एक और सैंडवीच का टुकड़ा उठाया। आवाज करते हुए और अपनी जर्सी पर गिराते हुए उसने वह खा लिया। पानी का घुंट लेने के बाद उसने अपना नेतृत्व का संभाषण अपने रुपकों के द्वारा दृष्टीकोण सत्र में जारी रखा।

"जिसका प्रतिरोध कर रहे हो वह अटल रहेगा, परंतु जिसके पास जा रहे हो वह श्रेष्ठ होगा, ब्लैक। देखों इन स्की उतारों की जगह को, तुम्हारी तकनीक इसके साथ बदलनी चाहिए। तुम्हें इसे तुम्हारे अनुकूल बनाना है। नहीं तो तुम

गिर जाओगे और तुम्हें चोट आ जाएगी। प्रशिक्षित जगह पर जिस प्रकार चुम स्कीइंग करोगे वह गहरे बर्फ में समान नहीं हो सकती। यही बातें हमारे हर काम में लागू होती है। नई परिस्थितियां अलग तकनीक लाती है। तुम्हें इन्हें तुम्हारे अनुकूल बनाना चाहिए।"

"नहीं तो मैं गिर जाऊंगा और मुझे चोट लग सकती है।" पूर्व स्की आदमी के मंत्रमुग्ध अध्याय से प्रेरित होकर मैंने इसका पुनः उच्चारण किया।

"बिलकुल सही। *एकमात्र तकनीक तुम प्रयोग कर सकते हो जो है- उपाधि के बिना नेतृत्व।* यही एक आसान कल्पना है कि जो कारोबार में अच्छा काम करें और आने वाले कल के लिए भी बहुत उपयुक्त साबित होती है। इस अनिश्चित युग में कोई भी संस्था जो नेता तैयार करती है वह बदल सकती है। सही में कोई भी उद्यमशील जो उपाधि के बिना नेतृत्व का तत्वज्ञान आत्मसात करता है, वह इस युग को वरदान मानेगा और उनकी प्रतियोगिता एक नए रास्ते पर जाएगी।

"वरदान?"

"बिलकुल। यह वैसा ही है जैसा मैने कहा : आसान स्थिति में तो कोई भी अच्छा दिख सकता है। अगर व्यावसायिक वातावरण सुरक्षित और कथित किया जाने वाला होगा, तो किसी भी संस्था को पैसा कमाने और तरक्की करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं करना पड़ेगा। परंतु अब हम बिखरे हुए बर्फ में है, ऐसा कह सकते हैं और कुछ चढ़ाव वाले प्रपाती पहाड़ों पर है। सिर्फ अच्छी तकनीक काम कर सकती है और वह है उपाधि के बिना नेतृत्व। जो संस्ताएं इस तत्व को समझेंगी उन्हें कम प्रतियोगिता और ज्यादा मौके मिलेंगे, इस युग में प्रगति करने के लिए। कंपनियां जो अच्छे नेता बनाती है वह सफलता पाने में गतिशील होंगी, उनकी नई कल्पनाएं उनके प्रतिद्वंद्वी को सिकुड़ कर रख देगी और अप्रतिम बुद्धिमत्ता को चुनेगी। और कंपनी को समझ में आएगा कि यह अस्थिरता उनके लिए वरदान है और उन्हें प्रतियोगिता में आगे जाने में मदद मिलेगी।"

बहुत ही अच्छा। मैंने कहा।

"इसलिए हम जिस समय में है उसे अपने अनुकुल बनाने के लिए, मैं तुम्हें अस्तव्यस्त स्थित का मुकाबला करके उसे गले लगाने को प्रोत्साहित करूंगा, ब्लैक। खतरों का स्वागत करो। कुछ चतुर चुनौतियां स्वीकार करो और तुम्हारी क्षमताओं पर ध्यान देकर बड़े मौकों का सामना करो, भले ही तुम्हारे विचार ऐसा करने के लिए नहीं कह रहे हो। जितना तुम डर के सामने झुकोगे, उतने ही तुम्हारी तरफ आने वाले पुरस्कार भी डगमगाएंगे। जो करने से डरते हो, वही करोगो तो तुम एक अच्छे और सच्चे नेतृत्व का प्रदर्शन करोगे। और जितना तुम अपना सर्वोत्तम काम में दोगे- और जीवन में भी- तुम्हें उससे कई ज्यादा मिलेगा। जीवन काफी सुंदर है और अच्छा है। टाय ने एक तत्वज्ञ की तरह कहा। तुम जितना दोगे उतना वापस पाओगे। सभी विछिन्नता से बाहर आकर तुम सुंदर जगह पाओगे, दोस्त। यह इनमें से बहुत सुंदर उपहार है।"

और सही कल्पना इसे ध्यान में रखने की यह है कि संघर्ष की स्थिति महान नेताओं को जन्म देती है। यह सबसे कठिन जगह है कि एक उत्तम स्कीअर तैयार करने के लिए। और यह बहुत असुविधाजनक स्थिति है, जो अच्छे नेता तैयार कर सके। यह अपने संभाषण का मूल तत्व है दोस्त ष परंतु यह बहुत तनावयुक्त भयभीत करने वाला मैदान है, जहां हम स्कीइंग करते है, तो सामान्यतः हम इसे नहीं अपनाते। और ऐसा करने से हम हमरी क्षमताओं को सुधारने का एक अच्छा मौका खो देते हैं। प्रतिरोध जो तुम्हें काम में असुविधाजनक महसूस कराता है, वह इस युग में सुरक्षित मार्ग है, परंतु लंबे समय तक यह सच में बहुत खतरों वाली योजना है। मुझे अच्छा स्कीअर बनाने के पीछे मेरा विश्वासघाती चट्टानों में और गहरे बर्फ में स्कीइंग करने का सच्चा प्यार था। इससे मैं बहुत जल्द यह सीख गया कि ऐसी जगह पर नियमित आने से मैं अच्छा स्कीअर बन सकता हूं। यह इच्छाशक्ति मेरे अंदर सिर्फ महानता ही नहीं लाई बल्कि इसने मुझे विश्व विजेता होने का अनुभव दिया; जो मैं चाहता था।

"और वह सभी प्यारी महिलाएं भी इसके साथ आई थी। टॉमी ने अपनी आंख मारते हुए बीच में ही कहा। ब्लैक, टाय की कुछ कहानियों पर तुम्हें विश्वास नहीं होगा। इस आदमी ने सच में अपने दिनों में अच्छा जीवन बिताया। पर वह सब किसी और दिन सुनेंगे।"

हां, किसी और दिन। टाय ने सहमति दर्शायी। मैं अपने इस दोस्त पर ज्यादा बोझ नहीं डालना चाहता, टॉम। मैं क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं, पर मुझे माफ करना, मैं बार-बार कहता हूं, परंतु अच्छी शिक्षा में पुनः उच्चारण होना यह सफलता का नियम है। वह है संघर्षमय स्थिति अपने साछ अच्छे मौके लाती है और हमें अच्छा, उल्लेखनीय नेता बनाती है। और अच्छा कारोबार खडा करती है। बहुत लोग संघर्ष के समय में अपने आप को छुपा लेते हैं। वह अपने गड्ढे में वापस चले जाते हैं। वह सब कुछ आगे धकेलते है, जो उन्हें अल्पतम सुविधाजनक स्थिति के पास ले जाते है। बुरी बात तो यह है कि ऐसा करने से वह आगे बढ़ने के, विशेषज्ञ बनने के र जीवन में कुछ हासिल करने के साके मौके भी खो देते हैं। वीर योद्धा कभी भागते नहीं है। इसे कभी नहीं भुलना, ब्लैक। वीर अपने डर को निगल जाते हैं, इससे पहले की डर उन्हें निगल जाएं।

"वीर योद्धा कभी भागते नहीं है।" मैंने यह मौलिक वाक्य याद रखने के लिए दोहराया।

"मुझे याद है, एक बार मैं न्यूजीलैंड में स्कीइंग कर रहा था। यह मेरे पेशेवर खिलाड़ी बनने के पहले की बात है। स्की पाठशाला के मुख्याधिकारी, विश्वप्रसिद्ध स्कीअर माइकेल और मैंने ऊंचे शिखर पर समिट किया था। ऊपर अत्युत्तम, सुंदरता देख कर मैं हैरान हो रहा गया। मैं दक्षिणी आल्प्स और शोभिवंत झील, नहर देख सकता था जो क्षितिज को छू रही थी। ऐसा है न्यूजीलैंड। पर दूसरी तरफ मैं डर गया था। भला मैं जानता था कि मेरा पीछे

हटना यानि सर्वोत्तम बनने से भी पीछे हटना तो होगा ही साथ ही आत्मविश्वास भी खोने जैसा था। क्योंकि, जैसा मैंने कहा, ब्लैक, जब तुम तुम्हारी सीमा तक पहुंचते हो तो तुम्हारी सीमाएं भी बढ़ जाती है। इसलिए यह सोचो कि मैंने क्या किया होगा।"

"आप डर को निगल कर स्कीइंग के लिए आगे बढे। मैंने पहले के कुछ वाक्य याद किए, यह दिखाने के लिए कि मैं यह सब उत्कटता से सुन रहा हूं।

हां, मैंने डर के चीखने की आवाज कम करके ऐसा स्कीइग करने लगा जैसा मैंने पहले कभी नहीं किया था। मेरी पूरी क्षमता मैंने लगा दी। मैंने पहाड़ों में सहारा लिया, मेरी क्षमताओं को बाहर निकाला और मैं मेरे लक्ष्य तक पहुंचा। क्योंकि मैंने चुनौती पार कर ली थी, मैंने अपने लिए एक और चुनौती खड़ी कर दी। उस सुबह मैंने मेरे पहाड़ पर जीत पाई थी, दोस्त। मेके स्कीअर के गुण प्रभावकारी हो गए थे। मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया था और मेरे स्वाभिमान की मानसिक शक्ति और क्षमता आसमान को छू रही थी। हम सबके पास हमारे दिल के कोने में अपना एक पहाड़ होता है। हमें उसे सिर्फ क्रियाशील बनाने की आवश्यकता है। ध्यान में रखो, अगर तुमने कोशिश ही नहीं की तो तुम कभी भी ऊंचाई पर नहीं पहुंच सकते। जब तक तुम चुनौतियां स्वीकार करके, डर को निगलते नहीं तब तक तुम सही जीवन नहीं जी सकते, टाय ने बहुत ही उत्साहपूर्वक और दुकान के बीच आकर कहा।

"इसलिए उपाधि के बिना नेतृत्व करने वाले नेताओं को पूरी लगन से यह समझना चाहिए कि मुसीबत की स्थिति मनुष्य का स्वभाव प्रकट करती है। वह पूरी तरह से कठिन परिस्तिति का सामना करते हुए आनंदकारी भी रहते है। और उन्हें यह अच्छी तरह से पता है कि तनावग्रस्त स्थिति अपना नेतृत्व कौशल दिखाने का एक अच्छा मौका है। जितनी ज्यादा कठिन परिस्थिति, उतने ज्यादा मौके पाने की स्थिति होती है। सिर्फ यह देखने के लिए ही नहीं कि वह किससे है बल्कि इसलिए भी की उनकी महानता बहुत है। इसलिए वह असुविधा को विरोध करने के बजाय उसके साथ ही चलते है, दोस्त। और इस तरह से काम करने से और जीवन जीने से उनके लिए असुविधाजनक बातें सुविधाजनक बन जाती है। अच्छा है ना। जितना ज्यादा समय तुम असुविधाजनक स्थिति में बिताओगे, तुम्हारी तरक्की के रास्ते ज्यादा से ज्यादा खुलेंगे। और इसका मतलब है कि जितना ज्यादा तनाव तुम पाओगे, उतना ही तुम ज्यादा अच्छा और सरल महसूस करोगे, जिससे तुम्हें पहले कभी डर लगता था।" टाय ने कहा।

"यहां तुम्हारे लिए बड़ी अच्छी कल्पना है, ब्लैक।" टॉमी ने बीच में कहा।

"दूसरी बात जो मैंने कठिन मैदान पर स्कीइंग करते समय सीखी है, की उन्होंने हमेशा मेरी कमियों को निकाला। जैसा मैंने पहले कहा कि, आसान मैदान पर तो कोई भी नायक सफल बन सकता है, पर जब तुम कठिन चढ़ाई वाले मैदान में जाओगे, तुम्हारी कमियां दिखती ही जाएगी। तुम्हारे नैतिक

दृष्टिकोण में क्या अड़चन है, तुम्हारा संतुलन कैसा है और तुमने पोल्स को कैसे गलत तरीके से पकड़ा है, इस जैसी बातें सामने आती है। क्योंकि तुम तनाव में रहते तो और इसलिए तुम्हारी तकनीकी भी नीचले स्तर पर आ जाती है। और वहीं एक दूसरा मौका होता है, क्योंकि आपको पता चलता है कि आपको किन बातों में सुधार लाना है।"

और यह संघर्षमय व्यावसायिक स्थिति में भी वैसा ही होता है, मैंने जोडा। कमियां तनावयुक्त स्थिति में विस्तारित होती है, बराबर है ना?

"बिलकुल सही। निजी रूप से, तनावयुक्त स्थिति में, आप अपनी कमियों का पता लगा सकते हो और तुम्हारी क्षमताओं के बारे में भी जागृत रह सकते हो। और संस्था के रूप से, परिवर्तन के सच्चे समय में कंपनी को अपनी मर्यादाओं के बारे में पता लगा कर वह और ज्यादा प्रबावकारी और फायदेमंद होने के लिए अपनी गति बढ़ा कर घुमते है। अच्छी उधमता कठिन व्यावसायिक परिस्थिति पर मात कर अच्छी सलाह देती है जिससे वह ज्यादा गतिशील और बहुत ही सफलता पा सकते है।"

इन सब बातों की तरफ देखने का यह अच्छी तरीका है, टाय। मुझे ऐसा लगता है कि मुझे असुविधाजनक स्थिति में सुविधामय वातावरण पाने को सीखना चाहिए ऐसा तुम्हार सुझाव है और मुझे मेरे पुराने आचरण और विचारों से परे होकर इस अस्तव्यस्त परिस्थिति में ही आसरा ढूंढना चाहिए, जैसे कि भयभीत स्कीअर पहाड़ के सहारे रहता है।

यह सिर्फ अगर तुम सच्चे रूप से और ज्यादा प्रभावशाली बनना चाहते हो तो-एक सच्चा नेता और एक अच्छा मनुष्य तुम बन सकते हो। *सबसे बड़ी बात जो तुम्हें भयभीत कर देती है, वह है अच्छा नेतृत्व पाने के लिए तुम्हें बहुत रास्ते मिलेंगे।* सच्चे नेता वह होते हैं जो नियमित रूप से तनाव से मुक्त होकर बातें करते हैं जो उनकी मर्यादाओं को सामने लाकर खड़ा करती है। देखो, जब तक तुम्हारे पेट में घबराहट नहीं होगी और शरीर में असुविधाजनक नजर नहीं आएगी तब तक न तो तुम तरक्की कर सकते हो और न ही तुम आगे बढ़ सकते हो। हमारे समाज का ज्यादातर हिस्सा हमें बचपन से ही यही सिखाता आ रहा है कि असुविधाजनक महसूस करना गलत और बुरा है और किसी भी तरह की उत्तेजना से शरीर को किसी भी कीमत पर दूर रखना चाहिए। और इसीलिए हम छोटा खेल खेलते हैं और छोटे ही रहते हैं। हम हमारे प्रति दिन के काम से अलग होकर कुछ नया नहीं सोचते, हम वहीं रोजाना के काम करते हैं जो हमें सुरक्षित लगते हैं और जो हमें घर में रख सके। लेकिन हम उसी बात से चिपक कर रहते हैं जिसे हम सुरक्षित मानते हैं और इसी वजह से हम किसी भी तरह के खतरों का अनुभव नहीं ले पाते। हम नई जमीन तलाशने में असफल हो जाते हैं। और हम कभी भी चोटी पर नहीं पहुंच सकते।

"और उसके बाद स्की नीचे की ओर आ जाती है।" मैंने हंसते हुए कहा।

और उसके बाद स्की नीचे की ओर आ जाती है, दोस्त। टाय ने पुष्टि की। जीवन में बदलाव लाने वाली संधियों का फायदा उठाने से इंकार करने का मतलब है जीवन में दुखद बदलाव लाना। और दुखी जीवन जीते हुए मर जाना।

कुछ पल के लिए टाय शांत रहे। फिर आगे उन्होंने जोड़ा मेरे पिताजी इसी तरह गुजर गए, ब्लैक। अपना पूरा जीवन उन्होंने उसी फैक्ट्री में प्रति दिन बारह घंटे काम करते हुए बिताया। आधी जिंदगी तो हर रात को वह अपने भावनात्मक दुख से वह हो जाते थे, और अपने दिल का दुख छुपाने के लिए उन्होंने शराब का सहारा लिया था। मैं जानता था कि वह एक बेहद अच्छे इंसान है। वह हमें बेहतरीन जीवन देना चाहते थे। लेकिन वह अपने जंजाल से ही मुक्त नहीं हो पाए थे, वह अपने अंदर के नेता को बाहर नहीं ला पाए। इसलिए वह रोजाना का वहीं काम करते रहे और रोजमर्रे का जीवन जीते रहे। वह कहीं नहीं पहुंचे। उन्होंने किसी तरह की जोखिम नहीं उठाई। न ही उन्होंने खुद को आगे बढ़ाया। उनकी जब मौत हुई तब वब सिर्फ ६२ वर्ष के थे। उनकी मौत का किसी को भी पता नहीं चला और वह शांति से चले गए। उनके जीवन में कोई महत्वपूर्ण बात नहीं हुई। जैसे उनके जीवन में जीवन जीने की कोई वजह ही नहीं थी। यह सिर्फ इसलिए हुआ था क्योंकि वह खतरा उठाने से डरते थे और जहां पर भी उन्हें रुकना पड़ता था वह वहां से वापस लौटते थे। यह सिर्फ इसलिए क्योंकि वह अपना सुरक्षित क्षेत्र छोड़ कर जीना नहीं चाहते थे। उनके मन में सिर्फ इसी बात का शक था कि वह खुद का सर्वश्रेष्ठ काम नहीं दिखा सकते। तत्ववेत्ता सेनेसा ने बिलकुल ठीक कहा है : ऐसा नहीं है कि चीजें कठिन होने की वजह से हम उन्हें हाथ नहीं लगाते, बल्कि हम कठिन चीजों से लड़ने की हिम्मत नहीं करते। मैं आज भी अपने पिताजी के बारे में ज्यादा सोचता रहता हूं। ऐसा एक भी दिन नहीं गया है जिस दिन मैंने उनके बारे में नहीं सोचा हो। और मैंने खुद को वचन दिया था कि मैं उनके जैसा जीवन नहीं बीताऊंगा।

आपके पिता के बारे में सुन कर बेहद दुख हुआ, टाय। मैंने मृदु आवाज में कहा।

दुख ना करो, मेरे दोस्त। बचपन के कठिन समय ने मुझे बेहद सशक्त बना दिया है। और मेरे पिताजी के जीवन ने मुझे यह सिखाया है कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं और किस तरह जीवन जीना है और किस तरह नहीं। तो यह मेरे लिए एक उपहार जैसा ही है। इसने मुझे सिखा दिया कि जीवन कैसे जीना है और सिर्फ सास लेकर किस तरह जिया जाता है। संतुष्टता से जीवन जीने के बजाय उससे आगे जाकर तरक्की करना जरूरी है, हालांकि संतुष्टी थोड़े समय के लिए अच्छी लगती है। इसलिए एक बात अवश्य याद रखना, जितना ज्यादा समय तुम असुविधाजनक स्थिति में गुजारोगे उतनी ही सुविधाजनक स्थिति का दायरा बढ़ता जाएगा। मैं तुम्हें बुकस्टोर में काम करने के लिए

हरसंभव मदद करूंगा। दोस्त, अपने हाथों को तिरछे कर एक-दूसरे पर रखो। टाय ने मुझे सूचना दी।

टाय ने जैसा कहा वैसा मैंने किया।

"इस तरह हाथ तिरछे कर रखने से कैसा महसूस हो रहा है?"

"मुझे पता नहीं, मुझे लगता है यह साधारण ही है। मैं हमेशा ही अपने हाथ इसी तरह मोड़ लेता हूं। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि इस तरह की कवायद करवाने का क्या मतलब है?" मैंने स्वीकार किया।

"चिंता की बात नहीं। कुछ ही पल में सारी बातें स्पष्ट हो जाएगी। अब हाथों को तुम जिस दिशा में हाथों को हमेशा मोड़ते हो उसकी उल्टी दिशा में मोड़ों।"

अपनी आदत के विपरीत दाएं हाथ को बाएं हाथ पर रखने की कोशिश मैंने की। इस तरह से मैंने अपने हाथ कभी नहीं रखे थे इसलिए मुझे कुछ अटपटा लग रहा था।

"यह अजीब लग रहा है।" मैंने टाय से कहा।

टॉमी मेरी ओर बड़ी मनोरंजन की नजरों से देख रहे थे। मैं देख पा रहा था कि उन्हें बेहद मजा आ रहा है।

"ब्लैक, यह अजीबो-गरीब लग रहा होगा।" टाय ने इशारा करते हुए कहा, *जब भी तुम कुछ नया करोगे तुम्हें अजीबो-गरीब ही लगेगा।* लोगों की प्रतिक्रियाएं तुम्हें यह बताएगी क्योंकि लोगों को नई चीजें हमेशा अजीबो-गरीब लगती है, और उन्हें लगता है कि तुम कोई गलती कर रहे हो। समूह की मानसिकता यह होती है कि जरा भी कुछ अलग नजर आया तो वह तुरंत ही पुरानी स्थिति में ही जाना चाहते हैं। लेकिन जैसा कि मैं तुम्हें यह बात याद रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं कि, जब भी तुम बदलाव और तरक्की की ओर बढ़ोगे, तुम्हें कुछ अजीब लगेगा। यह बहुत अच्छा चिन्ह है। इसका मतलब यह होगा कि तुमने अपना सुरक्षित क्षेत्र छोड़ दिया है। नए तरीके की सोच और बर्ताव अलग ही होता है। इससे जानकारी के नए तरीके स्थापित हो जाते हैं। तुम्हारे निजी जीवन में फैलाव आ जाता है। बिलकुल सही चीज- अजीब और सनकी होने के बावजूद।"

"इसका मतलब अजीब चीज अच्छी होती है?" मैंने हंसते हुए पूछा।

"बेशक। जो बात मैं बता रहा हूं अगर तुम उसके बारे में असुविधाजनक महसूस नहीं करोगे तो तुम में कभी भी बदलाव नहीं आएगा। तुम कभी आगे नहीं बढ़ोगे और तुम हमारा कीमती समय बरबाद कर रहे हो।"

मैंने नए तरीके से हाथ मोड़ कर सीने पर रखे। यह काफी रोचक लग रहा था।

क्या तुमने महसूस किया है कि तुम्हारे पिछले दिनों की सभी चीजें, जिसमें निर्दयता भी शामिल है, जरूरी थी तुम्हें उस स्थान तक पहुंचाने के लिए जहां

सही रूप से तुम एक नेता के रूप में पहुंचने वाले हो? जो भी तुम्हारे साथ हुआ वह बहुत ही अच्छा था, दोस्त। टाय ने बेहद आत्मविश्वास के साथ कहा।

मैं समझ रहा हूं, टाय। मैंने स्वीकार किया।

इराक में बिताएं पलों को मैं याद करने लगा। बंकर से बचने की कोई कीमत नहीं थी। और उस संकट की स्थिति से बच कर भाग निकलने से कोई हीरो नहीं बन सकता था। एक समूह के रूप में लड़ाई के मैदान में जो होने वाला था उससे उबरने के लिए हमने योजनाबद्ध तरीके से काम किया और सही रूप से खतरों का सामना करते हुए विजय हासिल की। *वास्तव रूप में यही सच था कि जितना ज्यादा खतरा था उतना ही बड़ा पुरस्कार वहां पर मिलने वाला था।* यह बिलकुल उसी तरह था जिस तरह टाय मुझे याद दिलवा रहे थे। कठिन समय सिर्फ कठिनता *महसूस* कराता है। सच बात तो यह है कि उस स्थिति में हमने अच्छी सेवा दी और हमें उसने कठिन बनाया। उसने हमें हमारी निष्क्रिय अंतशक्ति से परिचित करवाया और जोड़ दिया। हां सच में, उस स्थिति ने हमें असुविधाजनक बनाया था। हां, उस स्थिति ने हमारे मन में उलझन पैदा की थी और हमारे दिल को खतर से लड़ने के लिए तैयार किया था। लेकिन उस स्थिति की वास्तवता यह थी कि उसने हम में से हर किसी को चुनौती को स्वीकार कर उच्च्य तरक्की की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। और हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए भी।

मेरे मन की बात को शायद पढ़ते हुए, टाय ने कहा- श्रेष्ठ नेता हमेशा उस बात को अच्छी तरह समझते है कि कौन सी स्थिति उन्हें एक नेता के रूप में आगे बढ़ा सकती है। वह अच्छी चीज के बारे में नहीं सोचते। और इस अनिश्चित समय में, खुद को आगे बढ़ाने के साथ ही अपने नेता वाले गुणों को बढ़ाना ही इस जीवन में जिंदा रहने और सफल बनने का सही तरीका है। मुझे शायद यह भी कहना होगा कि *कभी कभी कुछ चीजें नए सिरे से बनाने के पहले भी बिगड़ जाती है।* पूरी तरह बिखर जाने के समय का अनुभव लेने के बाद ही आप चोटी पर पहुंच सकते है। यह बहुत डरावना है, क्योंकि आप जहां है और आप जहां तक पहुंचना चाहते है, पुराने काम करने के तरीके से लेकर काम करने के नए तरीके तक, थोड़े समय के लिए आप चिपक के रखने वाले बर्फ से अलग हो जाते हैं। और इस तरह अनजान उजाड़ बस्ती पर पहुंचने के बाद हमें हमारी मर्यादाओं का और अपने डर का पता चल जाता है। आप अपनी असुरक्षिता से कूद कर बाहर आना चाहते हैं। आप अपनी खुद की समस्याओं का सामना करने के लिए तैयार हो जाते हैं। इस कठिन समय में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण और समझने वाली मुख्य बात यह है कि जब भी तुम तरक्की की ओर आगे बढ़ोगे और जीवन में बदलाव महसूस करते जाओगे, तुम्हारा डर अपने आप सामने आ जाएगा। यह सिर्फ उस जीवन में आने वाले नए बदलाव और अपने अंदर के प्राकृतिक नेता के गुणों को जगाने की प्रक्रिया का हिस्सा ही है। आप अपने

पुराने रास्ते को छोड़ कर नया रास्ता अख्तियार कर लेते हो। टुकड़े टुकड़े जोड कर तुमने इसकी नींव रखी होती है इसलिए तुम्हें वह असुविधाजनक महसूस होती है। लेकिन, फिर एक बार यही कहना चाहूंगा कि यह तुम्हें सिर्फ *महसूस* होगा। यहां कुछ गलत नहीं है। आपकी पुरानी नींव और पारंपरिक काम करने की शैली को गिराना जरूरी है ताकि नया और अच्छा कुछ बनाया जा सके। बदलाव ऐसे ही होते है। लेकिन उलझन से बाहर आने के बाद ही स्पष्टता नजर आती है। अव्यवस्था से ही दशा प्रवाहित होती है। और अगर तुम इस बदलाव के समय निडर होकर खड़े रहे, तो आप वाकई एक नए स्थान पर पहुंच जाते हो जो आपके बदलाव होने के पहले के स्थान से बेहतर है।

"यानि टूटने से ही जुड़ने का रास्ता नजर आता है।" मैंने पुष्टी की।

हां, लेकिन हार न मानना। अपनी असुविधा की ओर आगे बढ़ते जाना और ज्यादा से ज्यादा चतुर खतरे उठाना। तुम्हारा हर तरह का डर हर बार खत्म होता दुआ नजर आएगा। प्रति दिन जिस बात का तुम्हें डर लगता है वही करो। तो तुम पाओगे कि उस डर ने तुम्हारे में एक अलग शक्ति निर्माण की है। इस तरह तुम अपना आत्मविश्वास बनाने के साथ ही अपराजेय भी बन जाओगे। खतरों को आगे बढ़ाओ। बदलाव का स्वीकार करो। अपने सबसे बड़ी उपलब्धि को हासिल करो। और जब भी तुम ऐसा करोगे, हर बार तुम्हारे अंदर के नेता को खाद्य मिलेगा। और जल्द ही तुम उस स्थान पर पहुंच जाओगे जहां पर सब कुछ संभव नजर आएगा। अब फिर मेरे रुपक की ओर चलते है। पहाड़ी की चोटी की कगार पर पहुंचने के बाद वह कगार तुम्हें डराती है, आज जो भी कारोबार कर रहे हैं उनके लिए यह जगह सबसे सुरक्षित जगह है। उस कगार पर, अपने बदलावों को स्वीकार करें, अपने अंदर झांक कर देखे, और कठिन काम करने के लिए तुम जो रास्ता अपनाते हो उस रास्ते को अपनाओ। लेकिन सिर्फ यही एक जगह नहीं है जहां अंदर का नेता बाहर आता है। यह मनुष्य की स्वतंत्रता की तीव्र इच्छा की जगह भी है। और हां, ठीक इसी तरह तुम्हारा सारा डर जो तुम्हारे नेता बनने और एक इंसान की तरक्की को सांखल की तरह जोड़ रहा है वह तुम्हारे निष्क्रिय रूप जिसे तुमने अपना शरीर बेच दिया है उससे ज्यादा नहीं है। इसलिए उसमें निवेश करना बंद करो। क्योंकि जीवन बहुत बड़ा है और यह खेल बहुत छोटा।

"अभी आपने जो कहा वह मुझे बहुत ही पसंद आया, टाय। आज आपको इस दुकान में सुनते हुए मैं बेहद प्रेरित हुआ हूं।"

"मैं भी। टॉमी ने तुरंत ही बड़े उत्साह से कहा। उम्र के साथ-साथ तुम बहुत अच्छी जानकारी प्राप्त हुई है।"

टाय हंसा। फिर वह अपने उस मुद्दे संघर्ष के समय ही अच्छा नेता तैयार होता है पर वापस लौटा।

"देखो, ब्लैक। बिना उपाधि के नेतृत्व करने का सबसे मुख्य और महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि तुम वह प्रति दिन वह सब करते रहो जो तुम्हें पता है, लेकिन

जो काम करते हुए तुम्हें पहले डर लगता था। *डर तुम्हें कहीं का नहीं छोड़ेगा।* भाग्यशाली लोग भाग्यशाली नहीं होते। वह अपना भाग्य खुद *तैयार* करते हैं। और वह ऐसा खतरों से भरे कदम उठाते हुए और बेहतरीन मौकों का फायदा उठाते हुए करते हैं। अगर तुम्हें श्रेष्ठ स्कीअर बनना है तो तुम्हें प्राथमिक प्रशिक्षण लेने वाले उतार वाली जगह पर स्कीइंग नहीं करनी चाहिए। तुम्हें कठिन डगर पर जाना चाहिए। और हां, वह तुम्हे असुविधा से पूरी तरह भर देगा।"

"लेकिन यह तरक्की करने का ही एक हिस्सा है, सही है ना?"

"बिलकुल सही। असुविधा नहीं मतलब तरक्की नहीं। इसलिए मैं कहता हूं कि तीव्र उतार वाली जगह से स्कीइंग करना सबसे सुरक्षित है।"

"क्या यह वाकई सच है?" मैं गंभीरता से पूछा।

"बिलकुल। क्योंकि एक बेहतर स्कीअर के लिए आसान क्षेत्र से चिपके रहने का मतलब असफलता की ओर जाने जैसा है। तुम कभी भी बेहतरीन नहीं कर सकते। तुम नए प्रशिक्षु के लिए तैयार किए गए उतार पर सुरक्षित और सही सलामत रहने की कोशिश करते हो, लेकिन सामान्यता के कीचड़ में आपका सफर खत्म होता है। इसलिए- जो बिना चुनौतियों वाले रास्ते पर जाते हैं वह असल में असुरक्षित स्थान पर पहुंचते है- अगर आपको लक्ष्य हासिल करना है तो आपको सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा।"

"और यही रुपक काम की जगह नेतृत्व दिखाने के लिए सच साबित होता है, सही है न, टाय? बदलावों का स्वीकार करने से इंकार करना और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए मिलने वाले मौकों को गंवाने का सीधा मतलब है कि मैं अपने सुखचैन भरे क्षेत्र में सुरक्षित रहना चाहता हूं, हालांकि जो मुझे बेहद असुरक्षित और खतरनाक जगह पर ले जा रहा था। क्योंकि यह सिर्फ मुझे मेरे कैरिअर में असफलता की ओर ही ले जा रहा था।"

"वास्तव में, इस तरह का बर्ताव कारोबार में भंग करने जैसा है जिससे शायद तुम्हें अच्छा खासा नुकसान उठाना पड़े। इसलिए तुम बिलकुल सही हो; बदलावों से और तरक्की से इंकार करने से सबसे असुरक्षित जगह पर तुम पहुंच जाओगे।" टाय ने मेरे समर्थन में कहा।

"यह बात सुनने में बहुत ही सशक्त है कि कगार पर खड़े होकर पूरी बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति में बदलाव लाना, वास्तव में सबसे सुरक्षित जगह है। क्या जबरदस्त विरोधाभास है यह।" अपने सलामी सैंडविच का टुकड़ा तोड़ते हुए मैंने सरलता से कहा।

"दोस्त, यह बदलाव की सरलता है। ज्यादातर कर्मचारी और कारोबारी बदलाव को टालना चाहते है। वास्तव में वह अपना सिर बर्फ में टिकाते हुए आशा रखते हैं कि वह सीधे आगे बढ़ सकते है। वह दावा करते हैं कि अगर वह उसी तरह कारोबार करते रहे और उसीसे चिपक कर रहते है तो सबकुछ ठीकठाक चलता रहेगा। असामान्य कारोबार ही नया सामान्य होता है। *और*

संतुष्टता ही विजय का सबसे बड़ा और प्रमुख शत्रू है। सबसे सुरक्षित, चतुर जगह उस खड़ी चट्टान की कगार पर ही होती है। बदलावों से प्यार करना सीखे। उसका इस्तेमाल नेता के रूप में आगे बढ़ने के लिए करें। मैं डरावनी दौड़ से प्यार करता हूं, दोस्त। जैसा कि मैंने कहा, यह मुझे ज्यादा सजीव महसूस कराता है। यह मुझे उंची तार पर चलने वाले मशहूर कार्ला वेलेन्डा के एक वक्तव्य की याद दिलाता है, उसने कहा था : असली जीवन तार पर ही है, बाकी तो सिर्फ इंतजार है। जब तुम उस तरक्की की कगार पर पहुंचोगे तब तुम खुद को और ज्यादा सक्रिय पाओगे। तुम इसे आसानी से दरकिनार क्यों करते हो, दोस्त?

"बुद्धिमानी की बात है।" मैंने अपने सैंडविच का और एक टुकड़ा तोड़ते हुए तुरंत ही उत्तर दिया।

"मारिओ एंड्रेट्टी, एक मशहूर कार ड्राइवर है ने, एक बार कहा था- अगर सबकुछ नियंत्रण में हैं, तो आप बेहद धीमी गति से चलोगे। और मैं बार-बार कुछ दोहराना चाहता हूं क्योंकि यह बेहद महत्वपूर्ण है : चीजें नए सिरे से बनने के पहले गिर जानी चाहिए। गहरा बदलाव शुद्धिकरण जैसा होता है। हां, यह तुम्हारे उन विचारों को यह पूरी तरह तोड़-मरोड़ देता है जिसके ऊपर तुमने अपना कार्य करने का ढांचा बनाया होता है। लेकिन वह पुराना ढांचा गिरना जरूरी है क्योंकि उसके बाद ही नया और बेहतर ढांचा बनने के लिए जगह बनाई जा सकती है। और बदलाव की यह प्रक्रिया पुराने गिरने से लेकर उसकी जगह नया बनाने के बीच पड़ी रहती है, यह बहुत ही तनाव भरा और अनिश्चितता से भरा दौर होता है। लेकिन यह बदलाव इल्ली के तितली बनने के सफर जैसा ही है। यह बेहद अस्तव्यस्त नजर आता है, लेकिन उसके बाद कुछ बहुत खूबसूरत बन जाता है। अंत में विश्व इल्ली को क्या कहता है, मास्टर उसे तितली कहता है। यह लेखक रिचर्ड बाख ने कहा है। टूटना ही वास्तव में तरक्की दिखाने की शुरुआत होती है। पुराना सब कुछ नए और बेहतर काम के लिए जगह बनाने के लिए निकाल देना जरूरी होता है।"

मुझे मेरे दादाजी की याद आई। जब मैं बच्चा था, एक बार उन्होंने मुझसे कहा था कि, जब वह युवा थे तब उन्हें तितलियों से खेलना बहुत अच्छा लगता था। एक दिन उन्होंने इल्ली को अपने कृमिकोष से बाहर निकलते हुए देखा। लेकिन उसे बहुत तकलीफ हो रही थी और आगे कुछ भी नहीं हो रहा था। इसलिए उसे मदद करने के लिए उन्होंने अपना चाकू निकाला और इल्ली के बचे हुए कृमिकोष को काट दिया, लेकिन तितली बनने के बजाय कृमिकोष काटने की वजह से इल्ली मर गई। मेरे दादाजी ने बताया, बाद में उन्हें समझ में आया कि इल्ली कृमिकोष से संघर्ष करने की जरूरत होती है उसके बाद ही खूबसूरत तितली तैयार होती है। और उन्होंने इसे होने से रोका, उन्होंने इल्ली का उड़ने का वह संघर्ष छिन लिया। यह बिलकुल वैसे ही था जैसा टाय मुझे बता रहा था, कि किस तरह कारोबार में उपद्रवी समय और संघर्षमय स्थिति, सच्चाई

में, तरक्की के पंख लगाने जैसी स्थिति होती है। और हमारा बेहतर प्रदर्शन देने के लिए।"

"मुझे याद है, जब मैं स्की प्रशिक्षक था, पहाड़ी पर मैं किसी को स्कीइंग के पाठ पढ़ा रहा था। टाय ने बात आगे जारी रखी। यह कहा जा सकता है कि जब वह पहली बार आए तो वह बहुत अच्छे स्कीअर के रूप में नजर आए। इसके बाद मैंने उन्हें बेहतर स्कीअर बनाने के लिए कुछ प्रशिक्षण दिया। कुछ नई परिकल्पनाओं के साथ मैंने उन्हें आधुनिक तकनीक भी सिखाई। जब मैंने उन्हें यह सब सिखाया तो कल्पना करो कि क्या हुआ होगा?"

"स्वाभाविक ही वह बेहतर स्कीअर बने होंगे।" मैंने जवाब दिया।

"नहीं, वास्तव में वह बेहद खराब स्कीअर बने।"

"हो ही नहीं सकता। गंभीरता से आप कह रहे है?"

"हां, लेकिन थोड़े समय के लिए ही- जब तक मैंने प्रशिक्षण में नई तकनीक का इस्तेमाल नहीं किया। देखो, ब्लैक बदलाव और तरक्की की प्रक्रिया में आप जिस स्थान पर है उस स्थान की वह सभी धारणाएं गिरा कर चुर चुर करनी जरूरी होती है जो तुम्हें पता है और उसके बाद ही तुम बेहतर और नया कुछ बना सकते हो। फिर एक बार, स्कीइंग का रुपक ही इसके लिए श्रेष्ठ है। मेरे ग्राहक मुझसे यह नई तकनीक सीख सकते थे, लेकिन उन्हें अपनी पुरानी स्कीइंग की तकनीक को तोड़ना उचित नहीं लग रहा था जब वह मेरे पास स्कीइंग सीखने आए। उन्हें अलग तरीके से सोचते हुए अलग तरीके से उस पर अमल करना चाहिए था ताकि वह स्कीअर के रूप में अगले स्तर पर पहुंच जाएं। इसलिए वह उलझन भरे माहौल में फंस गए।"

"टूट गए।" मैंने दोहराया।

"सटीक। उनकी तकनीक पूरी तरह टूट कर गिर गई। यह बहुत ही भयानक था, और कुछ छात्रों का तो आशाभंग हो गया। लेकिन उन्हें *बदलाव के समय में धीरज रखना* जरूरी था। और उसी पर कायम रहना चाहिए था, इतना ही नहीं उन्हें यह भी लगा कि इस नई तकनीक के बदले अपनी पुरानी तकनीक पर ही वापस जाते हुए स्कीइंग करनी चाहिए। इसमें कुछ बुराई नहीं थी। सब बिलकुल ठीकठाक था। और जब उन्होंने नई तकनीक को सुरक्षित रखा, तब उन्हें स्कीइंग करते हुए देखना चकित करने वाला था, क्योंकि वह कमाल की स्कीइंग कर रहे थे।"

"इसका मतलब बदलाव की प्रक्रिया अव्यवस्थित होती है। लेकिन अगर हम डटे रहे और धीरज रखा, तो हम कमाल कर दिखा सकते है जिसकी हमें जरुरत है।"

"हां। *बदलाव हमेशा बीच वाले समय में अव्यवस्थित ही होता है।* और ऐसा लगता है कि कुछ भी नहीं हो रहा है और बिलकुल शून्य सा बना हुआ है। लेकिन अगर तुम सीखने का अपना काम अच्छी तरह करते रहे और चीजें

बेहतर करने की कोशिश करने लगे, तो आप वाकई उस सफलता के नजदीक पहुंच जाते हैं जो आप चाहते हैं। सर्वश्रेष्ठ बदलाव के लिए आपको डटे रहना और धीरज रखना बेहद जरूरी है। जैसे मेरे ग्राहक मैंने जो सिखाया था उसका अभ्यास कर रहे थे और अपना श्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे थे और बीच बीच में मेरे द्वारा दी गई सूचनाओं का पालन कर रहे थे, वह अपनी तकनीक को बेहतर बनाने में और जिस स्थान पर वह पहुंचना चाहते थे वहां पहुंचने में असफल नहीं हुए। उन्होंने जिस तरीके से शुरुआत की थी उससे कई गुना ज्यादा बेहतर तरीके से उन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा किया।"

"मैंने यह महसूस ही नहीं किया कि बदलाव हमारी जिंदगी में कितना जबरदस्त परिवर्तन ला सकता हैं। सिर्फ हम ही नहीं बल्कि संस्थाएं जिसमें कारोबार, स्कूल, कम्युनिटीज या फिर देश भी शामिल है में भी जबरदस्त परिवर्तन आ सकता हैं।" मैंने जिक्र किया।

"अगर तुम स्वीकार करने के लिए *मंजूरी* देते हो तो बढ़िया है। टाय ने मुझे जानकारी देते हुए कहा, यह पूरी तरह अपनी पसंद पर निर्भर है। पूरी घटना के लिए तुम्हें जिम्मेदार बनाया जा सकता है- जो बदलाव तुमने किए है और जिसे महसूस किया जा रहा है- उस समय कुछ ऐसी बाहरी ताकतें ऐसा कर सकती हैं जिन पर तुम्हारा कोई नियंत्रण नहीं।"

"या फिर मैं मेरी प्राकृतिक शक्ति का इस्तेमाल कर उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए अपना कदम आगे बढ़ा सकता हूं।" मैंने बीच में ही टोका।

"तुम समझ गए हो, दोस्त। और फिर पीड़ित से लेकर नेतृत्व करने तक: अभ्यास करने का चुनाव *बहुत सारा* बदलाव लाता है। फिर तुम मन की एक ऐसी स्थिति में पहुंच जाते हो जहां सभी तरह के बदलाव और तोड़फोड़ का स्वागत कर उसका इस्तेमाल *अपने लाभ* के लिए करते हो। तुम इसका इस्तेमाल अपने नेतृत्व गुणों को प्रोत्साहित करने के लिए करते हो। तुम इसका लाभ अपने कारोबार को बेहतर बनाने के लिए उठा सकते हो, इस बात की चिंता किए बगैर कि तुम्हारे पास कोई बड़ी उपाधि है या नहीं। और तुम इस पूरी पूंजी का फायदा खुद के निजी विचारों को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाने के तौर पर कर सकते हो - ताकि तुम बेहतर तरक्की करो- खुश रहो- एक इंसान बने रहो।"

"जिंदगी की ओर देखने का यह बहुत ही अच्छा नजरिया है, टाय।"

"*समस्या सिर्फ उस वक्त ही समस्या होती है जब हम उसे समस्या बनाते है।* पीड़ित व्यक्ति सिर्फ रोता है। मैं ही क्यों? हालांकि दूसरी तरफ नेता चिल्लाते है कि यह मुझ पर ही सौंप दे।" टाय ने हंसते हुए सुझाव दिया। "और फिर वह बेहतरीन मौकों को खोज कर उसमें खुद को झोंक देते हैं और बेहतर नतीजा लाते हैं। यह समय, हर समय की तरह, बहुत ही अच्छा समय है, जब हमें पता है कि हमें क्या करना है। राल्फ वाल्डो इमरसन का अवलोकन है यह वाक्य।

"हे!" वह जोर से चिल्लाए। मैं तो पूरी तरह भूल ही गया था। मैं अपने पांच नियम तो तुम्हें बताना भूल ही गया। यह वह पांच चीजें है जो तुम्हें करनी है - इसकी शुरुआत अभी से करनी है - *संघर्ष का वक्त ही श्रेष्ठ नेता का निर्माण करता है* पाठ पर सही रूप से अमल करने के लिए। जैसा कि तुम जानते हो, ब्लैक, यह उन चार पाठों में से दूसरा पाठ है जो तुम्हें उपाधि बिना नेतृत्व तत्वज्ञान की सीख देने वाला है। इसके लिए मैंने तुम्हारे लिए एक परिवर्णी शब्द तैयार किया है।"

"आप लोग और आपके परिवर्णी शब्द।" मैंने गर्मजोशी के साथ कहा।

"हां, हम परिवर्णी शब्दों से प्यार करते हैं, दोस्त। लेकिन इसके पीछे एक वजह है। परिवर्णी शब्द तुम्हारे दिमाग में किसी पॉप गीत की तरह जगह बनाने में कामयाब हो जाते हैं। हम में से हर एक ने पांच नियम बनाए हैं जिससे तुम्हें चिपक कर रहना है। ताकि तुम उसे कभी भूलना नहीं।"

"एकदम सही, टाय। क्या है तुम्हारा परिवर्णी शब्द?"

"SPARK," स्पार्क। उनका संक्षिप्त सा जवाब था। "उपाधि बिना नेतृत्व करना अंधेरे और संघर्ष के समय में प्रकाश की किरण दिखाने जैसा है। आज के इस उच्च बदलाव के समय में सारी चीजें नकारात्मक है। सभी चिंताग्रस्त है। सभी भविष्य में क्या छुपा है इसकी कल्पना न होने की वजह से वास्तव में डरे हुए है। आज के समय में हमें अच्छा कारोबार करने के लिए ऐसे ज्यादा से ज्यादा लोगों की जरूरत है जो वास्तव में तेज तर्रार है। जो अन्य लोगों को साफ और आशादायी रास्ता दिखाए। वह जो भी करें उसमें कुछ चमक दिखाएं।"

"मुझे यह परिवर्णी बहुत ही पसंद आया।" मैंने गंभीरता से कहा।

"दोस्त, तुम खुश हो गए तो मैं भी खुश हो गया। तो मुझे अब उसे सही रूप में बताने दो। स्पार्क शब्द का पहला अक्षर एस (स्पीक) स्पष्टवादिता से बोलने के लिए है। उपाधि बिना नेतृत्व एक प्राचीन, सत्य से भरपूर और प्रोत्साहित करने वाले संवादक से जुड़ा हुआ है। अस्तव्यस्त समय में स्वाभाविक रूप से प्राचीनता की ओर ही झुकाव होता है, हवा में बातें करते रहना जिसका कोई मतलब नहीं होता है और जो चल रहा है उसे वैसे ही चलते रहने दिया जाता है और बातें इस तरह की जाती है कि आपकी उपरी परत सुरक्षित रहे। लेकिन इस तरह के संवाद की मुख्य समस्या यह है कि यह अविश्वास को जन्म देता है। आपके इर्दगिर्द रहने वाले लोग वह सभी जो जरूरी सच बातें हैं उन्हें सुनने के बजाय विवाद टालने के लिए नकली आवरण से सजे शब्द आपके मुंह से सुनना पसंद करते हैं। और मुझे तुमसे यह भी पूछने दो कि, किस तरह तुम जो ज्यादा समय तक टिकने वाली नहीं है, ऐसी साफगोई से बात कर उन मौकों पर कब्जा करोगे जो तुम्हारे में भारी बदलाव लाने वाले हैं। एक टीम के रूप में तुम कहां तक पहुंचना चाहते हो और अपने संस्थान को एक निश्चित दिशा देने की जो जरूरत है वह कैसी पूरी करोगे?"

"नहीं कर सकता।" मैंने आसानी से जवाब दिया।

"बिलकुल सही। और इस तरह से संवाद करने से कभी भी नेतृत्व गुण नजर नहीं आएंगे। और जैसा कि मैंने कहा, इस समय कारोबार में मौजूद लोग चाहते हैं कि उनके इर्दगिर्द सच्चाई का बयान करने वाले लोग रहे। जो स्पष्टवादी हो। जो सीधी बातें करने वाले हो। जो अभूतपूर्व रूप से इमानदार हो। जो *नंगा* सच बयान करते हो, और सिर्फ नंगे सच को ही दिखाने वाले है, साथ ही वह भरोसे को प्रोत्साहन देते है और आप पर पूरा भरोसा रखते है। आपके ग्राहक जानते हैं कि आपके पास आकर वह आपसे सीधी बात कर सकते है। आपके सहयोगियों को पता है कि आप उनके साथ कोई षडयंत्र नहीं करेंगे। और आप को खुद को भी पता है कि आप साहस और पूर्णता के साथ बर्ताव कर रहे हो। हां, आज के समय में इस तरह की साफगोई से बातें करने वाले बेहद कम लोग नजर आते हैं, लेकिन इस अनिश्चितता के माहौल में, लोग यह जानते हैं कि उन्हें किसके साथ जाना है। और वह उन लोगों की अभूतपूर्व प्रशंसा करते हैं जो सच बोलने का साहस दिखाते हैं- फिर चाहे कितनी भी कठिनाई क्यों न हों। उपाधि बिना नेतृत्व करने वाला बिनधास्त संवाद साधता है वहीं कमजोर और कम प्रतिभाशाली लोग इस तरह से संवाद साधने के लिए शरमाते हैं। वह हमेशा सीधे तरीके से संवाद साधते हैं और सीधी और स्पष्ट बात करने के साथ ही वास्तविकता को दर्शाते है। वह पहले होते हैं जो सिर्फ सच कहते है, वह कंपित आवाज और हाथों में पसीना आने के बावजूद सच कहते है।"

"वह बेहद कठिन स्थिति में होते हैं जैसे किसी पहाड़ की चोटी पर झुके हुए स्कीअर की स्थिति होती है।" मैंने टाय के मुख्य परिवर्णी को याद रखते हुए सूचित किया।

"यह मुझे बहुत ही पसंद आया, टॉमी।" टाय ने कहा, "और हां, यह बहुत ही साधारण बात यह है कि जिस व्यक्ति के साथ आप साफगोई से बात करना चाहते हैं, शायद उसे वह सुनना पसंद भी न हो- या फिर वह बहुत ही अच्छे तरीके से आपकी बात समझ सकता हो - आदि जैसी कोई वजह नहीं है कि आप खुद को सच्ची बातें करने से दूर रखो। नेतृत्व दिखाने का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आप बिना किसी की इजाजत का इंतजार किए बगैर इमानदारी से अपनी बात रखने के लिए वचनबद्ध रहे।" और उन्होंने अपने दोस्त की ओर देखा।

टॉमी फिर एक बार निस्तेज नजर आ रहे थे। सांस लेने में उन्हें तकलीफ हो रही थी। फिर वह खांसने लगे। मुझे उनके बारे में चिंता होने लगी। कुछ ही घंटों के भीतर मेरे गुरु की दूसरी बार इस तरह स्थिति बिगड़ी थी। जब बुकस्टोर में हमारी पहली मुलाकात हुई थी, टॉमी अपनी उम्र के मुकाबले ज्यादा तेजस्वी दिख रहे थे और अपना तेज प्रसारित कर रहे थे। आज तड़के सुबह, दफनभूमि में

वह उच्च उर्जा से भरे और अच्छी स्वास्थ्य वाले नजर आ रहे थे। लेकिन अब वह, टाय बॉयड स्की शॉप में, टॉमी बीमार और कमजोर नजर आ रहे थे।

"टॉमी, क्या आप ठीक है?" मैंने तुरंत ही सावधानी से पूछा।

"ब्लैक, मुझे खुद को पता नहीं चल रहा है कि क्या हो रहा?" टॉमी ने झिझकते हुए स्वीकार किया।

टाय बेहद चिंतित नजर आ रहे थे। "टॉमी, अगर तुम चाहते हो तो हम यह बातें यहीं बंद कर देते हैं।"

"नहीं, धन्यवाद सज्जनों। आपके द्वारा मेरी चिंता करने के लिए मैं आपका आभारी हूं, लेकिन अब मैं स्वस्थ हूं। टाय, मैं चाहता हूं कि ब्लैक वह सब कुछ सीखें जो आज उसे सीखना है। मुझे अच्छी तरह यकीन है कि ब्लैक ही वह युवा है जो एलडब्ल्यूटी तत्वज्ञान को अच्छी तरह ग्रसित कर कारोबार और समाज से जुड़े उन सभी लोगों तक सशक्त तरीके से पहुंचा सकता है जिसके बारे में वह ज्यादा जानते नहीं है। उसने मुझसे वादा किया है कि वह ऐसा करेगा। और इसीलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हमें हमारी बातें आगे जारी रखनी चाहिए।"

"मैं शब्दों का पक्का हूं, टॉमी। जब मैं फौज से जुड़ा था उसी वक्त मैंने वचनबद्धता का महत्व समझ लिया था। और मैं अपने इस समझौते का सम्मान रखूंगा।" मैंने कहा।

"मुझे पता है, तुम अवश्य करोगे, दोस्त। सिर्फ इस बात का ध्यान रखना कि जितना तुमसे संभव हो सकता है ज्यादा से ज्यादा लोगों तक उपाधि बिना नेतृत्व का तत्वज्ञान पहुंचाओगे। इस तरीके से, वह न सिर्फ अपने अंदर के नेता को जगाएंगे बल्कि इसके बदले वह अन्य लोगों को भी इस तत्वज्ञान का अमल करने के लिए बाध्य करेंगे। इसलिए इसे जारी रखे, मैं ठीक हूं।"

टाय ने गर्दन हिलाई। "ठीक है, *जिस संस्थान के कर्मचारी स्पष्ट रूप से बात नहीं कर सकते उस संस्थान के लोग भ्रम और दिवास्वप्न की दुनिया में रहते है।* जैसा कि मैंने कहा, आप किस तरह उस एक कंपनी को आगे ले जा सकते है जिस कंपनी के कर्मचारी तरक्की के लिए जो जरूरी है उसके बारे में अगर दिल खोल कर बातें न करें। और खास कर कठिन समय में, सिर्फ त्रुटिहीन संवाद साधना ही बेहद जरूरी ही नहीं बल्कि वास्तव में अपने सभी हिस्सेदारों के साथ *अतिसंवाद* करना जरूरी है। अपने साथियों के साथ अतिसंवाद की जरूरत है। अपने सप्लायर्स के साथ अतिसंवाद करना चाहिए। अपने ग्राहकों के साथ अतिसंवाद करना चाहिए। इनमें से हर एक की बातें अत्यधिक ध्यान देकर सुननी चाहिए कि वह कैसा महसूस कर रहे हैं। इससे अफवाहें तैयार होने और फैलने पर रोक लगाई जा सकती है। इससे आपके हर तरह के संबंध दोषमुक्त होंगे, समस्याएं निर्माण नहीं होगी। गलतफहमी नहीं फैलेगी। और लोग यह महसूस करेंगे कि आप वाकई उनकी चिंता करते हो और उनमें दिलचस्पी ले रहे हो। और हां, इससे जुड़ा और एक महत्वपूर्ण पहलू है चेहरे की कीमत (फेस वैल्यू)।"

चेहरे की कीमत?" मैंने सवाल पूछा।

"हां, अगर तुम किसी को निजीगत रुप से मिल सकते हो तो उसे ईमेल भेजने की जरूरत नहीं है। अगर तुम्हें अपने किसी सहयोगी के साथ बात करनी है, कुछ विचार-विमर्श करना है या फिर उससे सिर्फ जुड़ना है तो अपना काम छोड़ कर उसके पास जाओ और उसके साथ बात करो। अपने ग्राहकों के साथ खाना खाने की कोशिश करों या फिर उनके साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने की कोशिश करो। अगर निजीगत रूप से लोगों के साथ जुड़ सकते हो तो तकनीक का सहारा लेने की जरूरत नहीं है। और अब संवाद और स्पष्टता के साथ बात करने के बारे में जो अंतिम बात है वह है *अगर आपके लिए जो महत्वपूर्ण है उसके लिए कोई चीज महत्वपूर्ण है तो, वह चीज आपके लिए भी महत्वपूर्ण है।"*

"यह कल्पना मुझे बेहद पसंद आई, टाय। अगर मेरे लिए जो महत्वपूर्ण है उसके लिए कोई चीज महत्वपूर्ण है तो, वह चीज मेरे लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।"

"चीजों का पालन करने का यह अच्छा तरीका है, दोस्त। इस बात की वजह से मुझे यह दुकान चलाने में अच्छी खासी मदद हुई। मेरे कुछ ग्राहक पिछले २० वर्षों से मेरे पास आ रहे हैं। वह अपना कारोबार मुझे देने के लिए डेढ़ घंटे की ड्राइव करते हुए मेरे पास आते हैं। यही है इमानदारी। खैर, मुझे लगता है कि आज के समय के हिसाब से मैंने तुम्हें बहुत कुछ दे दिया है, तुम बहुत ज्यादा संपर्क नहीं कर सकते। और उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जो एक बात है वह यह है कि सही जानकारी ही बांटे, आशाओं का बाहुल्य और आशंकित संस्थान को बेहतर दिन दिखाने के लिए प्रभावित करने वाली दृष्टी। एक व्यावसायिक संवादक बने। तुम्हें जो तनख्वाह दी जा रही है उसका एक हिस्सा ही है वह।"

"कभी कभी मुझे ताज्जुब होता है कि अगर बुकस्टोर में मैं अपने ग्राहकों के साथ ज्यादा इमानदारी से बात करता हूं तो मुझे लगता है कि मैं कोई अपराध कर रहा हूं।" टाय के प्रशिक्षण से प्रभावित होकर मेरे मन में आया विचार मैंने व्यक्त किया।

"स्पष्टवादी और गुस्ताखी में बहुत अंतर है, ब्लैक। अपना उचित फैसला ले। और सिर्फ एक बात हमेशा याद रखना : *तुम जो कहना चाहते हो वह चाहे जितनी देर कह सकते हो, सिर्फ याद रखो कि वह ससम्मान हो।"*

"और एक अच्छी पंक्ति।" मैंने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया।

"और वह काम की जगह पर बेहतरीन परिणामों के रूप में रुपांतरित करने वाली है।" स्कीइंग पर लिखि किताब के पन्ने पलटते हुए टॉमी ने बीच में ही कहा, वह अब पहले से ज्यादा स्वस्थ नजर आ रहे थे।

यह सही है। टाय ने अपना वक्तव्य आगे जारी रखा। तुम स्पष्टता के साथ बात करो और जिसके साथ भी बात करना चाहते हो उससे अपनी हर उस बात को उजागर करो जो तुम करना चाहते हो इसके लिए सिर्फ इतना जरूरी है कि यह तुम्हारी भाषा सम्मान की होनी चाहिए और सुनने वाले का भी सम्मान रखने वाली हो। और यही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। दोस्त, शब्द डसते है। लोग बीस वर्ष पहले भी उनके लिए कही गई बुरी बात को याद रखते है। शब्दों में इतनी ताकत होती है। और हम में से ज्यादा तर लोग यह बात भुलते है। हम अपनी ढीली जीभ से लोगों के साथ कठोर बातें करते है और उन्हें दुख पहुंचाते है। हम ऐसी बातें लिखते हैं जो निष्ठुर होती हैं और ऐसे शब्द इस्तेमाल करते हैं जो किसी का अपमान कर सकते हैं। श्रेष्ठ नेता इन सबसे अलग बर्ताव करता है। अपने हर संवाद के दौरान वह लोगों को उनकी श्रेष्ठता की याद दिलाते है। और लोगों को और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करते है। इसके साथ ही श्रेष्ठ नेता कर्मचारियों को प्रोत्साहित करता है, मदद करता है, और सकारात्मक शब्दों का इस्तेमाल करता है जिससे वह चौंकाने वाली क्रिया करते है। जरा इन नेताओं की तरफ ध्यान दो, जॉन एफ केनेडी, गांधी, मंडेला और मार्टिन ल्यूथर किंग ज्युनिअर, उन्होंने अपना काम सिर्फ शब्दों की ताकत से ही किया।"

"शब्दों की शक्ति के बारे में मैंने कभी सोचा ही नहीं था।"

"वह वाकई कारगर होते है। आपके शब्द लोगों को वह संभावनाएं दिखाते हैं जिसकी कभी वह कल्पना भी नहीं कर सकते। आपके शब्द लोगों को खुद के बारे में खुशी महसूस कराते हैं। आपके शब्द लोगों को अपनी क्षमता से आगे जाकर काम करने के लिए प्रेरित करते है- और वह तनावभरे समय में बेहतर तरीके से काम करते हैं। देखो, ब्लैक, अगर कोई बार-बार गलती कर रहा हो तो, ऐसे में उसके साथ साधारण रुप से इन शब्दों में ही बात की जाती है- तुम अच्छा काम नहीं कर रहे हो, काम और अच्छा होना चाहिए। लेकिन इस तरह का संवाद लोगों को हतोत्साह करता है। हां, स्पष्ट और साफ बातें करो। निश्चित ही, सशक्त नेता बनो। लेकिन क्यों न इस तरह बात करो- मैं तुम्हारी दाद देता हूं कि तुम अच्छी मेहनत कर रहे हो और मैं तुम में कुछ संभावनाएं देख रहा हूं जो मैं तुमसे बांटना चाहता हूं और मैं चाहता हूं कि तुम्हारा काम अगले और उच्च स्तर तक पहुंचे। ज्यादातर कारोबारी नकारात्मक बातें करते हैं। उन्हें यह गलतफहमी होती है कि मैं अगर कठोरता से बात करुं तो मुझे अच्छा नतीजा प्राप्त होगा। लेकिन प्रोत्साहित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करने से तुम बहुत कुछ ज्यादा प्राप्त कर सकते हो। तुम सिर्फ वही कहो जो तुम कहना चाहते हो, लेकिन सिर्फ प्रोत्साहित करने वाले शब्दों का सहारा लेकर। यह सिर्फ भाषा का खेल है। और जो महान संवादक है वह इस बात को अच्छी तरह जानता है। और हां, मैं यह भी जोड़ना चाहता हूं कि तुम्हारे शब्द तुम्हारी खुद की स्थिति को भी दर्शाते है।"

"वास्तव में?"

"बेशक। जो शब्द तुम्हारे मुंह से बाहर निकलते है उससे पता चलता है कि तुम क्या महसूस कर रहे हो। किसी चुनौतीभरे माहौल को 'महाविपदा' कहलाने से तुम्हारे अंदर की विशिष्ट भावनिक प्रतिसाद को दर्शाता है, या फिर कोई पूरी तरह इससे विपरीत इस स्थिति को 'रोचक' या फिर 'तरक्की के लिए मंच' के रुप में देखता है।" हम जिस भाषा का इस्तेमाल करते है उसके असर से हमें कभी कभी उदासीनता या फिर आशावादी होने के लिए गतिरोध के रूप में मिलता है। और तुम यह बात अच्छी तरह जानते हो कि तुम्हारे शब्द और कुछ नहीं है बल्कि तुम्हारे दिमाग में जो विचार है उसे उजागर कर रहे है। तुम्हारी भाषा तुम्हारे भरोसे को जताती है।"

"और हमारा भरोसा हमारे आचरण को प्रेरित करता है। और इसके बदले, वह हमें सारे नतीजे दिलवाता है।" मैंने कहा।

"हां। उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले सही रुप से *त्रुटिहीन* रुप से अपने शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। वह गप्प नहीं हांकते। वह किसी की शिकायत नहीं करते। वह किसी को दोषी नहीं ठहराते। और वह कभी शपथ भी नहीं लेते। वह प्रति दिन अपने शब्दों को इस तरह इस्तेमाल करते है कि सुनने वाला उससे प्रभावित, प्रोत्साहित हो, काम में ध्यान दे और अपनी तरक्की की ओर बढ़े।"

"सिर्फ अपने इर्द-गिर्द के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि खुद के लिए भी यह बात फायदेमंद साबित होती है।"

"बिलकुल सही।" टाय ने सहमति दर्शायी। "इसलिए अपने हर शब्द पर ध्यान दो। तुमें आश्चर्य होगा कि किस तरह तुम्हारी नेतृत्व की शब्दावली ने तुम्हारी ऊर्जा को बढ़ाया है, तुम्हारे श्रेष्ठतम काम करने के उत्साह को बढ़ाया है, परिवर्तन की गति बढाई है, और तुम जो तुम खेल रहे हो उसका तरीका। तुम्हारे मुंह से बाहर आने वाले शब्द तुम्हारे इर्दगिर्द के लोगों के मुंह से बाहर आने वाले शब्दों को भी एक आकार देंगे क्योंकि तुमने खुद का एक अच्छा उदाहरण उनके सामने पेश किया है, तुम्हारे संस्थान की पूरी संस्कृति ही बदल जाएगी और बेहतर बन जाएगी। मैं इस बात का भी जिक्र करना चाहूंगा कि, *तुम जो भी बोलोगे उसे सशक्तता के साथ बोलो।* इसलिए अगर तुम काम में हो रहे बदलाव के बारे में सिर्फ बड़बड़ाते रहने, शिकायत करने में ही ज्यादा से ज्यादा समय गंवाओगे तो इससे तुम्हारा तनाव और बढ़ेगा, वास्तव में तुम अपना तनाव बढ़ाओगे और अपने बोध में बदलाव लाओगे। तुम्हें तरक्की पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। और जहां तुम्हारे शब्द जाते हैं, वहां पर ऊर्जा भी बहती है। इसलिए बोलते वक्त अपने ज्ञान में बढ़ावा करना चाहिए क्योंकि तुम उस पर अच्छा ध्यान दे रहे हो और अपनी ऊर्जा लगा रहे हो। आधुनिक मानसशास्त्र के पिता विलियम जेम्स ने कहा है : हम जो सेवा करते हैं वहीं हमारा अनुभव है। वाकई इस पंक्ति में बहुत गहरा अर्थ है, दोस्त। अविश्वसनीय तरीके से यह कीमती है। अगर तुम अपने सहयोगियों के साथ बुरे शब्दों में बात

करोगे, तो वास्तव में तुम अपने विचारों में नकारात्मकता को बढ़ावा दोगे। अगर तुम कैरिअर में क्या गलती हुई या फिर निजी जीवन में क्या गलत हुआ इसके बारे में सिर्फ शिकायत करते रहे, तो तुम उन चीजों को ही ज्यादातर देख पाओगे जिसे तुम टालना चाहते हो। शब्दों में शक्ति होती है।

इसका मतलब नेतृत्व करना नेतृत्व की शब्दावली को अच्छी तरह बढ़ाना है और उस पर ध्यान देना है। मैंने अभी जो मेरी सीख में जोड़ लिया था उसे दोहराया।

“यह काम करेगा, यह वाकई काम करेगा, ब्लैक। उच्चस्तर पर पहुंचना है तो विश्वस्तरीय शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। और यहीं मैं तुम्हें स्पार्क शब्द में के पी शब्द के बारे में जानकारी दूंगा। पी का मतलब है प्रायोरिटीज (प्राथमिकताएं।) कारोबार में आने वाले हर संकट की वजह से, तुम आसानी से अपने मिशन से, अवलोकन से, मूल्यों से और लक्ष्य से दूर जा सकते हो। जब तुम्हें लगता है कि चीजें बराबर नहीं हो रही है, तो वह तुम्हारा ध्यान भंग करने वाला एक बहुत ही शक्तिशाली प्रलोभन होता है। लेकिन उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले अपनी बातों से चिपके रहते हैं। वह सिर्फ उसी बात पर सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनमें अपने मौलिक सिद्धांतों पर बने रहने का अनुशासन होता है। और वह काम करते हैं- और जीते हैं - एक साधारण कल्पना के साथ : *जो श्रेष्ठ है उसी पर ध्यान दे और अन्य बातों को भूल जाएं।* उनके विस्मित कर देने वाले नतीजे के पीछे का असली राज सिर्फ इसी मंत्र पर अमल किया जाना है। और एक सबसे बड़ी कल्पना जो नेतृत्व करने के लिए जरूरी है, मैं तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूं : *ज्यादा चीजों के बारे में कम जानकारी रखो और कम चीजों पर ज्यादा लड़खड़ाओ।* लेकिन इससे कम चीजों पर ध्यान केंद्रित करने से तुम उसमें कमाल कर दिखा सकते हो। केंद्रित हो जाओ, केंद्रित हो जाओ, केंद्रित हो जाओ, केंद्रित हो जाओ। आवेश की हद तक।”

“आवेश अस्वास्थ्यकर नहीं है?” मैंने पूछा।

“नहीं, अगर आवेश स्वास्थ्यकर है। अच्छा काम करने के लिए दिल में आग जला कर रखने से तुम बेहतर प्रदर्शन कर सकते हो और अविश्वसनीय तरीके से स्वस्थ भी रह सकते हो। अच्छा और बेहतरीन संस्थान बनाने की लालसा की वजह से ग्राहकों के लिए असाधारण उत्पाद और बेहतरीन सेवा तुम बहुत ही बढ़िया तरीके से दे सकते हो। अपने डर क शक्ति में और अपनी खामियों को ताकत के रूप में रुपांतरित करने के लिए उत्तेजित रूप से पीछा करना बढ़ाने से ही सकारात्मकता तुम्हारे पीछे आएगी। इसलिए, नहीं, जो चीज तुम्हें ज्यादा मायने रखती है उसके प्रति आवेश रखना अस्वास्थ्यकर नहीं है। यह वास्तव में, इस विश्व में ढ़ेर सारे विकल्प और ढ़ेर सारी सूचनाओं के बीच तुम किस तरह जीत हासिल करते हो, के बारे में हैं।”

"मैं अपने काम की जगह हर चीज पर ध्यान देता हूं, टाय।" मैंने स्वीकार किया। "मैं किसी भी एक चीज पर लंबे समय तक ध्यान नहीं दे सकता। और फिर सभी फोन कॉल्स, ईमेल और अन्य बाधाओं के नियमित प्रवाह से मैं दिन भर खुद के बेहद व्यस्त देखता हूं, लेकिन दिन के अंत में मुझे लगता है कि मैंने कुछ काम किया ही नहीं। और यह भावना मेरी अभिभूतता में इजाफा करती है।"

"और फिर जब भी तुम व्यस्तता से निकल कर काम करने के लिए अपना ध्यान लगाते हो, और ध्यान रखने लायक महत्वपूर्ण बात यह है कि तुम्हें ऐसा महसूस होता है कि काम तो हो रहा है, लेकिन वह काम महान काम *नहीं* हो रहा है। आज के इस बदलाव भरे और अनिश्चितता से भरे माहौल में हम में से हर कोई वास्तव में व्यस्तता से व्यस्त होता है। हम में से कई लोग तेजी से आगे बढ़ते हैं, लेकिन बेहद कम हासिल कर पाते है। *यहां पर हमेशा एक बात सोचना जरूरी है : पेचीदगी भरी और अस्तव्यस्त स्थिति हमेशा रमणीय सादगी में बदल जाती है।* उपद्रवी और सिद्धांतों में क्रांति लाने वाले इस समय में, यह बहुत आसान है कि लक्ष्य से ध्यान हट जाना और काम में खुद को बेहद व्यस्त पाना, बिना किसी उत्पादनशील बेहतर नतीजो के। लेकिन क्यों हम इतने प्रतिभाशाली तरीके से व्यस्त बने जिसका लक्ष्य निकम्मा हो? सिर्फ पहाड़ियां चढ़ते रहने में समय गंवाने का कोई मतलब नहीं है, जब हम चोटी पर पहुंच कर महसूस करे कि अरे हमने तो गलत पहाड़ी पर चढ़ाई कर ली है। यह नेतृत्व के तीन महत्वपूर्ण साधनों की हानी करने जैसा ही है, जो है : तुम्हारा समय, तुम्हारी प्रतिभा और- सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण- तुम्हारी ऊर्जा। आपके कारोबार में आज आपकी निजी ऊर्जा ही सबसे ज्यादा कीमती संपत्ति है। तुम होशियार हो सकते हो, बेहतरीन मौकों की दुनिया तुम्हारे पास हो, और उन्हें पूरा करने की योजना हो। लेकिन अगर तुम्हारे पास प्रति दिन ऊर्जा नहीं होगी, कुछ भी नहीं कर पाओगे। सभी तरह के उपद्रव और गहरे बदलाव के चलते, ध्यान भंग होना अब बेहद आसान है। गलत चीजें करने में पूरा दिन व्यस्त करना। बड़े से छोटा हो जाना। और यह तुम्हारी ऊर्जा की क्षति करता है। इसलिए तीव्र रूप से उत्पादनशील बने- और अपने सही लक्ष्य को पाने के प्रति ध्यान केंद्रित करें।"

"इसमें बहुत बड़ा अर्थ छुपा है, टाय।"

"जो श्रेष्ठ नेता है वह बिना लड़खड़ाए अपना सबसे बड़ा काम करने के लिए ध्यान केंद्रित करते हैं। वह दृढ़ निश्चयी रहते है और जिस तरह सेना में मौकों पर ध्यान दिया जाता है और अन्य गैरजरूरी बातों को नजरअंदाज किया जाता है, उसी तरह सिर्फ मौकों पर ध्यान देते हुए गैरजरूरी बातों को नजरअंदाज करना चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति वह दिल की गहराई से चिपके रहते हैं और बाकी चीजों को पूरी तरह नकार देते हैं। अपनी प्राथमिकताओं अच्छी तरह पहचान लो। उसके बाद खुद में जागृति लाओ और फिर उसके बाद बेमतलब की अन्य चीजों को पूरी तरह निकाल दो। हे, हां, मुझे पता है कि मैं किसी सीईओ की

तरह बात कर रहा हूं, लेकिन मैं एक बहुत ही सीधा-सादा इंसान हूं। लेकिन मैं काफी पढ़ता हूं और कारोबार का श्रेष्ठ खेल मुझे बहुत ही पसंद है। यह किसी खेल से कम नहीं है। बहुत ही उत्साहित खेल है। खैर, मैं तुम्हें यह सुझाव देना चाहता हूं ब्लैक, कि तुम अपनी जटिलता से सादगी की तरफ मुड़ो, इसके लिए जो तुम्हारे प्रति दिन के काम में जो गतिविधियां ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है उस पर कम ध्यान देते हुए जो गतिविधियां तुम्हारे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है उस पर आवेश के हद तक ध्यान केंद्रित करो।"

"बहुत ही उपयुक्त कल्पना है, टाय।" मैंने टिप्पणी की।

"मैंने कारोबार की ही सैकड़ों किताबें पढ़ी नहीं है; बल्कि मैंने कई जीवनियां भी पढ़ी हैं। इतिहास में अपना नाम दर्ज महान लोगों के जीवन में झांकना मुझे बहुत पसंद है। मेरी समझ में आया है कि नेतृत्व और सफलता ऐसा कूट संकेत है जिसे ज्यादा लोग नहीं जानते। जो बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं वह एक तरीके से ही काम करते हैं, और उन्होंने जो किया उसे करते हुए, मुझे भी वहीं नतीजा प्राप्त हुआ जो उन्हें हुआ था।"

पानी का घूंट पीते हुए मैंने कहा- "इसका मतलब आपने वह कूट संकेत पढ़ लिया।"

"सटीक।" मेरे प्रतिसाद का टाय ने जवाब दिया, "मुझे मशहूर मूर्तिकार माइकेलएन्जेलो की पढ़ी हुई किताब याद आ रही है। अपनी महान कलाकृतियां बनाने के लिए उन्होंने एक बेहद ही साधारण तकनीक अपनाई थी। पहले वह तराशे न गए संगमरमर में अपनी कला को देखते थे और उसके बाद उस संगमरमर से वह हिस्सा निकाल देते थे जो उनकी मूर्ति के लिए जरूरी नहीं होता था। उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए भी इसी तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। तुम्हें भी नगण्य चीजों को पहले निकाल देना होगा ताकि तुम भी कारोबार में पूरी तरह उतर सको। अपने समय का हर मिनट *सिर्फ* उसी काम को करने में लगाओ, जो तुम्हे तुम्हारे सपने के पास लेकर जा रहा हो। कम काम करो लेकिन अच्छा काम करो, ब्लैक। क्योंकि जो इंसान सब कुछ पाना चाहता हैं वह अंत में कुछ भी हासिल नहीं कर पाता। ध्यान केंद्रित करो, ध्यान केंद्रित करो, ध्यान केंद्रित करो, ध्यान केंद्रित करो।" वह जोर देकर बार-बार दोहरा रहे थे।

तुरंत ही टाय ने आगे जोड़ा, "मैं तुम्हें सुझाव देना चाहता हूं कि तुम ८०/२० के नियम का पालन करो। तुम्हारे २० फीसदी काम से तुम्हें ८० फीसदी नतीजे मिलने चाहिए। उन कम लेकिन महत्वपूर्ण काम से घनिष्ठता से और तीक्ष्णता से जुड़ जाओ जो तुम्हारे नतीजों को सबसे ज्यादा हिस्सा है। अपनी क्रियाकलापों के दौरान किफायती नतीजे के लिए काम करो, और तुम बेहतर नतीजे देख पाओगे। उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले अपने कम लेकिन अत्यावश्यक कामों के लिए ही जीते है और सांस लेते हैं।"

"कम अत्यावश्यक?" और एक अपरिचित शब्द को सुनते हुए मैंने पूछ लिया।

"तुम्हारे कम अत्यावश्यक काम वह कुछ गतिविधियां हैं जिसमें ऐसी क्षमता होती है कि, जो तुम्हें तुम्हारे काम में नेतृत्व की श्रेष्ठता हासिल करने के लिए विलक्षण आकार प्रदान करती है।" टाय ने समझाया।

टाय ने आगे जोड़ा- "और तुम्हारे जीवन में, ब्लैक। दो चीजें एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। गांधीजी ने एक बार कहा था- कोई भी इंसान जीवन में अगर कोई काम जब तक गलत करने में व्यस्त है, तो वह दूसरा काम सही नहीं कर सकता। पूरा जीवन अविभाज्य है। तुम्हारा निजी जीवन हमेशा तुम्हारे कामकाजी जीवन पर असर करता है और इसके उल्टा भी होता है।"

"टॉमी बिलकुल सही है, ब्लैक। मुझे पता है कि दिन के अंत तक तुम जीवन को संतुलित करने के लिए शक्तिशाली विचार अवश्य सिखोगे। लेकिन इस समय, मैं तुमसे अनुरोध करता हूं कि, जो तुम्हारी कम लेकिन सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं हैं, जो तुम्हें आगे बढ़ने के लिए मदद करने वाली हैं, सिर्फ उसी पर अपना ध्यान केंद्रित करो। जिस तरह मैं बता रहा हूं, उस तरीके से काम करने से तुम्हारे तनाव और जटिलता से भरे दिन उत्पादनशीलता और सादगी के दिनों में पूरी तरह बदल जाएंगे। और अविश्वसनीय तरीके से, जब तक तुम कम लेकिन अच्छा काम करोगे, वास्तव में तुम्हें ज्यादा से ज्यादा समय मिलेगा।"

"यथार्थवादी बनो।" टाय ने अपना सैंडविच खाते-खाते बातें जारी रखी, "यहां मैं तुम्हें कुछ सुझाव देना चाहता हूं। प्रति दिन सुबह काम पर जाने से पहले, अपने लिए शांति से थोड़ा सा समय निकालो। इस समय के दौरान, *सोचने के लिए वक्त निकाल दो।* कभी कभी तुम्हें अपनी गति धीमी करनी पड़ेगी। जब पूरी दुनिया सो रही हो, उस समय शांति से सोचना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाने के लिए एक बहुत अनोखा और प्रभावशाली नियम है। आत्मचिंतन स्पष्टता में तीव्रता आती है। और तुम जितने ज्यादा स्पष्ट रहोगे तुम्हें बेहतर मौके मिलेंगे और तुम कारगर कदम उठाओगे, और तुम अपनी पहाड़ी की चोटी पर जल्द से जल्द पहुंच जाओगे। यह इकलौती पद्धति ही तुम्हें बेवजह व्यस्त रहने की स्थिति के मुकाबले बेहतर और कारगर नतीजे लाने में प्रवीण बनाएगी। और सुबह के तुम्हारे शांत समय से जुड़ी और एक बात यह है कि यह अविश्वसनीय शौक तुम्हारे प्रति दिन के लक्ष्य को पूरा करेगा। क्या ॲना ने तुम्हे प्रति दिन की ५ चीजों के बारे में सिखाया है?"

"हां उन्होंने सिखाया है, श्रेष्ठ औजार। नेतृत्व करने की अब तक सीखी सबसे बेहतरीन रणनीति है यह, टाय।"

"शानदार। मैं तुम्हें सलाह देता हूं कि प्रति दिन तुम अपने पांच काम लिख कर रखो। यह तुम्हें तुम्हारी उचित प्राथमिकताओं की ओर ध्यान केंद्रित रखने के

लिए मदद करेगा। लक्ष्य तय करना और अपने इस इरादे को कागज पर लिखने से वह अस्पष्ट प्राथमिकताओं के मुकाबले चमकीला और वास्तविक होगा, और वह न सिर्फ तुम्हारी प्राथमिकताओं की ओर तुम्हारी जिम्मेदारी बढ़ाएगी, बल्कि वास्तव में वह तुम में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेगी। जल्द से जल्द नतीजा पाने के लिए यह तुम्हारी मदद करेगा।"

"और ए?" मैंने पूछा। यह महसूस करते हुए कि टाय अब अपने रुपवर्णी शब्द स्पार्क के अगले अक्षर पर जाएंगे जो मुझे संघर्ष के समय नेता किस तरह तैयार होते है का सूत्र जो उपाधि बिना नेतृत्व करने के तत्वज्ञान के लिए जरूरी है।

"इसका मतलब एक ऐसी धारणा है जो है, दुर्भाग्य को मौके के रुप में जन्म देना। एक सबसे महान बात अब मैं तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूं और वह यह है कि हर गतिरोध में एक बेहतरीन मौका छुपा हुआ होता है। हर शाप के साथ आशीर्वाद भी आता ही है। हर असफलता अपने साथ कुछ न कुछ उपहार लेकर अवश्य आती है- कुछ ऐसे रास्ते जिन्हें शायद तुम्हारी आंखें देख सके और तुम्हें कठिनाई के पहले की स्थिति जहां पर तुम थे, उससे भी ज्यादा सफलता दिलवा देती है। एक पुरानी कहावत है- जब ज्यादा अंधेरा होता है, उसी समय तुम तारे देख सकते हो। वास्तव में मैं तुम्हें जो बात याद रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं वह यह है कि हर दुर्भाग्य अपने साथ अच्छी बातों का पुलिंदा लेकर चलता है। *और यह हर उस सपने के लिए है जो मर जाते है, ताकि जीवन में बेहतर और नया कुछ आ जाए।* तुम्हें सिर्फ अपने दिमाग को फिर से प्रशिक्षित और महसूस कराने की जरूरत है। समस्याएं वास्तव में बेहतर चमकीली संभावनाओं के मंच के अलावा और कुछ नहीं है। सच में, किसी भी तरह की स्थिति बुरी या अच्छी नहीं होती। वह सिर्फ स्थिति होती है। हम उसे किस तरह *महसूस करते* है उस पर वह बुरी या अच्छी बनती है। एक सबसे बड़ी खुशखबरी यह है कि यह बोध हमारे नियंत्रण में हैं।"

"जब एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा दरवाजा खुलता है।" मैंने चकित होकर जोर से कहा।

"कुछ इसी तरह। लेकिन दोस्त, यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि एक बार तुम गिर गए तो, तुरंत ही तुम्हारे लिए दूसरा दरवाजा खुलेगा। वास्तव में नया दरवाजा खुलने का मतलब, तुम्हें जहां पर तुम पूरी तरह निराश हो चुके थे, उस जगह से और आगे बढ़ने के लिए मिलने वाले मौके का प्रतीक है। *संकटावस्था में ही बेहतरीन सुअवसर होते हैं।* एक बात याद रखना जितने भी महान, शक्तिशाली और श्रेष्ठ नेता बने हैं वह कठिन स्थिति से संघर्ष कर ही बने हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही हम में से हर एक में से उच्च निडरता को उजागर करती है- अगर हम उसे इजाजत दे तो। खून बहना, निराश होना और गिर जाना यह तो आज के नाटकीय बदलाव के मौसम में कारोबार करने की प्रक्रिया का हिस्सा ही

है। इसका मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि क्या तुम इस बदलाव का सामना कर पाते हो या नहीं? तुम कर सकते हो। मुख्य मुद्दा यह है कि इस कठिन स्थिति का तुम क्या करोगे। और कितनी जल्दी तुम इस स्थिति से उपर उठ पाओगे। और हां, एक बात अवश्य याद रखना कि अंधेरे में सफर किए बिना, अगर तुम पहाड़ी की चोटी पा लेते हो तो वह सिर्फ एक खोखली सफलता साबित होगी।"

"तुम्हें पता है, तुम सही हो टाय। इन स्थितियों से मैं अच्छी तरह वाकिफ हूं क्योंकि जीवन में मैंने ऐसी स्थिति में कई चीजों का त्याग किया है। मेरा मानना है कि जीवन की महत्वपूर्ण विजय वही होती है जहां पर आप कड़ी मेहनत करके पहुंचते हैं।"

"और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति वह औजार है जिसकी मदद से तुम बेहतरीन सफलता की पहाड़ी चढ़ने में सफल हो सकते हो- और खुशियां भी हासिल कर सकते हो। हेलेन केलर ने लिखा है- 'अगर जीवन में सिर्फ खुशियां और आनंद ही रहेगा तो हम कभी भी वीरता दिखाना और धीरज रखना नहीं सीख सकते।' *नेतृत्व करने का मतलब है कठिन समय का फायदा उठा कर उसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना।* असलियत में बाधाएं छद्मवेश में आशीर्वाद के रूप में हैं। इस तरह सोचने के लिए अभ्यास की जरूरत है। लेकिन मुझे पता है कि तुम वहां तक पहुंच जाओगे, ब्लैक। मुझे पूरा भरोसा है।"

"यह कहने के लिए धन्यवाद, टाय। मैं निश्चित रूप से पीड़ित बन कर नहीं रहना चाहता। और आज के बाद, तो निश्चित ही नहीं। मेरे आज तक के जीवन में आज का दिन मेरे लिए बेहद प्रेरणादायी है। मैं फिर से आशावादी बन गया हूं। मैं फिर से खुद को सशक्त मान रहा हूं। मुझे महसूस हो रहा है कि मेरे जीवन में कुछ अर्थ और वजह है। अब मुझे पता चला है कि मैं नेतृत्व कर सकता हूं और मेरे काम से मैं गहरा बदलाव ला सकता हूं, फिर चाहे मुझे कोई उपाधि मिले या न मिलें। लेकिन मैं आप दोनों से इमानदार रहना चाहता हूं। आज मैंने जो कुछ सीखा है उसमें बहुत बड़ा अर्थ है। और यह जीवनमरण को ध्वनित करता है। लेकिन, अगर कल सुबह मैं मेरे घर में सोकर उठूंगा और आपके द्वारा कही गई डर की बात जो आपके दिमाग में पहाड़ी की चोटी पर खड़े होने के दौरान रेंग रही थी, मेरे दिमाग में चिल्ला कर डर पैदा करेगी तो? जब मैं उपाधि बिना नेतृत्व के तत्वज्ञान पर काम करना शुरु करूं और मेरे लोग मुझ पर हंसने लगे तो, जैसा कि वह आम तौर पर करते हैं? या फिर आपने जो भी मुझे सुझाव दिए हैं वह मैं मेरे युद्ध के दौरान की यादों और पिछली बातों में खोकर भूल जाऊं तो?"

"हे, दोस्त, हमारे साथ इतने सच्चे होने के लिए धन्यवाद। यह बहुत ही वीरता वाली बात है। खुद को श्रेय देने के लिए बहुत ज्यादा हिम्मत होनी चाहिए। अपनी असुरक्षा पर बात करने के लिए बेहद सावधानी बरतने की जरूरत होती है। और जब तुम अपने डर को शब्दों में उजागर करोगे उसी समय डर की ताकत ने जो तुम्हें घेर रखा है, अपने आप खत्म हो जाएगी। तुम्हारे सवाल

का जवाब देते हुए मैं यही कहना चाहूंगा कि, सबसे पहले खुद *का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अन्य लोगों से सुझाव न लें।* दूसरा परिवर्णी शब्द केएमएफ।" टाय ने रहस्यमय तरीके से बताया।

"केएमएफ?"

"आगे बढ़ता रहना (कीप मूविंग फारवर्ड- केएमएफ)। जब मैं कहीं अटक जाता हूं अपने आप से यह बात दोहराता हूं। कठिन समय से आगे गुजरना का सबसे महत्वपूर्ण रहस्य है *आगे बढ़ता रहना।* गायक जोन बोज ने बहुत ही अच्छी तरह इसे कहा है- निराशा के लिए कृति करते रहना सबसे अच्छा प्रतिकारक है। *चुनौतीभरे समय में अपना काम जारी रखना चाहिए।* सबसे अच्छे पर्यायों को ढूंढ़ कर उस पर जितना संभव हो उस पर काम करते रहना चाहिए। तरक्की की ओर बढ़ते रहना चाहिए- फिर चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो- और अटके रहने से बचना चाहिए। विपरीत स्थितियों से बाहर निकलने के लिए काम करते रहना चाहिए। याद रखो, तुम्हारी हर एक सकारात्मक क्रिया सकारात्मक नतीजों को जन्म देती है, चाहे तुम्हें तुरंत ही अच्छे नतीजे नजर नहीं आ रहे हो। यह नैसर्गिक प्रक्रिया है, दोस्त। नकारात्मक स्थिति में की गई जबरदस्त क्रिया ही *अनिवार्य* रुप से बेहतरीन परिणामों को जन्म देती है।"

"बहुत ही आशादायक। बहुत, बहुत आशादायक। जब भी मेरे मन में आशंका पैदा हो और मैं खुद को विध्वंस होते हुए देखूं तब मुझे चलते रहना चाहिए।" मैं बुदबुदाया।

"कभी कभी सफलता सही निर्णय लेने से ही प्राप्त होती है ऐसा नहीं है- यह ज्यादातर कुछ निर्णय लेने पर आधारित है- और फिर उसके बाद तीव्र गति और सुरुचिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ना है।" टाय ने अपने दोनों हाथों को हवा में फैलाया और गहरी सांस लेते हुए सूचित किया। मैंने अनुमान लगाया कि श्रेष्ठ खिलाड़ियों को खुद को तरोताजा रखने के लिए इस तरह की तकनीक सीखाई जाती होगी। "सत्य यह है कि निश्चय करना *ही* निर्णय लेना है। जमे रहना और बदलावों की ओर आंखें मूंद लेना भी निर्णय *ही* है। कुछ न करना भी निर्णय *ही* है। हमेशा कार्यरत रहना चाहिए। कभी भी अटके नहीं रहना चाहिए। जपानी लोगों ने बिलकुल सही कहा है- सात बार गिर जाओ, आठवी बार उठोगे ही। जब तुम्हें लगेगा कि तुम निराश हो चुके हो और काम छोड़ देना चाहते हो, आगे बढ़ते रहना चाहिए। केएमएफ- आगे कदम बढ़ाओ- फिर भले ही तुम्हें यह पता न हो कि तुम कहां जा रहे हो। आगे बढ़ते रहने में ताकत है। *संघर्ष की स्थिति में कुछ भी न करने का मतलब है तुम बेहद खराब काम कर रहे हो।* निष्क्रिय होने का मतलब है तुम अंत की शुरुआत होने वाली ढलान पर खड़े हो। मेरी इस एक बात पर भी भरोसा रखो।"

"आप मुझे जो बता रहे हो उसका एक ही मतलब है कि जब कठिन समय आएगा और मैं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति में रहूंगा तो मुझे जुटे रहना चाहिए। यही कहना चाहते हो न, टाय?"

"हां, डटे रहना और धीरज रखना। नेतृत्व के यह दो असाधारण सदगुण है जो तुम्हें चुनौतीभरे और बदलाव के समय से बाहर आने में मदद करेंगे। जैसा कि मैंने तुम्हें स्कीअर्स को अच्छी स्कीइंग करने के लिए सिखाने के बारे में बताते वक्त जो कहा था, वह मैंने तुम्हें पहले ही बताया था कि, तुम्हें इन दो बातों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए कि, बदलाव को स्वीकार करो और उस ओर आगे बढ़ो जहां तुम आज की स्थिति के मुकाबले अच्छी स्थिति में पहुंचना चाहते हो। जब तुम काम छोड़ देने से इंकार करोगे तो विस्मित तरीके से तुम आगे बढ़ चुके होंगे- *जहां असफलता पर्याय नहीं है।* और फिर तुम हार को ठुकराने वाले व्यक्ति बनोगे। विन्स्टन चर्चिल ने इस बात को बहुत ही खूबसूरती से कहा है- कभी भी हौसला नहीं छोड़ना, कभी भी नहीं, कभी भी नहीं, कभी भी नहीं, कभी भी नहीं, न महान रूप में न साधारण रूप में, न मोटे रूप में न छोटे रूप में, सिर्फ सम्मान और अच्छी सोच में खुद को पूरी तरह झोंक दें। और इस तरह से, *अपना बहुमूल्य समय किसी अन्य क्षेत्र के कार्यक्रमों को टीवी पर देखते हुए समय गंवाने के बजाय, आग लगाने वाली असफलता की गहराई तक जाओ ताकि तुम अपनी दीर्घावधि की महत्वाकांक्षाओं का पीछा कर सको।*"

"अब मुझे यह बात कागज पर लिखने की जरूरत महसूस हो रही है, टाय।" मैंने प्रशंसा करने वाली हंसी हंसते हुए कहा। मैं काउंटर पर गया और वहां का एक कागज लेकर उस पर टाय ने अभी अभी जो कहा था उसे लिख दिया।

टाय ने बात आगे जारी रखी- "मेरे कारोबार में मैंने एक रवैया अपनाया है और वह यह है कि अगर मैं सात बार असफल हो जाता हूं तो आठवीं बार मैं निश्चित ही और आसानी से सफल हो जाऊंगा। कठिन समय का संघर्ष करने के लिए मैंने इस अनुपात को अपनाया है। हर सात असफलता के बाद आठवीं बार सफलता हासिल होती है। और अगर मुझे दीवार नजर आती हैं- और वह दीवार ही होती है जो मुझे मेरे लक्ष्य के प्रति खंडित कर देती है- और मैं उस दीवार पर चढ़ने का हरसंभव प्रयास करता हूं। या फिर मैं उसके इर्दगिर्द घूमता हूं, या फिर उसके नीचे। मैं आसानी से हार नहीं मानता दोस्त, भले ही मैं गिर जाऊं, भले ही मैं खून से लथपथ हो जाऊं मैं खून साफ करता हूं और दीवार के उस पार जाने का प्रयास करता हूं जो मेरे और मेरे लक्ष्य के बीच होती है। तुम्हें भी इसी तरह सशक्त बनने की जरूरत है, अगर तुम्हें आज की इस कारोबारी दुनिया में सफलता के प्रति कटिबद्ध रहना है।"

"वाकई।" मैंने पूछा।

निश्चित ही, ब्लैक। मुझे इस बात पर पूरा भरोसा है कि *मूर्ख दिखना कुछ पल के लिए असहज दिखेगा, लेकिन तुम्हारी आशंकाएं और डर जीवन भर तुम्हें*

असहज महसूस कराएगा। हे भगवान, कुछ छोटे लोग अपने जीवन में जिस तरह अपने कैरिअर से खिलवाड़ करते है, उसे देखते हुए मेरे दिल को ठेस पहुंचती है। मशहूर तत्ववेत्ता अब्राहम मासलो का वक्तव्य मेरी नजर के सामने आता है- 'साधारण तौर पर हम उस जगह पहुंचने से डरते है जो सही पल का दर्शन हमे कराती है।' कृपा कर मेरी यह एक बात ध्यान से सुनो- "तुम्हारे अंदर का नेतृत्व गुण बाहर आने की भीख मांग रहा है, लेकिन तुम उसे देख नहीं पा रहे हो और तुम्हारे बाहरी वातावरण में फैले मौके तुम्हें अगर नजर नहीं आ रहे हो तो इसका मतलब यह नहीं कि वह वास्तव में नहीं है। और मैं पूरी तरह यकीन करता हूं कि अड़चनें यही दर्शाती है कि किस चीज की तुम्हें कितनी सख्ती से जरुरत है। गतिरोध उस बात की परीक्षा होती है कि तुम्हारे लिए भविष्य में जो पुरस्कार रखे है उसके लिए तुम कितने *तैयार* हो। ज्यादा तर लोग सामने दीवार दिखने पर हौसला छोड़ देते हैं, मैं नहीं।

"ठीक है, दोस्तों।" टाय ने रेसिंग स्कीज को वैक्सिंग करते हुए कहा, "मुझे पता है कि दिन खत्म होने के पहले तुम्हें और दो शिक्षकों से मिलना है, और मुझे भी काम पर लौटना है। इसलिए अब मैं रुपवर्णी शब्द स्पार्क को खत्म करता हूं। आर शब्द तुम्हें इस बात का फर्क महसूस कराएगा कि प्रतिसाद देना (रिस्पांड) और उस पर प्रतिक्रिया देना (रिएक्ट) क्या होता है। जब चुनौतियां उनके सामने भगदड़ मचाती है तब आज के ज्यादातर कारोबारी उस जाल में फंसते है और अपने काम के समय सबसे अंतिम स्तर का फायर अलार्म बजाना शुरु करते हैं यानि तब वह जाग जाते हैं। वह सुबह उठते है। काम पर जाते हैं, और अपना पूरा समय *प्रतिक्रियाशील* होते हुए गंवाते है। *उलझनों से उलझ कर बाहर आने के बजाय, वह उसी में अटक जाते हैं और उसी का ही एक हिस्सा बन कर रह जाते है। वह नेतृत्व गुण दिखा कर समस्या का समाधान ढूंढ़ने के बजाय उसी का हिस्सा बन कर रह जाते हैं।* दोस्त, काम पर चुनौतियों का सामना करने की आदत मत डालो। समस्या का प्रतिसाद देने में *महारत* हासिल करो। तनाव में बेहतरीन काम करो। जो चीजें तुम्हारे हाथ में नहीं है उसके बारे में चिंता न करो और जो चीजें तुम्हारे हाथ में है उन्हें सुधारने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक दो। *आगे बढ़ कर* काम करो। अगुवाई करने से तुम्हारी टीम के तुम ऐसे व्यक्ति बनोगे जिसने चीजे शुरु की। आगे बढ़ कर जीत हासिल करने वाले बनो। उस समय नतीजे हासिल करो जब अन्य लोग नेतृत्व करने का मौका मिलने का इंतजार कर रहे होंगे। याद रखो श्रेष्ठ नेता के जीवन सबसे बेहतरीन पल वह होता है जब सभी लोग यही सोचते है कि अब तुछ नहीं होगा और वह उसे कर दिखाते है। संकट के डर से पंगु होकर वह खड़े रहने के बजाय वह शांत रहते है। अपनी श्रेष्ठता दिखाते है और पूरा माहौल बदल देते हैं। यहां मैं जो कह रहा हूं वह एक गंभीर खेल खेलने जैसा है। वास्तव रुप में आज के दूसरी ओर जबरदस्त रूप से ध्यान भंग करने वाले आज के समय में सख्त रूप से प्रेरित होना और अवांछित

आवाजों को रोकने की जबरदस्त क्षमता के बारे में मैं बता रहा हूं। *हमेशा यह बात याद रखना कि अगुआई और कड़ी मेहनत ही उस शीर्षक जिसे सफलता कहा जाता है के लिए उत्तेजित करने वाला कार्य है।"*

"जब मैं सेना में था तब मैंने प्रेरित होने और कड़ी मेहनत करने का मतलब सीख लिया था। मैं ज्यादा मेहनत करूंगा और ज्यादा समय तक अभ्यास करूंगा। सेना में हमें आधारीय प्रशिक्षण के दौरान ही यह बात सिखाई गई थी, जिससे मैं बेहतरीन बना हूं। मेरा अनुमान है कि किसी भी चीज में से श्रेष्ठ हासिल करने की बात भुलना बेहद आसान है। हालांकि हमें उसे वक्त पर पूरा करने की जरूरत है। और स्पार्क शब्द में से के का मतलब?" मैंने पूछा।

"यह तुम्हें सम्मान, प्रशंसा (कुडोस) की याद दिलाएगा। उपाधि बिना नेतृत्व में विश्व में आज भी खराब चीजें कर रहे लोगों को उनका जीवन मान ऊंचे स्तर तक ले जाने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है। यह तुम्हें लोगों को चमकाने के लिए मदद करने की याद दिलाएगा। यह तुम्हें याद दिलाएगा कि लोगों की सराहना करने की जरूरत है- फिर चाहे उन्होंने चुनौती भरे और कठिन समय में छोटे से छोटा काम भी क्यों न किया हो। अपने जीवन के बचे हुए दिनों में उन बेहद दुर्लभ इंसानों में से एक बन जाओ जो लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए मेहनत करते है, लोगों में जो अच्छी बात है वह देखते है और वह उन लोगों द्वारा किए गए छोटे काम का भी तालियां बजा कर स्वागत करते हैं। ज्यादा तर लोग सोचते हैं कि नेतृत्व करने का मतलब लोगों की गलतियां सुधारना और जब वह कोई गलत काम करते हैं तो उनकी आलोचना करना। लेकिन यह सही नहीं है। सही नेतृत्व वही है जो दूसरों द्वारा किए गए सही काम की प्रशंसा करता है। और जब तुम अपने सहयोगियों को उचित सम्मान दोगे, एक बात याद रखना कि हम में से कुछ लोग गंभीरता से की प्रशंसा के बाद क्या करना है यह अच्छी तरह जानते है। लेकिन तुम्हारी प्रशंसा अगर पूरी तरह स्वीकारी नहीं गई हो तो उसका यह मतलब नहीं कि उसे तुमने उसे अच्छी तरह प्रसारित नहीं किया।"

"बहुत ही अच्छा मुद्दा, टाय। कभी कभी मैं भी जाल में फंसा हूं- दूसरों की प्रशंसा करने पर मुझे अस्वीकार किए जाने के डर के, मुझे इससे ऊपर आने की जरूरत है।" मैंने स्वीकार किया।

"बहुत अच्छी बात, ब्लैक। खुद के प्रति वचनबद्ध रहो कि अपने इर्दगिर्द के लोगों द्वारा किए गए काम को जुनूनी हद तक मनाओगे। श्रेष्ठ को पहचानो। अच्छे काम की प्रशंसा करो। श्रेष्ठता का सम्मान करो। अपने प्रबंधक द्वारा यह काम किए जाने का इंतजार न करो। *तुम* खुद करो। उपाधि बिना नेतृत्व करो, उपाधि बिना नेतृत्व करो, दोस्त।"

उपाधि बिना नेतृत्व करने के प्रशिक्षण का दूसरा नेतृत्व संवाद

कठिन समय ही श्रेष्ठ नेता तैयार करता है

५ नियम

श्पष्टता से बात करों (स्पीक विथ कैंडोर)
प्राथमिकताएं (प्रायोरिटीज)
दुर्भाग्यता ही मौकों को जन्म देती है
(एडवर्सिटीड ब्रीड्स अपॉर्च्युनिटीज)
जवाब विरुद्ध प्रतिक्रिया (रिस्पॉन्ड वर्सेस रिएक्ट)
सभी के प्रति सम्मान (कुडोस फॉर एवरीवन)

तुरंत उठाए जाने वाले कदम

पहले, अपनी डायरी में आपके संगठन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए इकलौती सबसे जरूरी बड़ी उपलब्धि लिख दें। उसके बाद लिखे कि क्यों आपको क्यों उसका सामना करना पड़ रहा है। अंत में वह तीन कार्यरत रखने के लिए जरूरी पुरस्कार लिखो जो, अगर आप पहाड़ी की चोटी पर पहुंचने के बाद और बदलाव लाने के लिए प्रारंभ करने के बाद पाना चाहते हो।

नेतृत्व का वह वक्तव्य जिसे याद रखना जरूरी है

जहां आपका सुख चैन का क्षेत्र खत्म होता है जीवन वहां से शुरु होता है

—नेल डोनाल्ड वॉल्श

अध्याय ६

तीसरा नेतृत्व संवाद : जितना ज्यादा गहरा संबंध होगा, उतना ही आपका नेतृत्व सशक्त होगा

सफलता का सबसे महत्वपूर्ण और इकलौता सूत्र यह है कि आप लोगों के साथ किस तरह मेलजोल करते हैं

—थिओडोर रुजवेल्ट

आप उसी समय अन्य लोगों से श्रेष्ठ काम करवा सकते हैं, जब आप खुद श्रेष्ठ काम करके दिखाएंगे

—हैरी फायरस्टोन

टॉमी और मैं न्यूयार्क पब्लिक लाइब्रेरी की ओर जब ड्राइव कर रहे थे तब मैंने, मुझे टाय से मिलवाने के लिए टॉमी के प्रति धन्यवाद जताया। एक साथ बिताए कम समय के दौरान, इस पूर्व स्की चैम्पियन ने मुझ पर गहरा असर छोड़ा था। दोनों, टाय और ॲना ने कुछ ऐसा करके दिखाया था, जो निश्चित तौर पर, मुझमें बदलाव लाने की वजह बना था। इन दोनों विशेष प्रशिक्षकों से मिलने के बाद, उपाधि बिना नेतृत्व के लिए जो मुख्य मुद्दे हैं वह पूरी तरह मेरे सामने स्पष्ट हो गए थे, जो है- *बदलाव की वजह* और चीजें अच्छी करो।

जैसे हम हमारे गंतव्य स्थान पर आगे बढ़ रहे थे, टॉमी और मैं नेतृत्व का मतलब और उसकी पद्धति जो दिखानी जरूरी थी, को लेकर गहरी सोच में डूब गए थे। हम चर्चा कर रहे थे कि कैसे आज के जमाने में हर एक व्यक्ति को उपाधि बिना नेतृत्व करने की जरूरत है और पीड़ित होने के निशान को खिसका कर उसकी जगह प्रति दिन नेतृत्व की ओर कैसे बढ़ा जाए। हम नेतृत्व करने के

लिए किसी भी उपाधि की जरूरत नहीं है वाले मुख्य सूत्र पर चिंतन कर रहे थे जो हमें ॲना ने हमारे साथ बांटा था और साथ ही ॲना द्वारा बताए गए परिवर्णी शब्द इमेज के पांच सूत्रों की भी समीक्षा कर रहे थे और किस तरह मैंने जो सीखा है उसका इस्तेमाल कर चमत्कारी सफलता हासिल कर सकता हूं के बारे में भी सोच रहे थे। उसके बाद टॉमी और कभी न भुलाए जाने वाले बर्फ के देवता टाय बॉइड द्वारा अभी अभी बताए गए कठिन समय में ही श्रेष्ठ नेता निर्माण होते है का जो सूत्र हमें बताया था, जिसके साथ ही उन्होंने रुपवर्णी शब्द स्पार्क का जिक्र कर बताया था कि इस सूत्र का पालन करने से किस तरह कोई व्यक्ति अंधेरे समय से निकल कर चमकीला नतीजा प्राप्त कर सकता है, का विश्लेषण कर रहे थे। और मैं स्पष्ट रुप से दोनों शिक्षकों के साथ हुए संवादों के प्रति मेरी दिलचस्पी को उजागर कर रहा था जिसकी वजह से मैं खुद में जबरदस्त बदलाव महसूस कर रहा था, मैं पुराने दिनों में फिर से लौटने को लेकर चिंतित हो गया था। और इस बेहद महत्वपूर्ण दिन के पिछले कुछ समय में मैंने जो अविश्वसनीय ज्ञान पाया था उसे खो जाने का डर मुझे सताने लगा था।

तुम असफल नहीं होगे। टॉमी ने मुझे आश्वासित किया। सिर्फ छोटे छोटे कदम उठाने की शुरुआत करो जो बाद में तुम्हारी आदत हो जाएगी। यह जंगल के उस नए रास्ते पर चलने जैसा है जिस पर तुम पहले कभी नहीं चले थे। सबसे पहले, रास्ता तुम्हें साफ नजर नहीं आएगा और तुम्हें लगेगा कि तुम रास्ता भटक रहे हो। लेकिन तुम जितना ज्यादा चलोगे उतनी ही वह राह तुम्हें आसान नजर आएगी। और फिर जल्द ही तुम में वह क्षमता आ जाएगी कि आंख मूंद कर भी तुम उस रास्ते पर चल सकोगे। उपाधि बिना नेतृत्व प्रकृति का दूसरा नियम है। *याद रखो, प्रति दिन छोटे बदलाव, ज्यादा समय काम, भौचक्के करने वाली सफलता की ओर आगे बढ़ाएगा।* बदलाव शुरुआत में हमेशा कठिन नजर आते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि यह जल्द ही साधारण बन जाते हैं। और तुम अच्छा महसूस करने लगोगो, ब्लैक द महान। टॉमी ने बिलकुल उसी तरह मुझे प्रोत्साहित किया जैसा कुछ समय पहले ही होटल में बातें करते हुए ॲना ने मुझे प्रोत्साहित किया था।

धन्यवाद। आपके इस के समर्थन की मैं बेहद प्रशंसा करता हूं। और मैं आपको हमेशा हर हालत में याद रखूंगा, ठीक है? मेरे कहने का मतलब है, अब आप मेरे गुरु हो। मैंने आत्मविश्वासभरे शब्दों में कहा।

जैसे जैसे हम लाइब्रेरी के नजदीक पहुंच रहे थे टॉमी चुप हो गए। मैं यहां सिर्फ तुम्हारे लिए आया हूं और सिर्फ तुम्हारे लिए, ब्लैक। अब मैं सतहत्तर वर्ष का हूं, और भविष्य में मेरे सामने क्या लिखा है मुझे पता नहीं, लेकिन मुझे किसी बात की चिंता नहीं है, मेरे दोस्त। सबकुछ अच्छा ही होगा।

टॉमी के इस वक्तव्य पर क्या कहा जाए यह मेरी समझ में नहीं आ रहा था। लेकिन जल्द ही उन्होंने हंसना शुरु किया, इसलिए मैंने भी उस बात पर ज्यादा सोचना बंद कर दिया।

दो और मुलाकातें और फिर हमारा काम हो जाएगा, ब्लैक। दो और शिक्षक और फिर तुम उपाधि बिना नेतृत्व के तत्वज्ञान के चारों सूत्रों से अवगत हो जाओगे। इसके बाद बुकस्टोर में लौटने के लिए तुम पूरी तरह तैयार हो जाओगे- और अपने निजी जीवन में भी- उन सभी अंदरुनी बातें और अभ्यास के साथ जो तुम्हें तुम्हारे अंदर के श्रेष्ठ नेता को उजागर करने के लिए जरुरी है। और जब तुम विश्वस्तरीय प्रदर्शन करोगे तब न सिर्फ ब्राइट माइंड बुक्स में तुम्हारा कैरिअर ऊंचा उठेगा, बल्कि तुम्हारे निजी जीवन का स्तर भी ऊंचा उठेगा। मुझे जॉन एफ. केनेडी ने जो कहा था उसके बारे में सोचने दो- 'खुशियों का अर्थ है अपनी शक्ति का श्रेष्ठता की सीमा पर पूरी तरह इस्तेमाल करना।' खैर, अब हम जिस शिक्षक को मिलने जा रहे है उसने अपना ज्यादातर समय शांघाय में बिताया है। वह उस कंपनी के सीईओ थे जो एक मल्टीबिलियन डालर वाली कंपनी हैं और जिसमें लगभग २५ हजार से ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। बेहद अनुभवी होशियार व्यक्ति। मैं तुम्हें बताना चाहता हूं। कुछ हद तक वह तुम्हारे जैसा ही है, सच में। टॉमी ने अपनी पोर्शे के खाने में से नीले रंग का सनग्लास निकाल कर आंखों पर चढ़ाते हुए कहा।

यह व्यक्ति वाकई किसी कला का अप्रतिम नमूना था। असली रुप में मौलिक। मुझे आशा थी कि आज का दिन एक साथ रहने के बाद आगे भी हम दोनों लंबे समय तक एक-दूसरे के संपर्क में रहेंगे। यह पूरी तरह साफ था कि टॉमी न सिर्फ उपाधि बिना नेतृत्व करने वाला तारकीय आदर्श था, बल्कि वह एक बेहतर इंसान का भी उत्कृष्ट उदाहरण था। हमें उनके जैसे और लोगों की जरुरत है।

न्यूयार्क सिटी पब्लिक लाइब्रेरी की सीढ़ियां चढ़ कर मुख्य हॉल में जब हम जा रहे थे तब दोपहर के लगभग तीन बज चुके थे। तेजी से चलते हुए हमें ऊंची छत और राजसी गलियारे मिले, हम हमारी अगली मुलाकात के लिए बेहद उत्सुक थे। मुझे वहां पर शांति का अहसास हो रहा था। इसलिए नहीं कि, टॉमी मेरे साथ थे, बल्कि फिर एक बार मैं किताबों के बीच में था।

"मैं तुम्हें छत पर लेकर जा रहा हूं, ब्लैक। शर्त है कि तुम इसके पहले कभी छत पर नहीं गए होंगे।"

"नहीं, मैंने कभी भी छत नहीं देखा।" मैंने स्वीकार किया। वास्तव में मैं जानता ही नहीं था कि ऊपर छत पर कुछ चमत्कारी देखने लायक भी हो सकता है।

"हां हम यहां पहुंच गए, मेरे दोस्त। हां, लेकिन और एक बात।" हमारी लिफ्ट बेहद धीमी गति से दुखदायक स्थिति में ऊपर जा रही थी तभी टॉमी ने रहस्यमय तरीके से कहा।

हम बेहद उत्साहित थे, लेकिन जो मैंने देखा उससे मैं अचंभित हो गया। मैं आगे बढ़ता गया- नहीं, मैं डर भी रहा था और चकित भी हो रहा था। छत से न्यूयार्क शहर का का खूबसूरत क्षितिज नजर आ रहा था और पत्थरों से बनाए गया छत एक खूबसूरत बगीचे की तरह सजाया हुआ नजर आ रहा था। पूरे छत पर एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक विभिन्न रंग-बिरंगी फूलों के गमले रखे थे और उन पर उनके नाम और उन्हें कहां से लाया गया है इसकी जानकारी सलीके से लिखी हुई थी। जटिलता से काटी गई पत्थरों की मूर्तियां भी वहां पर थी जो चाइनीज किरदारों की थी, उन्हें भी सलीके से खाली जगह पर लगाया गया था, साथ ही ताजे ऑर्किड के फूलों की मालाएं दीवार पर टांगी हुई थी। वातावरण में जो खुशबू फैली थी वह अविश्वसनीय थी। पूरी तरह एक जादुई दुनिया नजर आ रही थी। इसके अलावा म्यूजिक सिस्टम में से बांसुरी का संगीत वातावरण में बज रहा था। मैंने इसके पहले इस तरह का अनोखा नजारा कभी नहीं देखा था।

अचानक, एक व्यक्ति फूलों से लदे लकड़ी के एक गमले के पीछे से झपट कर आकर सामने खड़ा हो गया। मैं चौंक गया। मैं उस व्यक्ति को पहचान नहीं पाया क्योंकि उसने चेहरे पर, फैंटम ऑफ द ऑपेरा में एक ने पहने हुए नकाब की तरह का ही नकाब पहना था। और वह अनजान व्यक्ति बार-बार एक ही शब्द दोहरा रहा था जैसे कोई बौद्ध भिक्खु अपनी सुबह की प्रार्थना करते हुए बुदबुदाता है। "यह सब लोगों के बारे में है, यह सब लोगों के बारे में है, यह सब लोगों के बारे में है!" मुझे डर लगने लगा। मैंने तुरंत ही टॉमी सुरक्षित है या नहीं यह देखने के लिए उनकी ओर देखा। मुझे जरा भी कल्पना नहीं थी कि यह अप्रत्याशित, सनकी जंगली आदमी क्या-क्या और कैसे कर सकता है।

"चलो यहां से निकले।" मैं जोर से चिल्लाया।

"बिलकुल नहीं।" वह भी बिना डरे हुए जोर से चिल्लाएं।

टॉमी जरा भी चिंतित नजर नहीं आ रहे थे। वह खूबसूरत फूलों के गमलों के बीच छाती पर हाथ रख कर चेहरे पर मनोरंजन होने का आनंद लेते हुए आराम से खड़े थे और उस अनजान व्यक्ति की ओर देख रहे थे। थोड़े ही समय में उनके चेहरे पर हंसी आई।

"नहीं, नहीं, जैकसन। हमें नए व्यक्ति को इस तरह डराना नहीं चाहिए।" टॉमी ने कहा।

अनजान व्यक्ति शांत खड़ा रहा। आहिस्ता से उसने अपना नकाब उतारा। वह एक खूबसूरत दिखने वाला साठ वर्ष की उम्र के आसपास का व्यक्ति था। मैंने अंदाजा लगाया। वह सीन कॉनरी और कन्फ्यूशियस को मिला कर जैसा व्यक्ति दिखेगा वैसा दिख रहा था। मुझे पता है कि ऐसी कल्पना करना बेहद

कठिन है, लेकिन वह मुझे ऐसा ही दिख रहा था। और उसके व्यक्तित्व की उर्जा तुरंत ही स्पष्ट रूप से व्यक्त हो रही थी।

"शायद यह बुकस्टोर का वही प्रख्यात ब्लैक है।" उस व्यक्ति ने दयालुता के साथ कहा। नेताओं की तरह उन्होंने अपने दोनों हाथों से मेरे हाथ अपने हाथों में लिए। मैं सिर्फ निश्चिंत ही नहीं हुआ, मुझे यह भी महसूस हुआ कि यही वह मेरे तीसरे शिक्षक है, बल्कि उनके द्वारा जिस तरह उल्लेखित किया गया था, मुझे महसूस हो रहा था कि मैं बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति हूं। यह व्यक्ति पूरी तरह मुझ पर ध्यान दे रहा था। इर्दगिर्द की दुनिया उनके लिए ज्यादा मायने नहीं थी। मैंने सुना था कि कुछ लोगों में ऐसी क्षमता होती है कि वह किसी को भी यह महसूस कराने में सफल होते हैं कि वह बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति है। यह शिक्षक निश्चित ही उनमें से एक था।

"ब्लैक, मैं तुम्हें जैकसन चैन से मिलवाना चाहता हूं। यह मेरा और एक गहरा दोस्त है।"

"यहां, इस तरह आओ ब्लैक, तुम्हें डराने का मेरा इरादा नहीं था। मैं सिर्फ तुम्हारी सांसे थोड़ी फुलाना चाहता था। और आज की इस उबाऊ दुनिया में जहां ज्यादातर लोग रह रहे है, थोड़ी उत्तेजना निर्माण करना चाहता था। आज के समय में जीवन हमारे लिए बेहद गंभीर बना हुआ है। आज हर कोई हर चीजों में चोटी पर पहुंचने के लिए व्यस्त रखे हुए है। हमें चिंगारी जलाने की और मजे करने की सख्त जरूरत है। मैं सिर्फ तुम्हें हसाना चाहता था। अगर मैंने तुम्हें ज्यादा तकलीफ दी होगी तो मैं माफी चाहता हूं। तुम थोड़े चिंतित नजर आ रहे हो।" जैकसन ने गंभीरता से कहा।

"चिंता की बात नहीं। केएमएफ।" मैंने जवाब दिया, टाय के नेतृत्व पाठ पर अमल करते हुए मैंने आसानी से कहा। मुझे ताज्जुब हो रहा था कि मैंने जो सीखा उसके साथ मैं कितना अच्छी तरह जुड़ गया हूं। शायद यह जो तरीका टॉमी ने मुझे प्रशिक्षित करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया है, जिसके बारे में मुझे पता नहीं है, जिसकी वजह से मैं जो सिखाया जा रहा है उसे मैने पहले जो कल्पना की थी, उसके मुकाबले बेहद आसानी से ग्रसित कर रहा हूं। और जैसा कि ॲना और टाय ने जिक्र किया था, रूपवर्णी शब्द नियमों को आसानी से याद रखने में मदद करते हैं। हमारी पहली ही मुलाकात में टॉमी ने कहा था कि पूरा प्रशिक्षण "स्वचालित" रूप से हो जाएगा। अब मुझे महसूस हो रहा है कि उनके शब्दों में सच्चाई है।

"मैं देख रहा हूं कि वह स्की ब्वॉय से मिल कर आ रहे हो।" जैकसन ने मजाकिया लहजे में कहा।

"हां, टाय से मुलाकात खत्म करके ही हम यहां आ रहे हैं। हमारे लिए वक्त निकालने के धन्यवाद।" टॉमी ने कृपालुता से कहा।

"हमेशा खुशी। खैर, टाय, कैसा है? पूरी गंभीरता के साथ, ब्लैक, अभी अभी तुम कठिन संघर्षमय स्थिति को बेहतरीन नतीजों में परिवर्तित करने में माहिर व्यक्ति से तुम मिल कर आ रहे हो। वह बहुत ही प्यारा इंसान है।" जैकसन ने स्नेहभरे शब्दों से सूचित किया।

"वह महान है। पूरी तरह से उत्साह से लबालब और अंतदृष्टी वाला, हमेशा की तरह।" टॉमी ने जवाब दिया। "उसने मुझे तुम्हें ढेर सारी शुभकामनाएं देने के लिए कहा है और कहा है कि वह जानता है कि जल्द ही वह तुमसे मिलने वाला है।"

"महान। जैकसन ने गर्मजोशी के साथ कहा। तो, ब्लैक। मैंने सुना है कि तुम इलाज कर रहे हो। प्रशिक्षण शुरु करने के पहले, मैं तुम्हारा धन्यवाद अदा करता हूं। मैं बेहद ग्रेटफुल हूं।" अपनी भावनाओं को उजागर करने के लिए उन्होंने बेहद सादे और आसान शब्दों का इस्तेमाल किया।

"आपका स्वागत है, जैकसन।" मेरा असली जवाब था।

"तो फिर मैं तुम दोनों के लिए क्या ला सकता हूं?" जैकसन ने विनम्रता से पूछा। "मेरे पास कॉफी, चाय और पानी है। और मैंने अभी अभी ताजा चॉकलेट चिप्स बिस्किट बनाए है- यह ऐसे बिस्किट है जिनमें चबाने लायक चॉकलेट के टुकड़े डाले हुए हैं।" उन्होंने आगे जोड़ा, ऐसा महसूस हो रहा था कि यह कोई पूर्व सुपरस्टार सीईओ नहीं बल्कि प्रथम श्रेणी का कोई व्यक्ति बोल रहा है।

"कुकीज भी अच्छी रहेगी।" मेरे जवाब देते ही हमारे मेजबान एक खिसकाने वाले दरवाजे से अंदर कहीं गायब हो गए और जब वह फिर से पधारे तो बिस्किट से भरा ट्रे लेकर आए, जिसे देख कर मुझे मेरी मां द्वारा बनाए गए बिस्किट की याद आई। बिस्किट की खुशबू से मुझे थोड़ा विषाद हुआ, मुझे मेरी मां बहुत याद आने लगी। बहुत ही।

"तो आप इस प्रकार से यहां इस कमाल के छत पर बैठ कर दिन भर बिस्किट खाते रहते हैं।" मैंने मजाकिया लेकिन संतुलित स्वर में कहा।

"कुछ इसी तरह।" जैकसन ने जवाब दिया और एक बिस्किट का टुकड़ा तोड़ लिया और उसका जायका लेने के लिए, आंखें बंद कर ली।

"वह यहां पर माली है, ब्लैक। यह पूरा छत अस्तव्यस्त और गंदगी से भरा था जिसे बदलने का जिम्मा इस महान दिव्यदर्शनदृष्टा व्यक्ति ने उठाया और उसे आज का यह अनोखा और नया रुप, जहां तुम खड़े हो, तैयार किया। उन्होंने देखा कि ज्यादा तर लोग इस जगह को कचरे का डिब्बा समझ रहे है, लेकिन यहां पर छुपे खूबसूरत मरुद्यान को वह देख नहीं पा रहे थे। और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि, उन्होंने अपने अवलोकन पर कार्य करते हुए वह यह अभूतपूर्व नतीजा सामने लेकर आए हैं जिसके तुम अभी एक गवाह हो।"

बगीचा कमाल का था। जैकसन अपने पिछले जीवन में एक कारोबारी के रुप में निश्चित ही रचनात्मक सुपरस्टार रहे होंगे।

“बहुत ही प्रभावशाली।” मैंने हामी भरी। मैंने अपने पूरे जीवन में इस तरह का चमत्कारी नजारा नहीं देखा था।

“कुछ साल पहले सीईओ की नौकरी छोड़ देने के बाद, मैं न्यूयार्क शहर में लौट आया। शांघाय कमाल का शहर है, लेकिन इस जगह को भुल नहीं पाया था। मैं घर आना चाहता था। अपने कारोबार में मैं बेहद सफल हुआ था इसलिए मुझे नौकरी करने की जरुरत नहीं थी, इसलिए मैंने मेरे महान मनोभाव को वास्तव जीवन में लाना तय किया, जो था : माली बनना। जब इस लाइब्रेरी के मेरे एक निदेशक दोस्त ने एक दिन सुबह न्यूयार्क शहर का नजारा दिखाने के लिए मुझे छत पर ले आए, तब मुझे मेरी यूरेका पल का अनुभव हुआ। उसी वक्त उसी जगह मैंने तय किया कि इस जगह को मैं ऐसी खूबसूरत जगह में तब्दील करूंगा, ऐसी जगह इसके पहले न तो किसी ने देखी होगी और न ही किसी ने उसके बारे में सोचा होगा। यह मेरी आज तक की सबसे बेहतरीन जीत है, ब्लैक। जल्द ही हम यह जगह आम लोगों के लिए खुली करने वाले है। इस तरीके से, जैसे हम सौभाग्यशाली इस समय इस जगह का आनंद ले रहे है, सभी लोग भी इस जगह का आनंद ले पाएंगे।”

“और क्या आप आगंतुकों का स्वागत इसी तरह नकाब पहन कर करेंगे?” मैंने मजाक करते हुए पूछा। “ईमानदारी से कहूं तो आपने दिन के उजाले में मुझे डरा दिया था।”

जैकसन हंसे- मेरे उत्साही स्वभाव की प्रशंसा करते हुए। “इस बच्चे को मैं पसंद करने लगा हूं, टॉमी। इसे यहां लाने के लिए बहुत धन्यवाद। मेरी एक ही निजी इच्छा होती है कि मैं हमेशा अच्छे, उत्साही और सकारात्मक लोगों में घिरा रहूं जो मुझे आनंदी बनाएं। मैं यह कह सकता हूं यह बिलकुल वैसा ही है। तो अब हम हमारे मुख्य काम की ओर मुड़ते है। जैकसन ने आसानी से संवाद का रुख बदलते हुए कहा, मुझे पता है कि अब तक तुमने उपाधि बिना नेतृत्व के बारे में काफी कुछ सुना है। टॉमी हमारे श्रेष्ठ छात्रों में से एक है, तो एक तरह से तुम उसकी ओर से प्रसारित होने वाले भाग्य की तरह हो।”

“एक तरह से वह मेरे अंदर बह रहे है।” मैंने टॉमी की ओर देखते हुए जवाब दिया, उन्होंने मुझे अंगुठा उठा कर स्नेहभरा इशारा किया।

“महान, ठीक है। आज मेरा काम नेतृत्व गुण के तत्वज्ञान के तीसरे सूत्र के बारे में तुम्हें जानकारी देना है- परिवर्णी शब्द के साथ जिसके पांच नियम तुम्हें समझाने के बाद तुम उसे अपने निजी जीवन में अमल में लाओगे और अपने जीवन में वास्तवता लाओगे।”

“क्या है वह?” मैंने पूर्वानुमान से पूछा।

“यह एक ऐसा मुख्य सूत्र है, जो दुर्भाग्यवश, आज के इस तेज गति से चलने वाले और आधुनिकीकरण से सजे समय में कारोबार करते हुए हम लोग भूल चुके हैं। और मैं इसे एक सीधी साधारण पंक्ति में पेश करना चाहता हूं :

तुम संबंध जितने ज्यादा गहरे बनाओगे, उतना ही तुम्हारा नेतृत्व सशक्त बनेगा। कारोबार करने का सबसे महत्वपूर्ण कारोबार जुड़ने का- और उसमें मूल्य जोड़ने का है- लोगों के लिए। अपना कैरिअर बनाने के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसे अवश्य याद रखना चाहिए- और अपने जीवन को श्रेष्ठ पुरस्कृत जीवन के रूप में निर्माण चाहिए।"

मैंने एक चीज महसूस की कि, मैं जिन भी शिक्षकों से मिला शुरुआत में ही उन्होंने मेरे साथ बेहद सशक्त कल्पना बांटी जो मुझे मेरे संस्थान में ही नेतृत्व करने के लिए मदद करने वाली थी। इनमें से हर एक ने जीवन को खुशी खुशी और अर्थपूर्ण तरीके से जीने की बात पर ही महत्वपूर्ण तरीके से जोर दिया था। इसने मुझमें कई तरह की अनुभूति पैदा की। अभी मैं पूरी तरह से उपाधि बिना नेतृत्व करने के प्रति वचनबद्ध हुआ था और खुद में श्रेष्ठ काम करने की लालसा लेते हुए मैं सोमवार को काम पर लौटने वाला था। मैं खुद को बेहद प्रोत्साहित महसूस कर रहा था। और पूरी तरह खेल खेलने के लिए तैयार था। लेकिन ज्यादा से ज्यादा, मैं खुद के निजी जीवन को नए सिरे से निर्माण करने के लिए पूरी तरह झोंक देने वाला था। मेरे काम के सफर की वजह से मैं उलझा हुआ और निराशावादी बन चुका था। मेरे और मेरी प्रेमिका के बीच कई तरह की समस्या थी। मेरा स्वास्थ्य भी ठीक नहीं था। और मैंने बेहद कम खुशी जीवन में देखी थी। लेकिन अब मैं पूरी तरह कुछ असली बदलावों के लिए तैयार हो गया था। और मेरे पास उन बदलावों के लिए जरूरी औजार और कल्पनाएं थी।"

"ब्लैक, कारोबार पूरी तरह लोगों के बारे में है। कोई भी संस्थान किसी इंसानी व्यापारिक जोखिम से ज्यादा नहीं है जो लोगों को एक साथ एक बेहतरीन सपना दिखाते हुए लाता है जिससे प्रेरित होकर वह अपने काम में अपनी पूरी क्षमता लगा देते हैं। आज के तकनीकी से, टूटने वाले, स्पर्धात्मक और कारोबार के बदलावों के समय में, हम में से ज्यादातर लोग यह बात भूल चुके हैं कि यह पूरा खेल रिश्तों का है- और लोगों को जोड़ने का। काम के स्थान वाली तेज गति की स्पर्धा की वजह से, नतीजे पाने के लिए संबंधों का त्याग किया जाता है। लेकिन सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि आप और आपके सहयोगियों के बीच गहरा रिश्ता- इसके साथ ही आपके ग्राहकों के साथ आपका रिश्ता- जितना गहरा उतना अच्छा और बेहतर नतीजा। वास्तव में, मैं इसमें और एक चीज जोड़ना चाहता हूं जिससे कारोबार और बेहतर बन सकता है। मुझे पता है यह बेहद आसान नजर आ रहा है, लेकिन कारोबार उससे भी आसान है। और ज्यादा से ज्यादा सफल कारोबारी लोग या श्रेष्ठ संस्थान चीजें उलझाने के बजाय अपने मूल्यों से चिपक कर रहते हैं। अन्य लोगों की मदद करने के लिए कारोबार एक वाहन है। कर्मचारी को काम में व्यस्त रखने के लिए उनकी अंतःशक्ति को पहचानना जरूरी है। और आपके ग्राहकों को उच्च स्तर की अभिलाषा को प्राप्त करने के लिए मदद करनी चाहिए।"

"यह बहुत ही उचित नजर आ रहा है, जैकसन, यह कल्पना कि कारोबार मूलतः लोगों को मदद करने के लिए समझाना है।"

"सच हमेशा सही होता है।" तुरंत ही भद्र जवाब आया।

मैंने उनके शब्दों को स्वीकार किया। और फिर मैंने उसमें जोड़ा : "समाज का प्रमुखता से कारोबार के प्रति यह विश्वास है कि कारोबार *पूर्ण रूप से* सिर्फ पैसे कमाने के लिए किया जाता है।"

"सच है। लेकिन यहां एक प्रोत्साहित करने वाली उस कल्पना को ध्यान में रखना चाहिए : जब तुम अपने अंदर के नेता को जागृत करोगे और अपने शेयरधारकों को उनकी अपेक्षा के मुताबिक ज्यादा कीमत दोगे, तो आपके द्वार पर लोगों की भीड़ लग जाएगी। आप न सिर्फ अच्छा काम करने की अनुभूति प्राप्त करेंगे, बल्कि आपके संस्थान में आने वाला मुनाफा देख कर आपकी आंखें चौंधिया जाएगी। *पैसा योगदान के पीछे चलता है।* अपनी सभी शाखाओं में अगर तुम ज्यादा मूल्य तयार करोगे- आपके सहयोगियों से लेकर ग्राहकों तक- तो तुम्हारा संस्थान अविश्वसनीय तरीके से आर्थिक सफलता हासिल करेगा। और तुम तुम्हारे कैरिअर में ज्यादा से ज्यादा सफलता हासिल करोगे।"

"तो इसका मतलब यह है कि मैं मेरा ज्यादा से ज्यादा ध्यान लोगों के साथ हर तरीके से मदद करते हुए अच्छे संबंध बनाने के लिए लगाऊं, और निजी सफलता अपरिहार्य रुप से हासिल हो जाएगी?"

"बहुत अच्छा। मैंने तुम्हें बताया था कि कारोबार बेहद आसान है। हम उसे जरूरत से ज्यादा कठिन बनाते है। जो चतुर कारोबारी लोग होते हैं वह उसे आसान बनाते है।"

यह सभी बातें बेहद बोधकारक है। बावजूद इसके मेरे लिए यह बात बेहद रोचक है कि यह तत्वज्ञान आज की दुनिया में आम नहीं है।

"सामान्य ज्ञान अब सामान्य नहीं रहा है, ब्लैक। लेकिन यह सब बदल रहा है। और यह सब बहुत तेजी से बदल रहा है। और जो कारोबारी लोग इस नई राह को पहचान नहीं पाते और कारोबार करते हैं, वह पीछे रह जाते है। जिन पुरानी मूल्यों पर कारोबार किया जाता था वह मूल्य अब टूटने लगे है। वह मूल्य आज जो हम पूरी तरह बदल चुकी दुनिया में जी रहे है, उसमें कारगर नहीं है। तकनालाजी, वैश्विकरण और समाज में तेजी से हो रहे उतार-चढ़ाव ने समाज में कारोबार की नई दुनिया निर्माण की है। आज के नए जमाने में पुराने मूल्यों पर टिके रहते हुए कारोबार करना पूरी तरह पागलपन है। और जो बदलावों को नकारते हुए पुराने मूल्यों से चिपके रहते हैं वह कारोबार से समाप्त हो जाते हैं, उन डायनासोर की तरह जो करोड़ों वर्ष पहले हुए बदलावों के दौरान खुद को बदल नहीं पाएं। जिन संस्थानों के खुद के कारखाने है और जिन्होंने विश्व स्तर पर अपना उत्पाद स्थापित किया है यह वह है जिन्होंने अपने संस्थान में हर क्षेत्र

में उपाधि बिना नेतृत्व को बढ़ावा दिया है और उन्होंने लोगों से रिश्ते बनाने के लिए प्राथमिकता दी है।"

मैंने बगीचे की ओर देखा और जैकसन द्वारा सिखाई गई बातों का चिंतन करने लगा।

"खैर, असलियत में मैं तुम्हें यह बात सुझाना चाहता हूं कि, अगर तुम वाकई कारोबार में सबसे ऊंचे स्थान पर पहुंचना चाहते हो तो, तुम लोगों के साथ बेहद अच्छा बर्ताव करो। दीवार तोड़ कर अपने ग्राहकों तक पहुंचो। और अपने सहयोगियों की क्षमताओं को उजागर करने का अपना काम उचित तरीके से करो।"

"कर्मचारियों के विकास का काम मैनेजर का नहीं है, जैकसन? या फिर मानव संसाधन समूह का?" मैंने गंभीरता से पूछा।

"मेरे दोस्त, आज तुम जो नेतृत्व की नई परिभाषा सीख रहे हो उसमें यह बात नहीं है। अगर तुम उपाधि बिना नेतृत्व करना चाहते हो तो, यह उसमें नहीं आता। अगर तुम जीतना चाहते हो, तो तुम्हें अन्य लोगों को जीत हासिल करने के लिए मदद करनी चाहिए। और अपना वह काम करते हुए तुम अपने संस्थान में उच्च स्तर की काम करने की संस्कृति का निर्माण कर सकते हो। जहां पर हर कोई अपनी क्षमता को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। और अब *तुम्हारे काम का ही यह हिस्सा होगा कि उन लोगों के अंदर की श्रेष्ठता को उजागर करना जिन्होंने कभी भी अपने अंदर के इस श्रेष्ठता की कल्पना भी नहीं की होगी।*" जैकसन ने प्रोत्साहन देते हुए कहा।

वह थोड़ी देर रुके, गुलाब के फूल की खुशबू ली। फिर वह आगे कहने लगे- "डायनासोर मत बनना! तुम मारे जाओगे।" उन्होंने थोड़ी ऊंची लेकिन सम्मानजनक आवाज में कहा। "उपाधि बिना नेतृत्व करो! अब तुम अच्छी तरह जान गए हो कि नेतृत्व करने के लिए किसी उपाधि की जरूरत नहीं है। अपने सहयोगियों से श्रेष्ठ काम निकालने और अपने संस्थान के काम की संस्कृति को प्रभावित करने के लिए तुम्हें मैनेजर की उपाधि की जरूरत नहीं है। कंपनी के उन स्टेकहोल्डर्स जो तुम्हारी कंपनी के उत्पाद के प्रति सुसमाचार प्रसारित करते हैं और दी जाने वाली सेवा के बारे में बे सिर पैर की बातें करते हैं, के साथ मधुर संबंध बनाने के लिए तुम्हें अधिकारी होने की जरूरत नहीं है। तुम्हें सिर्फ इस बात की जरूरत है कि प्रति दिन तुम्हें अपने श्रेष्ठ काम को उजागर करना है और अन्य लोगों के जीवन में जबरदस्त बदलाव लाना है। सिर्फ इसी बात की जरूरत है, ब्लैक। और अगर तुम्हारे इर्दगिर्द कार्यरत रहने वाले, बेहतरीन और अच्छे लोग अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे होंगे तो तुम्हारा संस्थान कमाल की तरक्की करेगा- न सिर्फ अच्छे समय में बल्कि कठिनाई के समय में भी। अगर तुम अमरिका की श्रेष्ठ कंपनियों की ओर देखोगे, इनमें से हर एक कंपनी में न सिर्फ अच्छा मानव संसाधन है जो अपने उच्च स्तर की प्रतिभा के साथ काम कर

रहे हैं- बल्कि उनके पास ऐसे लोगों की भी टीम है जो संबंध बनाने में माहिर है। यहां देखो, ब्लैक, कारोबार किसी संवाद से ज्यादा नहीं है। और जहां तुम काम कर रहे हों वहां की काम करने की संस्कृति में अगर यह बात भूली गई हो और कर्मचारियों में आपस में अच्छे और मधुर संवाद नहीं हो रहे हैं, और एक-दूसरे के बीच अच्छे संबंध रखने का प्रशिक्षण नहीं दिया गया, तो संवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। और जल्द ही तुम्हारा संस्थान बंद हो जाएगा।"

जैकसन चलते हुए एक औजारों के बक्से के पास गया और उसने वह बक्सा खोला। उन्होंने एक पैकेट निकाला और वह फिर मेरे पास चल कर आ गए। जैकसन ने ऊंची इमारतों की प्रशंसा करना बंद कर दिया था और वह बगीचे के कुछ खूबसूरत फूलों की ओर देख रहे थे।

"यहां इसे खोलो।" जैकसन ने शिष्टता से मुझे कहा।

मैंने उनकी सूचना के मुताबिक वह पैकेट खोल दिया। पैकेट के अंदर बीज थे।

"अब मेरी पूरी जिंदगी बगीचे में ही बीत रही है, ब्लैक। यह मुझे चकित करना कभी बंद नहीं होगा जब मैं निष्फल जैसे दिखने वाले बीज को अपने हाथों में लेकर धीरज के साथ इनका पालनपोषण करता हूं, और उन्हें खूबसूरत पौधों के रूप में बड़ा करता हूं जो तुम्हारी आंखें देख रही है। और बिलकुल यही कल्पना अब मैं तुम्हारे साथ जो बात बांटने जा रहा हूं उसके सूत्र में है। अगर तुम लोगों के साथ बेहद मधुर संबंध बनाओगे- तुम्हारे बुकस्टोर के सहयोगी या फिर ग्राहक जिनके साथ प्रति दिन तुम्हारा संबध आता है- जो तुम्हारी सबसे पहली प्राथमिकता है, तो तुम्हें कैरिअर में सफलता और खुशी, वह सब कुछ प्राप्त होगा जिसे तुम संभालना चाहते हो। लेकिन बगीचे की तरह ही, इसके लिए काफी मेहनत और धीरज की जरूरत होती है। तुम्हें लोगरुपी बीज को प्रति दिन पानी से सींचना होगा और उनके साथ जुड़ना होगा, तुम्हें शायद पता चल गया होगा कि मैं क्या कहना चाहता हूं। लेकिन जो असाधारण पुरस्कार तुम्हें प्राप्त होगा उसे देख कर तुम्हें लगेगा कि तुम्हारी मेहनत सफल हो गई। एक चतुर माली हमेशा कहता है कि- "जैसा तुम बोओगे, वैसा ही फल पाओगे।"

"बहुत ही रोचक, जैकसन। अब मुझे पता चला है कि मैं अपने पिछले कुछ वर्षों में सिर्फ बहाने बनाता रहा था। मैं ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मेरे पास कोई उपाधि नहीं थी। मेरे पास कोई ताकत या अधिकार नहीं थे जिसके चलते मैं अपनी टीम बना पाऊं और अपने संस्थान के काम करने की संस्कृति को एक आकार दे पाऊं। मेरे जो सहयोगी मेरे पास आकर अपने अंदर के नेतृत्व गुण के बारे में बातें कर उसे बाहर लाने के लिए बाते थे उनको मदद करने में मैं व्यस्त रहता था इसलिए मेरे खिलाफ शिकायत की जाती थी। हर चीजों में आगे बढ़ कर काम करने के बदले मैं उन्हें जैसे दोषी ही ठहराता था, मैं बहुत ही दुखी, असफल और अटका हुआ पीड़ित बना हुआ था।"

"और जब तुम काम करते थे तो क्या तुम्हारे सहयोगी तुम्हारे पास आकर तुम्हारा उत्साह बढ़ाते थे और मदद करते थे?"

मैं थोड़ी देर रुका, "नहीं, वास्तव में नहीं।" वास्तविक रूप में मुझे लगता था कि मैं उनके अनुरुप नहीं हूं। मुझे नहीं लगता था कि मैं उनकी टीम का एक सदस्य हूं। मुझे उन लोगों के साथ जुड़ने की दिल से कोई इच्छा नहीं होती थी।

"आश्चर्य की बात नहीं है। तुम भी उनके साथ संबंध बढ़ाने के लिए प्रयास नहीं कर रहे थे। आज के पहले तुम अपने सहयोगियों के साथ अच्छे और मधुर संबंध बनाने के लिए समय जाया करना नहीं चाहते थे। मैं भी तुम्हें इसी बात के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूं तुम अपने सहयोगियों के साथ समय न बिताने का समर्थन नहीं कर सकते जिनके साथ तुम अपने जागृत घंटे बिताते हो। इसके बारे में सोचो, ब्लैक। तुम अपने जीवन का श्रेष्ठ घंटे, श्रेष्ठ दिन और श्रेष्ठ वर्ष अपने सहयोगियों के साथ काम करते हुए बिताते हो। क्या तुम्हें लगता नहीं जिनके साथ तुम अपने जीवन का इतना अच्छा समय बीता रहे हो, उनके साथ संबंध बना कर उन्हें समझ लिया जाए? तुम दोस्त बना सकते हो। तुम्हें महसूस होगा कि तुम्हारे साथ कोई है। तुम्हें महसूस होगा कि तुम्हें प्रोत्साहित करने वाला समूह तुम्हारे इर्दगिर्द है। और जब तुम्हारे सहयोगी देखेंगे कि तुम उन्हें मदद कर रहे हो, वह भी तुम्हारे साथ लेन-देन करेंगे। मानवी संबंधो में लेन-देन का नियम सभी नियमों में सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण नियम है। जब तुम अन्य लोगों को ईमानदारी से मदद करोगे, वह भी कुछ भी कर इमानदारी से तुम्हें मदद करेंगे। जब तुम अपने सहयोगियों के प्रति पूरा विश्वास दिखाओगे, वह भी तुम्हारे प्रति पूरा विश्वास रखेंगे। यह इंसानी फितरक है। अन्य लोगों को सफल बनाओ, तो वह भी तुम्हें सफल बनाएंगे। लेकिन अगर कोई सामने से आपका हाथ हाथ में लेना चाहेगा, उसके पहले आपको उसके दिल को जीतना जरूरी है। हां, और एक बात कृपा कर अवश्य याद रखना कि, उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले सहयोगी को एक टीम के रूप में ज्यादा हासिल करने के लिए बढ़ावा देते हैं न कि निजी रुप में। मुख्य मुद्दा यही है। इसके साथ ही यह भी याद रखना कि, उपाधि बिना नेतृत्व करने वाला ही पहला कदम उठाते हैं। संबंध बनाने की शुरुआत करने के लिए तुम्हारे पास किसी के आने का इंतजार करने के बजाय तुम्हें ही सामने वाले के पास जाना चाहिए। तुम्हें अगुवाई करनी चाहिए।"

"मैं ज्यादा से ज्यादा बदलाव देखना चाहता हूं।" मैंने पूछा। जब हम पहली बार बुकस्टोर में मिले थे तब टॉमी ने गांधीजी के वक्तव्य का भावानुवाद मेरे साथ किया था।

"सही। *जो चीज तुम ज्यादा पाना चाहते हो, उसे छोड़ दो।* सीखने के लिए यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मुद्दा है जो मैं तुम्हें दे रहा हूं। अगर तुम ज्यादा सहयोग चाहते हो तो, ज्यादा सहयोग देना चाहिए। अगर तुम ज्यादा प्रशंसित होना चाहते हो, तो तुम्हें भी लोगों की प्रशंसा करनी चाहिए। अगर तुम चाहते

हो कि तुम्हें सम्मान मिले, तो तुम्हें भी *सबसे पहले* अन्य लोगों को सम्मान देना चाहिए। और इसके बाद यह सब चीजें अपने आप तुम्हारे पास एक नदी के बहाव की तरह आ जाएगी। देना ही लेने की प्रक्रिया की शुरूआत है।"

"शीतल।" यही मेरा विचार सबसे पहले मेरे मन में आया और मैंने जवाब दिया।

"इसके साथ ही महत्वपूर्ण कल्पना की शुरुआत और मध्य में यह ध्यान रखना कि *अपने सहयोगियों को उनके अंदर जो प्राकृतिक रूप से नेतृत्व गुण है, उसे प्रोत्साहित करने के पहले इकलौता और सबसे श्रेष्ठ तरीका यह है कि जिस नेतृत्व गुण को तुम उजागर करना चाहते हो उसमें तुम्हें सबसे पहले श्रेष्ठता हासिल करनी होगी।* मुझे यकीन है कि आज पूरे दिन तुमने यह बात बार-बार सुनी होगी, लेकिन मैं भी इसे दोहरा रहा हूं क्योंकि इसे दोहराने की बेहद जरूरत है। *अन्य लोगों में बदलाव लाने के लिए, प्रेरित करने के लिए अपने उदाहरण से अगुवाई करना सबसे महत्वपूर्ण और सकारात्मक औजार है।* किसी को भी बदलाव लाने के लिए कहना पसंद नहीं आता। यह हमारी प्रकृति ही है जो हमें रोकती है। इसलिए जिन लोगों को तुम जानते हो उन पर बदलाव लाने के लिए दबाव डालने से वह खुद को पूरी तरह बंद कर देते है और उन्हें ऐसा लगता है कि तुम उनके निजी जीवन में दखल दे रहे हो। लेकिन जब *तुम* खुद उनके सामने *अपना* चमकीला और श्रेष्ठ उदाहरण पेश करोगे, तो उन्हें महसूस होगा कि ऐसा संभव है और हो सकता है। जैसे ही तुम अपनी हर गतिविधि में श्रेष्ठ नेतृत्व गण दर्शाओगे, तुम्हारा उदाहरण तुम्हारे सहयोगियों को भी उनका श्रेष्ठ काम करने के लिए तुरंत ही प्रोत्साहित करेगा। सबकुछ न्यौछावर करने से तुम अपनी एक अलग कहानी लिखोगे कि अपने सहयोगियों को प्रोत्साहित करने में तुम कितने महान हो और तुम्हारा वह हर सहयोगी भी अपनी एक अलग कहानी लिखेगा जिसमें वह यह लिखेंगे कि किसकी वजह से वह नेता बने। और एक अच्छे इंसान भी।"

बगीचे में घूमते हुए कुछ फूलों को कतरते हुए, कुछ गमलों की मिट्टी यहां से वहां करने और कभी कभी फूलों की खुशबू लेने के लिए रुकते-रुकते जैकसन ने भावपूर्ण तरीके से बात आगे जारी रखी।

"आप यहां बेहद खुश है। है ना?" मैंने पूछा।

"निर्वाणा।" उन्होंने जवाब दिया। "इतने वर्षों में मैं अपने कारोबार में भी बेहद खुश था। मैंने सोचा भी नहीं था कि प्रति दिन छोटे छोटे कदम उठाते हुए मैं कम समय में इतने ऊंचे स्थान पर पहुंच जाऊंगा। हम में से बहुत सारे लोग कैरिअर में विश्वस्तरीय सफलता हासिल करते है। बहुत कम लोग श्रेष्ठ काम लंबे समय तक करते रहते है। मुझे यकीन है कि टॉमी तुम्हे मेरी कहानी बताएंगे कि कैसे असाधारण महिला और पुरषों को साथ लेकर, उनके साथ काम करते हुए मैंने कंपनी को आगे बढ़ाया।"

"लेकिन मैंने सोचा था कि आप सीईओ थे?" थोड़े उलझन के साथ मैंने सवाल किया, क्योंकि जैकसन की बातों से लग रहा था कि जिस तकनॉलॉजी कंपनी में वह काम कर चुके थे, अन्य कर्मचारियों की तरह वह भी एक कर्मचारी ही थे।

"मैं था। लेकिन कभी भी मैंने अपनी वह दृष्टी नहीं खोई कि *विनम्रता ही सर्वश्रेष्ठ है।* 'सिर्फ विनम्र व्यक्ति ही उन्नति कर सकता है।' मशहूर जैज वादक वैनटन मार्सलिस ने कहा है। अकेले काम करने में कोई विशेषता नहीं है। और जितना बड़ा लक्ष्य, उसे हासिल करने के लिए तुम्हें ज्यादा से ज्यादा सहयोगियों की जरूरत होती है। जितना बड़ा सपना, उतनी ही महत्वपूर्ण टीम। मशहूर गणितज्ञ इसाक न्यूटन ने एक बार जो कहा था वह मुझे याद आ रहा है : अगर मैं अन्य लोगों से ज्यादा देख पा रहा हूं, तो इसका मतलब यह है कि मैं किसी विशाल व्यक्ति के कंधे पर खड़ा हूं। मैं, मैं ही सब कुछ हूं क्योंकि अन्य लोगों ने मेरे साथ काम किया और हम सब मिल कर पहाड़ी की चोटी पर पहुंचे और कंपनी को श्रेष्ठ कंपनी बनाया। मैं कभी यह बात नहीं भुला कि मेरे सहयोगी प्रति दिन अपने सुरक्षित घर और परिवार को छोड़ कर मेरे लिए काम करने दफ्तर आते है, और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते है। और जब हम अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हैं हम सब मिल कर उसका अनुभव लेते है, इसलिए जब मीडिया में से कोई, उदाहरण के तौर पर सफलता का श्रेय सिर्फ मुझे ही देता है तो मैं उन्हें एक रहस्य बताता हूं, और वह यह है कि : यह सफलता हमारी एक साथ जुड़ने की शक्तिशाली ताकत की वजह से हम सब ने पाई है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो, हम हमारी असाधारण जीत इसलिए हासिल कर पाते हैं क्योंकि हम सब मिल कर, हाथ में हाथ डाल कर काम करते है। हमें पता है कि हमारी सफलता सिर्फ एकसाथ रहने और हम सब एक है की भावना की वजह से ही प्राप्त हुई है। देखो, जो भी अपराजेय संस्थान होता है वह पूरे संस्थान के श्रेष्ठ संबंधों की श्रृंखला के प्रपातों की वजह से होता है, क्योंकि संस्थान का हर कर्मचारी अपना श्रेष्ठ काम अंतःप्रेरणा के नतीजो पर ध्यान केंद्रित कर करता है।"

इसके बाद जैकसन पानी से भरे पुल की ओर चल कर गए जहां सफेद लिली के फूल उगाए हुए थे। उन्होंने अपनी जेब में हाथ डाला और एक सिक्का निकाला।

जैकसन फूल की ओर झुके, उसकी खुशबू ली और सिक्का मुझे दे दिया।

"यहां, यह सिक्का पानी में फेंको, लेकिन उसके पहले अपनी कोई भी इच्छा बोलो। आज का दिन तुम्हारे लिए बहुत ही शुभ है।"

मैंने सिक्का पानी में उछाल दिया। टॉमी छत के दूसरे छोर से मुझे देख रहे थे। टॉमी अभी भी गरीब और गंदे ही नजर आ रहे थे, बिलकुल वैसे ही जैसे कुछ दिन पहले वह मुझे बुकस्टोर में मिले थे। उन्होंने अभी भी वही अजीब सा कोट पहना था, फटी हुई पैन्ट और स्पॉन्जबॉब स्क्वेअरपैन्ट की घड़ी। लेकिन अब मैं

उनकी सच्चाई देख रहा था, जो उनके बाहरी अनियमित दिखावे से कई अलग थी, वह एक असली नेता और बेहतरीन इंसान थे। और मैं उनकी कोई मदद नहीं कर पा रहा था, लेकिन उन्होंने मुझे जो बेहतरीन तोहफा दिया था उसके लिए उनकी प्रशंसा अवश्य कर रहा था। सीखने का वह तोहफा जिसकी वजह से मैं प्रवीणता से नेतृत्व कर सकता था, इस बात की चिंता किए बगैर कि मैं कहां काम कर रहा हूं और मेरे पिछले दिनों की घटनाएं क्या थी। हालांकि, मैं थोड़ा चिंतित होने लगा था। मैंने ध्यान दिया कि टॉमी वृद्ध व्यक्ति है। मुझे अचरज हो रहा था कि और कितने वर्ष वह जीएंगे। मुझे थोड़ा सा दुख हुआ।

देखो किस तरह पुल के चारों ओर पानी उड़ रहा है, सिर्फ इसलिए क्योंकि तुमने सिर्फ एक सिक्का पानी में फेंक दिया था, ब्लैक।" जैकसन ने सूचित किया।

"मैं देख रहा हूं।" मैंने आसानी से जवाब दिया।

"अच्छा है। संस्थानों में जो संबंध नजर आते हैं वही यह संबंध है। हर कोई महत्वपूर्ण है। और हर सहयोगी का काम गिना जाता है। और हर संबंध एक प्रवाह की तरह संस्थान में बहता है। एक बेहतरीन संबंध आगे के संवाद के लिए प्रेरित करता है, जो अगले स्तर पर ले जाता है। और इस लहर का परिणाम अंतिम रुप से तय करता है कि संस्थान की संस्कृति कैसी है और काम करने की जगह कैसी है और संस्थान जिन नतीजों को पाने वाला है उसकी विशेषता क्या है। जब मैं युवा था और अपनी पहली ही कंपनी में प्रशिक्षु के रुप में काम कर रहा था जहां मैंने ज्यादा समय काम नहीं किया, वहां पर हमारा जो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हुआ था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।"

"उसमें ऐसी क्या खास बात थी?" मैंने पूछा।

"वह बहुत ही खास था क्योंकि कार्यशाला के अंत में वहां पर मैंने सीखा कि गहरा संबंध, उच्च स्तर का भरोसा और खास कर मजबूत संबंध क्या होता है। फिर हमारी परीक्षा ली गई उसमें यह परखा गया कि हमें जो सिखाया गया था क्या वह हम सीख पाए है। इसमें आखरी सवाल था : 'उस कर्मचारी का नाम लिखिए, जो वृद्ध है और हर रात को वह हमारा दफ्तर साफ करता है।' ईमानदारी से कहूं तो मुझे पता नहीं था। मैं जब देर रात तक काम करता था तब उस व्यक्ति को दफ्तर साफ करते और कचरे का डिब्बा लेकर जाते हुए देखता था, लेकिन उसे जानने के लिए मैंने कभी वक्त ही नहीं निकाला। मुझे महसूस नहीं हुआ कि इसका भी कोई महत्व होगा। वह सिर्फ एक सफाई कर्मचारी था। मैं उस परीक्षा में नाकाम हुआ। उस सवाल का सही जवाब न दिए जाने से कोई भी परीक्षा में सफल नहीं हो पाया। और उस दिन मुझे जो सबक मिला, वह मैं आज भी साथ लेकर चल रहा हूं, और वह है : अगर तुम वाकई अपना कारोबार अपने क्षेत्र में उच्च स्तर पर ले जाना चाहते हो, तो याद रखना कि संस्थान में काम करने वाला हर व्यक्ति मायने रखता है। संस्थान में हर व्यक्ति महत्वपूर्ण

है। कारोबार से जुड़े जितने भी लोग है वह *सभी* एक-दूसरे से जुड़े होने की बेहद जरूरत है। क्योंकि अगर संस्थान के कर्मचारियों में आपसी संबंध अच्छे नहीं है तो इससे संस्थान की गुणवत्ता में कमी आती है। अच्छे संबंधों से कंपनी भी अच्छी बनती है। असाधारण संबंध तुम्हारी कंपनी को भी असाधारण बना देते हैं।"

"तो उस कर्मचारी का नाम क्या था?" मैने पूछ ही लिया।

"टिम।" जैकसन ने तुरंत ही जवाब दिया। "टिम टर्नर। उस दिन के बाद मैंने उससे पहचान बनाई। और मेरी नजर में वह एक अच्छा इंसान था, जो प्रतिकूल बच्चों के लिए काम करने के लिए अपना खाली वक्त देता था मुझे नहीं लगता कि कोई आदमी इतना समय दे सकता होगा, तत्वज्ञान की ढ़ेर सारी किताबें पढ़ी थी जितनी मैंने मेरे पूरे जीवन में नहीं पढ़ी हो, और एक बेहद संवाद साधने वाला व्यक्ति, ऐसा व्यक्ति मैंने मेरे जीवन में कभी नहीं देखा था। जिसे भी तुम मिलोगे- उनकी उपाधि बिना और उनकी दिखावट के बिना- वह किसी का बेटा हो सकता है या फिर बेटी। हर एक की अपनी कहानी होती है जो सुनने लायक होती है। और उससे हमें कुछ सीखने को भी मिलता है।"

"बहुत खूब।" मेरे मुंह से यही शब्द निकले।

जैकसन चूप रहे।

"क्या टॉमी ने तुम्हें यह नहीं बताया कि, कुछ वर्ष पहले ही मेरे पत्नी की कैंसर की वजह से मृत्यु हो गई।" लगभग फुसफुसाते हुए उन्होंने कहा।

"यह सुन कर मुझे बेहद दुख हुआ, जैकसन।" मैंने सहानुभूति दिखाते हुए जवाब दिया।

"तुम्हें दुख करने की जरूरत नहीं है। बावजूद इसके कि, मैं कंपनी में सबसे शक्तिशाली पद पर था और हमारी कंपनी कमाल का नतीजा दिखा रही थी, मैंने कभी भी पत्नी के साथ के रिश्ते को दरकिनार नहीं किया। अपने प्यारे लोगों को साधारण रूप से लिया जाने के जाल में मैं कभी नहीं फंसा। मैंने कभी भी रिश्ते की अहमियत को कम नहीं समझा। अब वह चली गई है, लेकिन मुझे कोई अफसोर नहीं है। जरा भी नहीं। मैं उसे बहुत याद करता हूं, लेकिन वाकई मुझे कोई अफसोस नहीं है। क्योंकि जिस तरह कारोबार में मैं अपने कर्मचारियों को प्राथमिकता देता था उसी तरह पारिवारिक जीवन में भी मैं अपने परिवार को प्राथमिकता देता था। लोगों को पहले स्थान पर रखो और फिर उसके इर्दगिर्द की बातों का ध्यान रखो। और असलियत में हम नेतृत्व के इस मुख्य सूत्र को भूल जाते हैं। आज का कारोबारी जगत पहले के मुकाबले काफी तकनीकी से भरा हुआ है, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि कारोबारी लोग कभी भी एक-दूसरे से अलग नहीं हुए है। आज हमारे पास इतिहास के किसी भी समय के मुकाबले तकनालाजी प्रचुर मात्रा में है, इसके अलावा मानवीयता में कमी होने का अनुभव हमें आ रहा है। और हम पहले के मुकाबले निश्चित तौर पर ही कृत्रिम

बन रहे हैं। लेकिन संभवतः हम कभी भी अनुचित नहीं बन सकते। वास्तव में मैं तुम्हें जो सुझाना चाहता हूं वह यह है कि श्रेष्ठ कारोबार पूरी तरह लोगों पर ध्यान केंद्रित करना ही है। उन पर भरोसा रखना है। उन्हें कार्यरत रखना है। उन्हें जोड़े रखना है। उनकी सेवा करना है। और उनका उत्सव मनाना है। *अगर तुम वाकई गंभीरता से कारोबार में सफल बनना चाहते हो, चलते रहो, बातें करते रहो, जीते रहो, सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र में सांस लेते रहो, श्रेष्ठ और दयालु बन कर हर उस व्यक्ति की मदद करो जिसे तुम मदद करना चाहते हो।"*

"क्या गजब तरीके से आपने बात सामने रखी है, जैकसन। इतने खुलेपन से यह बात मेरे साथ बांटने के लिए आपका बहुत धन्यवाद। मैं आपकी बात से पूरी तरह सहमत हूं। लोग ज्यादातर वास्तव रूप से बात करना पसंद नहीं करते। बातचीत करने के बजाय ज्यादातर लिख कर संबंध बनाए जा रहे है। रेस्तरां में लोग एक साथ खाना खाते हैं, लेकिन उनमें कोई संवाद नहीं होता। इतना ही नहीं लोग तो एक-दूसरे की ओर आंख उठा कर भी नहीं देखते। लोग खुद को दुनिया की नजरों से छुपाना चाहते है इसलिए कान में इयरफोन लगा कर गाने सुनते हैं या फिर मोबाइल मुंह के सामने रख कर बातें करते रहते हैं। मेरे माता-पिता, भगवान दोनों को आशीर्वाद दें, उनके पास ज्यादा कुछ नहीं था। लेकिन हर रात को वह पूरे परिवार के साथ खाना खाने पर जोर देते थे। खाने की मेज पर हम दिन भर हमने जो कुछ किया उसके बारे में एक-दूसरे को बताते थे। मुझे याद हैं हमारी छुट्टियां खुशियों से भरी होती थी। हम साथ में हंसते थे। हम एक-दूसरे को मदद करते थे। हम एक-दूसरे के साथ खुलेपन से बातें करते थे। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह सुनना बेहद अच्छा लगा कि आपके जैसा ही कोई और भी सफल है, जैकसन, जो इस तरह के रिश्ते को काफी महत्वपूर्ण मानता है।" एक पूर्व सुपरस्टार ने मेरे साथ जो कल्पनाएं बांटी थी उससे भावपूर्ण महसूस होकर मैंने कहा।

"अब मैं सिर्फ एक माली हूं।" उन्होंने असली रूप से विनम्रता से कहा। "लेकिन धन्यवाद। और जैसा कि मैं अपने दिन यहां इस खूबसूरत छत पर इन फूलों को बढ़ाने में बिता रहा हूं, वैसे ही तुम भी तुम्हारे संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति, तुम्हारे सहयोगी, तुम्हारे ग्राहकों को भी आगे बढ़ाते रहो, और तुम यह काम अच्छी तरह करोगे। और जब बात तुम्हारे सहकर्मियों की आएगी, एक बात अवश्य याद रखना कि जैसे ही तुम संबंधों को पोषित करोगे, यह अवश्य ध्यान रखना कि तुम उन्हें आगे बढ़ा रहे हो। उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले हमेशा श्रेष्ठता देखते हैं और जहां वह काम करते हैं वहां काम की संस्कृति तैयार करते है जहां वह फूल सकते हैं, इसी तरह एक अच्छा माली भी जानता है कि कौन सी मिट्टी किस पौधे के लिए खराब है और किसके लिए अच्छी।" जैकसन ने घोषित किया, जिसमें उनके पुराने कारोबारी वक्तव्य के कुछ बातों को उन्होंने जोड़ा था।

"और एक बात अवश्य याद रखना, लोग उन्हीं लोगों के साथ कारोबार करना पसंद करते हैं जिन्हें वह पसंद करते हैं। लोग उन्हीं के साथ कारोबार करते हैं जिन पर वह भरोसा रखते हैं। लोग उन्हीं लोगों के साथ कारोबार करना पसंद करते हैं जो उन्हें विशेष महत्व देते है। अन्य लोगों वीआईपी समझ कर उनके साथ उस तरह व्यवहार करो। तुम इस नेतृत्व शक्ति का इस्तेमाल उस बुकस्टोर में कर सकते हो जहां तुम काम कर रहे हो, ब्लैक। तुम्हारे सहयोगी तुमसे इस बात के लिए प्यार करने लगेंगे। और तुम्हारे ग्राहक तुम्हारे ऊपर झुंड़ की तरह टूट पड़ेंगे। और तुम्हारे कट्टर अनुयायी बनेंगे।"

"'कट्टर अनुयायी' बनना मुझे बेहद पसंद है।" मैंने उत्साह के साथ कहा। मैंने बिस्किट का एक टुकड़ा चबाया।

जैकसन रुके। उन्होंने बगीचे की ओर देखा। "मैं जानता हूं कि तुम दोनों अपने नियत कार्यक्रम पर हो, और मुझे कुछ बातें यहां दिन खत्म होने के पहले पूरी करना जरूरी है। लेकिन मेरे पास अंगार जैसे पांच नियम है जो मैं तुमसे बांटना चाहता हूं ताकि तुम उपाधि बिना नेतृत्व के तत्व में महारत हासिल करो जो मैं आज यहां तुम्हें बताने वाला हूं।"

"जो सूत्र आप मुझे सिखाने जाने वाले हो उसकी शुरुआत *जितना ज्यादा गहरा संबंध उतना शक्तिशाली तुम्हारा नेतृत्व यहीं से होती है ना?"* मैंने सिर्फ स्पष्टीकरण के लिए पूछा।

"बिलकुल सही। और बिलकुल उन्हीं दो शिक्षकों की तरह जिनसे तुम मिल कर आए हो, मेरे भी कुछ रुपवर्णी शब्द है जो तुम्हें यह शक्तिशाली नियम याद रखने के लिए मदद करेगा।

उन शब्दों को जल्दी बताओ। मैं इन रुपवर्णी शब्दों से प्यार करने लगा हूं।" मैंने जैकसन द्वारा दिए गए बिस्किट खाते हुए खुशी खुशी जवाब दिया।

"ह्यूमन (HUMAN)।" लकड़ी के एक खूबसूरत तख्त पर बैठते हुए उन्होंने कहा।

मैं हंसा। वह अच्छा है, है ना? कोने की कुर्सी पर बैठ कर सूरज की किरणें बदन पर ले रहे टॉमी चिल्लाए। अत्यंत विलक्षण तरीके से उन्होंने अपने पैरों के पास सफेद फूलों की पंखुडिया बिखराई।

जैकसन ने बातें आगे जारी रखी। "एच का मतलब है सहायता करना (हेल्पफुलनेस)। जैसा कि पहले मैंने तुमसे यह बात सांझी थी, कारोबार बहुत ही सुंदर तरीके से मूलतः सहायता करने के बारे में है। इसलिए यह एक महत्वपूर्ण विचार मैं तुम्हें दे रहा हूं ताकि तुम नेतृत्व में महारत हासिल करो, और वह है : *हमेशा तुम्हें जो तनख्वाह दी जा रही है उससे ज्यादा काम करो।* तुम्हारा मुआवजा सीधे रूप से तुम्हारे सहयोग पर निर्भर है, ब्लैक। कितनी बार तुमने महसूस किया है कि जब तुम किसी दुकान या रेस्तरां में जाते हो वहां के लोग वाकई, वाकई, वाकई काफी सहायता करने वाले होते है। बहुत ही विरला।

ज्यादा तर लोग इसी बेहोशी में अटके हुए है। यह लोग बेहद जब ग्राहक को मुख्य दरवाजे से आते देखते हैं तो असंवेदनशील बन जाते है, वह ग्राहकों को बेहद साधारण रूप में लेते हैं। वह भूल जाते हैं कि उनके सामने जीते-जागते लोग खड़े है- और यह वह है जो प्रति दिन रात को उनके घर पर खाने के टेबल पर उन्हें खाना दिलवाते है। सहायता करना बेहद आसान शब्द है साथ ही बेहद प्रभावशाली भी है अगर तुम इसे अपने डीएनए में शामिल करो तो, इस तरह से यह शब्द तुम्हारे दिल के अंदर बसा रहेगा और तुम अच्छे तरीके से काम कर पाओगे और जीवन जी पाओगे। सहायता करने वाले बनो। नहीं, खुद को वचन दो कि तुम *सबसे ज्यादा* सहायता करने वाले इंसान बन जाओगे।"

"एकदम सही। मैं यही कह पाया। जैकसन के शब्द मेरे दिमाग में विचारों का तूफान लेकर आए- और भावनाएं भी। नेतृत्व उस बात से भी बहुत ज्यादा था जिसका मैंने सपना भी नहीं देखा था। यह सिर्फ इतना ही नहीं है कि जो भी कोई आज जिंदा है, किसी संगठन या संस्थान में- कारोबारी, समाज या फिर देश में- वह अपनी प्राकृतिक शक्ति का इस्तेमाल कर दूसरे लोगों को जिसके लिए वह बने है उसके लिए प्रोत्साहित करे, साथ ही यह एक रास्ता है जिसके चलते हम हमारी बेहतर क्षमता को महसूस कर सकते हैं और अपने इर्दगिर्द के लोगों के बीच में अपनी महत्व बना सकते है।"

"क्या तुम जानते हो, ब्लैक। इंसानो में इंसानियत की यह भूख बेहद भीतर तक रहती है, फिर भले ही वह इस बात को जानते हो या नहीं। हर कोई चाहता है कि वह अपनी अंत:शक्ति को बढ़ाए और लोगों को भी आगे बढ़ाए। हम में से ज्यादा तर लोग यह जानने की कोशिश भी नहीं करते कि हम जीने के लिए काम क्या करते है, हम किसी तरह अंतर निर्माण करते है। और हम में से हर कोई इस तरह जीना चाहता है कि जीवन के अंत में उसे यह महसूस न हो कि उसने निरर्थक जीवन जिया है। जीवन के अंत में मरणशय्या पर पड़े हुए कोई यह नहीं चाहता कि पीछे मुड़ कर देखते हुए उसे महसूस हो कि उसने जीवन में कुछ भी उल्लेखनीय काम नहीं किया।"

इन शब्दों ने मुझे पूरी तरह ठंडा कर दिया। मैंने गहरी लंबी सास ली। मैंने चिंतन किया कि मैं किस तरह जी रहा था। और फिर मैंने महसूस किया कि अगर मैं अभी मेरे जीवन में गहरा बदलाव नहीं करूंगा, मेरा भविष्य आसानी से मेरे सामने मुझे बिलकुल उसी तरह पेश करेगा जैसा अनुभव मैंने पिछले कुछ वर्षों में लिया है। मैं नहीं चाहता था कि जीवन के अंत में मुझे महसूस हो कि मैंने साल में एक सरीका ही जीवन ८५ बार जिया।

"ह्यूमन में का यू मेरे लिए क्या लेकर आ रहा है। वह समझदारी का प्रतीक है। विश्वस्तरीय संबंध बनाने के लिए तुम्हें सिर्फ आश्चर्यजनक रूप से सहायक बनने की ही जरूरत नहीं है, बल्कि तुम्हारे लिए यह भी बेहद महत्वपूर्ण है कि तुम लोगों को समझने में महारत हासिल करो। और नेतृत्व गुण का और एक सबसे

महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि : गहराई से सुनो। *कम बोलो और ज्यादा सुनो।* अब तुम बहुत अच्छी तरह से सुनने वाले के लिए यह कहोगे कि यह 'मृदु कला' है। लेकिन यह एकदम ठीक नहीं है, मेरे दोस्त। अगर यह इतना आसान और मृदु होता, तो फिर क्यों वह इंसान जो यह अच्छी तरह जानता है कि गहराई से सुनना चाहिए खतरनाक प्रजाति बना है? कितने लोगों को तुम जानते हो जो वह कौन है, जब तुम उनसे बातें करते हो, तो वह तुम्हें महसूस कराते है कि उनके इर्दगिर्द की दुनिया रुक सी गई है क्योंकि वह गहराई से तुम जो बोल रहे हो उसे गहराई से सुन रहे हैं और तुम्हारे मुंह से निकलने वाले शब्दों पर गौर कर आगे कौन सा शब्द आएगा इसका इंतजार कर रहे है? ऐसे कितने लोगों को तुम जानते हो जो अच्छी तरह, पूरा ध्यान देकर सुनते है इतना ही नहीं तुम्हारे शब्दों के बीच की शांति को भी महसूस करते हो?

कोई भी नहीं। यह सोचा भी नहीं जा सकता है कि ऐसा कोई हो सकता है।" मैंने तुरंत ही जवाब दिया।

"आसपास ऐसे ज्यादा लोग नहीं है। इसीलिए यह सही तरीका है कि भीड़ में अपना अलग स्थान बनाने की। और उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले के श्रेष्ठ व्यक्ति के रूप में अपना नाम बनाने की। यह सही रूप से तुम्हें बेहद आगे ले जाएगा, ब्लैक। क्योंकि बहुत कम लोग हद से बाहर जाकर काम करने के लिए तैयार होते है। ज्यादा तर लोगों का अच्छे सुनने वाले व्यक्ति को लेकर यही मानना है कि सामने वाले की बात खत्म होने तक इंतजार किया जाए, ताकि वह उसका जवाब दे सके और तब तक मन में उसकी तैयारी कर सके। हम में से ज्यादातर लोगों का अहं जोर से चिल्ला कर यह कहता है कि सामने वाला जो बोल रहा है उसे सुनने के लिए हमारे पास कान नहीं है। ज्यादा तर लोग उचित तरीके से सुन ही नहीं पाते।"

"क्यों नहीं?" मैंने उस लुभावनी कल्पना से अभिभूत होकर पूछा "जिसमें उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए ज्यादा तर सुनना बेहद जरूरी है।"

"चीजों के मिलन की तरह। पहले, हम में से ज्यादातर लोग सामूहिक रूप से जुड़ना चाहते है। इसलिए ज्यादातर संदेश और विज्ञापन और सूचनाओं की तख्तियां प्रति दिन बम की तरह हमारे सिर पर आकर गिरती है जिससे हमारा दिमाग घूमने लगता है। लोगों का ध्यान भंग करने के लिए आज पहले के मुकाबले कई ज्यादा साधन उपलब्ध है। वह हमारा दिमाग काटते हैं और हमारी शक्ति खर्च करते है। इसी वजह से यह चीज बेहद दुर्लभ और महंगी चीज बन गई है। और हम जो भी प्रक्रिया करते है, हम उन लोगों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते जो हमारे साथ बातें कर रहे है। यह एक गुनाह है, क्योंकि वह ऐसा महसूस करते है। लोगों की सबसे बड़ी भूख यही होती है कि उन्हें कोई समझ ले। हम सभी में आवाज है। हम सभी उसे अभिव्यक्त करना चाहते है। और जब हम महसूस करते हैं कि कोई हमारी बात सुनने के लिए वक्त निकाल रहा है और उसे स्वीकार कर

रहा है, हम उस व्यक्ति के प्रति खुले हो जाते है। हमारा भरोसा, आदर और उस व्यक्ति के प्रति हम पूरी तरह प्रशंसक बन जाते हैं और उसके प्रति सम्मान बढ़ जाता है।"

"और इसके साथ ही हमारे संबंध भी आगे बढ़ते है।" मैंने सामंजस्य से कहा।

"बिलकुल सही। गहराई से सुनना एक बेहद वीरता- और दुर्लभ- गुण है जो नेतृत्व के बीचों बीच आता है। क्या तुम जानते हो, ब्लैक। बुकस्टोर में तुम्हारे काम का ज्यादातर हिस्सा उन लोगों को ऊपर उठाना है जो आंखों से आंसू बहाते हुए नीचे की ओर आए हुए हैं। और इसके लिए सबसे बेहतरीन तरीका यह है कि सुनने के लिए जगह तैयार करो जिसमें तुम्हारे ग्राहक और तुम्हारे सहयोगी शामिल हो जाए। तुम असलियत में उसकी बात सुन कर उसका *सम्मान* बढ़ाते हो। जैकसन रुके। उन्होंने शांति से सोचते हुए, डेजी का फूल तोड़ा और उसके डंठल को घुमाया।

हम बेहद कमजोर तरीके से सुनते है इसकी और एक वजह है और वह है अपना अहं, अहंकार, जैसा कि मैंने उल्लेख किया था।"

"सच में?"

"बिलकुल। इस बात की सच्चाई यही है कि हम में से ज्यादा तर लोग खुद को असुरक्षित जीव मानते हैं। इसलिए जब हम प्रति दिन काम पर जाते है, हम सोचते हैं कि लोग सोचे कि हम तेज है, ताकतवर है, और साथ में है। पूरी तरह अहंकार से लैस। हम पुराने हो चुके नेतृत्व के नमूने में अटके हुए है जिसमें यह कहा गया है कि श्रेष्ठ नेता वही है जो ज्यादा बातें करता है, जोर से बातें करता है और कम सुनता है। हम यह सोच कर गलती करते है कि जो ज्यादा बोलता है उसके पास सभी सवालों के जवाब है। गलत है। नेतृत्व सुनने के बारे में है। और दूसरे लोगों को भी अनुमति दे कि वह सुन रहे है। यही बड़े व्यक्ति की निशानी है। कुछ लोग वाकई भरोसा करते है कि सुनना एक मृदु कला है। लेकिन वास्तव में, यह बहुत कठिन है। और सिर्फ उस वीर व्यक्ति को ही संभव है जो अपना अहं दूर करता है और सामने वाले की बात सुनने के लिए दिलोजान एक करता है। इससे निश्चित ही शक्तिशाली और सुरक्षित इंसान बन जाता है जो अन्य लोगों की कल्पनाओं पर ध्यान देता है और पर्याप्त रूप से उसे सुनता है।"

जैकसन टॉमी की ओर गए और उनकी बगल में जाकर बैठ गए।

"यहां आओ, ब्लैक। जरा सूरज की रोशनी का मजा लिया जाए।"

मैनहटन शहर पर सूरज डूबने जा रहा था। आकाश में एक भी बादल नहीं था। ऊंचे टावर्स चमक रहे थे और मैं नीचे के घने यातायात का शोर सुन पा रहा था। मेरे दिमाग में एक विचार आया कि इन दो श्रेष्ठ लोगों के पास बैठने से मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण दिन जीवित हो गया है।

"यह वह चीज है जो वाकई बहुत अच्छी है, जो लोगों को अच्छी तरह समझने और उन्हें गहराई से सुनने की : आप उन्हें वह तोहफा दे रहे हैं जो उन्हें कभी नहीं मिला। ज्यादा तर लोग- और मैं भी इस बात को लेकर बेहद गंभीर हूं कि- पूरा जीवन किसी को भी यह जताए बिना कि श्रेष्ठ तरीके से सुनना और उसे महसूस करना क्या होता है जीते है। क्यों? क्योंकि हम चमत्कारी रुप से व्यस्त रहते हैं- और खुद में खोए रहते हैं। यह सभी बहाने हैं, निश्चित ही। लेकिन जब तुम सुनोगे- और आम तौर पर सुनने के मुकाबले अलग तरीके से- जो बोल रहा है उसे महसूस होगा कि तुम समझ रहे हो। किसी द्वारा आवाज सुनने की यह जो व्यक्तिगत भूख है तुम उसे खाना दे रहे हो। वह खुद को सुरक्षित महसूस करेंगे। भरोसा बढ़ेगा। और फिर कल्पना करो कि उसके बाद क्या होगा?"

"कोई सुराग नहीं, जैकसन।" मैंने आगे झुक कर रुचि जताते हुए जवाब दिया।

"क्योंकि वह खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे है, वह प्रति दिन सुबह अपने सुरक्षित घर से निकलते हुए बाहर की कठिन और तेज दुनिया से बचने के लिए अपने शरीर पर जो सुरक्षा कवच ओढ़ लेते हैं उसे आहिस्ता आहिस्ता निकाल देंगे। उनके जीवन में आने वाले लोगों से मिलने वाले निराशा और उत्साह भंग करने वाली बातों से बचाव करने के लिए वह अपने इर्दगिर्द एक सुरक्षा कवच बना लेते है, उसे वह धीरे-धीरे निकाल देंगे। वह व्यक्ति महसूस करेगा कि तुम वाकई उसकी चिंता करते हो। वह व्यक्ति महसूस करेगा कि तुम उसे जीत की राह पर ले जाना चाहते हो। उस व्यक्ति को यह महसूस होगा कि उसके बारे में तुम्हारे दिल में ऊंची जगह और रुचि है। इसलिए वह अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे।"

"लुभावनी प्रक्रिया।" मैंने जवाब दिया।

"हां है। और जब इसकी शुरुआत होगी, तब संबंध आगे बढ़ते हुए पूरी तरह सफलता हासिल करेंगे। तुम्हारे सहयोगी उस मैदान को पूजने लगेंगे जहां पर तुम खड़े हो। वह तुम्हारे समर्थक बनेंगे, तुम्हें प्रोत्साहित करेंगे, और फिर जब भी तुम्हें जरूरत होगी तुम्हारी मदद के लिए आगे आएंगे। और तुम्हारे ग्राहक तुम्हारे सद्भावना राजदूत बनेंगे और तुम्हारे नाम का उन सभी तक प्रचार करेंगे, जीवन के हर कोने पर, जहां जो उन्हें सुनना पसंद करते हैं।"

हम तीनों हंसने लगे। जैकसन का उत्साह कमाल का था। मैं देख पा रहा था कि नेतृत्व पर बातें करना उन्हें बेहद पसंद है, संबंधों की ताकत, और होशियार लोगों में बदलाव लाना।

"ह्यूमन का एम तुम्हें मिलाप (मिंगल) की याद दिलाएगा। बाहर जाकर अपने सहयोगियों से जुड़ जाओ और अपने ग्राहकों का जाल तैयार करो। वहां पर विस्मयकारी मुद्दे प्रवाहित होंगे। तुम्हें सकारात्मक नतीजे और चमत्कारी जीत हासिल होगी जिसकी तुमने कल्पना भी नहीं की होगी क्योंकि बाहर जाकर तुमने

उन लोगों के साथ मेलमिलाप बढ़ाया जिनके साथ तुम कारोबार कर रहे हो। जब लोग तुम्हारा चेहरा देखेंगे, वह उठ कर खड़े हो जाएंगे। वह तुम्हें जानने की कोशिश करेंगे। वह तुम्हें पसंद करने लगेंगे। और एक बात अवश्य याद रखना *लोग उन्हीं लोगों के साथ कारोबार करना चाहते हैं जिन्हें वह पसंद करते हैं।*"

"बिलकुल सही, जैकसन। मेरे बुकस्टोर में मेरे ग्राहक मुझे बेहद पसंद करते थे क्योंकि किताबों के प्रति मैं उत्साही था। और इसीलिए वह बार-बार आते थे।"

"आज के स्पर्धात्मक समय में, अपने संबंध स्पष्ट और मजबूत बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। आज का समय अपने कैबिन में छुप कर बैठने का *नहीं* है। कारोबार करने वालों के लिए आज का समय ईमेल की दीवार के पीछे छुपने के लिए *नहीं* है। आज का समय निश्चित ही बाहर निकल कर संबंध बनाने, अपना हाथ आगे बढ़ाने, और अपने सहयोगियों और ग्राहकों के साथ जुड़ने का है और उसी समय उन्हें वहां तक पहुंचने के लिए मदद भी करनी है जहां वह पहुंचना चाहते है। अपने स्टॉकहोल्डर्स के साथ बैठ कर कॉफी पिओ। अपने ग्राहकों के साथ खाना खाओ। इस बात का पता लगाओ कि रात को उन्हें कौन सी चिंता सोने नहीं देती और आज के भ्रम पैदा करने वाले और आकर्षित करने वाले कारोबारी समय में वह क्या महसूस करते हैं। उन्हें यह बताओ कि आप सिर्फ अच्छे समय में ही उनके साथ नहीं है बल्कि मुश्किल समय में भी उनके साथ ही रहेंगे। वह तुम्हारी इस बात को कभी भी नहीं भुलेंगे। और वह अपनी इमानदारी दिखा कर तुम्हें उस बात का पुरस्कार देंगे।"

"बहुत ही रोचक। और ह्यूमन शब्द के ए का मतलब क्या है?" मैंने उत्सुकता से पूछा।

"मनोरंजन करना (एम्यूज)।" जैकसन ने गर्मजोशी से जवाब दिया। "हम में से ज्यादा तर लोग सोचते हैं कि काम गंभीरता से करना चाहिए। हम इस बात से डरते है कि अगर हमने काम के समय हंसी मजाक किया और थोड़े मजे किए, तो लोग यह सोचेंगे कि हम काम करने के बजाय समय की बरबादी कर रहे है। लेकिन सच्चाई यह है, मेरे दोस्त : काम करते वक्त अगर तुम थोड़े मजे करते हो तुम्हारा काम और अच्छा होता है और उत्पादनशीलता भी बढ़ती है। आप जो भी काम कर रहे हैं अगर वह मजा लेकर किया जाए तो आप पूरी तरह सक्रिय रहते हैं। मजे की वजह से तुम काम करने में ज्यादा सहयोग दोगे। और जब लोग मजे लेकर काम करते हैं, तो पूरे संस्थान की ऊर्जा ऊंचे, और ऊंचे स्तर पर पहुंच जाती है। जब लोग काम करते वक्त खुद का मनोरंजन करते हैं, तो उनका तनाव भी कम हो जाता है, और वह अपने ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए ज्यादा अनपेक्षित रूप से ज्यादा काम करते है, और ज्यादा मेहनत करने के लिए वह उत्साहित रहते हैं। कृपा कर प्रति दिन तुम जब अपने बुकस्टोर में जाओगे मनोरंजन और कार्यरत रहने की कीमत जान लो। और अब जब तुम उपाधि बिना

नेतृत्व करने जा रहे हो, तुम्हें अपने इर्दगिर्द के सहयोगियों के साथ कार्यरत रहने और उनका मनोरंजन करने की जरूरत है।"

जैकसन ने अपनी घड़ी की ओर देखा। मुझ पर केंद्रित किए ध्यान और सिखाए जाने वाली बात पर दिए जाने वाले ध्यान को कम किए बिना, फिर उन्होंने तेजी से बोलना शुरु किया। "और ह्यूमन शब्द में से एन शब्द तुम्हें मेरे पसंदीदा नेतृत्व की एक कल्पना की याद दिलाएगा, ब्लैक।" जैकसन ने बात जारी रखी, उसी समय दोपहर का सूरज ऊंची दफ्तरों और पहाड़ियों के पीछे की ओर जा रहा था जिससे न्यूयार्क का खूबसूरत क्षितीज नजर आ रहा था। "पोषण (नर्चर), जैसा कि मैंने पहले तुम्हें बताया था, हमारी कुछ बेहतरीन स्थापित और लोकप्रिय कंपनियां डूब जाने के पहले, मैं मैं मैं विरुद्ध तू तू तू का ही कारोबार कर रही थी। कारोबार करने का पुराना तरीका सिर्फ पाने का था। यह पूरी तरह कम से कम देकर ज्यादा से ज्यादा पैसा, जितना हो सके उतने कम समय में कमाने के बारे में था। कंपनी के कर्मचारी और ग्राहकों के साथ तुम्हारे द्वारा संबंधों की गहराई और उसे चौड़ा करने कोई कीमत नहीं थी। ऐसा माना जाता था कि ग्राहक सिफ खर्च करने के लिए ही है। किसी एक ग्राहक को खो देना, क्योंकि तुम अपने शब्दों के पक्के नहीं हो या फिर तुमने जो वादा किया था वह पूरा नहीं कर पा रहे थे- चिंता की बात थी ही नहीं। दूसरा ग्राहक मिल जाएगा। और अगर तुम्हारा कोई सहकर्मी तुमसे खुश नहीं है क्योंकि उसके अच्छे काम की तुम प्रशंसा नहीं कर रहे हो क्योंकि तुम अनुचित हो- कोई समस्या नहीं। सिर्फ बाहर जाओ और उस इंसान रुपी पूंजी के बदले किसी और इंसान को ले आओ।"

"लेकिन क्या तुम्हें पता है यह जिस लिए इस्तेमाल किया जा रहा है वह बिलकुल ही कारोबार नहीं है। हमारे जीवन में एक-दूसरे से जुड़ने के लिए अभूतपूर्व तकनालाजी का परिचय करा दिया गया है, एक भी गुस्सैल ग्राहक कई ग्राहकों का रूप ले लेता है। यह सिर्फ एक ग्राहक के लिए ही काफी है कि वह आपकी प्रतिष्ठा और उत्पाद को पूरी तरह ध्वस्त कर सकता है। इसकी दूसरा पहलू यह भी है कि एक भी वह ग्राहक जिसे तुमने अच्छा प्रतिसाद दिया है वह पूरी क्षमता के साथ तुम्हारे साथ खड़ा रहेगा और तुम्हारे और तुम्हारे कारोबार के बारे में हजारों लोगों तक अच्छी बातें पहुंचाएगा। और जब सहयोगियों की बात आती है, तो इस नए विश्व में प्रतिभा ही ज्यादा मायने रखती है। तुम लोगों को सिर्फ धन ही नहीं समझ सकते। अगर एक सही कर्मचारी को तुम खो देते हो तो तुम्हारी कंपनी को ऐसा घाटा होगा कि जिसकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकते।"

"तो, मैं पूरी तरह जो बता रहा हूं, वह है पोषण करना, प्रशिक्षण देना। विस्मयकारी रुप से अच्छे बनो। अच्छा बनने का मतलब यह नहीं कि तुम कमजोर हो। कृपा कर दयालुता और कमजोरी में गड़बड़ मत करना। उपाधि

बिना नेतृत्व करने वाला अनुकंपा और साहस का अनोखा तालमेल बिठाता है। दोस्ताना रवैया रखो और ठोस भी रहो। गंभीर रहो साथ में मजबूत भी। हां, वह निश्चित रुप से ही लोग और संबंधों को प्राथमिकता देते है। लेकिन कोई यह नहीं कह सकता कि वह श्रेष्ठ काम करने के लिए नहीं कहते, लंबी वचनबद्धता और बेहतरीन नतीजा। वह कोमल *और* कठिनता को पूरी तरह नियंत्रण में रखते है। पूरी तरह इसे नियंत्रण में रखना संतुलन का बेहद दुर्लभ मुद्दा है। लेकिन लगन और अभ्यास से, तुम इसमें माहिर हो सकते हो। और अगर अच्छा बनना कारोबार करने की एक चतुराई है, तो फिर क्यों बेहद कम लोग इस पर अमल करते है? इसके लिए लोगों के साथ संबंध बनाने में महारत हासिल करनी चाहिए ताकि लोगों में से वह श्रेष्ठ काम बाहर निकाला जा सके जिसके बारे में वह खुद भी नहीं जानते। लोगों को अच्छी तरह जांचो- परखो, लेकिन साथ ही उनके साथ अच्छा सम्मान और दयालुता के साथ व्यवहार करो ताकि वह तुरंत ही उस काम में खुद को झोंक देंगे, जो उन्हें एक स्थान प्राप्त कर देने का सपना तुम देख रहे हो। अपनी प्रति दिन के अव्यवस्थित व्यस्तता के कामकाज के बावजूद अपने सहकर्मियों के साथ रिश्ता बढ़ाने के लिए उचित समय दे, अपने आसपास के लोगों के साथ चेहरे पर हंसी के साथ पेश आओ, सकारात्मक बातें करो, या फिर आपको उनकी चिंता है ऐसे संकेत पेश करो। यह सभी चिन्ह दब्बू व्यक्ति के नहीं है। नहीं, यह ढाढ़सी नेता के क्रियाकलाप है। इसलिए पोषकर्ता बनो। अभूतपूर्व रुप से चिंता करने वाले बनो। असाधारण रुप से अच्छे बनो। *जो भी तुमसे मिलता है उस हर व्यक्ति को अधिक अच्छा, खुश और ज्यादा कार्यरत बनाने की कोशिश करो, जो तुमसे मिलने के पहले वह नहीं था।* और फिर देखना कि वह तुम्हारे कैरिअर में क्या करके दिखाता है।"

"और तुम्हारी जिंदगी।" टॉमी ने छत पर लगी एक मूर्ति को निहारते हुए सूचित किया।

"ठीक है। मैं इतना ही कहना चाहता था, ब्लैक। *लोगों की चिंता करो तो पैसा तुम्हारी चिंता करेगा। लोगों को उनका लक्ष्य हासिल करने के लिए मदद करो, और लोग तुम्हारा हर एक सपना पूरा करने के लिए मदद करेंगे।* जिन लोगों के साथ तुम कारोबार करोगे उन्हें महा सफल बनाओ, और फिर वह भी तुम्हें भी महासफल बनाने के लिए निश्चित ही मदद करेंगे। विनिमय का नियम नेतृत्व और इंसानी प्रवृत्ति का गहन नियम है।"

"मैं इसे याद रखूंगा, जैकसन।" मैंने प्रशंसा करते हुए कहा।

"विलक्षण। सिर्फ एक बात याद रखना कि यह नियम बहुत ही साधारण तरीके से यही बयान करता है कि लोग प्राकृतिक स्वभाव से ही उनके प्रति जताए गए तीव्र दायित्व को तुरंत ही दयालुता और मदद के रुप में उन्हें लौटाना चाहते है जिन्होंने यह काम किया है। हमारे में यह सहज इंसानी प्रवृत्ति है कि जो हमसे अच्छा है हम उनके साथ अच्छा बर्ताव करे। इसलिए अन्य लोगों के लिए मूल्यों

को तैयार करना और उनके प्रति बहुत ही अच्छा बनने से उनमें इसके बदले में कुछ वापस देने की इच्छा जागती है। अब निश्चित ही तुम यह सब एक अच्छी नीयत से करना चाहोगे। तुम्हें लोगों के साथ अच्छा बनने की जरूरत है क्योंकि यही सही तरीका है, उन पर अहसान कर उस अहसानों के बदले उनसे अच्छा काम कर लेने के बजाय। किसी चीज की अपेक्षा रखते हुए उन्हें मदद करना और देना यह सबसे वास्तविक उपहार है। इससे कुछ भी कम उपहार नहीं हो सकता। और जब तुम यह उपहार सोचसमझ वाले दिमाग से उदारता से दोगे, जैसा मैं कह रहा हूं, चकाचौंध करने वाला सकारात्मक नतीजा तुम्हारे सामने आएगा।"

"मैं तुम्हें पूरी तरह सुन रहा हूं।" मैंने जवाब दिया, मन ही मन यह इच्छा रखते हुए कि काश, मेरे पास इस विश्वस्तरीय विचारक लेकिन अब माली का चोला पहने व्यक्ति के साथ बिताने के लिए और समय होता।

जैकसन ने अपनी जेब में हाथ डाला और बीज का और एक पुलिंदा निकाला।

"यहां, ब्लैक, यह बहुत ही दुर्लभ सूरजमूखी के बीज है। लोगों को आगे बढ़ाने की याद दिलाने के लिए। उन पर भरोसा करने के लिए। उनकी देखभाल करने के लिए। उनका पोषण करो। उन्हें पानी दो। अपना श्रेष्ठ उन्हें दो। और फिर देखना कि कितना बेहतरीन पौधा उगता है। मुझे पता है कि यह बेहद भावनिक लग रहा है। लेकिन रुपक हमेशा प्राकृतिक नेतृत्व का सच ही बयान करता है : *कारोबार में जीतने के लिए वाकई लोग बेहद महत्वपूर्ण मूलतत्व है।"*

"और इनमें से एक संबंध ही श्रेष्ठ जीवन के लिए एक बेहद जरूरी हिस्सा है।" टॉमी ने दिल टूटने वाली आवाज में आगे जोड़ा।

जैकसन चल कर आए। "मेरे दोस्त, मुझे थोड़ा प्यार दो।" उन्होंने कहा और उन्होंने मुझे अंतिम बार गले से लगाया, "तुमसे मिलना बेहद मजेदार था, मैं यह कह सकता हूं कि तुम एक शालीन इंसान हो। यह आज के जमाने में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि *वास्तविकता* आज पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हुई है। और मेरे मन में जरा भी शंका नहीं है कि तुम एक बेहतरीन उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले बनोगे जो ज्यादा से ज्यादा लोगों के जीवन को प्रभावित करेगा। हे, मुझसे यह वादा करो कि तुम इन बीजों का इस्तेमाल करोगे। इन बीजों से जो फूल उगेंगे वह निश्चित ही तुम्हारे दिमाग को खुश कर देंगे।"

बिना उपाधि के नेतृत्व की दार्शनिकता का तीसरा संवाद

जितना ज्यादा गहरा संबंध, उतना ही सशक्त नेतृत्व

५ नियम

मदद करने के लिए तैयार (हेल्पफुलनेस)
समझदार (अंडरस्टैन्डिंग)
घुलमिल जाना (मिंगल)
मनोरंजन करना (एम्यूज)
पोषण करना, प्रशिक्षण देना (नर्चर)

तुरंत उठाए जाने वाले कदम

उस व्यक्ति के बारे में सोचने के लिए पांच मिनट का समय लो, जिसका तुम्हारे जीवन पर जबरदस्त और गहरा असर हुआ है। ऐसी कौन सी तीन चीजें है जिसकी वजह से वह इतने विशेष बने है? किस तरह तुम वह भरोसा / आचरण और काम करने के तरीके को अपने काम और घर में आज से ही शामिल करोगे?

याद रखने के लिए नेतृत्व का उद्धरण

अकेले के दम पर महान नेता बनने की इच्छा रखने वाला या फिर सभी कामों का श्रेय खुद लेने की चाह रखने वाला कभी भी महान नेता नहीं बन सकता।

—एंड्रयू कार्नेजी

अध्याय ७

नेतृत्व का चौथा संवाद : श्रेष्ठ नेता बनने के लिए, पहले अच्छा इंसान बनो

अगर हर कोई खुद से संतुष्ट रहा तो दुनिया में कोई नायक नहीं होगा।

—मार्क टवेन

हम जब मीटपैकिंग जिले में पहुंचे तब शाम हो रही थी। यह इलाका पश्चिम दिशा की नीचली तरफ था जो आधुनिक और फैशनेबल लोगों के लिए विख्यात था, साथ ही यहां पर फैशनेबल कपड़े बेचने की कुछ बहुत अच्छी दुकाने थी। टॉमी शांत थे। लेकिन मुझे यकीन था कि उनके दिमाग में कुछ अवश्य चल रहा था।

"ब्लैक, मेरे दोस्त।" वूडू नाम के एक महंगे रेस्तरां की ओर चलते हुए उन्होंने कहा। "अब जल्द ही तुम चार शिक्षकों में से आखरी और चौथे शिक्षक से मिलोगे। और एक असाधारण इंसान जो तुम्हारे साथ उपाधि बिना नेतृत्व दार्शनिकता का चौथा और अंतिम सूत्र बांटेगा ताकि तुम अपने अंदर के नेतृत्व गुण को बाहर निकाल कर उससे श्रेष्ठ प्रदर्शन ले सको। और उसके बाद, साथ रहने का हमारा समय खत्म हो जाएगा।" इसके बाद टॉमी ने एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने मेरी ओर से नजरे हडा कर दूसरी ओर फेर ली। उन्हें आह भरते हुए मैंने सुना।

"लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं प्रति दिन तुम्हें काम की जगह पर देखूंगा, टॉमी। और जब मैं सोमवार को काम पर जाऊंगा तब सिर्फ देखना कि किस तरह मैंने इस सूत्र पर अमल करना शुरु कर दिया है। मैं बुकस्टोर में फिर से जाऊंगा। सिर्फ देखना! अभी से मैं मौलिक बदलाव महसूस कर रहा हूं। मुझे पूरा यकीन है कि हमारे बुकस्टोर में मैं एक रॉकस्टार बन जाऊंगा।" उत्साह की चरम सीमा के साथ मैं लगभग चिल्लाया।

टॉमी शांत रहे। रेस्तरा में प्रवेश कर जब हमने बेसमेंट की ओर जाने के लिए सीढ़ियां उतरनी शुरु की, टॉमी किसी उद्देश्य से टकटकी लगा कर देखने लगे। यह जगह बंद और मैली नजर आने की जगह, वह बेहद साफसुथरी नजर आ रही

थी और मार्डन आर्ट को स्वीकार करते हुए कलाकृतियों को काले धातू की फ्रेम में दीवारों पर सजा कर रखा था। हम जब कॉरिडॉर से जा रहे थे, मधुर संगीत सुनाई दे रहा था और काले कपड़े पहने हुए लोग लालित्य दिखाते हुए यहां से वहां से जा रहे थे। शायद हम चिल आउट लाउंज या फिर इसी तरह की किसी जगह की ओर जा रहे थे। निसंदेह मुझे पता नहीं था कि टॉमी मुझे कहां ले जा रहे है या फिर वह मुझे किस ओर ले जाना चाहते हैं, तब तक जब तक हम एक शीशे के दरवाजे के पास नहीं पहुंचे, उस हरे शीशे के दरवाजे के बाहर लिखा था- 'अंबर स्पा एंड वेलनेस सेंटर', उसके नीचे लिखा हुआ था: 'जेट ब्रिसले, प्रमाणपत्र धारक मालिश चिकित्सक।'

"ब्लैक द महान, अपने चौथे और अंतिम शिक्षक से मिलने के लिए तैयार हो जाओ। टॉमी ने हल्के से कहा। वह बहुत ही विस्मयकारी है, लेकिन पहले हमें हमारी बारी आने का इंतजार करना होगा। जैसा कि तुम देख रहे हो, वह बहुत ही लोकप्रिय व्यक्ति है।" टॉमी ने निरीक्षण करते हुए, फैशनेबल लोगों की भीड़ से भरे वेटिंग रूम की ओर इशारा करते हुए कहा।

"यह शिक्षक एक मालिश चिकित्सक है?" मैंने पूछा।

"अं, हां। बहुत ही उत्तम लोगों में से एक। जब से मैं उसे जानता हूं उसने मुझे कई बार मालिश किया है और मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता कि मैं कितना बेहतर महसूस कर रहा था जब वह मालिश करता था। जेट ने जादूभरे हाथ पाए हैं। ब्लैक, क्या तुमने इसके पहले कभी मालिश करवाया है?"

"नहीं, मैंने कभी कोशिश नहीं की।"

"अच्छा। तो अब तुम्हें कोशिश करनी चाहिए।"

"क्या वह मुझे मालिश करेंगे?"

"सिर्फ अगर तुम भाग्यशाली होगे तो।" टॉमी ने जवाब दिया। "सिर्फ, अगर तुम भाग्यशाली होगे तो। इस बात में कोई शक नहीं है कि पूरे न्यूयार्क शहर में जेट जैसा बेहद मालिश चिकित्सक नहीं है। वॉल स्ट्रीट के सभी बड़े लोग उसके पास अपना तनाव कम कर खुद को नया तरोताजा बनाने के लिए आते हैं। फिल्म कलाकार और सुपरमॉडेल्स भी इस वेटिंग रूप में अपनी बारी आने का इंतजार करते हुए नजर आते हैं। मैंने तो यह भी सुना है कि ब्रिटिश राजघराने के भी कुछ सदस्य जेट को तीर्थयात्री की भेंट देने आते हैं और खुद को नया और तरोताजा बना कर वापस लौटते है। वह जो भी कर रहा हैं उसमें वह जबरदस्त प्रतिभावान है। और इस पूरी दुनिया में मेरा सबसे अच्छा दोस्त।"

"तो फिर हम कतार में खड़े होकर इंतजार क्यों कर रहे है?" मैंने गंभीरता से सवाल पूछा।

"क्योंकि वह इन सबसे ऊपर है।" टॉमी ने जवाब दिया। "वह दिल का साफ है, वह एक संपूर्ण व्यक्ति है, बिलकुल उन्हीं शिक्षकों की तरह जिन्हें तुम आज मिले हो। जो सही है वही वह करता है, ठंडे और उबाऊ तरीके से नहीं,

लेकिन अंधाधुंध और सही तरीके का कुछ इस तरह संतुलन बना कर कि बहुत कमाल का नतीजा सामने आता है। हे, यह कुछ कविता की तरह लग रहा है, है ना, ब्लैक? टॉमी ने आंखे मिचकाते हुए और मेरी पीठ पर मजे से थाप मारते हुए कहा।

लगभग तीस मिनट के बाद, हम जेट ब्रिसले के सामने बैठे हुए थे। न्यूयार्क के सुपरस्टार मालिश चिकित्सक। जेट ने हमारी एक नजर डाली। टॉमी को देखते ही, उनके चेहरे पर भव्य मुस्कुराहट फैली। हाई, टॉमी। मुझे ताज्जुब हो रहा है कि आगे चलते रहना तुम कब बंद करोगे। तुम्हें देखना बहुत अच्छा लग रहा है। तुम्हारे यहां आने से मुझे वाकई बेहद खुशी हो रही है।

उन दोनों दोस्तों ने एक-दूसरे को गले लगाया और फिर मजाकिया रूप में संदूक जैसा दिखावा करने लगे। शायद अपनी दोस्ती को जताने का उनका यह रिवाज होगा। मैं वहां चुपचाप खड़ा होकर स्कूली बच्चों की तरह एक-दूसरे के साथ उत्साह से मिलने वाले उन दो दोस्तों को देखता रहा। बड़ा ही मनोरंजक दृष्य था वह। यह वाकई मेरे लिए एक अविस्मरणीय दिन था।

मैं शर्त लगा कर बता सकता हूं कि यह बुकस्टोर में काम करने वाला ब्लैक ही है। जेट ने, मेरी ओर मुड़ कर अपने दोनों हाथों में मेरा हाथ लेते हुए कहा- इस तरह से राजनेता ही हाथ मिलाते है।

तुमसे मिल कर बहुत अच्छा लगा। असली जोश के साथ उन्होंने मेरा स्वागत किया।

मुझे भी खुशी हुई, जेट। मैंने जवाब दिया। नीचे तुम्हारे बहुत प्रशंसक बैठे हुए है।

इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं, ब्लैक। लेकिन मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि मैंने यह कमाया भी है। तुम जिन लोगों से मिले हो उनके मुकाबले मैं आज भी ज्यादा मेहनत करता हूं। सपना पूरा करने के लिए, आशाएं रखने के लिए और खुशी प्राप्त करने के लिए, खून, पसीना और आंसू की जरूरत होती है। मेरे परिवार में लोगों को उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए तंदुरुस्त रहने के लिए मदद करने की परंपरा है। इस व्यवसाय में यह मेरी चौढ़ी पिढ़ी है। मैं इसे एक कला के रूप में देखता हूं। और मुझे मेरे काम में बेहद संतुष्टी मिलती है क्योंकि मैं जानता हूं कि लोग अपने काम में बेतुके नहीं रहते, जब तक कि वह खुद को अंदर से बेतुके नहीं बनाते। अगर तुम में ऊर्जा नहीं है तो तुम अन्य लोगों को ऊर्जावान नहीं बना सकते। और यह लगभग असंभव ही है कि तुम लोगों को खुद के प्रति अच्छा महसूस कराओ क्योंकि जब तुम खुद विशुद्ध रूप से अच्छे नहीं हो। मेरा लक्ष्य यही होता है कि प्रति दिन मैं ज्यादा से ज्यादा लोगों को तंदुरुस्त और खुश रहने के लिए मदद करूं। खैर, मेरे बारे में बहुत हो गया। अब तुम्हारे ऊपर ध्यान देने की जरूरत है। पहले, मैंने सुना है कि तुम इराक में कार्यरत थे।

"हां, जेट। उसे बहुत समय हो गया। और इस नियुक्ति की वजह से मुझे फिर से नागरी जीवन में आने के लिए काफी दुख झेलना पड़ा। मैं वाकई बेहद हतोत्साह हो गया था और पिछली यादों में ही अटका हुआ था। लेकिन अब मैं उत्साह से यह कह सकता हूं कि आज मैंने जो उपाधि बिना नेतृत्व के गुर सीखे उसकी वजह से ही, मैं खुद में अविश्वसनीय रूप से बदलाव महसूस कर रहा हूं। अब मैं समझ गया हूं कि यह मुझे बेहतर बनाएगा। और जो समय मैंने युद्ध के दौरान बिताया था वह मेरे लिए एक संधी थी जिसकी मदद से मैं जो भी करूंगा उसके नेतृत्व में महारत हासिल कर सकता हूं।"

"यह बिलकुल सही है, ब्लैक। लेकिन तुमने जो कुछ किया है उसके लिए मैं तुम्हारा तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। और जो भी त्याग तुमने किया है मुझे आशा है तुम करके दिखाओगे। तुम और तुम्हारे सहयोगी फौजियों ने बहुत कुछ किया है हर एक अमरिकन नागरिक के लिए। धन्यवाद।

आपका स्वागत है, जेट। मैंने विशालता से कहा। यहां आना बहुत ही अच्छा लग रहा है।

तो मैं अब उस ओर मुड़ता हूं जिसके लिए टॉमी तुम्हें यहां मेरे पास इस स्पा में सिखाने के लिए लेकर आए हैं। यह ठीक है?

बिलकुल।

अब तक तुम खूबसूरत ॲना से मिल कर उपाधि बिना नेतृत्व का पहला पाठ पढ़ चुके हो।

नेता बनने के लिए मुझे किसी भी उपाधि की जरूरत नहीं है। मैंने तुरंत ही पढ़ी हुई बात बता दी।

बहुत खूब। इसके साथ ही तुम हमारे दोस्त स्की किंवदति, करिश्माटिक पूर्व प्रो एथलिट टाइ बॉयड से मिले हो, और दूसरा सूत्र से भी परिचित हो चुके हो। याद है न, ब्लैक। जेट ने अजूबे के साथ जोर से पूछा।

निश्चित ही। *मुश्किल समय में ही श्रेष्ठ नेता तैयार होता है।* मैंने पूरे आत्मविश्वास से जवाब दिया।

सुपर्ब। जेट ने ताली बजाई। यह व्यक्ति बहुत ही होशियार है, टॉमी। इस बत्ते ने पाठ अच्छी तरह समझ लिए हैं। उन्होंने हंसी के साथ सूचित किया।

मुझे पता है। टॉमी ने दीवार पर लगी कला को निहारते हुए जवाब दिया। मुझे इस पर बेहद गर्व है।

बिना उपाधि के नेतृत्व दार्शनिकता का तीसरा सूत्र है जितना ज्यादा गहरा संबंध, उतना ही सशक्त नेतृत्व। मेरे एक साथी जैकसन एक आगे की सोचने वाले मालीने तुम्हें यह शक्तिशाली सूत्र सिखाया होगा। इसके लिए मैं निश्चित हूं।

और मेरे पास बीज भी है उसके सबूत के रूप में। मैंने कहा और फिर मेरी जेब में से पुलिंदा निकाला।

जेट फिर हंसे। हां, वह बहुत ही शांत व्यक्ति है। और इसीलिए उसने तुम्हें मेरे पास भेजा है। मैं पूरी तरह चौथा और अंतिम सूत्र हूं, ब्लैक। और यह एक बेहद महत्वपूर्ण है। यह मैं पूरे दृयूमिलिटी के साथ कहता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि यह बिलकुल सही है। यह सूत्र नींव है जो अन्य सूत्रों को साथ लेकर चलता है। इस सूत्र को अच्छी तरह सीखे बिना तुम उचित तरीके से उपाधि बिना नेतृत्व नहीं कर सकते।

और वह सूत्र क्या ह्यै मैंने अधीर होकर बिनती की।

यह बात तुम्हारे साथ बांटने के पहले, क्या मैं तुमसे एक सवाल कर सकता ह्यूं जेट ने बेहद नम्रता से पूछा।

निश्चित ही।

तुम इस बारे में क्या सोचते हो जब एक व्यावसायिक खिलाड़ी ने अपने लॉकर रूम में एक पत्रकार से कहा कि उसने अब फैसला किया है कि वह आगे और नहीं सीखेगा, वह सभी तरह का अभ्यास बंद कर देगा और किसी भी तरह का पूर्वाभ्यास भी नहीं करेगा- फिर भी उसे यकीन था कि वह खेल के मैदान में एक सुपरस्टार की तरह प्रदर्शन करेगा।

मुझे लगता है कि वह थोड़ा पागल है। मैंने सरलता से जवाब दिया।

“सही। जेट ने अपनी गर्दन हिलाते हुए कहा। इसमें कोई समझ नहीं, ऐसा ही नय बावजूद इसके, ब्लैक, हम काम पर इस आशा के साथ जाते हैं कि हम खेल में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, हम में से कितने लोग कारोबार के क्षेत्र में खेलने के पहले सीखने के लिए वक्त निकालते है, अभ्यास करते है और खुद को तैयार करते है?”

ज्यादातर कारोबारी लोग ऐसा नहीं करते। मैंने इमानदारी से स्वीकार किया।

सटीक। और फिर भी वह चाहते हैं कि वह नतीजे पाने में सफल हो जाएं। यह उस खिलाड़ी के पागलपन से अलग नहीं है जो सर्वविजेता बनना चाहता है बिना किसी स्थिति के। इसीलिए उपाधि बिना नेतृत्व का यह अंतिम सूत्र प्रशिक्षण और अपने अंदर के नेतृत्व गुण को मजबूत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जिसकी वजह से तुम जब काम पर जाओगे तो सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंच जाते हो। और इस तरह से इस अंदरुनी ताकत को बढ़ाने के लिए तुम्हें गहरा बदलाव और तनाव को कम कर सुंदर *अपराजेयता* चेहरे पर लानी होगी।

बहुत ही लुभावनी बात, जेट। मैं जब स्कूल में फुटबॉल खेलता था, मैं खेलों से प्यार करता था, इसलिए तुम्हारे खेल का रुपक वास्तव में घर पर भी नजर आता था। और यह पूरी तरह सही है, अब मैं उस बारे में सोच रहा हूं। बुकस्टोर में जाने के पहले अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाने के लिए मैंने किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था, और फिर मुझे ताज्जुब हो रहा था कि मुझे बेहतर नतीजा क्यों नहीं मिल रहा है। मेरा अंदाजा है कि मैं मेरे काम में निजीगत रुप से

जिम्मेदारी नहीं उठा रहा था। मैं एक पीड़ित के रूप में खेलने के अब मेरे सामने और भी सबूत आ रहे है।

एक श्रेष्ठ नेता बनने के पहले, एक अच्छा इंसान बनो। यह बिलकुल सीधे तरीके से सीधी बात है। एक बेहतरीन संस्थान वास्तव में अपने हर काम में निजी श्रेष्ठता दिखाने वाले उन लोगों से भरा रहता है। इसलिए तुम और तुम्हारे सभी सहयोगियों को अपने अंदर के नेता को जगा कर और उससे पूरी तरह श्रेष्ठ काम करवाने की जरूरत है, तुम्हारी कंपनी अपने आप ही उच्च स्थान पर पहुंच जाएगी। क्या तुम्हें इसमें कुछ समझदारी नजर आ रही ह्यै जेट ने उत्साह से सवाल पूछा

बहुत ही समझदारी मैंने जवाब दिया।

श्रेष्ठता बाहर से अपने अंदर शुरु होती है जेट ने आगे जोड़ा तुम तब तक अपने काम में जबरदस्त प्रदर्शन नहीं दिखा सकते जब तक तुम्हें अंदर से नहीं लगेगा कि तुम्हें जबरदस्त प्रदर्शन दिखाना है। तुम प्रतिस्पर्धा में तब तक विश्वस्तरीय मजबूती नहींदिखा सकते जब तक तुम्हारा दिमाग अंदर से मजबूत नहीं है। और तुम्हारे सहयोगियों के श्रेष्ठ काम को उजागर करना तब तक संभव नहीं है जब तक तुम खुद अपने श्रेष्ठ काम से जुड़ नहीं जाते। यह अंतिम पाठ पूरी तरह निजी नेतृत्व के बारे में है। *सबसे पहले अपने आप को आगे बढ़ाओ, उसके बाद ही तुम वह दूसरे लोगों को आगे ले जाने वाले नेता बनोगे।* अपने आप को पूरी तरह समर्पित करो अंदर से पूरी तरह सशक्त बनने के लिए ताकि बाहर से तुम कभी असफल न होने वाले नजर आओ। सचमुच रुप से खुद के लिए परिश्रम करो ताकि आपके भीतर गहराई तक सोई हुई जो दबी संपत्ति है वह पूरी दुनिया के सामने उजागर हो सके। अपने नकारात्मक भरोसे और गलत अनुमान साफ करने की शुरुआत करो ताकि तुम बन सको और साथ ही अपनी गहरी उपलब्धी को निर्माण कर सको। अपनी निष्क्रिय अंतःशक्ति, भव्य महत्वाकांक्षा और उच्च लक्ष्य के साथ गहरा रिश्ता बनाने के लिए स्वजागृति को विकसित करो। अपना चरित्र ऊंचा बनाने के लिए, अपनी शुद्ध नीयत और बड़ा काम करने के लिए दिल के अंदर से काम करने की जरूरत है। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कठिनता से प्रशिक्षित करो ताकि प्रति दिन तुम ऊर्जा से भरे और जीवनशक्ति का तेज दिखा सको। तुम्हें पता है, सफलता ऊर्जा से जुड़ी हुई है।"

"अब मैं इस बात को पूरी तरह समझ गया हूं।" मैंने जवाब दिया।

"एक बेहतरीन इंसान और खुद को आगे बढ़ाने का मुख्य हिस्से में शामिल है अपने अंदरूनी जीवन में भावनात्मक आयामों को साफ करना, जो अप्रसन्नता लेकर तुम चल रहे हो उसे दूर करना, और पिछले दिनों की यादों के कचरे कोसाफ करना। यह सभी कुड़ा तुम्हें धीमा बनाता है और तुम्हारी श्रेष्ठता को उजागर होने से रोकता है। और असली स्व-नेतृत्व में वृद्धि करने के लिए जरूरी

है अपने आध्यात्मिक जीवन पर काम करने की, ब्लैक, इन संबंधों को ऊंचे स्तर तक संवारना ताकि तुम काम करते हुए तुम्हारे श्रेष्ठ वर्ष बिताओ जो तुम्हारी मौत के बाद भी जारी रहेगा।

"मेरी मौत?"

"हां, ब्लैक। जीवन क्षणभंगुर है। तेज जीवन में यह थोड़ी देर ही चमकता है, जब तुम वास्तव में उसे पाओगे। अपनी पैतृक संपत्ति के बारे में और अपने अंतिम दिन में तुम किस रूप में याद किया जाना चाहते हो इस बारे में सोचने का समय है। इस तरह तुम अपना जीवन उल्टे तरीके से जी सकोगे और निश्चित ही तुम्हारा अंत बेहतर होगा।"

इस बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था। जेट द्वारा दिए गए एक बेहतरीन अंत के सुझाव की शक्ति में अटक कर मैं बुदबुदाया। इस कल्पना ने मेरी रीढ़ की हड्डी में कंपकंपी फैलाई।

"दुर्भाग्यवश, हम में से ज्यादा तर लोग यह जान नहीं पाते कि काम क्या है- और जीवन क्या है- तब तक हम जब तक हम बूढ़े नहीं हो जाते और कुछ करने की ताकत नहीं रहती। जेट ने बातें आगे जारी रखी। *ज्यादातर लोग यह जान नहीं पाते कि अंत के पहले तक किस तरह जीवन जिया जाए।* अपने श्रेष्ठ समय में, ज्यादातर लोग मूर्च्छा में चले जाते है। उन्हें इस बात की चेतना नहीं होती कि वाकई जीवन में महत्वपूर्ण क्या है: नेतृत्व दिखाने, अपनी क्षमता को पहचानने, और विश्व में बदलाव लाने के लिए अपने काम से अपनी जिम्मेदारी निभाने से तुम वह व्यक्ति बन जाओगे। उसके बाद, सन्निकटता के अंत से आने वाले जागते रहो के बुलावे से लड़ते रहो, यह नींद में चलने वाले सतही तौर के परे गहराई तक खोदना शुरु करेंगे। वह महसूस करने लगेंगे कि जन्म से ही उन्हें चकित वाली क्षमता का कीमती तोहफा मिला है, इसके साथ उनकी अनुकुल जिम्मेदारी यह होगी कि अपनी प्रतिभा को निखारे ताकि वह अपने जीवन में आगे उसको व्यक्त कर सके। और उनके इर्दगिर्द जितने लोग है उन सभी का जीवनमान ऊंचा करें। लेकिन जब तक वह इसे पहचान पाते, कुछ भी करने के लिए बहुत देर हो चुकी होगी। इसलिए वह बिना कुछ किए ही मर जाते हैं।"

जेट के हर शब्द ने मुझे परेशान कर दिया। वह उच्च श्रेणी के बुद्धिमानी इंसान नजर आ रहे थे।

"आज के इस भौतिकता भरे विश्व में, श्रेष्ठता की खोज करते हुए हम, उपाधि के पीछे, तेज कारों के पीछे, और मोटे बैंक बैलन्स के पीछे भागते है, हालांकि सच्चाई यह है कि, हम वह जो चाहते हैं वह पहले से ही हमारे पास है। श्रेष्ठता और खुशी की अभिलाषा हमारे अंदर ही होती है। हम उसे गलत जगह पर ढूंढ़ते हैं : पद में, सामाजिक स्तर में, और उन चीजों में जैसे कि संपत्ति। लेकिन तुम इसे जानो इसके पहले, ब्लैक, हम में से हर कोई धूल ही है। और रास्ता साफ करने वाला किसी सीईओ की बगल में दफनाया जाता है। और

उपाधि, प्रतिष्ठा, विश्वविद्यालय की डिग्रियां इनकी अंत में कोई कीमत नहीं होती। सच रूप में जो गिना जाता है वह यह कि क्या तुमने खुद तरक्की की और क्या तुमने अपनी क्षमता दिखाते हुए नेतृत्व दिखाया और अन्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आए। और यह *सब* अंदर से होता है। तो फिर तुम्हारा सबसे श्रेष्ठ काम चमकेगा।"

"असलियत में *आपके हम जो भी चाहते हैं पहले से ही हमारे पास है*, कहने का इरादा क्या है, जेट। मैं निश्चित ही उपाधि बिना नेतृत्व कर अभी अपने काम में असाधारण बनना चाहता हूं। लेकिन मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि मेरे पास बेहतरीन फ्लैट है, अच्छी चीजें हैं, और नई कार। लेकिन इस समय यह चीजें मेरे पास नहीं है। जब मैं असली नेतृत्व दिखाऊंगा तो यह सब चीजें मेरे पास आ जाएगी, लेकिन यह सभी चीजें इस समय *मेरे पास नहीं* है।"

"मैंने यह बात बड़े आदर के साथ कही है, ब्लैक। सचमुच में मुझे लगता है कि यह जो चीजें अब तुमने उल्लेखित की, उसकी तुम्हें वास्तव में कोई जरूरत नहीं है।"

"लेकिन मुझे चाहिए।" मैंने जोर देकर कहा।

"नहीं, तुम्हें जरूरत नहीं है।" जेट ने दोस्ताना रवैये में कहा। "मेरा मानना है कि तुम्हें यह *महसूस* करने की जरूरत है कि यह सभी चीजें तुम्हारे पास होने की इच्छा अंदर से निर्माण होनी चाहिए। भावनाएं जैसे कि संतुष्टी, कृतज्ञता और अंदरूनी शांति। और मैं यह कहना चाहता हूं कि समर्पित रूप से अपने *अंदरूनी* जीवन पर काम करने से, तुम असाधारण रूप से तुम्हारे बाहरी जीवन के पार हो जाओगे। सबसे पहले खुद को आगे बढ़ाओ।" उन्होंने दोहराया।

बहुत ही रोचक। मैंने अवलोकन किया। जेट सही थे। मैंने तुरंत ही उनके मुद्दे पर सोचना शुरु किया। हमारी दुनिया में हम सफलता हम कौन है के बदले चीजों से तय करते हैं। हमारी तरक्की गिनने के बजाय हमने कितनो लोगों को प्रभावित किया। हम नापते है कि हमने कितने पैसे कमाए, हमें कितनी बार प्रमोशन मिला। मुझे ऐसा लग रहा था कि समाज, हम पूरी तरह गलत चीजों पर ही ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, दुखद है, और फिर हम वह जानने की दृष्टी खो देते हैं कि असली सफलता क्या है। आश्चर्य की बात नहीं है, हम में से ज्यादातर अभागी ही है। यह भी आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारी दुनिया में ज्यादा तर लोग बहुत खाना, बहुत टीवी देखना और ज्यादा सोने को लेकर खुद की चिकित्सा करते है। हम ऐसे लक्ष्य का पीछा करते हैं जो हमें कभी खुश नहीं कर पाएगा।

"अच्छी चीजें पाने में कोई बुराई नहीं है।" जेट ने, टॉमी और मुझे पानी की बोतल देते हुए सफाई दी। मैं सौंदर्योपासक हूं। यह क्या है तुम्हें पता है, ब्लैक?"

"नहीं, मुझे पता नहीं है, जेट।"

"इसका मतलब यह है कि कोई सुंदरता से प्यार करता है। मुझे भी आसपास की खूबसूरत चीजों से प्यार है। इस स्पा में जो फर्नीचर है वह उच्च श्रेणी का है। जो खाना मैं खाता हूं वह सर्वोच्च गुणवत्ता का है, और जो कपड़े मैं पहनता हूं वह न्यूयार्क के एक स्टायलिश स्टोर में से आते हैं। बहुत समय पहले मैंने, खुद को वचन दिया था कि मैं जीवन में जो भी करूंगा श्रेष्ठ ही होगा। और उसी के कारण मैं खुद को अमीर समझने लगा, और मैं अमीर हो गया।"

"क्या तुम अमीर हो?" मैंने पूछा, इस बात से चकित होकर कि एक मालिश चिकित्सक भी इतना अमीर हो सकता है।

"हां, ब्लैक, मैं। मुझे मदद करने के लिए यहां कई सुंदर सहायक है। हमारे पांच सैटेलाइट दफ्तर है जो दूसरे समुदाय की सेवा करते हैं। और हम सैकड़ों लोगों को प्रशिक्षित करते हैं जो इस वेलनेस के व्यवसाय में आना चाहते हैं। इस स्पा और मेरे व्यवसाय ने मुझे आर्थिक आजादी दी है। और फिर मैं जहां जाता हूं मेरे साथ खूबसूरती भी सफर करती है। जेट ने अपना ध्यान बरकरार रखते हुए कहा। मैं जीवन में अच्छी चीजों से प्यार करता हूं। मैं अच्छे संगीत की पूजा करता हूं। छुट्टियों में मैं खुशिया बटोरने के लिए मनोरंजन पार्क की सैर करता हूं। मैं अच्छी वाइन पीता हूं, खराब वाइन पीने के लिए जीवन बहुत छोटा है।" उन्होंने आंखे मिचकाते हुए यह वाक्य जोड़ा। "लेकिन यहां एक मूल बात है : यह चीजें मेरी पहचान नहीं है। मैं इनमें से किसी भी चीज से जुड़ा हुआ नहीं हूं। वह मेरी निजी चीजें हैं, मैं उनका नहीं हूं। हे, मैं भी एक इंसान हूं, तो अच्छी चीजें मुझे भी अच्छा ही महसूस कराएगी। और मैं यह पूरी तरह स्पष्ट करना चाहता हूं कि खूबसूरत बाहरी जीवन पाने में कोई गलत बात नहीं है- उससे सफर अच्छा कटता है। लेकिन मैं मेरा अधिकार मुझे व्यक्त करने के लिए इस्तेमाल नहीं करता। लोग उस समय संकट से गुजरते है जब वह कौन है और जग में उनकी क्या पहचान है इसका मानक तय करते हैं।"

"क्यों?"

"क्योंकि अगर वह अपनी चीजें खो देते हैं, तो वह अपने आप को भी खो देते हैं। इसलिए मैं अच्छी चीजों से प्यार करता हूं और उन भौतिक चीजों का सुख लेता हूं जो यह विश्व मुझे प्रदान करता है। लेकिन मैं उनका गुलाम नहीं हूं। मै प्रति दिन उनका इस्तेमाल करता हूं और मैं जीवन अच्छी तरह बिताता हूं। *मेरे पास क्या है इससे ज्यादा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं कौन हूं।* और मेरे सहयोगियों, ग्राहक और जिनसे मैं प्यार करता हूं उन पर मेरे द्वारा आदर्श स्थापित करने के सकारात्मक उदाहरण का कितना गहरा असर हुआ है, बजाय इसके कि मैंने कितना पैसा कमाया। और, ब्लैक, *अगर तुम्हारा ध्यान पैसा कमाना है, तुम अच्छा काम नहीं कर पाओगे-* हर तरह का काम तुम्हारे लिए ज्यादा पैसा कमा देगा।"

"रोचक, बहुत ही रोचक।" मैंने जवाब दिया।

"मैं तुम्हें जो सुझाव दे रहा हूं वह सब सर्वश्रेष्ठ उपाधि बिना नेतृत्व बनने के लिए विशुद्ध रूप से सर्वश्रेष्ठ इंसान बनने की शुरुआत करने के लिए है। एक सबसे महत्वपूर्ण खबर यह है कि *जब तक तुम बाहरी दुनिया की तरक्की नहीं देखोगे अपने अंदर की दुनिया की तरक्की नहीं कर पाओगे।* इसलिए खुद के लिए काम करना, जॉब नंबर वन है।

अपने अंदरुनी जीवन को पूर्वलक्षित के बजाए श्रेष्ठ बनाने और विश्वस्तरीय नेतृत्व दिखाने के लिए जो जोर दिया जा रहा था उसे सुन कर मैं थोड़ा सा चकित हो गया। ज्यादातर कारोबारी किताबों में निजी श्रेष्ठत्व पर सिर्फ सरसरी तौर पर बातें की गई होती है, इसलिए मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि काम में सफलता पाने से यह इतना संबंधित होगा।

"जब तुम्हारे अंदर सोई हुई प्राकृतिक नेतृत्व की ताकत को पहचानोगे और उसे जगाओगे, वह *हर चीज* बदल जाएगी जिसे तुम छुओगे। और जब तुम अपनी असली प्रकृति की जानकारी बढ़ाओगे, तुम ज्यादा से ज्यादा आत्मविश्वासपूर्ण बन जाओगे, रचनात्मक बनोगे, और एक बेहतर इंसान, तुम्हारा अन्य लोगों के साथ संवाद न सिर्फ उन्हें मदद करेगा बल्कि एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।"

"इसमें कुछ अर्थ है।" मैंने स्वीकृति दी। "मेरी क्षमता पर मैं अगर पूरा भरोसा रखता हूं, मेरे लक्ष्य को हासिल करने के लिए मैं साहस दिखाता हूं, और मेरे पेट में आग जला कर रखता हूं, तो यह पूरी तरह तर्कसंगत है कि मैं बेहतरीन काम करूंगा और श्रेष्ठ नतीजा हासिल करूंगा। मैं बेहतर इंसान बन जाऊंगा, तो मैं बेहतर काम कर पाऊंगा।"

"हां, लेकिन कुछ ही तरीके से, लक्ष्य सिर्फ बेहतर इंसान बनने का ही नहीं रखना चाहिए, ब्लैक। तुम जैसे हो वैसे ही परिपूर्ण बन जाओ। असली लक्ष्य बेहतर बनने में लगाने के बजाय याद रखना होना चाहिए।"

"आपकी बात मेरी समझ में नहीं आई।"

"तुम जैसे हो वैसे ही परिपूर्ण हो।" जेट ने फिर दोहराया। "स्व-नेतृत्व सुधारने के बारे में नहीं है, क्योंकि वास्तव में तुम्हारे अंदर गलत कुछ नहीं है। यह ज्यादातर याद रखने के बारे में है। अपने अंदरुनी नेता को याद रखने और फिर प्रति दिन उसके साथ गहरा संबंध बनाने के बार में है। स्व-नेतृत्व पूरी तरह से अपने खुद के साथ फिर से जुड़ने का है जो हम पहले कभी थे- अपनी सही प्रकृति के पास।"

"मेरी सही प्रकृति क्या है, जेट?"

"जब तुम छोटे थे तब तुम्हें वह पता थी। जब तुम युवा होने लगे, तब समाज ने तुम्हें सपने देखने से रोका नहीं, तुम्हारी प्रतिभा का गला नहीं घोटा, और तुम्हारे उत्साह को दबाया नहीं। उस समय, तुम खतरा उठाने से डरते नहीं थे, नई चीजे सीखना चाहते थे, और तुम जो हो उसमें पूरी तरह सुख-चैन से

जीते थे। जब तुम छोटे बच्चे थे, तब तुम तुम्हारी प्राकृतिक नेतृत्व की शक्ति से भलिभांति वाकिफ थे। तुम आज भी अपने जीवन की आवाज सुन कर उसे एक स्थान पर ले जा सकते हो, बड़ी चिजों को कार्यान्वित करो, और अपना जीवन को एक सफल साहस के रूप में जिओ। लेकिन जैसे तुम बड़े होते गए, कुछ भयानक घटनाएं हुई : तुम्हारे इर्दगिर्द की दुनिया उनका काम तुम्हारे से करवाने लगी। तुम्हारे माता-पिता, तुम्हारे बराबरी के लोग, और समाज ने तुम्हारे श्रेष्ठ काम को पूरी तरह बंद कर दिया। इस भीड़ के संदेश ने तुम्हें यह सिखाया कि तुम असली न बने रहो। अपने अवलोकन को धीमा करो। अपने दिनों के साथ छोटे खेल खेलो।"

"आपने जो भी कहा उस बात से मैं पूरी तरह सहमत हूं, जेट।" मैंने उत्साह से कहा। "मैं मेरी प्राकृतिक शक्ति वापस चाहता हूं : नेतृत्व करने की मेरी शक्ति, प्रभाव डालना, और जो भी मुझे मिलेगा उसे स्पर्श कर बेहतर बनाने की।" ॲना द्वारा सीखे गए कुछ शब्दों का इस्तेमाल कर मैंने आगे जोड़ा।

"निजी नेतृत्व- अंदर से बाहर की ओर नेतृत्व करना, ताकि तुम्हारा बड़प्पन नजर आए- सहनीय उत्तमता के डीएनए में है यह, ब्लैक। अनफार्च्यूनेट, जो मैं कह रहा हूं, असलियत में यह मूल्य आज की दुनिया में खत्म हो रहा है। हम यह भूल रहे है कि नेतृत्व में श्रेष्ठता हासिल करने के लिए स्व-प्रवीणता ही सबसे बड़ा साधन है। हम यह भूल गए है कि अगर संस्थान के सभी कर्मचारी यह सोचे, महसूस करे और उसी तरह बर्ताव करे कि वह विश्वस्तरीय है, तो संस्थान *अपने आप* ऊंचा उठा कर विश्वस्तरीय बन जाएगा। आज के जमाने में हम सिर्फ *बाहरी* तुष्टीकरण की ही चिंता कर रहे है। ज्यादा उपाधियां, ज्यादा पैसा, ज्यादा चीजें। इन सभी रुपरेखाओं को हम अपनी ओर से स्वीकार करने और इजाजत देने के बजाय अपने इर्दगिर्द के समाज द्वारा स्वीकार किया गया है और इजाजत दे दी गई है। यह पूरी तरह अपने समय और प्रतिभा की हानि है।"

"लेकिन आप तो कह रहे हैं कि उपाधि हासिल करने, पैसा कमाने और अच्छी चीजों को प्राप्त करने में कोई गलती नहीं है, सही है न?" मैंने पुख्ता करने के लिए पूछा।

"जैसा कि मैंने कहा, इन सब चीजों में गलत कुछ नहीं है, ब्लैक। देखो, उपाधि बिना नेतृत्व तत्वज्ञान का मतलब यह नहीं है कि संस्थान उपाधियों से छुटकारा दे। इससे पूरी तरह अव्यवस्था का माहौल बन जाएगा। और मैं पहला व्यक्ति हूं जो यह कह रहा है कि कारोबार करने का सबसे पहला महत्वपूर्ण उद्देश्य है कमाल का मुनाफा कमाना। लेकिन इसके साथ ही यहां अन्य भी कुछ प्राथमिकताएं हैं।" जेट ने पूरी शांति से उल्लेख किया। फिर उन्होंने फलों की टोकरी में से सेब निकाला और उसका कौर लिया। "दोस्तों, खुद की मदद करो।" उन्होंने दयालुता से आग्रह किया। "अंत में, अहम का अनुसरन संस्थान में या श्रेष्ठता या इंसान के रूप में खुशी नहीं लाता। उसमें वाकई नहीं है। मैं

यही इस स्पा में कुछ करोड़पतियों से मिला। वह यहां पर जेग्ना का सूट, पैटेक फिलिप की घड़ियां पहन कर आते हैं। हम बातें करते हैं। और फिर कुछ समय के बाद वह मेरे सामने अपने दिल की बातें कहने लगते हैं। ज्यादा तर अमीर लोग जिनसे मैं मिला हूं ज्यादा खुश नहीं है। जो अमीर लोग हैं उनके पास सिर्फ ज्यादा पैसे हैं। जैसा कि मैं सोचता हूं, वास्तव में वह गरीब है। सिर्फ पैसा न होने का मतलब गरीबी नहीं है- किसी भी बात से डर लगने का मतलब गरीबी है। और ज्यादा तर अमीर लोगों में स्व-सम्मान की कमी है। अच्छा होने की अनुभूति नहीं है, शारीरिक स्वास्थ्य नहीं है और अंदरूनी संतुष्टता भी।"

"बहुत ही सहायक अंतःदृष्टी, जेट।" खुद के लिए सेब उठाते हुए मैंने कहा।

"तो इसीलिए मेरा तुम्हारे लिए सुझाव है कि, *एक महान नेता बनने के लिए, पहले एक महान इंसान बनो।* खुद का नेतृत्व करो, ब्लैक। उसके बाद ही तुम दूसरों का नेतृत्व कर सकते हो और तुम्हारे आसपास जो लोग है उनके सामने एक सशक्त उदाहरण पेश कर सकते हो। खुद से शुरुआत करो, उस संस्कृति के साथ जो सिर्फ बाहरी चीजों को मनाती है। और याद रखना अंदरूनी परिणाम की महानता बाहरी नतीजों की वजह से है। *एक बार जब तुम अपने अंदरूनी नेता को जगाओगे, विश्वस्तरीय सफलता तुम्हें गारंटी से प्राप्त होगी।"*

जेट गहरी सोच में डूबते हुए थोड़ी देर रुके।

"कल मैंने एक रेस्तरा में एक बच्चे को अपने माता-पिता के साथ जाते देखा। अंदाजा लगाओ कि उस बच्चे के टी-शर्ट पर क्या लिखा होगा?"

"मुझे बताओ। मैंने कहा।

"उस पर लिखा था, *मैं जन्म से ही अति उत्तम हूं।* क्या यह बहुत बढ़िया नहीं है, ब्लैक? मैं जन्म से ही अति उत्तम हूं। ज्यादातर जो लोग साधारण काम करते है और ज्यादा तर जो लोग असफल जीवन जीते है इसका अविस्मरणीय तथ्य यह है कि, ज्यादातर लोग अपनी 'अति उत्तमता' से अलग हो जाते हैं।" जेट ने हंसी के साथ कहा, और उसने सेब का दूसरा कौर चबाया।

"पूरी तरह सही। टॉमी ने निरीक्षण कर हंसते हुए कहा।

"हम में से हर एक व्यक्ति जो इस समय जिंदा है उसके अंदर महानता है। हमारे में वह क्षमता और गुणवत्ता है, अगर मेरा है, हमें असाधारण रूप से चमकने की इजाजत देता है। इस ग्रह पर अतिरिक्त लोग नहीं है। तुम, मैं, टॉमी और जो भी लोग हमारे आसपास है, वह नेतृत्व करने के लिए और जबरदस्त सफलता पाने के लिए ही तैयार किए गए हैं। लेकिन क्योंकि हमारे इस तरह ब्रेनवॉश किया गया है कि हम हमारी सक्षमता पर शक करने लगे है और हमें सिखाया गया है कि बड़े सपने देखने के बजाय छोटे सपने देखो, इसकी वजह से हम यह भूल गए हैं कि हम असलियत में कौन है। हम वास्तविक रूप से हमारी महत्वपूर्ण प्रवृत्ति से दूर हो गए हैं। हमने हमारी श्रेष्ठता असुरक्षा की भावना, शक

और डर के तले दबा दी है। तुम जन्म से ही अति उत्तम हो, ब्लैक। इस सच को स्वीकार करो।" जेट चिल्लाए और उन्होंने अपने दोनों हाथ हवा में उठाते हुए मुझे ताली दी।

हम तीनों हंसे। इन दोनों के साथ रहना मुझे पसंद आ रहा था। वह बेहद सकारात्मक थे, विश्वास से भरे और असली। मैंने अंदाजा लगाया कि नेतृत्व क्या है इसका ज्यादा तर हिस्सा जो है वह यह है कि : लोगों को खुद के प्रति बेहतर महसूस कराओ। और लोगों को यह याद दिलाओ कि- जैसे कि उस बच्चे के टी-शर्ट पर लिखा था- वह वास्तव में *अति उत्तम* है।

"तो अपने अंदर के नेता को पहचानने की शुरुआत करो। काम में उच्च प्रदर्शन का यह असली रहस्य है और साथ ही तुम्हारे निजी जीवन के लिए भी। यह बहुत ही अचरज भरी बात है कि किस तरह कई कारोबारी लोग सबसे पहले खुद का नेतृत्व किए बगैर, अन्य लोगों का नेतृत्व करने की कोशिश करते है। और फिर वह अपरिहार्य रूप से अपने प्रयास *विध्वंसक* रूप से खत्म करते हैं क्योंकि वह अब भी अपनी मर्यादित क्षमता, नकारात्मक रवैये और निजी अवरोधों से चिपके हुए हैं। जहां भी तुम जाओगे, उसे अपने साथ लेकर जाओगे। और अगर तुम्हारा स्व-सम्मान कम है, तुम्हारा चरित्र कमजोर होगा, और तुम्हारा मन पूरी तरह डर से भर जाएगा, फिर इस बात का कोई मतलब नहीं है कि आप काम करने के लिए क्या कर रहे हो, कुछ भी महान नहीं होगा। लेकिन अगर तुम जो आदर्श नहीं है उसे साफ करना शुरु करोगे, तो चमत्कारी नतीजा सामने आएगा। कृपा कर आज से ही खुद पर काम करना शुरु करो ब्लैक। क्योंकि जीवन किसी का इंतजार नहीं करता। समय अपनी तेज गति से आनंद से तुम्हारी मदद के साथ या मदद के बिना आगे बढ़ता रहता है। आज तुम्हें जो करना है, उसे कल पर मत छोड़ो। कल शायद नहीं आ सकता। यही सच्चाई है। जो मुझे मेरे रुपवर्णी शब्द और पांच नियम जो उपाधि बिना नेतृत्व की दार्शनिकता के इस चौथे और अंतिम पाठ के लिए जरूरी है, तक ले जा रहा है।"

"मैं तुम्हारे रुपवर्णी शब्द का उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं, जेट।" मैंने खुशी खुशी कहा।

"शाइन (SHINE) चमकना।" जेट का आसान सा जवाब दिया। "निजी नेतृत्व और स्व-श्रेष्ठता यह पूरी तरह पांच चीजे करने के बारे में है।"

"अच्छा।"

"तुम्हारे अंदर के नेतृत्व को जगाने के लिए इन पांच नियमों का पालन करो और प्रति दिन तुम्हारे अंदरूनी जीवन में तरक्की करो, ब्लैक। जिस तरह एक अच्छा खिलाड़ी श्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए प्रति दिन अभ्यास करता है, तुम भी प्रति दिन श्रेष्ठ काम करने का अभ्यास करो। इस सूत्र पर अमल करते हुए पहले चालीस दिन बेहद कठिन होते है।"

"क्यों?"

"क्योंकि बदलाव के शुरुआती दिनों में, तुम अपने अंदर नए शौक तैयार कर रहे होते हो। तुम अपनी पुराने, काम करने के अपने सुरक्षित मार्ग को छोड़ने और अपनी पुरानी आदतों को जो तुम्हे निजीगत रूप से महानता हासिल करवाने में मदतगार साबित नहीं होने वाली है उसे दरकिनार करो। उस पहले चालीस दिनों के दौरान, तुम नए प्रतिमान तैयार करते हो, और जब तुम अपनी अंदरुनी नियंत्रण का फिर से संशोधन करते हो उसी समय अपने दिमाग को यथार्थ रूप से पुनः लिखते हो। यह बहुत ही तनावपूर्ण प्रक्रिया है, जो असुविधा से भरी हुई है। यह बेहद कठिन और उलझाने वाली है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है तुम उसे गलत तरीके से ही सोचोगे। लेकिन हर मामले में ऐसा नहीं होता। तुम सिफई बदल रहे होते हो और आगे बढ़ते रहते हो। सबकुछ ठीकठाक है, वास्तव में, *सोचने का तुम्हारा पुराना तरीका और आचरण करने के तुम्हारे पुराने तरीके विघटित करने की आवश्यक प्रक्रिया के बाद संपूर्णता की ओर सफर कर सकते हो।*"

"टाय ने कुछ इसी तरह की बातें मुझे बताई थी, जेट। मैंने सीखा है कि वह बदलाव तुम्हें तोड़ देते हैं लेकिन टूटने की बेहद जरूरत है, अगर मैं तरक्की करना चाहता हूं तो और वाकई नेतृत्व करना चाहता हूं तो।"

"पूरी तरह सही। जब तुम अपने व्यक्तित्व को फैलाओगे, तुम्हें खुद के पुराने व्यक्ति से टूटने का अनुभव होगा। लेकिन टूटना असलियत में बहुत ही सुंदर और महत्वपूर्ण बात है।"

"वाकई?" मैंने पूछा।

"अवश्य। हमारे पिछले रास्ते हमें पूरी तरह तोड़ने की जरूरत है और खुद नया और श्रेष्ठ बनने के लिए मुक्त करने की जरूरत है। जब तुम्हारे अंदर कुछ नया और श्रेष्ठ लाना चाहते हो तो उसके पहले उन पुरानी चीजों को साफ करने की जरूरत है जो काम की नहीं है या फिर लंबे समय से काम नहीं दे रही है।"

"टाय ने मुझे भी यह सिखाया था। उन्होंने मुझसे कहा था जो भी बेहतरीन चीजें हमारा इंतजार कर रही हैं वहां तक हम तब तक नहीं पहुंच सकते जब तक कि हम हमारी पुराने खांके को तोड़ नहीं देते जो हमारी क्षमता को मर्यादित कर रहा है।"

"बहुत अच्छा। हमारा बर्फ का आदमी वाकई होशियार है। और नए और सुधारित भरोसा और व्यवहार को कार्यरत करने से पहले जो अशक्त है उन्हें बाहर निकालने की जरूरत है। इसलिए इन पांच नियमों को तुम्हारी प्रवृत्तत्तिज़का हिस्सा बनने के लिए पहले चालीस दिन दे दो। उन चालीस दिनों में खुद को भावपूर्ण तरीके से चुनौती दो। इसे छोड़ मत देना।"

मुझे यह बहुत पसंद आया। "चालीस दिन की चुनौती।"

"वास्तवी और कायम रहने वाला बदलाव लाने का यह मुख्य सूत्र है- इसके साथ ही असफलता की ओर ले जाने वाला एक ही बड़ा काम करने के बजाय प्रति दिन छोटे लेकिन सातत्यपूर्ण तरीके से सुधार लाने वाला काम करना चाहिए। का महत्वपूर्ण काम भी करना चाहिए।"

"प्रति दिन के छोटे सुधार कुछ समय के बाद चमत्कारी नतीजा दिलवाएंगे।" मैंने गर्व से दोहराया।

जेट हंसे। "हां, तुम सही जगह पर हो। छोटी सफलताएं थोड़े समय बाद बड़ी सफलता दिलवा देती है।"

"तो शाइन का क्या मतलब है?"

"ऐसे तुम्हें इस बात की याद दिलाएगा कि जो देखो साफ साफ देखो (सी क्लियरली)। अपनी स्थिति और घटनाओं को साफ तरीके से महसूस करना ही नेतृत्व का सही काम है। हम में से सभी में बोध को लेकर दोष है। हम में हर एक में यह स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि हम अंधी आंखों से देखते है और मर्यादित भरोसा रखते है। बहुत ही कम बार हम घटनाओं को डर की आंखों से देखते है बजाय कि उसे एक संधि के रूप में देखा जाए। और इसीलिए यह दोष हमें साधारण स्तर पर अटका देता है। मुझे उम्मीद है कि मैं तुम्हें जो बता रहा हूं, ब्लैक, वह यह कि, हम जिस भी विभाग के बारे में सोचते है और देखते हैं वह वास्तव में जो हम देख रहे है वैसा नहीं होता। लेकिन ऐसा व्यक्ति बहुत ही दुर्लभ होता है जो स्व-जागृति को विकसित करने के लिए जरूरी अंदरूनी काम करता है ताकि वह वास्तव में अज्ञान को पहचान सके। हम हमारे अंधे निशाने पर अंधे पन से निशाना लगाते है। हम विश्व को जैसा है वैसा नहीं देखते बल्कि जैसे *हम* है वैसे देखते हैं। और हम वह बात नहीं जानते जो हम नहीं जानते।"

"क्या आप गंभीर है? ज्यादातर लोग क्या वाकई सच्चाई देख नहीं पाते?" जो मैं सीख रहा था उससे चकित होकर मैंने पूछा।

"निश्चित ही। अगर तुम शंका और डर से घिरे हो, तो तुम प्रति दिन जब काम पर जाओगे, तुम अपने अंदरूनी मन को बाहरी स्थिति के मुताबिक काम करने के लिए कहोगे। तुम बुकस्टोर में आगे बढ़ने और सफल होने के मौके चूक जाओगे। तुम अपनी सकारात्मक क्षमता से सवाल पूछो कि क्या तुम दूसरों को प्रभावित कर अंतर महसूस कराओगे। बढ़ने के लिए काम करने के बजाय, तुम सिर्फ जिंदा रहने के लिए काम करते रहोगे। यह ऐसा ही होगा- इसलिए नहीं कि काम की जगह कुछ सही नहीं हो रहा है, इसलिए हो रहा है क्योंकि तुम्हारे अंदर के जीवन की प्रवृत्ति और जिस तरह से तुम निजी प्रसंगों में असली दिखने की प्रक्रिया की वजह से। मैं जो बता रहा हूं उसे पूरी तरह समझने का एक रास्ता यह है कि तुम रंगीन खिड़कियों के बारे में सोचो। हम में से हर एक रंगीन खिड़की की तरह है जिससे आरपार हम सबकुछ महसूस कर सकते हैं। यह एक

छाननी के अलावा कुछ नहीं है जिससे हम बाहरी दुनिया का पूरा अनुभव लेते हैं।"

"यह रंगीन खिड़की किस चीज से बनी है, जेट?" जो मैंने सुना उससे गहराई तक प्रभावित होकर मैंने पूछा।

"यह हमारे भरोसे, नियम, और जब से तुम पैदा हुए तभी से तुम्हारे माता-पिता, शिक्षकों, बराबरी के लोग और हर वह व्यक्ति जिससे तुम प्रभावित हुए हो, द्वारा तुम्हें सिखाई गई सीख से। और यह गढ़ा गया हर उस संवाद से जो तुमने उन लोगों से किया जिनसे तुम मिले और हर अनुभव से। इन सभी ने एक कहानी बनाई कि किस तरह तुम खुद को बेच सकते हो और किस तरह दुनिया चलती है और किस तरह तुम्हें खुद को पेश करना है। याद रखना, हम विश्व को जैसा है वैसा नहीं देखते, बल्कि हम हमारी नजरों से देखते हैं। इसलिए अगर तुम्हारी रंगीन खिड़की अस्ताव्यस्त है तो तुम्हारा जीवन भी अस्ताव्यस्त हो जाएगा। अगर तुम्हारी रंगीन खिड़की को भरोसा है और वह कहती है : 'तुम बिना उपाधि नेतृत्व कर नहीं सकते हो,' तो तुम्हारी क्रियाएं निश्चित ही तुम्हारे भरोसे के साथ अविरोध चलती रहेगी, और फिर तुम बिना उपाधि नेतृत्व नहीं कर सकते। अगर तुम्हारी रंगीन खिड़की उस नियम को अंतर्विष्ट करती है : 'ज्यादातर लोग भरोसेमंद नहीं होते' या 'ज्यादातर काम का कोई अर्थ नहीं होता' तो तुम्हारा व्यवहार इन्हीं बातों के साथ जुड़ा रहेगा क्योंकि तुमने खुद ही बाहरी दुनिया के लिए यह व्याख्या तैयार की है। लेकिन यहां एक उच्च कल्पना यह है जिससे तुम्हारे दांत खट्टे हो सकते है, ब्लैक : अगर क्या होगा कि तुम अपनी जो कहानी बता रहे हो वह पूरी तरह झूठ हो?" जेट ने एक मखमली कुर्सी पर बैठते हुए कहा।

"जाने दीजिए। इस पर यकीन करना कठिन है।" मैंने बहस की।

जेट विश्राम करते रहे। "कृपा कर उस विचार पर खुलापन लाओ कि नेतृत्व उच्च दर्जे की स्व-जागृति विकसित करना है और हमेशा अपनी सोच को सही तरीके से सोचोगे। और सिर्फ ध्यान रखना कि तुम्हारे प्रति दिन के विचार तुम्हारे माता-पिता, बराबरी के लोग और शिक्षकों के साथ ही अन्य सभी प्रभावों की वजह से तुम्हारे ज्ञान को आकार दिया गया है जिसके प्रतिबिंबत होने की वजह से ही तुम्हारे भरोसे की व्यवस्था का कार्यक्रम तैयार हुआ है।"

"बहुत ही क्रांतिकारी बात। मेरा अनुमान है कि सोचने के एक तरीके में मैं समाजवादी हो जाऊंगा। हम कुछ विशिष्ट भरोसे को एक शर्त के तहत स्वीकार करते है, और हम आम तौर पर उनके बारे में यही सोचते है कि वह सही होगा।" मैंने अवलोकन किया।

जेट तुरंत ही उठे और टॉमी की ओर गए। उन्होंने उनके कंधों को मालिश करना शुरु कर दिया। धन्यवाद, मेरे भाई। टॉमी ने कहा। मुझे इसी की जरूरत थी।

जेट अपने पूर्व छात्र को छोटा से उपहार के रूप में अपनी बातें आगे जारी रखी, "ज्यादातर लोग सोचते हैं कि वह वाकई सोच रहे है। हालांकि वास्तव में बचपन से जो बातें वह सोचते रहते हैं उन्हें ही अचेत रूप से पुनः पुनः दोहराते रहने से अलग नहीं है। हम में से ज्यादातर- यह बहुत दुख की बात है- सच में वास्तवता नहीं देख पाते। जेट ने पुनः घोषित किया। और यह दुखद तथ्य काम की जगह और हमारे निजी जीवन में हमें सामान्य रहने पर मजबूर करता है। तुम प्रतिभाशाली सोच के लिए तैयार किए गए हो और संभावनाओं की आंखों से देखने के लिए न कि गलत सोच और न ही डर की आंख से।"

"मैंने यह कभी महसूस ही नहीं किया कि बाहरी दुनिया के बारे में मेरी सोच और ज्ञान गलत हो सकता है।" मैंने जवाब दिया। वास्तव में इस विचार से मुझे गहरा सदमा लगा था कि मैं परिस्थिति को जो देख रहा था वह शायद मानसिक परेशानी की वजह से या फिर मेरी कुछ निजी कहानियां जो मैं खुद को ही सुना रहा था, इसके बदले कि वह वास्तव सच्चाई थी।

"हम में से ज्यादा तर लोगों के साथ ऐसा ही होता है, ब्लैक। तुम्हें यह बात जानने की बेहद ज्यादा जरूरत यह है कि तुम किस तरह सोचते हो। तुम्हारी सोच ही तुम्हारी वास्तवता का बयान करती है। जिस बात का तुम लक्ष्य रख रहे हो, उससे ज्यादा प्राप्त करने के तुम हकदार हो। और तुम्हारी सोच तुम्हारी क्रियाओं को आगे बढ़ाएगी। नेतृत्व और जीवन हमारे पीछे क्या छोड़ता है यह बाहरी वास्तवता नहीं है बल्कि हमारी अंदरूनी सोच की उपज है और हम उसी तरह से स्थितियों के साथ व्यवहार करते है। तुम्हें अपने असफल कार्यक्रमों को छोड़ देना होगा। अपने विचारों की मर्यादाओं को लांघना वास्तव नेतृत्व में शामिल है ताकि तुम तुम्हारी प्रवृत्ति में उच्च सक्षमता हासिल कर सको।"

"तो फिर मैं किस सुनिश्चित तरीके से अपनी मानसिक बाधाओं को तोड़ सकता हूं?"

"सबसे पहले, खेल के रुपक की ओर ध्यान दो, तुम्हें एक चैंपियन की तरह सोचना बेहद जरूरी है।"

"तुम अपने दिमाग में चलने वाले सभी विचारों की पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। और इसका मतलब यह है कि तुम्हारे दिमाग में एक भी नकारात्मक विचारों को स्थान नहीं दिया जाना चाहिए। कारोबारी लोग कभी कभी सकारात्मक कल्पनाओं का उपहास करते है। वह कल्पना को छोटा कर देते हैं और कहते हैं कि इसका कारोबार में कोई स्थान नहीं है। लेकिन निश्चित ही उसका स्थान होता है। सभी कारोबार का नतीजा सीधे रूप से संस्थान में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के मिले जुले प्रयास का नतीजा होता है। और जो भी क्रिया तुम करते हो वह तुम्हारे कल्पना की ही देन होती है। मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि तुम्हारी सोच तुम्हारे व्यवहार को प्रेरित करती है और

तुम्हारा व्यवहार तुम्हें नतीजा लाकर देता है। इसलिए तुम्हारा विश्वस्तरीय काम तुम्हारी विश्वस्तरीय सोच का ही नतीजा है।"

"बहुत ही आसान नजर आ रहा है, जेट।" जो कल्पना मैंने सुनी उसका स्वीकार करते हुए मैंने कहा।

"एक भी बुरा विचार तुम्हारे दिमाग में एक जंतु की तरह होगा जो और जंतुओं को जन्म देगा। और जब तक व्यक्ति यह बात जान जाए, तब तक उसका पूरा दिमाग संक्रमित हो जाएगा। वह साफ-साफ कुछ नहीं देख पाएंगे। और वह सीधे तरीके से सोच भी नहीं पाएंगे। वह सही चीजों की जगह बुरी चीजे ही देखना शुरु करेंगे। संक्रमण की वजह से वह समस्या का समाधान ढूंढ़ने के बजाय समस्या की ओर ही देखते रहेंगे। यह बीमारी उन्हें नवीनता की ओर बढ़ने से रोकेगी, श्रेष्ठता कायम नहीं रहेगी, और उनकी श्रेष्ठता को नकार देगी। यह बीमारी उन्हें एक नेता की तरह बर्ताव करने के बजाय एक पीड़ित की तरह बर्ताव करने के लिए बाध्य करेगी। अगर तुम उपाधि बिना नेतृत्व करना चाहते हो और अगर एक भी बुरा विचार तुम्हारे मन में आया तो तुम कभी भी सच्चे रूप से सुख हासिल नहीं कर पाओगे।"

"आप यह सुझाव देना चाहते है कि नकारात्मक सुझाव एक बीमारी है?"

"निश्चित ही, ब्लैक। यह अस्वास्थ्यकर दिमाग का एक प्रत्यक्ष लक्षण है। जब तुम्हारा दिमाग स्वस्थ होगा, तुम्हारी रंगीन खिड़की बेहद साफ होगी। तुम ध्यानाकर्षक रुप से एक प्रतिभावान के रुप में जागृत हो जाओगे जो तुम हो और वह चमक नजर आएगी जिसके लिए तुम बने हो। जो लोग सकारात्मक सोच पर हंसते है उन्हें सुपरस्टार खिलाड़ियों का, महान चैम्पियन्स का अभ्यास करना चाहिए। सुपरस्टार्स गहराई से इस बात को समझते है कि जिस तरह तुम अपने दिमाग को चलाओगे वैसे ही तुम चलोगे। वह अपनी सोच को त्रुटिहीन रूप से सोचने का प्रबंध करते है, वह अपना पूरा ध्यान जीत पर लगाते है और दुर्भाग्यता के डर पर ध्यान नहीं देते। और जब वह गिर जाते हैं, वह उस घटना को उपहार के रूप में लेते हुए पुनःप्रक्रियित करते हैं। लोग जिसे असफलता कहते हैं वह उसे सशक्तता की तरफ बढ़ने के और एक मौके के रूप में देखते हैं और खुद का प्रदर्शन और बेहतर बनाने की पहल शुरु करते है। और फिर, याद रखना, अगर तुम एक भी नकारात्मक विचार को अपने दिमाग में आने दोगे, तुम वास्तव रूप में नकारात्मक विचारों के आने की प्रक्रिया शुरु करोगे।"

"जैसे एक जंतु अन्य जंतुओं को आकर्षित करता है, खिलाने वाले संभावित उन्मादी को तैयार करना।" मैंने अनुमोदित किया।

"हां, ब्लैक। महान नेता गांधीजी ने यह बहुत ही खूबसूरती से कहा था जब उन्होंने इसे लिखा था : मैं किसी और को उनके गंदे पैरों के साथ अपने दिमाग में घुसने नहीं दूंगा। इसलिए जब भी कभी तुम्हारे दिमाग में नकारात्मक विचार आएंगे, हलके से उन्हें फिर से उन पुराने विचारों पर ले जाओ जो तुम्हें

नेतृत्व दिखाने के लिए पूरी तरह श्रेष्ठ बनाने में मदद कर रहे हैं। जब भी तुम्हारा दिमाग दिक्कतों से जूझ रहा होगा, उसे इस तरह प्रशिक्षित करो कि वह उसमें भी मौका ढूंढ़ने लगे। कृपया कर यह ध्यान रखे कि तुम्हारी अपेक्षा के मुताबिक प्राप्त होगा। दूसरे शब्दों में इसे कहा जाए तो तुम्हारी काम की जगह की और तुम्हारे निजी जीवन की अपेक्षाओं की जो भविष्यवाणी की गई है वह खुद ही पूरी हो जाएगी। जो नतीजा तुम देखोगे, वही नतीजा पाओगे। यह बहुत ही *अविश्वसनीय* रूप से याद रखने की बात है। अगर तुम यह सोचते हो कि जिन लोगों के साथ तुम काम कर रहे हो वह तुम्हें सहायता नहीं करते और तुम्हें नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे है, तो तुम उसी तरीके से अपना आचरण करोगे। इसलिए तुम खुद को बंद कर दोगे और अपनी जमीन की रक्षा करने की कोशिश करोगे। तुम लोगों के साथ मिल टीमवर्क दिखाने के बजाय साइलो की तरह काम करोगे। तुम्हारा अलग व्यवहार तुम्हारे सहयोगी पर भी असर करेगा और वह सोचेंगे कि तुम ठंडे, प्रतिस्पर्धात्मक हो और भरोसे के लायक नहीं हो। और निश्चित रूप से, वह तुम्हें मदद नहीं करेंगे। तुम्हारी अपेक्षाएं स्वयंपूर्ण होगी। और पूरी तरह वास्तविक। मैं तुम्हें और एक उदाहरण देता हूं, ब्लैक। अगर तुम यह सोचते हो कि जिस बुकस्टोर में तुम काम कर रहे हों वहां तुम कभी भी सुपरस्टार नहीं बन सकते, तो इस दुनिया में ऐसा कोई रास्ता नहीं है जो तुम्हें ऊंचा उड़ने में मदद कर सके। हम खुद में जो देख रहे हैं उससे असंगति रखने वाला काम हमें कभी नहीं करना चाहिए। इंसान कभी भी अपनी अपेक्षाओं से सामंजस्य न रखने वाला आचरण कभी भी नहीं कर सकता।"

"और उनकी रंगीन खिड़कियां।" मैंने तुरंत ही जोड़ दिया।

"बराबर।" जेट ने प्रोत्साहित करने वाले शब्दों में कहा। "तुम्हारी हर सोच रचनात्मक होनी चाहिए। अगर तुम्हारे दिमाग में एक भी नकारात्मक सोच है तो तुम सुख पाने में समर्थ नहीं बन सकते क्योंकि उसमें से हर एक कुछ न कुछ तैयार करता है और तुम्हें बाहरी जीवन में आगे बढ़ने के लिए नतीजा दिलवाता है। तुम्हारी हर सोच नतीजे तैयार करती है।"

"मैंने कभी भी अपनी सोच पर इतना ध्यान नहीं दिया। वह अपने आप आती गई। मैंने सोचा कि मेरे विचारों पर मेरा नियंत्रण नहीं है- वह सिर्फ मेरे दिमाग में आते हैं।"

"हम में से ज्यादा तर लोग ऐसा ही सोचते हैं, ब्लैक। हम एक ही तरीके से लंबे समय तक सोचते रहते है जिससे हमारी सोच को गहराई से यह आदत हो जाती है और हम यह भरोसा करने लगते हैं कि हमारा उन पर कोई नियंत्रण नहीं है। क्योंकि हम हमारी पुरानी कहानियां और ऐतिहासिक मानसिक कार्यक्रम ही बरसों तक साथ लेकर चलते हैं, यह अपने आप और अचेत अवस्था में होता रहता है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हममें इससे ऊपर उठने की शक्ति नहीं है। और इसका यह भी मतलब नहीं है कि हम दिमाग को नेतृत्व

की अंतःशक्ति को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए इसे बदल नहीं सकते। हम कर सकते है! हम पूरी तरह हमारे विचारों पर नियंत्रण रख सकते हैं। और तुम अपने हर विचार को निजी जिम्मेदारी के रूप में लेते हो तो, तुम बेहद शक्तिशाली विचारक- और नेता- बन सकते हो। एक ऐसी चीज है जो हम सभी इंसानों में है और तुम जानते हो, वह यह कि हमारे में ऐसी क्षमता है कि हमारी सोच पर ध्यान दे सकते है। अभी, अभी इसी समय, तुम शांत तरीके से बैठ कर तुम तुम्हारे अंदर के भरोसे पर सोच सकते हो जो प्रति दिन तुम्हारे दिमाग में आ सकता है। और तुम इस तरह शांत बैठ कर सोचने में जितना ज्यादा समय दोगे, तुम अपने विचारों में बेहतर जागृति के साथ सोच सकते हो। और बेहतर जागृति की वजह से तुम्हारे मन में गलत विचार नहीं आएंगे और तुम्हारे सामने अच्छे विकल्प निर्माण होंगे। और अच्छे विकल्पों की वजह से, निश्चित रूप से, तुम बेहतरीन नतीजा पा सकते हो। तुम जितना ज्यादा बेहतर जानोगे, उतना ज्यादा बेहतर काम करोगे।"

"इसका मतलब मेरे विचार रचनात्मक होने चाहिए?"

"अं. हा।" जेट ने जवाब दिया। "और मोटोवन रिकार्डस की स्थापना करने वाले किवंदति बने, बेरी गोर्डी ज्युनिअर ने एक बार कहा था, 'विजेता, विजेता बनने के पहले भी विजेता ही होता है।' एक बेहतरीन विचारक बनने और अपनी श्रेष्ठता पर भरोसा करने से तुम जो करना सोच रहे हो, कर सकते हो। राजनेता बेंजामिन डिसरेली ने बहुत अच्छी तरह कहा है: हीरो बनने में भरोसा रखने से हीरो बन जाता हैं। अपने मस्तिष्क को बंदिशों से तोड़ो और फिर देखो कितनी आश्चर्यजनक घटनाएं घटती है।"

"बिलकुल सही। और वह कल्पना जो आपने बताई, मुझे बेहद पसंद आई कि प्रति दिन 'शांत तरीके' से सोचने के लिए कुछ समय निकाला जाए।" मैंने कहा।

"अगर तुम वास्तविक रूप से अपने अंदर के नेता को जगाने के लिए गंभीर हो ताकि तुम अपने बाहरी जीवन में अभूतपूर्व नतीजा पा सको, ब्लैक, तो यहां मैं तुम्हें प्रति दिन सुबह कुछ करने के लिए कुछ सुझाव देना चाहूंगा : प्रति दिन सुबह एक घंटा जल्दी उठो और स्व-विकास पर सोचने के लिए ६० मिनट खर्च करो। यह तुम्हारी प्रति दिन सुबह की पुनःअंशसंशोधन करने की विधि होनी चाहिए- खुद के लिए तैयार करने और अभ्यास करने के लिए नियमित रूप से समय देना चाहिए। बिलकुल उसी तरह जैसे कोई खिलाड़ी खुद को प्रति दिन प्रशिक्षित करता है ताकि वह खेल में जीत हासिल कर सके, यह तुम्हारी अपना निजी समय है जो तैयारी करने और अभ्यास करने के लिए है, ताकि तुम जब कारोबार के खेल के मैदान पर उतरो तो खुद का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सको, ब्लैक, जैसे जेट विमान उड़ने के पहले, पायलट एक क्रिया करता है। वह उड़ान की योजना की जांच करते है, वह कंट्रोल को निर्धारित करते है, और वह अपने

उपकरण के भाग का मूल्यांकन करते है। उसके बाद ही वह उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाते है। यही रुपक बिना उपाधि नेतृत्व करने के लिए लागू होता है। अगर तुम उड़ना चाहते हो और अपनी प्रतिभा को प्रसारित करना चाहते हो, तो तुम्हें जरुरी है कि प्रति दिन सुबह यह क्रिया करो। अपने पुराने मूल्यों से जुड़ जाओ। खुद को पुनःस्थापित करो, संजीवित करो और फिर से जमीन से जोड़ लो। यह वह समय है जब तुम अपने दिमाग पर काम कर सकते हो, अपने शरीर को सशक्त बना सकते हो, अपनी भावनात्मक जीवन का पोषण कर सकते हो और अपने आत्मिक आयामों को इंधन जे सकते हो। प्रति दिन का यह इकलौता अनुशासन तुम्हारे कैरिअर और तुम्हारे जीवन के हर उस क्षेत्र में कमाल का परिणाम लाएगा। यह तुम्हारी प्रेरणा को आगे बढ़ाएगा। यह तुम्हारे कामकाजी जीवन में संतुलन बनाए रखेगा। यह तुम्हारा उत्साह कई गुना बढ़ाएगा और फिर से अच्छी नजरों से दुनिया को देखने के लिए मदद करेगा। याद रखना, जब तुम खुद को श्रेष्ठ महसूस करने के साथ तुम्हारे अंदरुनी जीवन को बेहतर समझोगे, तो तुम जिस भी चीज को छुओगे वह तुम्हारी निजी श्रेष्ठता पर असर करेगा।"

इसके बाद जेट मुझे उपचार करने वाले अपने एक कमरे में ले गए। टॉमी हमारे पीछे पीछे आ गए। "ब्लैक, तुम्हारा अब अच्छा मनोरंजन होने वाला है।" टॉमी ने हंसते हुए कहा।

तुमने कभी मालिश करवाया है, ब्लैक।" जेट ने टेबल पर चद्दर बिछाते हुए कहा।

"नहीं।" मैंने जवाब दिया, हालांकि इस बात से मैं अनिभिज्ञ था कि मुझे किस तरह का अनुभव मिलने वाला है।

"अच्छा, तो मुझे एक बार तुम्हें मालिश करने की इजाजत दो। मुझे पता है कि तुम्हारा आज का दिन बेहद उत्तेजना भरा था, इसलिए अच्छा मालिश तुम्हें तरोताजा कर देगा।"

"ठीक है।" मैंने जवाब दिया और टेबल पर लेट गया। जेट ने मेरी गर्दन और पीठ पर मालिश करना शुरु कर दिया। जो तनाव पिछले कुछ समय से मुझे घेरे हुआ था वह तुरंत ही बर्फ की तरह पिघल गया। टॉमी सही कह रहे थे, जेट के हाथों में जादू है।

"तुम्हारे प्रति दिन निजी नेतृत्व के सुबह के एक घंटे के समय, सात अभ्यास करने का सुझाव मैं तुम्हें दे रहा हूं, ब्लैक। यह सभी साथ एक ही दिन करने की जरुरत नहीं है। वास्तव में, चोटी पर ले जाने वाले यह सातों अभ्यास एक समय करना नामुमकिन ही है। लेकिन यह मैं तुम्हें सिखाना चाहता हूं क्योंकि इन्हें मैं निजी नेतृत्व के औजारों की पेटी मानता हूं। यह सात बेहतर अभ्यास- सात सिद्धांत- जो भी गंभीरता से अपने अंदर के नेतृत्व को जगा कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता है उसके लिए यह बहुत ही शक्तिशाली औजार है। प्रति

दिन सुबह अपने अभ्यास के समय के दौरान इनसे लगातार जुड़ते रहने से, तुम बुकस्टोर में कमाल का नतीजा देख पाओगे- इसके साथ ही जीवन के हर क्षेत्र में भी। सम्पर्क में रहते समय, अगर तुम इन सात सिद्धांतों में से एक के प्रति भी लापरवाही दिखाई, सामान्यता आने में शुरुआत हो जाएगी, और दुश्मन जिसे 'साधारण' कहा जाता है, तुम्हारा हमेशा का साथी बन जाएगा।"

जेट ने मेरी गर्दन को पूरी ताकत के साथ गूंथना शुरु किया। "ब्लैक, तुम्हारे यहां कई तरह की गांठें हैं। मैं तुम्हें सुझाव देता हूं कि वास्तव में तुम्हें बीच-बीच में मालिश करवा लेने की जरूरत है। तुम्हारा स्वास्थ्य और ऊर्जा में इजाफा होगा। और तुम पूरी तरह खुद को खुश महसूस करोगे।"

"मैं इसका अवश्य समर्थन करूंगा।" दीवार पर टेकते हुए और अपने बालों से खेलते हुए टॉमी ने कहा, साथ ही वह अपनी स्पॉन्जबॉब स्क्वेअरपैंट की घड़ी की ओर भी नजर डाल रहे थे।

"जब तुम्हारे काम का स्तर किसी भी हालत में विश्वस्तरीय से नीचे होगा, तुम्हें पता लगेगा कि तुम फिर पीछे असफलता की ओर जा रहे हो इन सात सिद्धांतों में से एक में।"

"तो वह कौन से सात विशेष अभ्यास है जो मुझे करने है?" मैंने पूछा, मैं अब भी टेबल पर आराम से लेटा हुआ था।

"यह है वह," जेट ने कहा। "तुम्हारे लिए मैंने उन्हें कार्ड पर लिख कर रखा है। यह तुम साथ में ले जाओ। और प्रति दिन सुबह अपने निजी नेतृत्व की क्षमता बढ़ाने के लिए एक घंटे के दौरान इनमें से किसी भी बेहतर अभ्यास को चुनो और उस पर कार्यवाही करो। और इस तरह, मैं जोर देकर तुमसे बिनती करता हूं कि तुम अपने अभ्यास का यह घंटा प्रति दिन सुबह ५ बजे शुरु करो। जैसा कि, मैंने पहले सुझाव दिया था, यह नई आदत तुम में पूरी तरह शामिल होने के लिए ४० दिन लगेंगे। इन ४० दिनों में तुम शायद तनाव महसूस करोगे, तुम चिड़चिड़े हो जाओगे, और तुम थक भी जाओगे। तुम इन बहानों के साथ आगे आओगे कि- यह मेरे लिए उचित नहीं है या मैं जल्दी उठने का आदी नहीं हूं।" जेट ने हंसते हुए कहा। "लेकिन एक बात याद रखना, इसमें कोई गलत नहीं है- यह तो इस नई बढ़ती और तैयार हो रही आदत का ही एक जरूरी हिस्सा है। ४० दिन के बाद, जब तुम सुबह ५ बजे अपनी अंदरुनी शक्ति के लिए अपना दैनंदिन अभ्यास करने के लिए उठोगे तो तुम दूसरी प्रवृत्ति के बेहद शक्तिशाली इंसान बन गए होंगे।"

"सुबह पांच बजे मैंने?" अविश्वास से पूछा। "यह मुझे फौज के मेरे प्राथमिक प्रशिक्षण की याद दिला रहा है।"

यह प्राथमिक प्रशिक्षण ही है, ब्लैक। प्राथमिक प्रशिक्षण जो तुम्हें श्रेष्ठ नेतृत्व की ओर ले जाएगा। उन्होंने तुरंत ही संक्षेप में जवाब दिया।

जेट ने जैसे ही मालिश वाले कमरे की बत्तियां जला दी मैंने उन कार्ड पर नजर डाली।

निजी नेतृत्व के ७ सिद्धांत

१. ***सीखना*** प्रोत्साहित करने वाली किताबें पढ़ो, अपने चरित्र को सशक्त बनाओ और खुद को विश्व के विख्यात नेताओं की याद दिलाओ। साथ ही, बेहतरीन कारोबार, टीम तैयार करने, वेलनेस क्षेत्र में नई रचनात्मकता, संबंधों और निजी प्रोत्साहन के बारे में बनाई गई ऑडियो किताबे सुनो।

२. ***दृढ़ता*** जिस तरह का तुम नेता बनना चाहते हो और और जिस तरह की सफलता तुम पाना चाहते हो उसके लिए यह इकलौता सिद्धांत बेहतर कारगर है जिसकी मदद से तुम अपने दिमाग के सीमित विचारों और असफल करने वाले कार्यक्रमों के बारे में बार-बार सकारात्मकता ला सकते हो। उदाहरण के तौर पर, दृढ़तापूर्वक यह बात दोहराओ कि- आज मैं सकेंद्रित हूं, बेहतर हूं और जो भी मैं कर रहा हूं उसके प्रति बेहद उत्साही हूं। दिन की शुरुआत में कई बार इसे दोहराने से एक चैम्पियन की तरह तुम्हारे दिमाग में यह बात बैठ जाएगी और तुम खुद की भावनाओं पर काबू पाओगे।

३. ***कल्पना करना*** अपना दिमाग चित्रों की मदद से काम करता है। हर वह श्रेष्ठ काम- यहां इस न्यूयार्क शहर के ऊंचे टॉवर्स से लेकर अमरिकन किवंदतियों जैसे थॉमस एडिसन से लेकर बेंजामिन फ्रैंकलिन द्वारा किए गए चमत्कारी खोजों तक- की शुरुआत उनके कर्ताओं के दिमाग में उसके चित्रों की श्रृंखला की मदद से हुई। बाहरी दुनिया की उपलब्धि की शुरुआत मस्तिष्क के अंदर होती है। न दिखाई देने वाली रचनात्मका को वास्तव मे लाना ही असली तरक्की है। इसलिए अपने निजी नेतृत्व के प्रशिक्षण समय के दौरान, अपनी आंखें बंद करने के लिए समय निकालो- जैसा कि हर अच्छा खिलाड़ी करता है- अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कल्पना करो, बेहतरीन खेल खेलो, और अपने अंदर के नेतृत्व को पूरी तरह जगाओ।

४. ***डायरी लिखो*** एक साफ-सुथरा विचारक बनने का सबसे श्रेष्ठ तरीका यह है कि प्रति दिन डायरी लिखते रहो, स्व-जागृति को अच्छी तरह तैयार करने के लिए, और अपने इरादतन नतीजों को लिखने के लिए। अपने निजी तरक्की के उस एक घंटे में, अपनी अंतदृष्टि, भावनाएं, आशाएं और सपनों को लिखो। इसके साथ ही अगर तुम किसी निराशा से जूझ रहे

हो और वह तुम्हारे में गहरा डर निर्माण करने की प्रक्रिया से गुजर रहे हो। जिस डर को तुम स्वीकार करोगे वह डर जल्दी निकल जाएगा। सही रूप से खुद को पहचानो और अपनी उस प्रतिभा के साथ अच्छी तरह जुड़ जाओ जो बाहर आने के बेताब है। तुम्हारी डायरी में तुम्हारे जीवन के सफर के दौरान जो कुछ प्राप्त हुआ उसके प्रति कृतज्ञता जताने के लिए भी जगह छोड़ दो। तुम्हारा जीवन उपहार है। इसलिए वह कलमबद्ध करने के योग्य है।

५. ***लक्ष्य तय करना*** अपने लक्ष्य तय करना और फिर उससे जुड़ जाने का प्रति दिन अभ्यास करना एक सशक्त और सफल नियम है। तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे कैरिअर और जीवन में अच्छी तरह ध्यान केंद्रित करने के लिए बेहद लाभदायक साबित होगा। लक्ष्य आशा और सकारात्मक उर्जा का निर्माण करता है। और जब तुम दुर्भाग्यता महसूस करोगे- और हम सभी ने इसका वक्त-वक्त पर अनुभव लिया है - साफ तरीके से बनाया लक्ष्य तुम्हें नॉर्थ स्टार बनने की पेशकश देगा जो तुम्हें उफान वाले समुंदर से शांत लहरों की तरफ ले जाने में मार्गदर्शन करेगा। लक्ष्य यह भी तय करेगा कि तुम जीवन अकार्यक्षम और अप्रत्याशित घटना के बजाय जान बूझ कर और उत्पादनशीलता से जी रहे हो। जैसा कि मैंने पहले कहा था, कोमा में चलना टाल दो।

६. ***अभ्यास*** काम की जगह पर अपने शरीर को श्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए तैयार करने के बारे में मैंने बहुत कुछ कहा है, लेकिन अब सिर्फ इस बात को याद रखना कि शारीरिक रुप से प्रति दिन कुछ करने का मतलब है मस्तिष्क को चलने में मदद करना, उच्च ऊर्जाशक्ति को इंधन पहुंचाना, अपने तनाव को असरकारक तरीके से नियंत्रण में रखना, और खुद के ज्यादा समय तक खेल में रखना।

७. ***पोषक आहार*** तुम क्या खाते हो इस पर तुम्हारा प्रदर्शन निर्भर होता है। नेतृत्व तुम्हारे खाने से प्रभावित होता है। एक विजेता की तरह खाना खाने से, तुम्हारी ऊर्जा उच्च स्तर पर रहती है और तुम्हारा मिजाज सकारात्मक रहता है। कृपा कर इसके साथ ही यह भी याद रखना कि कम खाना खाने से तुम बेहतर काम कर सकते हो।

वाकई, बहुत अच्छे सुझाव है, जेट। हम तीनों फिर से जेट के आलिशान कमरे में जाते वक्त मैंने जबरदस्त प्रशंसा करते हुए कहा। मालिश की वजह से मैं खुद को अच्छा और तरोताजा महसूस कर रहा था। और जेट ने निजी नेतृत्व के सात सिद्धांत बहुत ही व्यावहारिक थे। निजी नेतृत्व के एक घंटे में अभ्यास करने के लिए अब मेरे पास चुनने के लिए नियमों की श्रृंखला थी और उसमें से

एक चुन कर मैं अभ्यास कर सकूंगा और पूरे दिन भर मैं विश्वस्तरीय प्रदर्शन दे सकूंगा। इसके साथ ही मैंने खुद को वचनबद्ध किया कि मुझे प्रति दिन सुबह ५ बजे उठना है। मैंने महसूस किया कि सिर्फ यही आदत मेरे स्व-भरोसे में ही कमाल के नतीजे ला सकती है, मेरा दिन बनाने की मेरी क्षमता पर नियंत्रण रख सकती है और मेरे पूरे जीवन पर असर डाल सकती है। मैंने जेट के साथ प्रति दिन जल्दी उठने की मेरी इच्छा को जताया। वह बहुत ही आनंदित हुए।

"अपने आप को उपाधि बिना नेतृत्व का एक बेहतरीन उपहार दो, यह उपाधि तुम्हे अपने आप मिलने वाला उपहार देही। प्रति दिन सुबह ५ बजे उठने का आशीर्वाद तुम्हें मिलेगा। इस विश्व में कार्यरत रहने वाले ज्यादा कर विश्वस्तरीय नेताओं की दिनचर्या यही होती है, ब्लैक। *तुम किस तरह से अपने दिन की शुरुआत करते हो इस पर तुम्हारा पूरा दिन कैसा रहेगा यह निर्भर होता है।* और अपने शुरुआती घंटों में तुम क्या करते हो इस पर आने वाले घंटों में तुम सफल होगे या असफल यह तय होता है। अपने निजी नेतृत्व की क्षमता को तैयार करने के लिए दिन के इस शुरुआती समय का अच्छी तरह इस्तेमाल करो। दोस्त, इसके साथ ही यह ध्यान में रखना भी बेहद जरुरी है कि सुबह उठने के बाद तुम्हारा पहला विचार और रात को सोते वक्त तुम्हारे दिमाग में आया विचार इन दो विचारों के दौरान क्या-क्या हुआ उसे प्रभावित करता है।" जेट ने बताया।

"सही रुप से लुभावना।" मैंने जवाब दिया। "यह सब बेहद मददगार है। और आपने पहले दिया मेरे भावनात्मक जीवन को साफ करने का सुझाव भी मेरे लिए काफी मददगार साबित होगा। लंबे समय तक मैं गुस्सैल और नाखुश था। मेरे भावनात्मक जीवन को क्या, विशेष कर प्रभावित करता था?"

ब्लैक, सबसे पहले तुम्हें जो काम करना है वह यह है कि, उन बातों को भुलने की जरूरत है जो भुलाई देनी जरुरी है। ज्यादातर लोग अपने प्रति दिन सुबह काम के स्थान पर यह नकारात्मक भावनाएं लेकर आते हैं क्योंकि वह पुराने विश्वासघात और पिछली बातों की वजह से अप्रसन्न और गुस्से से पूरी तरह भरे होते है। इस अप्रसन्नता को दूर करने के लिए स्व-नेतृत्व की जरूरत होती है। जिन लोगों को माफ करना है उन्हें माफ कर देना चाहिए और पहले जो बातें हुई उन्हें निकाल देना चाहिए क्योंकि यही बातें तुम्हारी अनमोल रचनात्मकता को खा जाती है। *अपनी पिछली बातों में अटक कर तुम सुनहरा भविष्य बना नहीं सकते।* क्योंकि जो हताशा तुम पकड़ कर चल रहे हो वह तुम्हारी शक्ति को थाम रही है। इससे छुटकारा पाने से, तुम ढेर सारी ऊर्जा, उत्साह और क्षमता को मुक्त कर देते हो।" जेट ने एक पानी की बोतल में नींबू निचोड़ते हुए कहा।

"और फिर मैं किस तरह अपनी पुरानी बातों को निकाल कर श्रेष्ठ नेतृत्व करने के लिए जगह बना सकता हूं?" मैंने सवाल पूछा।

"ब्लैक, बहुत ही आसान निर्णय के साथ तुम इसकी शुरुआत कर सकते हो। मेरे लिए बेहद उत्तेजित करने वाली बात यह है कि तुम और तुम्हारे पूरी तरह होने वाले बदलाव में जो चीज खड़ी है वह है फैसला। सिर्फ सोचो, अभी इसी समय, तुमने उन सभी लोगों को और घटनाओं को माफ कर दिया है जिन्होंने तुम्हें दुख दिया था, निराशा किया था। जैसे ही तुम माफ करने के लिए ईमानदारी से कदम उठाओगे, उसी समय तुम्हारी सफाई की प्रक्रिया शुरु हो जाएगी। साथ ही, यह भी याद रखना कि, जिन लोगों ने तुम्हें दुखाया है वह अपना बेहतर काम कर रहे थे क्योंकि उनकी वह सोच उनके अपने निजी जीवन के सफर के दौरान तैयार हुई थी। अगर उन्हें पता होता कि बेहतर कैसे बना जा सकता है, तो वह शायद बेहतर काम करते। और अंत में, यह बात याद रखना कि दुखी लोग ही दुख पहुंचाते है।"

"सिर्फ दुखी लोग ही दुख पहुंचाते है?"

"हां। वाकई सशक्त लोग- जिनका अंदरुनी जीवन कमाल का होता है- वह किसी को दुख नहीं पहुंचाते। वह पूरी तरह स्व-सम्मान, सकारात्मक भरोसा, प्रोत्साहन, दूसरों में श्रेष्ठ देखने के इच्छुक और वह जो भी करेंगे उसमें श्रेष्ठ करने की इच्छा होती है वह सिर्फ किसी को नीचा दिखाना नहीं चाहते। उनकी गतिविधियों में किसी दूसरे को क्षति पहुंचाना शामिल नहीं रहता। उनमें यह इच्छा होती ही नहीं। सिर्फ वही लोग जो किसी स्तर पर घायल हो चुके होते हैं और जिन्हें किसी और ने दुखाया होता है वही लोग बाहर जाकर अपने इर्दगिर्द लोगों को दुख पहुंचाते है।"

"गहन विचार।" मैंने गंभीरता से अवलोकन किया। मैं थोड़ी देर रुका। "और आपने कहा कि अगर मैं प्रति दिन सुबह निजी नेतृत्व के लिए दिए जाने वाले एक घंटे में से थोड़ा सा समय मानसिक जीवन सुधारने के लिए दूं, वह कैसे?"

"ठीक है। ब्लैक, मैं तुम्हें सशक्त रुप से इस बाते के लिए प्रोत्साहित करता हूं कि तुम प्रति दिन सुबह अपने आशीर्वाद गिनो। डर का विरोध कृतज्ञता है। चिंता और प्रोत्साहन एक ही जगह नहीं रह सकते। और जिन चीजों को तुम प्रोत्साहित करोगे वह तुम्हारे मूल्य को प्रोत्साहित करेगी। मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि तुम्हारे दिन के शुरुआती सिर्फ पांच मिनट भी तुम अपने जीवन में अच्छे काम को मनाने के लिए बीताओगे तो वह तुम्हें खुशियों की ऊंचाई पर ले जाएंगे। यह तुम्हें घिसा पीटा लगेगा, *खुशहाल व्यक्ति हमेशा खुशहाल नेता तैयार करते हैं।* और खुशहाल नेता न सिर्फ अच्छा काम करते है- अपने इर्दगिर्द वह ज्यादा मजेदार माहौल भी तैयार करते है।"

"बहुत ही मददगार, जेट।"

"बहुत बढ़िया। तो मुझे अब शाइन शब्द के एच अक्षर पर जाने दो। बहुत ज्यादा देरी हो रही है और मुझे वापस जल्द काम पर भी लौटना है। तुम्हारे साथ

बहुत ही अच्छी मुलाकात रही, ब्लैक। लेकिन मैं अपने ग्राहकों को भी भुलना नहीं चाहता। वह पूरी तरह मुझ पर निर्भर है।"

"चिंता की कोई बात नहीं।" मैंने जवाब दिया। "इस बात को मैं पूरी तरह समझ सकता हूं।"

"एच अक्षर तुम्हें स्वास्थ्य ही धन (हेल्थ इज वेल्थ) की याद दिलाएगा। कसरत कर शारीरिक रूप से सक्षम और सशक्त रहने का महत्व मैंने तुम्हें पहले बताया था। उच्च स्वास्थ्य एक तंबू के खंभे की तरह होता है : जो सबकुछ उठा सकता है, तुम्हारे पूरे जीवन के बिना। तुम्हारा स्वास्थ्य उच्च स्तर पर ले जाओ और अन्य सभी विभागों में- तनाव के समय साफ-सुथरे रूप से सोचने की तुम्हारी क्षमता जो तुम्हारे काम और मिजाज पर असर करती है वहां तक- उस पर अच्छी तरह ध्यान दो। स्वास्थ्य ऐसी चीज है जिसे हम साधारण रूप से लेते हैं और जब वह खत्म हो जाती तब हमें उसकी अहमियत समझ में आती है। और वह लोग जो बुरी तरह से २४ घंटे स्वास्थ्य वापस लाने की कोशिश करते है। अगर तुम अपना स्वास्थ्य खो देते हो- और मैं प्रार्थना करता हूं कि तुम उसे खो न दो- उसे दुबारा लाने की कोशिश करने के अलावा दूसरी कोई बात महत्वपूर्ण नहीं है। यहां मुझे एक पुरानी कहावत याद आ रही है : 'जब हम युवा होते हैं तब हम हमारे स्वास्थ्य का संपत्ति के लिए त्याग कर देते हैं, और जब हम वृद्ध और जानकार बन जाते हैं, तब हम हमारी संपत्ति का हर एक हिस्सा एक दिन के अच्छे स्वास्थ्य के लिए त्याग करने के लिए तैयार हो जाते हैं।' और अगर तुम्हें मेरी इस बात पर भरोसा नहीं है, ब्लैक। आज जब हम हमारा काम पूरा करेंगे और तुम अपने घर जाओगे, उस समय तुम किसी अस्पताल के पास रुकना। अस्पताल के अंदर वार्ड में जाकर देखना जहां लोग मृत्युशय्या पर पड़े हुए हैं। और फिर उनमें से किसी एक से यह पूछना कि वह अपने जीवन के बदले क्या दे सकते है। उन्हें यह भी पूछना कि एक दिन के अच्छे स्वास्थ्य के बदले वह क्या दे सकते है। मुझे पूरा यकीन है कि वह कहेंगे कि वह उनके पास जो भी है सबकुछ देने के लिए तैयार है। अगर तुम अपना स्वास्थ्य खो दोगे, तुम अपना सबकुछ खो दोगे। अपने साथ यह कभी भी न होने देना।"

मैं पूरी तरह चूप हो गया। जब से मैं युद्ध से लौटा हूं, मैंने कभी भी अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया। मैंने व्यायाम करना बंद कर दिया। मैं जंक फूड खाने लगा था। मैंने कभी अच्छी तरह आराम भी नहीं किया। आज जब मैं इस कमाल के माहिर मसाज चिकित्सक के सामने खड़ा हो गया तो मुझे यह महसूस हुआ कि, मैं अगर अपने स्वास्थ्य को अभी गंभीरता से लेने की शुरुआत करता हूं तो मैं फिर से शारीरिक रूप से सशक्त हो जाऊंगा, लगभग मेरे जीवन के हर विभाग में सुधार आ जाएगा। काम की जगह मुझमें ज्यादा ऊर्जा आएगी और मैं खुद को चीजों पर ज्यादा सकारात्मकता दिखाऊंगा। शायद मैं ज्यादा रचनात्मक बन जाऊं, और निश्चित ही मुझमें ज्यादा उत्साह होगा। मुझमें ज्यादा

सहनशीलता आएगी और मैं संस्थान में आने वाले किसी भी बदलाव का सामना करने के लिए मजबूत हो जाऊंगा। मेरे घरेलू जीवन में, मुझे सोफे में ज्यादा समय तक समय बिताने की जरुरत नहीं है। मैं नया हुनर सीखना शुरु कर सकता हूं और ज्यादा मजे कर सकता हूं। मैं खुद को बेहतर और जीवट भरा समझने लगा था।

"स्वास्थ्य अच्छे व्यक्ति के सिर पर पाया जाने वाला ताज है जिसे सिर्फ एक बीमार व्यक्ति ही देख सकता है।" जेट ने सशक्तता से जोड़ दिया। "कृपया कर मुझसे यह न कहो कि तुम्हारे पास प्रति दिन व्यायाम करने के लिए समय नहीं है। क्या तुम जानते हो, जो प्रति दिन व्यायाम के लिए वक्त नहीं निकालते वह प्रति दिन बीमारी के लिए वक्त निकाल रहे हैं।"

जेट का सुझाव बेहद सादा लेकिन कमाल का महत्वपूर्ण था। उसे मैंने दिल से लगा लिया।

"और हां, कृपया और एक बात याद रखना, *तुम्हारा स्वास्थ्य तुम्हारे स्व-चरित्र से ज्यादा बेहतर नहीं होना चाहिए।* जब तुम अपनी प्राकृतिक नेतृत्वक्षमता पर पूरी तरह भरोसा करने लगोगे और सही रुप से तुम कितने कमाल के हो, तुम्हारे स्वास्थ्य के प्रति तुम्हारा व्यवहार और बेहतर बनेगा। लेकिन यह सब अपने अंदर होता है।" उन्होंने जोर दिया।

"इन बातों में कुछ मतलब है। अगर मैं वाकई अपने बारे में नहीं सोचू, तो मैं अपनी ज्यादा फिक्र नहीं कर पाऊंगा।"

"सटीक।" मेरे जवाब से खुश होकर उन्होंने जवाब दिया।

"शाइन में का आई अक्षर प्रेरणा का प्रतीक है।" टॉमी ने बताया।

"हां।" जेट ने कहा। "बिना प्रेरणा को महसूस किए दिन बिताने का मतलब है तुम जीवन पूरी तरह नहीं जी रहे हो। तुम्हें प्रेरणा का कुआं प्रतिदिन भर देना चाहिए, क्योंकि प्रति दिन की चुनौतियां जीवन को खाली कर देती है। अगर तुम खुद प्रेरित नहीं हो और तुम्हारे में ऊर्जा का अभाव है तो फिर तुम किस तरह अपने सहयोगियों को काम करने के लिए और तुम्हारे ग्राहकों को खरीदने के लिए प्रेरित कर सकते हो? उस कमरे में रहने वाले तुम सबसे ज्यादा प्रेरित व्यक्ति हो जो हमेशा कुछ भी करने के लिए तैयार रहता है।"

"मुझे यह बात बहुत पसंद आई, जेट। कृपया मुझे कुछ व्यावहारिक सुझाव दे सकते है?"

"प्रेरणा को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए संगीत सुनना एक बेहतरीन और अच्छा रास्ता है। ऐसे रुचिप्रद लोगों के साथ मेल मिलाप बढ़ाना जो कुछ अलग करना चाहते है, उच्च नैतिकता वाले, और शुद्ध रुप से असली, यह तुम्हारे उत्साह को आगे बढ़ाने के साथ ही तुम्हें श्रेष्ठ नेतृत्व दिखाने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रकृति के साथ जुड़ना भी अपनी रचनात्मकता को कायम रखने और काम में श्रेष्ठता हासिल करने के लिए एक बेहतरीन और कारगर रास्ता है जिससे तुम

हमेशा उत्सहित रहोगे। जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं जंगल की ओर जाता हूं। ऊंची झाड़ियों के बीच में से अकेले चलना एक चमत्कारी दवा का काम करता है और शहर में आया तनाव तुरंत ही निकल जाता है। और मैं उन झाड़ियों से फिर से एक नया जीवन लेकर चला आता हूं। हम में से ज्यादातर लोगों का यह मानना है कि इस तरह जंगल में जाकर अपनी रचनात्मकता को जलाए रखने और उत्साह प्राप्त करने का मतलब समय की बरबादी करने जैसा है। और वह तब जब तुम कुछ भी नहीं कर रहे हो। लेकिन तुम्हारे मस्तिष्क, शरीर, भावनाएं और हिम्मत को फिर से ऊर्जा से भर देने की वजह से असलियत में तुम कारोबार में आज के कठिनता भरे समय में कठोर बन उसका सामना कर सकते हो। अगर तुम पूरे समय अपनी पूरी क्षमता से काम करोगे, तो तुम्हारी क्षमता का भांडार बहुत तेजी से कम होने लगता है। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला श्रेष्ठ व्यक्ति इस बात को अच्छी तरह समझता है कि उच्च प्रदर्शन और अंदरूनी नवीनीकरण में समय समय पर बदलाव करते रहना चाहिए। और जब तुम्हारे अंदर का नेता फिर से उभर कर आता है और पुनःप्रेरित होता है, तुम और सशक्तता, और रचनात्मकता और बेहद खुशी से अपने काम पर लौट सकते हो। मैं तुम्हें जो क्रियाएं करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूं वह तुम्हारे अंदर के नेता को फिर से जागृत करने में मदद करने वाली है। वह तुम्हारे उत्साह को फिर जलाएगी और तुम्हारी श्रेष्ठता के आड़े आने वाले हर बंद दरवाजे को खोल देगी।"

"और शाइन शब्द में के एन अक्षर का मतलब?" मैंने पूछा।

"अपने परिवार की उपेक्षा न करना (निग्लेक्ट नॉट योर फैमिली)। तुम्हारे प्रियजन बेहद मायने रखते है। सर्वोच्च सफलता हासिल करने का क्या मतलब है- जैसा कि मैं महसूस कर रहा हूं तुम हासिल करने वाले हो- जब इसका मजा सिर्फ अकेले ही ले पा रहे हो? जब तुम यहां आए थे उस समय मैंने तुमसे पहले ही बताया था कि यहां पर कैसे ऐसे कई बिलियनर्स आते है जो अपने आलिशान महल में अकेले ही जिंदगी बिताते है। इसमें क्या मतलब है? अपने परिवार के सदस्य और दोस्तों के साथ अच्छा और बेहतरीन रिश्ता बनाने से तुम इतनी बेहद खुशी हासिल कर सकते हो जिसकी कोई कीमत नहीं कर सकता। दिन के अंत में, ब्लैक, वास्तव में तुम्हें इतना खुश होने की जरूरत नहीं : तुम जो काम कर रहे हो उस पर गर्व महसूस करते हुए, प्रति दिन रात को तुम्हारे खाने की मेज पर आने वाले बेहतरीन खाने से, अच्छे स्वास्थ्य से, और लोग जिनसे तुम प्यार करते हो। घर में बनाए गए बेहतर रिश्तों की नींव पर तुम काम पर भी सशक्त और बेहतरीन नतीजे प्राप्त कर सकते हो। जिनसे तुम प्यार करते हो उन अपने परिवार के सदस्यों की चिंता करना तुम्हारे नेतृत्व और निजी सफलता के लिए एक बेहद शक्तिशाली और गति बढ़ाने वाली बात है।"

"जो मुझे ई अक्षर दे रहा है।" जेट ने आगे जोड़ा। "मेरे रुपवर्णी शब्द शाइन में का ई मुझे निजी नेतृत्व के पांचवे और अंतिम नियम की याद दिलवा

रहा है : तुम्हारी जीवनशैली को ऊपर उठाओ (इलेवेट योर लाइफस्टाइल)। जीवनशैली एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम बेहद कम बातें करते हैं। लेकिन हम जो जीवन जी रहे है उसके लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। अपनी जीवनशैली सुधारने के लिए प्रति दिन कुछ करते रहो। जैसा कि मैंने तुम्हें पहले सुझाया था, जीवन में हमेशा प्रथम श्रेणी में चलो। तुम सिर्फ एक बार ही जीवन जीते हो, को फिर क्यों न इसे पूरी तरह जिया जाएं?"

"जेट, लेकिन मुझे याद आ रहा है कि आपने कहा था कि ज्यादा से ज्यादा चीजें हासिल करने का मतलब सही नेतृत्व नहीं?"

"उपाधि बिना नेतृत्व करने वालों के लिए निश्चित ही यह प्राथमिकता वाली बात नहीं है, ब्लैक। लेकिन कृपया एक बात याद रखना : यह पूरी तरह इंसानी और प्राकृतिक बात है कि लोग अच्छी चीजें हासिल करना चाहते हैं। अच्छी चीजों को हासिल करने में दोषी मानने जैसी बात क्या है? अपने काम में श्रेष्ठ रहने, अपने अंदर के नेता को जगाने, और ज्यादातर अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन को निश्चित रूप से जताने के लिए ज्यादातर अभूतपूर्व प्रदर्शन करना चाहिए। लेकिन इसके साथ ही जीवन का आनंद भी लेना चाहिए। इसमें मुख्य सूत्र यह है कि वह चीजें तुम्हें हासिल कर ले इसके पहले ही तुम उन चीजों को हासिल कर लो। और यहां अपने संवाद का आखरी बिंदू सामने आता है।"

जेट का चेहरा गंभीर नजर आ रहा था। उन्होंने कुछ पल के नीचे की ओर देखा। टॉमी उठ कर खड़े हो गए और फिर हमारे पास आकर हमसे जुड़ गए।

"अच्छी चीजें पाना अच्छी बात है। खूबसूरत जीवनशैली एक खूबसूरत अनुभव होता है। लेकिन तुम जो एक इंसान हो जो बहुत ही होशियारी से संबंध जोड़ते हो। जीवन का मुख्य उद्देश्य सीधे तरीके से यही है कि जो तुम चाहते हो वह तुम्हें प्राप्त होगा ही। हालांकि, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम वह है जो नेता तैयार करते हैं जब दूसरे लोग मतभेद पर ध्यान केंद्रित करते है। काम और जीवन का एक ही मकसद है और वह है योगदान।"

"जेट, इस बारे में मैं और सुनना चाहता हूं।" मैंने महसूस किया कि, जेट अब उपाधि बिना नेतृत्व के लिए क्या जरूरी है इसका संक्षेपण करने जा रहे हैं।

"*तुमने क्या पाया यह सफलता नहीं है, ब्लैक। सफलता का मतलब है कि तुमने इसके बदले वापस क्या दिया है।* जैसा कि मैंने कहा, लंबा जीवन भी अस्तित्व में जो कुल योजनाएं हैं उनके लिए काफी छोटा है। टॉलस्टॉय ने एक बहुत ही अच्छी लघुकथा लिखी है जिसका शीर्षक है, इंसान को कितनी जमीन की जरूरत होती है? इस कहानी के अंत में सीख यही मिलती है कि, अच्छी चीजों के पीछे भागते हुए हमने हमारे जीवन के जो बेहतर दिन गंवाएं उन चीजों का कोई मतलब ही नहीं है। हमें वास्तव में उस समय एक चीज की जरूरत होती है, और वह है छह फीट जमीन की, जब हमारा अंत नजदीक आया हुआ होता है तो हमें सिर्फ छह फीट जमीन की ही जरूरत होती है। उस समय उन

सभी चीजों को गिनने का क्या मतलब जब हम उन्हें अपने पीछे छोड़ कर जा रहे हैं। मैं तुम्हें तुम्हारी अपनी पैतृक संपत्ति के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूं। मैं तुमसे यह पूछना चाहता हूं कि जब तुम इस दुनिया में नहीं रहोगे तो तुम किस रुप में याद किया जाना चाहोगे। 'इंसान की श्रेष्ठ और सफल पैतृक संपत्ति यही है कि वह किसी न किसी उद्देश्य के लिए जिएं।' तत्ववेत्ता मोंटेन ने यह बात कही है। अगर तुमने अपने जीवन में उपाधि बिना नेतृत्व करना अस्वीकार किया और अपने इर्दगिर्द के लोगों को अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दिखाया तो यह इस विश्व का सबसे बड़ा घाटा होगा। उपाधि बिना नेतृत्व करने वाले प्रति दिन अपनी पैतृक संपत्ति के बारे में सोचते है। वह यही सोचते है कि जब वह इस दुनिया में नहीं रहेंगे तो किस रुप में उन्हें याद किया जाए। वह यह सोचते हैं कि ऐसा कौन सा काम किया जाना चाहिए जिससे कई पिढ़ियों पर अपनी छाप छोड़ सके और उन्हें याद किया जा सके। वह यह सोचते है कि उन्हें किस तरह का इंसान बनना है और फिर वह अपने जीवन में बेहतरीन, अर्थपूर्ण और शक्तिशाली काम करते है। इन चीजों को सही रुप से हासिल करो, और फिर यशस्वी पैतृक संपत्ति तुम्हारी हो जाएगी जिससे तुम जिंदा रह सकोगे। और फिर, तब, जब तुम जिंदा नहीं रहोगे, लोग तुम्हारे बुकस्टोर में आएंगे और जिस विभाग में तुम काम करते थे, उसकी दीवार पर लगे उस फलक की ओर देखेंगे जिस पर तुम्हारा नाम लिखा है, और फिर कहेंगे, हां, यहां पर कभी एक ऐसा किताब विक्रेता काम करता था जिसने उपाधि बिना नेतृत्व किया और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।"

मैंने अपने अंदर भावनाओं का सैलाब उमड़ते हुए देखा।

"इसलिए, कृपया यह बात याद रखना ब्लैक, आज का दिन- और तुम्हारे अंतिम समय तक का हर दिन- तुम्हारे लिए किसी मंच से अलग नहीं है जहां पर तुम अपना नायकत्व दिखा सकते हो। मुख्य सवाल यही है कि क्या आज हम जिस कारोबार में काम कर रहे हैं, वहां पर वाकई इस मौके का फायदा उठा कर अपनी श्रेष्ठता का एक अलग नमूना पेश करने का ढ़ाढ़स तुम में हैं। और एक बात, तुमने यह कर दिखाया, तुम तुम्हारे सहयोगियों का जीवन भी संपन्न करोगे, तुम्हारे ग्राहकों का भी, और तुम्हारे परिजनों का भी। और फिर तुम्हारे बाद जो लोग आएंगे उनके सामने तुम एक ऐसा चमत्कारी इंसानी स्मारक पेश करोगे जो उपलब्धि पाने के लिए पूरी तरह से उत्साही था। और उन्हें प्रेरित करोगे।"

हम जहां खड़े थे वहां पर कुछ देर के लिए पूरी तरह शांति छा गई। टॉमी हिले नहीं, और न ही जेट। मुझे लगा कि उनकी आंखों से आंसू आ रहे है। मैं क्या करूं यह मेरी समझ में नहीं आ रहा था। उसके बाद, अचानक तुरंत ही बेहद नाटकीय तरीके से टॉमी ने अपना हाथ उठाया और जेट की पीठ थपथपाई।

"दोस्त, तुम बेहद उत्तेजित हो गए हो, उसे झटक दो, मेरे भाई।" और वह हंसने लगे।

जेट भी हंसने लगे। "मुझे पता है, मुझे पता है।"

जल्द ही हम तीनों जोर-जोर से हंसने लगे। यह बहुत ही विलक्षण पल था। जो मैं कभी नहीं भूल सकता। लेकिन उसी समय कुछ अनपेक्षित घटना घटी। टॉमी फिर से खांसने लगे। खांसी का दौरा हल्का नजर आ रहा, लेकिन जल्द ही वह तीव्र हो गया, टॉमी न सिर्फ खून की खांसी खांस रहे थे बल्कि वह बुरी तरह कांप भी रहे थे। मैं तुरंत ही दौड़ कर उनके पास गया, जेट भी ऐसे ही किया, और हम दोनों हमारी ओर से उन्हें मदद करने की पूरी कोशिश करने लगे।

"मेरा समय आया है।" सिर्फ यही बात वह फुसफुसा रहे थे, "अब मेरा समय आ गया है।"

बिना उपाधि के नेतृत्व की
दार्शनिकता का चौथा संवाद

श्रेष्ठ नेता बनने के लिए,
सबसे पहले श्रेष्ठ इंसान बने

५ नियम

सष्टता से देखें (सी क्लीयरली)
स्वास्थ्य ही संपत्ति हैं (हेल्थ इज वेल्थ)
अंतःप्रेरणा का महत्व (इन्स्पिरेशन मैटर्स)
अपने परिवार की उपेक्षा न करें (निग्लेट नॉट योर फैमिली)
जीवनस्तर को ऊपर उठाएं (इलेवेट योर लाइफस्टाइल)

तुरंत उठाए जाने वाले कदम

आपकी डायरी में, अपने अंदरूनी नेतृत्व को फिर से जगाने और अपने दिमाग, शरीर, भावनाएँ और अपने जोश को परमश्रेष्ठता के अगले स्तर पर ले जाने के लिए जरूरी पांच चीजों की सूची बनाएं। फिर अगले सात दिनों तक इन पांच लक्ष्यों को बिना किसी रुकावट से कार्यरत करें ताकि आप इनकी संवेगी ताकत आपके लिए काम कर सकें।

याद रखने लायक नेतृत्व वक्तव्य

अगर कोई पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को पूरा करने और अपने जिस जीवन की कल्पना की है उस जीवन को जीने की कोशिश करें तो, उसे वह सफलता प्राप्त होगी जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी।

— हेन्री डेविड थोरे

अध्याय ८

उपसंहार

उ**स अविस्मरणीय दिन, जिस दिन** उपाधि के बिना नेतृत्व के दार्शनिक तत्व की जानकारी मुझे दी गई, उस दिन के बाद मैंने मेरे गुरु टॉमी को फिर कभी नहीं देखा। मुझे उम्मीद थी कि आने वाले सोमवार की सुबह बुकस्टोर में उनके साथ मेरी मुलाकात होगी। मैंने सोचा था कि उनके द्वारा सिखाए गए सशक्त नेतृत्व के गुर, मैं अपने निजी जीवन में अमल में लाकर उसके अविस्मरणीय नतीजे दिखाने के लिए उनके साथ आने वाले समय में मिल कर काम करूंगा। लेकिन मेरी यह इच्छा पूरी नहीं हुई।

उन चार विशेष गुरुओं को मिलने के बाद, मुझे पता चला कि टॉमी इस दुनिया में नहीं रहे, उनका देहांत हो गया, तो मुझे लगा कि जैसे मेरा जीवन ही उज़ड़ गया। वह कैन्सर से जूझ रहे थे, लेकिन अपनी बीमारी के बारे में उन्होंने किसी को नहीं बताया था। ॲना ने बताया था कि, टॉमी चाहते थे कि बीमारी को लेकर कोई भी उनकी चिंता न करें। वह अपने अंतिम दिन लोगों की मदद कर गुजारना चाहते थे- और उपाधि बिना नेतृत्व का संदेश लोगों तक पहुंचाना चाहते थे जिस संदेश की वजह से उनके निजी जीवन में बदलाव आया था। ॲना ने भावनात्मक होकर बताया कि, उस दिन उन्होंने मुझे यह बिना उपाधि के नेतृत्व का संदेश देने के लिए काफी समय व्यतीत किया था। वह उनका अंतिम उपहार था तुम्हारे लिए।

अंतिम संस्कार के समय ॲना, टाय, जैकसन और जेट ने टॉमी के अच्छे पहलुओं से उपस्थित लोगों को अवगत कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुझे पता चला कि वह बेहद गरीबी से ऊपर आए थे। उन्होंने अपनी बचपन की सहेली के साथ शादी कर ली थी और उसके साथ ४४ वर्ष तक संसार किया। कुछ समय पहले ही उनकी पत्नी का देहांत हो चुका था। हर तरह के चॉकलेट उन्हें पसंद थे। उन्होंने अपनी सारी संपत्ति बच्चों के लिए काम कर रही संस्था को दान कर दी। टॉमी के अंतिम संस्कार में हजारों की तादाद में लोग उपस्थित थे। रास्ते पर खड़े होकर लोगों ने मौन रखते हुए टॉमी को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह इसलिए हुआ क्योंकि उपाधि बिना नेतृत्व कर इस सादे किताब बेचने वाले ने हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ काम देने की कोशिश की थी, और लोग उनका सम्मान करते थे।

कुछ समय बाद सिसकते हुए ॲना ने मेरे हाथ में एक पैकेट थमाया। टाइ, जैकसन और जेट उसकी बगल में ही खड़े थे। उनकी आंखों से भी आंसू झलक

रहे थे और उनके चेहरे को देख कर पता चल रहा था कि उन्हें भी बेहद दुख हुआ है।

"ब्लैक, यह तुम्हारे लिए है। टॉमी ने मुझे यह तुम्हें देने के लिए कहा था। क्या तुम्हे पता है, वह तुम्हारी बेहद प्रशंसा करता था। तुमने देश के लिए जो किया था उसका वह आदर करते थे। तुमने खुद के लिए क्या किया, तुम्हें सफल नेता बनाने के लिए दिया गया उनका आमंत्रण तुमने स्वीकारने की सारी बातें उन्होंने हमें बताई थी। ब्लैक, इमानदारी सरे कहूं तो, मुझे लगता है कि वह तुमसे बेटे जैसा प्यार करते थे, क्योंकि उनका कोई बेटा नहीं था। बात करते-करते ॲना रो रही थी और साथ ही बालों में लगाए फूलों को भी ठीक कर रही थी। खैर, कुछ भी हो हम सभी के साथ संपर्क में रहो। यह लड़के और मैं हमेशा, जब भी तुम्हें जरूरत हो, तुम्हारी मदद के लिए उपस्थित होंगे। दिन या रात के किसी भी समय। अब तुम भी हम में से ही एक हो। हमने हमारा एक अच्छा दोस्त खो दिया है, लेकिन निश्चित ही हमने और तुम्हारे रूप में एक दोस्त पा भी लिया है।"

ॲना ने मुझे आलिंगन दिया और वह निकलने की तैयारी करने लगी। टाई, जैकसन और जेट ने भी बिलकुल ऐसे ही किया।

"ॲना ने मेरा उत्साह बढ़ाते हुए कहा- उपाधि बिना नेतृत्व का जो तत्व तुमने सीखा है उसे उस हर उस व्यक्ति तक पहुंचाना जिससे तुम मिलते हो। आज इस धरती पर जीवन व्यतीत करने वाला हर व्यक्ति अगर अपने अंदर के नेता को पहचान कर उस पर अमल करें तो हर संगठन चाहे वह किसी भी तरह का हो तरक्की करेगा और विश्व में एक व्यापक बदलाव नजर आएगा, उसके बाद हम जिस भी चीज को हाथ लगाएंगे वह बेहतर ही नजर आएगी।"

"अन्य तीनों गुरुओं ने भी सौम्य स्वर में एक साथ कहा कि, हम निश्चित ही तुम्हें जल्द ही मिलेंगे।

जेट ने इसमें जोड़ते हुए कहा कि, और हां, एक बात मत भूलना, *तुम्हारा जन्म विस्मयकारी नतीजे दिखाने के लिए ही हुआ है।*

उसके बाद मेरे चारों दोस्त चर्च से चले गए।

मैंने बैठने के लिए जगह देखी और बैठ गया, बैगपाइपर से निकलने वाली शास्त्रीय संगीत की धुन सुनते हुए मैंने आहिस्ता से वह लिफाफा खोला। उसके बाद मैंने वह पत्र बेहद सावधानी से पड़ा जो लिफाफे में था। चर्च की स्टेनग्लास लगी खिड़कियों में से सूरज की धीमी रोशनी कमरे में आ रही थी, साथ ही हवा के झोंके भी कमरे में आ रहे थे। पत्र की लिखावट बेहद खराब थी। लेकिन मैं स्पष्ट रूप से शब्द पढ़ पा रहा था। और उन शब्दों की ताकत मेरी समझ में आ गई। उन्होंने जो भी कहा था वह इस तरह है -

प्यारे और महान ब्लैक,

सबसे पहले, तो मुझे इस बात के लिए माफ करना क्योंकि मैंने तुम्हें मेरी बीमारी के बारे में कुछ भी नहीं बताया। मैं नहीं चाहता था कि मेरी निजी स्थिति उस रास्ते में आए जिसमें मैं तुम्हें कुछ सीखने की भेंट देने जा रहा था और तुममे वह बदलाव लाना चाहता था जिसे सुनने के लिए तुम तैयार हो गए थे। चुनौतियों का शांति से सामना करना सिखते हुए मैं बड़ा हो गया था और मुझे पता था कि मुझे कई मौके मिलेंगे। निश्चित ही। कोई नहीं चाहेगा कि वह बीमार हो। लेकिन मेरी स्थिति की वजह से मैं मजबूत, गहराई तक और सकारात्मक सोच वाला इंसान बन गया। और मुझे आशा थी कि एक इंसान के रूप में मैंने जो कुछ अच्छी बातें सीखी थी वह सभी तुम्हें सौंपने का रास्ता मुझे मिल गया था जिसमें मैं सफल हो जाऊंगा।

तुम्हारे माता-पिता बहुत ही अच्छे इंसान थे। और उन्होंने पालन-पोषण कर एक अच्छा बेटा तैयार किया। मुझे यह सब पता है। और मैं बीते जमाने में तुमने जो कुछ दिया है और आने वाले समय में तुम जो कुछ करने वाले हो उसके लिए तुम्हारा आदर करता हूं। उस खूबसूरत सुबह के समय बुकस्टोर में तुमसे जो मुलाकात हुई वह मेरे लिए वास्तविक खुशी का मौका था। मिकी माउस वाले रुमाल के लिए क्षमा चाहता हूं। मेरी पत्नी ने हमारी शादी की पहली वर्षगांठ पर मुझे वह रुमाल तोहफे के रूप में दिया था। उस समय हम डिजनीलैंड में थे। वह रुमाल मुझे हमेशा उसकी याद दिलाता था। स्पाँजबॉब घड़ी मैंने खुद खरीदी थी।

मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरे जाने की खबर मिलने के बाद तुम्हारा दिल दुख से भर जाएगा, यह पत्र तुम्हारे पास अंतःप्रेरणा, लक्ष्य और हाल ही में सीखे उपाधि बिना नेतृत्व के प्रति वचनबद्धता लेकर पहुंचेगा। अब तुम अपने अंदरुनी नेता को जंजीरों से मुक्त कर उसे बाहरी दुनिया में लाने के लिए पूरी तरह से तैयार किए गए हो। अब तुम जीवन में आने वाली हर चुनौतियों का सामना करने और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हो। और निस्संदेह ही तुम अब एक ऐसी स्थिति में हो, जिसके रास्ते में आने वाले हर व्यक्ति के भविष्य को सुधारने के साथ ही उसके सामने एक श्रेष्ठ व्यक्ति की प्रतिमा भी खड़ी कर सकते हो। मुझे पता है कि यह काम तुम निश्चित ही करोगे। तुमने मुझसे वादा किया है कि यह काम तुम करोगे। और हम दोनों यानी मैं और तुम्हारे पिता वचन निभाने की परंपरा पर अमल करना जानते हैं जो भुल चुकी गई है।

ब्लैक, कारोबार अपने आप खत्म हो जाएगा। और मेरी बूढ़ी आंखों में समाज बेहद अस्ताव्यस्त नजर आ रहा है। लोग रिश्तों के बजाय चीजों को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। अपने आदर्शों पर अमल करने के बजाय हम हमारे अहंकार को ज्यादा महत्व देने लगे हैं। हम में से ज्यादा तर लोग श्रेष्ठता हासिल करने में आ रही नाकामयाबी के लिए बाहरी चीजों को दोष देते हैं हालांकि उन्हें अपने अंदरुनी डर और कमजोर भावनाओं को समझ लेना चाहिए। और, सबसे

दुख की बात यह है कि यही बात ज्यादा से ज्यादा लोकप्रिय हो रही है जिसकी वजह से यह नीतिमत्ता, वीरता और अच्छाई से भी ज्यादा लोकप्रिय हो गई है। मैं तुम्हें यह सुझाना चाहता हूं कि लोग अपने नेतृत्व का उत्तरदायित्व भूल रहे हैं जो कभी हमारी संस्कृति का एक हिस्सा था। आज हम उसकी उपेक्षा कर रहे जो अपने जीवन से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। और हमने हमारी प्राथमिकताएं भी गलत जगह पर लाकर रख दी है। हम इस समय खुद पर ही ज्यादा ध्यान दे रहे हैं और खुद का ही विकास करना चाहते हैं, हालांकि हमें हमारे आसपास के सभी लोगों का विकास करने के लिए मदद करनी चाहिए। मैं तुम पर भरोसा करता हूं और तुम्हारे उदाहरण से लोगों को यह बताना चाहता हूं कि उनका जन्म भी श्रेष्ठ बनने के लिए ही हुआ है। लोगों ने खुद को उस झूठ के सुपुर्द किया है, जो मानते हैं कि वह कुछ कर नहीं सकते और वह आगे नहीं आ सकते, जो पूरी तरह झूठ है। तुम नेतृत्व करने के तरीकों की जानकारी देकर कई लोगों की मदद कर सकते हो जो तुम्हें बताए गए हैं। और भी कई लोगों को उपाधि बिना नेतृत्व की दार्शनिकता जानना बेहद *आवश्यक* है, ब्लैक। और इसका सही समय निश्चित रुप से अब आ गया है।

मेरे जीवन में तुम्हारा आना एक असली सम्मान है। मुझे उम्मीद है कि मैंने तुम्हारी पूरी मदद की होगी और वह वादा पूरा किया जो कुछ वर्ष पहले मैंने तुम्हारे बेहतरीन पिता से तुम्हें मदद करने का किया था। मेरा मानना है कि अगर मैं किसी व्यक्ति के जीवन में थोड़ा भी सुधार ला पाया तो मेरा यह जीवन धन्य हो गया। और यह संधी देने के लिए मैं तुम्हारा बेहद आभारी हूं।

मेरे, प्यारे युवा दोस्त, तुम्हें हर तरह की सफलता मिले यही मेरी कामना है। ऊंचे सपने देखो। खूबसूरत जीवन जियो। और अपनी अंतिम सास तक उपाधि बिना नेतृत्व करो।

ढेर सारे स्नेह के साथ,
टॉमी

ताजा कलम- पोर्शे आज से तुम्हारी है, जाओ मजा करो।

लिफाफे में कार की चाबियों का एक गुच्छा था। तुरंत ही मेरी समझ में आया कि अंतिम बार दयालुता दिखाते हुए और मुझे प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने क्या किया। उन्होंने अपनी कार मुझे दे दी थी और मेरा कार का वह सपना पूरा किया था। मैं सन्न रह गया।

मुझे नहीं लगता कि मैं, टॉमी और उन चार शिक्षकों द्वारा मेरे लिए जो किया गया था उसका ऋण कभी चुका पाऊंगा। मेरा कैरिअर सफलता की ओर मुड़ा और मेरे जीवन में ऐसे बदलाव आए जो मैंने सपने में भी नहीं सोचे थे। मैं

आज भी उन्हें याद करता हूं। लेकिन मैं महसूस करता हूं कि टॉमी के जीवन को मनाना है कि तो उन्होंने मुझे जो सिखाया वह मैं आपके साथ बांट दूं।

टॉमी जिस दिन मुझे पहली बार बुकस्टोर में मिले थे, उस वक्त उपाधि बिना नेतृत्व की दार्शनिकता को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का मैंने उनके साथ जो वादा किया था उसे निभा रहा हूं। मैंने यह किताब लिखी और उनके उन शब्दों को आप तक पहुंचाया है जो टॉमी और अन्य चार शिक्षकों ने मेरे साथ समय बिताते हुए मुझे सिखाए थे। मैं आपसे सिर्फ इतनी ही बिनती करता हूं कि आप भी इस सशक्त तत्व को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की कोशिश करें। ऐसा करने से आप, अच्छे सहयोगी बनाने, संगठन को अच्छा बनाने और एक बेहतरीन विश्व का निर्माण करने का अपना किरदार निभाएंगे। और आप अपने अंत के समय यह जान जाएंगे कि आपने अपने अंदर की प्राकृतिक नेतृत्व शक्ती को उजागर किया और इस प्रक्रिया में कई लोगों के जीवन को भी ऊपर उठाया। *इसलिए आपके जीवन का आखरी दिन आपके जीवन का सबसे श्रेष्ठ दिन होगा।* आंथ्रोपोलॉजिस्ट मारग्रेट मेड का निरीक्षण है : इस बात पर कभी भी शक मत करना कि, विचारक और प्रतिबद्ध लोगों का छोटा समूह दुनिया नहीं बदल सकता। अवश्य, बदल सकता हैं, क्योंकि यही हुआ है। सच्चाई से भरे शब्द।

उपाधि बिना नेता बनने के लिए जरूरी साधन

अभी-अभी आपने ऐसा *नेता जिसको कोई उपाधि नहीं* किताब पढ़ कर पूरी कर दी है, अब आपके सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसकी शुरुआत कैसे करें- इसकी शुरुआत में सबसे पहले उपाधि बिना नेता के दार्शनिक तत्व को अपने जीवन की दिनचर्या में शामिल करें, या फिर कुछ भी न करें और शून्य बदलाव का अनुभव लें। असली और लंबे समय तक परिणाम करने वाले नतीजे प्राप्त करने के लिए, हम आपको प्रोत्साहित करते हैं कि अगले २४ घंटे में इन साधनों का पूरा पूरा फायदा उठाएं।

www.theleaderwhohadnotitle.com

☐ इस किताब में दी गई कल्पनाओं पर तुरंत ही अमल करने के लिए मुफ्त में आडियो कार्यक्रम

☐ उपाधि बिना नेतृत्व दिखाने का मूल्यांकन करने वाले औजार

☐ उपाधि बिना नेतृत्व के कोड ऑफ कंडक्ट

☐ उपाधि बिना नेतृत्व की भेंट प्रति

☐ उपाधि बिना नेतृत्व की ऑनलाइन आंदोलन से जुड़े

www.robinsharma.com

संगठनात्मक और निजी तौर पर उपाधि बिना नेतृत्व के पूरे साधन www.robinsharma.com पर उपलब्ध हैं। इसमें आडियो कार्यक्रम, पॉडकास्ट, लेख और रॉबिन शर्मा के ब्लॉग शामिल हैं। अपने संगठन के लिए उपाधि बिना नेतृत्व का प्रेजेंटेशन देने के लिए रॉबिन शर्मा की बुकिंग करने के बारे में भी सभी तरह की जानकारी इस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

ट्विटर

रॉबिन शर्मा को ट्विटर पर फॉलों करें -

www.twitter.com/robin_sharma

फेसबुक

रॉबिन शर्मा के सफर, कार्यक्रम और कम्युनिटी के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संपर्क करें - www.facebook.com/theofficialrobinsharmapage

हमें आपकी मदद चाहिए

अगर आप यह किताब पढ़ने के बाद इस किताब में दी गई बिना उपाधि के नेतृत्व के दार्शनिक तत्व से प्रभावित है और अगर आप चाहते हैं कि अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी देकर उनके अंदर छुपे नेतृत्व गुण को बाहर निकालें, तो हम आपके लिए कुछ ऐसे आसान कदम बताने जा रहे हैं जिस पर तुरंत ही अमल कर आप सकारात्मक फर्क महसूस कर सकते हैं।

- ☐ ऐसा *नेता जिसको कोई उपाधि नहीं* किताब अपने सहयोगी, रिश्तेदार, दोस्त इतना ही नहीं अनजान व्यक्तियों को भी भेंट के रूप में दे दें। वह भी इस किताब की मदद से बिना उपाधि का नेतृत्व करना सीख जाएंगे और बेहतर जीवन जी सकेंगे।
- ☐ इस किताबों में लिखे विचारों को आप फेसबुक, ट्विटर या फिर जिस भी वेबसाइट पर आप जाते हैं वहां बांट दें। अगर आपकी खुद की वेबसाइट है तो आप बिना उपाधि का नेतृत्व पर ब्लॉग लिखे या फिर *नेता जिसको कोई उपाधि नहीं* किताब की समीक्षा छाप दें।
- ☐ अगर आप किसी कंपनी के मालिक हैं या फिर मैनेजर- या फिर कोई भी नहीं तो भी इस किताब को खरीदने में निवेश करें ताकि आपके कर्मचारी, सहयोगी बिना उपाधि का नेतृत्व करने के बारे में सीखते हुए चोटी पर पहुंचने में कामयाब हो जाएं।
- ☐ अपने स्थानीय अखबार, रेडियो स्टेशन या फिर ऑनलाइन मीडिया के दोस्तों से कह कर इस किताब के लेखक का इंटरव्यू जारी कर दें ताकि लेखक यह बात अच्छी तरह बता सकें कि काम और निजी जीवन में किस तरह बिना उपाधि नेतृत्व कर सफलता हासिल करते हुए जीवन स्तर सुधारा जा सकता हैं।

संपर्क करें-

www.theleaderwhohadnotitle.com

और बिना उपाधि के नेतृत्व की मुहिम से आज ही जुड़े।

बुजुर्गों के लिए साधन

फौज से नागरी जीवन में सहजता से शामिल होने में ऑनलाइन मदद करने के लिए अमरिकी सेना के सेवानिवृत्त फौजियों के लिए 960vets.com की स्थापना की गई है। इस वेबसाइट के जरिए आप अपने घर पर ही निजीगत रुप से २४×७×३६५ संपर्क में रह सकते हैं। नागरी जीवन में बेहतर तरीके से जीवन जीने के लिए आपको जब भी चाहे और जितने समय तक चाहे निजीगत और गोपनीय तरीके से मदद प्राप्त हो सकती है।

960vets.com आप और आपके परिवार को देता है-

- युद्ध के बाद के ट्रॉमॅटिक स्ट्रेस सिंड्रोम से लेकर विभिन्न विषयों पर जैसे युद्ध के बाद के परिणाम आदि पर वीडियो द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है, इसके अलावा रिश्तों को दोबारा बनाने, गुस्से पर नियंत्रण रखने, स्वास्थ्य अच्छा रखने और काम में सफलता हासिल करने के लिए विशेषज्ञों द्वारा सलाह भी दी जाती हैं।
- 960vets.com ऑनलाइन कम्युनिटी के माध्यम से अन्य सेवानिवृत्त फौजियों को भी मदद की जाती है।
- बेहतरीन काम करने और श्रेष्ठ तरीके से जीवन जीने के लिए मदद करने वाले मौल्यवान साधन इस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आज ही 960vets.com भेंट दे।

बनाएं उपाधि बिना नेतृत्व वाला संगठन

- आज के विपदाग्रस्त माहौल में सफलता हासिल करने के लिए संगठन के अपने हर साथी को उपाधि बिना नेतृत्व करने के लिए मदद करें। *नेता जिसको कोई उपाधि नहीं* किताब यूनिवर्सिटी, कंपनियां, स्कूल, सरकारी कार्यालय, एनजीओ और कम्युनिटी केंद्र के लिए एकमुश्त आर्डर देने पर विशेष कीमत पर पहुंचाई जाती हैं। अपने कर्मचारियों को नेतृत्व गुण दिखाने के लिए प्रेरित करने के लिए यह एक उपयुक्त भेंट है, जिसकी मदद से उनका जीवन सशक्तता के साथ पूरी तरह बदला जा सकता है।
- संपर्क करें सिमॉन और शूस्टर (विशेष विक्री विभाग) १-८६६-२४८-३०४९ या फिर लॉग ऑन करें- **business@simonandschuster.com.**
- रॉबिन शर्मा या फिर उनके प्रमाणित शिक्षकों द्वारा अपनी टीम के लिए बिना उपाधि के नेतृत्व के बारे में प्रस्तुतीकरण देने के लिए, कृपया www.robinsharma.com पर शर्मा लीडरशिप इन्फॉर्मेशनल इंक के लिए संपर्क करें।

लेखक के बारे में

संगठनात्मक और निजी नेतृत्व पर विश्व भर में सलाह देने वाले भरोसेमंद व्यक्ति के रूप में रॉबिन शर्मा पहचाने जाते हैं। विश्वभर के संगठनों द्वारा उनके कर्मचारियों के लिए उपाधि के बिना नेतृत्व करने की सीख देने के लिए शर्मा लीडरशिप इन्क की स्थापना रॉबिन शर्मा ने की है जो विश्व स्तर पर संगठनों को सलाह देने का काम करती है। उनके ग्राहकों में कई फॉर्च्यून ५०० कंपनियां जैसे की, माइक्रोसॉफ्ट, आईबीएम, जीई, फेडेक्स, बीपी, नाइके, यूनिलीवर और क्राफ्ट आदि कंपनियों के साथ ही येल यूनिर्वसिटी और वाईपीओ आदि संगठन भी शामिल हैं। निजीगत तौर पर विश्व भर के शीर्ष के नेतृत्व गुरु के रूप में किए गए एक सर्वेक्षण में रॉबिन शर्मा का नाम जैक वेल्च और रुडी जियुलियानी के साथ दूसरे नंबर पर लिया जाता हैं।

अमरिकी सेना से निवृत्त हुए बुर्जुग फौजियों को फिर से नागरिक जीवन जीने के लिए ऑनलाइन मदद करने वाली 960vets.com के रॉबिन शर्मा सहसंस्थापक है। नेतृत्व पर ९ बेस्टसेलर किताबें लिखने वाले रॉबिन शर्मा की किताबों में पहले नंबर पर द *ग्रेटनेस गाइड और* द *मॉन्क व्हू सोल्ड हिज फेरारी* किताबें हैं। रॉबिन शर्मा की किताबें ५५ देशों में लगभग पचहत्तर भाषाओं में छपी है, जिसकी वजह से वह विश्व में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले लेखकों में से एक है।

मानव समाज की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध, रॉबिन शर्मा ने, बच्चों में नेतृत्व गुण निर्माण करने की मदद के लिए द रॉबिन शर्मा फाउंडेशन फॉर चिल्ड्रन की नींव रखी है और इस संस्था की ओर से वह बच्चों को मदद करते हैं।

अधिक जानकारी के लिए
robinsharma.com को भेंट दें